



The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

9. 18] No. 18] नई विस्ती, गनिकार, अप्रैल 30, 1994/वैशाख 10, 1916 NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 30, 1994/VAISAKHA 10, 1916

हरू आहे. या फिल्म पुष्ठ सहता की आती है जिससे कि यह अलग संकालन के रूप में रखा का सक

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—बण्ड 3—हण-बण्ड (ii) PA % I रि—Section 3—Sub-section (iii

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांत्रिधिक आदेश घीर अधिसूचनाएं Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

> विधि, न्याय श्रीर कंपनी कार्य मंद्रालय (विधि कार्य विभाग) नई क्लिनी, 15 श्रप्रैल, 1994

का.मा. 1003.—केन्द्रीय सरकार, नोटरी अधिनियम, 1952(1952 का 53) की धारा ६ के उपबन्धों के अनुसरण में, भ्रपने द्वारा नियुक्त किये गये श्रौर वर्ष 1994 के प्रारंभ में विधि व्यवसायरत नोटरियों की स्वी प्रकाशित करती है:—

%म सं. नोटरी का नाम	आवास ग्रौर व्यवसाय की	अर्हत₁एं	वह क्षेत्र जिसमें वह विधि व्यवसाय करने के लिये प्राधिकृत है,
1 2	3	4	5
	गगरेट एंड कं. श्रलीचेंबर नगीन्नदास सास्टर रोड, सेधोन सेंट फोर्ट, बंबर्ध	श्रधिवक्ता वंबई	संपूर्ण भारत
2. भगवती प्रसाद खेतान	1–बी, म्रोल्ड पोस्ट म्राफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	एटर्नी एट लाकलकता उच्चन्याः	संपूर्ण भारत

1 2	3	4	5
3 एवंश्री रवीन्द्र कृष्ण देव	टेम्पल चैमेंर्यस् 6 स्रोल्ड पोस्ट स्नाफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	एटर्नीएटलाकलकता उच्चस्याः	<i>म</i> नणं भारन
 हिंसाव् प्रकाश गांग्ली 	4, डीश्वर दत्त लेन, हाबडा (प. अंगान)	ग्रिधिवक्ता कलकत्ता उच्च न्या .	स्त्वं भारतः (
ड. कशीर कुरसर् <mark>डे म</mark> लिक	मार्फन माटिनर्बन लि. ३२ स्थिन रा एक्स, कलकत्ता—1	एटर्नी एट ला कलकत्ता प्रच्या न्यायालय	संपर्ण भारत
6 राग मोहंन चटर्जी	भार्फत में धौर दि नाम एंड कं . सोसिसिटर्भ 29 नेताजी सुभाष रोष्ट, कलकता	मालिमिटर कलकत्ता उच्च त्याय ,	पश्चिम बंगाल, बंगाल, श्रमम, बिहार, उ.ध. ग्रौर पंजाब
7. प्रभु दयास हिम्मत सिहका	6 ग्रोल्ट पोस्ट भ्राफिस कलकत्ता	श्रटर्नी एट ला कलकत्ता उच्च न्याय.	संपूर्ण भारत
s विषटर ठलियस भौसेंस	6 स्रोत्र पोस्ट प्राफिस स्ट्रीट, कलकता 🤚	भटर्भी ¤ड ला कलकता उच्च न्याय.	बुंधर्ण भा र त
🥲 मलक राज बधावन	ग्रधिवक्ता जलंधर सिटी, पंजाब	श्रक्षिवक्ता पंजाब उ . न्या . श्रक्षिवक्ता	पंजाय श्रीर छ.प्र.
10. मनोहर लाल कपृर	3/ ९ पटेल नगर (पू .) नई दिल्ली	ग्रधिवक्ता	विल्ली संघ राज्य क्षेत्र
1 ।. हरप्रसाद मेहरा	नं . 3060 चर्षेवालान दिल्ली	ग्रधिवक्ता पंजाब छ . न्या .	संघ राज्य श्रेद्ध किल्ली
$_{12}$. चमन लाल ग्ररोड़ा	1 ∩, न्यू कोर्ट रोड, ग्रम्तसर,	ग्रधिवक्ता	संपूर्ण भारत
13 दामं। दर देवजी दामोवर	मार्फत मैं . कांगा एंड कं . सालिसिटर रेडीमनी मेंशनस 43, वीरनारी मन रोड़, बंबई	साविसिटर	महाराष्ट्र
। 4. देव प्रसाद पोष	मार्फत फाउलर एंड कं सालिसिटर एंड एडवोकेटस एंड री जेंट हाउस, 12. गवर्नमेंट 'लेस, पूर्व कलकत्ता69	ब्रटर्नी नोटरीज,	संर्ण भारत
15. कथमल हिमतसिंग का	6, श्रोल्ड पोस्ट ग्राफिस, ग्रटर्नी स्ट्रीट, कलकत्ता	भ्रटनी	संपूर्ण भारत
16 राम किणल गर्ग	5 ६ ग्रोल्ड विजय नगर कालोनी, श्रागरा (उ . प्र .)	वकील	ग्रागरा जिला ध्रागण
17. सी.एच. पार्दी वाला	भार्फत मै . क्राफोर्ड वैले एंड कं . स्टेट बैंक विदिडगर, वैंक स्ट्रीट, बंबई–1	मालिसिटर	संपूर्ण भारत
18. शचीन्द्र शी. सेन	भ्रटर्नी एट लॉ टम्पल चैंबर्स, पहली मंजिल, ६ ओल्ड पोस्ट ग्राफिस स्ट्रीट, कलकत्ता ।	घटनीं	कलके चा
19. डी.ए. मेहता	ग्रधिवक्ता, 43बी हनुमान रोड, नई दिल्ली।	बार एट लॉ	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र
20. दुर्गा प्रसाद तुलस्यान	ग्रधिवक्ता, झुनभून, राजस्थान	म्रधिक्ता	धृनस् न जिला, राजस्थान
21. एम.जा. दासित	मै . एम . जी .सोसित एंड कं . सालिसिटर, 35-एम्बैसी मार्किट, ग्रहमदाबाद ।	ब्रटनीं	गुजरात और महाराष्ट्र
22. नूर मोहम्मद	भ्रधिवक्ता उदयपुर, राजस्थान 	भ्रधांवक्ता 	उदयपुर जिला, (राजस्थान)

	2	3	4	5
23.	सर्बक्षी पी .सी . कृरियन	14, कोंडी चट्टी स्ट्रीट, II फ्लोर, मद्रास-2	स्रधिवक्ता	मद्रास और केरल
	ा. सो. स्राई. वेंकट सुबहुमण्यन	140, कास कट रोड, कोयम्बत्त्र	अधिवक्ता	कोयम्बन्तूर जिला
	पुष्कर लाल जुनेजा	एफ-1, शंकर मार्किट, कनाट सर्कस, नई दिल्ली नई दिल्ली	ग्रधिव ग ्ना	संपूर्ण भारत
26.	जगन नाथ	मिबिल लाईन, मोगा, जिला फिरोजपुर (पंजाब)	प्रधिवक्ता	मोगा मुख्यालय फिरोजपुर: जिला और साथ ही मोगा स्थित मुख्यालय सहित संपूर्ण फरीदकोट जिले में ब्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत।
2 7.	रामजी दास	गुम्बारा स्ट्रोट, भटिंडा (पंजाब)	ग्रधिवक्ता	जिला भटिका
28-	बाल कप्ण सिंघल	श्रधिव≉ता हनुमान गढ़ टाउन, जिला गंगानगर (राजस्थान)	श्रधिवक्ता	हनुमान गट्ट स्थित मुख्यालय सहित जिला गंगानगर (राजस्थान)
29.	जी.सी. वर्मी	प्रधिवक्ता और शप्थ श्रायुक्त ई/12, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली	ग्रधिनक्ता	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र
30.	पी.एल.गांधी	भ्रधिवयता, गांधी बाग के सामने, सूरत	श्रधिवक्ता	जिला सूरत
31.	,, ए.श्रार. मलकानी	म्रधिवक्ता, बी.बी.जेड. एन 6 गांधीधाम (कच्छ)	ग्रधिवक्त <u>ा</u>	संपूर्ण भारत
32-	एन . सी . शाह	नं . 1 वर्डवान रोड, पहली मंजिल, स्रलीपुर, कलकत्ता-27	श्रधिवक्ता कलकत्ता	कलकत्ता और नई दिल्ली
33.	टी . दलीप सिंह	मार्फत मैं . किंग पैद्रिज मेकिंड फ्लोर कैथेलिक सेंटर क्रा मेनियन स्ट्रीट, बाक्स नं . 12।, मद्रास-1	ग्रधिवक्ता	मद्रास, संपूर्ण भारत
34.	जे .चार . गगराट	मार्फत मैं . गगराट एंड कं . स्रली चैम्बर्स, नगीनदास मास्टर रोड, फोर्ट, बंबई-1	म्रधिवक्ता	वंबई, संपूर्ण भारत
3 5.	बृज मॉहन मेहना	1 3ए/ए राजिन्दर नगर, नई दिल्ली	श्रधिवक्ता नई दिल्ली	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र
3 6.	मुरजीत सिंह सू व	23, नेताजी पार्क जालंधर सिटी, (पंजाव)	श्रधिवक्ता,जलंधर	जलंधर, पंजाब
37.	जगजीत सिंह बेंस	376, एतः . माङल टाउन जालंघर सिटी पंजाब	श्रधिवक्ता, जलंधर	जलंधर, पंजाब
38.	पूनम जप्त सोम चन्द णाह्	3 5-एम्बेसी मार्किट दिनोण हाल के पास, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद-9	ग्रधिवक्ता	गुजरात
39.	ऍच∵एम∵भगत मार्फत	श्रम्भू भाई एंड दीवान जी सालिसिटर एंड एडवोकेटस इंडस्ट्रीज	श्रधिवक्ता और सालिसिटर	गुजरात
40.	एचे.बी. छत्र पनि	मार्फत मैं . भाई णंकर कंगा गिरधारी लाल मानक जी वाडिया सालिमिटर विल्डिंग, बेल लेन, फोर्ट बंबई-1 और मार्फन मैं . भाई शंकर कंगा और गिरधारी लाल, गुजरात समाचार भवन, खानपुर, ग्रहमदाबाद	ग्रधिवक्ता और सालिसिटर	संपूर्ण भारत

1 2	3	4	5
41. सर्वर्शाजी.एस. व्याम	3 5, लावण्य नगर, जी वाराज पार्क रोड, इलिप्रास क्रिज, श्रहमदाबाद-7	प्रधिवक्ता	श्रहमदाबाद शहर
42. श्रमर सिंह	जमीयत सिंह रोड, मोगा. जिला फरीदकोट, पंजाब	भ्र <u>धिय</u> क्ता	मोगा, जिला फरीदकोट पंजाब
43. बी .एच . ग्रनतिया	मार्फन में . मुल्ला एंड मुल्ला द्वंड ग्रेंग प्लेट एंड कैरोइस, सालिमिटर एंड नोटरीज, जांहागिर वाडिया बिल्डिंग, 51 महात्मा गांधी रोड, वम्बई-1	ग्रटर्नी ग्रो र ग्रधिवक्ता	संपूर्ण भारत
4.4. त्री.पी. भृतला	रघुनाथ बिल्डिंग, टाउन हाल राजकोट, गुजरात	ग्रधिवक्ता	रां कोट और जूनागढ़ जिला
4.5. बी.के.भाह	मनसुध निवास, नेरी चाहिपवाङ, बड़ौदा-6	ग्रधिवक्ता	अड़ौदा
46. रमेश जे. मेहता	नादियाद, जिला केरा, गुजरात राज्य	ग्रधिवक्ता	कैरा पंचामा जिला
47. बसंत लाल डी. मेहता	मार्फत मालवी रणछोड़ दाम एंड कं . सालिमिटर एंड एडवोकेट यू यसफ विल्डिंग, महात्मा गांधी रोड, फोर्ट, बम्बई	सार्लिमिटर	महाराष्ट <u>्</u> र
48. मोहिन्द्र सिह	277, सैंदन गेट, जालंधर	भ्र धिवय्ता	संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली उ.प्र. और हरियाणा
49. राजिन्द्र कुमार भट्ट	एस- 401, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली- 48	अधियमता	संघ रा. क्षेत्र दिल्ली
5 0. नारायण प्रसाद गोयल	ई-165, नारायण बिहार, नई दिल्ली-48	अधिवक्ता	
51. एस .हसन कोया	चला पुराभ कालीकट, केरल	श्रधिवक्ता	कालीकट और माला पुरम जिला
52. सलिल कुमार गांगुली	5 0-रामतनु बोस लेन, कलकत्ता-6	भ्रटर्नी एट लॉ एंड ग्रधियक्ता	कलकत्ता
53. पलव कुमार बनर्जी	मैं . टी . बनर्जी एंड कं . सालिसिटर एंड एडवोकेटम टैपल 6 ओल्ड चेम्बर्स, नं . पोस्ट ग्राफिस स्ट्रीट	सालिमिटर श्रधिवक्ता	कलकत्ता
54. एमा. वार्ड. एसा. मेनन	मै . मजूमदार एंड कं . इस्मायल विल्डिंग, 381, डा . डी .एन . रोड, (फ्लोर फाउन्टेन) बंबर्द	सालिसिटर और अधिवक्ता	ग्रेटर बंबई
55. बृत. भूपण गुप्ता	कलाल मंजरी, अंबाला सिटी	म्रधिवक्ता	ग्रम्बाला सिटी
56. रघुवीर सिंह कुल्हार	धीरवा तहसील, राजस्थान	श्रधिवक्ता	चिरवा सहसील
57. सलेमात्री गुरबोनी	202, कंबर नगर, रजा-का-तालाब, जयपुर	ग्रधिवक्ता	जयपुर
58. नन्द किशोर पारिख	321, नाहरगढ़ रोड, गोपाल हलवाई की गली, जयपुर	ग्रधिवक्ता	जयष्र
59. ग्ररिबलेश्वर दास बदगल	रेस्टोरेन्ट, जौहरी बाजार, जयपुर-302003	ग्रधिवक्ता	जयपुर
60. डी.ग्रार. जैनवाला	मैं. डी. श्रार. जैवाला एंड कं. सालिसिटर्स रेडीमनी मेंगन 43, वीर नारीमन रोड, फोर्ट, बम्बई	सालिसिटर और ग्रधिवक्ता	ग्रेटर बंबई

1 2	3	4	5
 सर्वश्री एथाँनी दा कांस्टा 	मैं . दा-कोस्टा एंड दा-कोस्टा एडवोकेट्स एंड टेक्स कन्सलटेंटस, 21/12, महा मा गांधी रोड़ , पहली मंजिल, बंगलौर-1	ग्रधिव क् ता	संपूर्ण भारत
62. श्रीमती सूमित श्ररविन्द पाटिल	236, जैन टीम पल तोड़, गोमेस नगर, हिन्दवाड़ी, बेलगांव, कर्नाटक	म्रधिव क् ता	जिला बेलगाम
63. टी.एम, सेन	मैं . खैतान एंड कं . सालिसिटर्स एंड एडवॉकेट्स हिमालय हाउस, मातवाँ मंजिल, 23 कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।	भ्रटर्नी एट ला	संपूर्ण भारत
64. श्रीमती एन. श्रनुसूयाबाई	4624/1, शिवाजी रोड़, एन प्रार $.$ मोहल्ला, मैंस्ट-7	ग्रधियक्ता	मैसूर सिटी
6६. पवननाथ गंगाधर गोखले	ए-76, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली,	म्रधिय क् ता	संपूर्ण भारत
66. राम नरेश लाल गृष्ता	''बिहारी धाम'', सी-28/70 तेलियात्राग, वाराणसी, कैन्ट. उ.प्रदेश ।	म्रधिव क् ता	वाराणसी उ. प्रदेश
67. समन ग्रमगरग्रली पूरावाला	12-इस्माइल बिल्डिंग, 381 डा. दादाभाई- नीरोजी रोड़,फोर्ट, बंबई 1	ग्र धिव क्ता	महाराष्ट <u>्</u> र
58. श्रवधेण कुमःर वर्मा	मार्फत श्री रवराम वर्मा, सिविल को टे बाराणसी, उत्तर प्रदेश	ग्रधिव क्त ा	जिला वाराणसी उत्तर प्रदेश
69. गृलाम ताहिर	डी-50/29 गाजीपुरा कला वाराणसी, उत्तर प्रदेश	ग्रधिवक्ता	जिला बाराणसी उत्तर प्रदेश
70. टी.के. षुणम्गा मन्॥ू	8/8 हज्र रोड़, कोयम्बट्र-641018	ग्रधिवक्ता	कोयम्बट्र
1. रामेन्द्र कुमार राय	37 साउथ कुमार पारा लेन, कलकत्ता-42	म्र <u>धियक</u> ्ता	कलकत्ता श्रीर 24 परगना
2. रब्बीर सहाय हिनकारी	सिविल कोर्टस कानपुर	ग्रधिवक्ता	कानपुर श्रौर दिल्ली
3. ग्रोम प्रकाश जैन	ए-5-वी / 1 26-वी, जनकपुरी, नई दिल्ली-58	ग्रधिवक्ता	दिल्ली
74. बिमल कुमार बनर्जी	3, बंक्गाल स्ट्रीट, कलकत्ता-1	ग्र िवक्ता	कलकत्ता स्रोर 24 परगना
75. पदमसी दांजी खोना	45, टैमरिन्दू स्ट्रीट, फोर्ट बंबई-23	प्रधिवक्ता	ग्रेटर बंधई
76 जी . ए. बनातवाला	मार्फत पायने एंड कं., एसपलाडे हाउस, वःउडवे रोड, फोर्ट, बंबई-1	ग्र <u>धिवक्</u> ता	संपूर्ण भारत
7. लीयो बेनेडिकट वेलहो	कोस्टा परेरा बिल्डिंग दूसरी मंजिल, मारगोंवा सैलेथट गोवा	भ्रधिवक्ता	संपूर्ण भारत
78. कुमारी जसवंत कौर	एच-21, कैलाग कालोनी, नई दिल्ली	ग्रधिवक्ता	दिल्ली संघ राज्य क्षेट्र
79. इस्वजलागुर बलसारा	मं. पीयने एंड कं., एसप्लान्डे हाउस, वाडडवे रोड, फोर्ट बंबई-1	भ्रधिवक्ता	संपूर्ण भारत
80. बरश्रेम डी. सिल्या शेनाई	92, ''सतमन'' कुपेपरेष्ठ, बंबई-5	भ्र <u>धिवक्ता</u>	संपूर्ण महाराष्ट्र

1	2	3	4	5
81.	रामेण्वर दयाल ्षत	88, सी णास्त्री नगर, जोधपुर मुक्तसर, जिला फरीबकोट, पंजाब	ग्रधिवक्ता	जिला जोधपुर
82.	ध्लचग्द	मुक्तसर, जिला फ रीदकोट, पंजाब	श्रधिवक्ता	अंडीग₅ संघ राज्य क्षेत्र
83.	राम रतन लेख	ईएस-553, मोहिला भवदुरा, जालंधर सिटी	भ्रधिवन्ता	जालंधर सिटी
84	एम .ग्राई. सेठना	फजलभाई बिल्डिंग, इसरी मंजिल, 45/57, एम.जी. रोड़, फोर्ट, वंबर्ट-1	श्राधिवक्ता	बंबई के अन केण्वर और का पार्ट <i>हैत</i>
85	तुर्गा शंकर दन्ने	ग्रीसवालवा राजस्थान बांसवाड़ा-1	म्रधिवक्ता	श्रांसवाङ्ग जिला राजस्थान
86.	मुरलीधर राव नायक	मकतानपुर, गृलबर्गा, कर्नाटक	ग्रधिम न्ता	गुलबर्गा जिला उदरपृर
87.	भगवती प्रसाद भट्ट	11-ज्ञान मार्ग उद्यपुर, राजस्थान	ध्र धिव क्ता	उदयपुर
88.	जनकलाल ग्रग्धवाल	9, ब्लेनविल्ले रोड़, दार्जिलिंग	ग्र <mark>धिवक्</mark> ता	द्रार्जिलिग
89.	के सी . सिधवा	शाखा सचिवालय वंग्रई, श्राय-कर भवन, एनैक्सी, न्यू मेरीन लाईन्स, बंग्रई-20	के. सरकार का श्रिधवक्ता और सारि	संपूर्ण भारत तसिटर
90.	सूरत कुमार भास्कर	खेतड़ी जिला झुनझुनु, राजस्थान	ग्र धिव क्ता	खेतड़ी राजस् यान
	देवी शरण चोपडा	बी- 3ट् रोजेज, पाली रोइ, बंबई	भ्रधिवक्ता	प्रबर्द शहर
	देवश्रत वसु	7 देवनारायण दास लेन, भ्याम बाजार कलकता	भ्रधिवक्ता	सियालदाह स्थित मुख्यालय सहित 24 परगना
93.	कुमारी मंजला मेन	33, बीनस कुफे परेक, बंबई	श्रधिवक्ता और सालिसिटर	संपूर्ण भारत
94.	ए. सँयद ग्रली	53, अमिनियन स्ट्रीट, मद्रास	भ्रधिवक्ता	मद्राय राज्य
95.	जी.सी. वर्मा	ं सिविल कोर्टम, जगाधरी श्रम्बाला, हरियाणा	जिला ग्रधिव य ता	जगाधरी
96.	गजेन्द्र नाथ चत्रवर्ती	9, ग्रोल्ड पोस्ट भ्राफिस स्ट्रीट कलकत्ता-1	ग्र <u>धियक्ता</u>	कलकत्ता- 1
97.	ग्रदिती कृमार प्रामानिक	10, श्रोल्ड पोस्ट श्राफिस स्ट्रीट, श्रार नं. 110, कलकत्ता	म्रधिव क्ता	पश्चिमी बंगाल राज्य
98.	इन्द्रा चन्द संचेती	12 भ्रोल्ड पोस्ट ग्राफिस स्ट्रीट कमरा सं. 110 कलकत्ता	भ्रधिवन्ता	कलकत्ता
99.	श्री एल महालिगप्पा	$938/\Pi$, इन्दिरा नगर, मैंपूर	अधिवक्ता	मैसूर मिटी
	के. गस्दाचर	"सु <mark>र्ध्यान" सोमे</mark> ण्बर पुरम, तुमकुर कशांटक	श्रस्थिवक्ता शहर तुमकुर	जिला श्रीर कर्नाटक
101.	त्रिलोक चन्द सिंघल	दाल बाजार, ग्वालियर,	त्र धिवक्ता	ग्वालियर, म.प्र.
102.	त्निभ्वन ग्रग्रवील	हनुमान गढ़ टाउन, जिला श्री गंगा नगर, राजस्थान	ग्रधिव क् ता	संपूर्ण हनुमान गढ़ टाउन, राजस्थान
103.	जगराम सिंह	पीलोकोठी, स्टेशन रोड, राजस्थान	श्रधिवक्ता	जिला झुनझुनु, राज स्थान
104-	. बी.एस. चंद्रा शेखर	2694 अग्रहारा स्ट्रीट, हमन पोस्ट आफिम, कर्नाटक-573201		कर्नाटक का हसन शहर

1 2	3	4	5
मर्वर्थ <u>ा</u>			
105. एस.एन.एस.सी. जथेरिया	जवेरिया तिवास, मोत्री वाड़ा. चदयपुर, राजस्थान	श्रधिव क् ता	उदयपुर, राजस्थान
106. एमं० सो० जैन	श्रापार्यताय, वैन कालोनी, मुभाष आप, धजमेर, राजस्थान	र् <u>जाधव</u> क्ष्मा	अजमेर, राजस्थान
। 07. राम बाब् श्रीवास्तव	भ्रधिवक्ता, जेल रोड़, सीनापुर, उ. प्र.	म्र <u>धिव</u> क्ता	वंगलोर
। 08. के. बालक्रप्ण	नं. 4 थर्ड कास रोड़, फोर्थ ब्लाक के.पी. डब्ल्यू.एक्स, बंगलौर-20	ग्रधिवक्ता	बंगलौर
अधिमती प्रेम लता निगम	294, भागव बिल्डिंग, लोबार बाग, मीतापुर	म्र <u>चिवक्</u> ता	मीतापुर, उसार प्रदेश
110. मुरजीत सिंह मेहता	181, विश्वकर्मा नगर, यमना नगर, जिला श्रम्बाला, हरियाणा	ग्र <u>चिवक्ता</u>	जगाधरी
l 11. चन्द्र कुमार महता	212-डी, माडल टाउन, यमुना नगर. हरियाणा	ग्र धिवक्ता	यम्ना नगर
112. जगयीमा चन्द्र घोष	19, गरत बोस रोड, (हकी मपाडा) मीलिगडी-734401, जिला दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल	ग्र <u>धियक्</u> ता	सिलीगुड़ी स्थित मुख्या- लय सहित जिला दार्जिलिंग
113. ग्रमरेन्द्र नाथ डान	टेम्पल चैम्बर, (पहली मंजिल) 6, ओल्ड पोस्ट भ्राफिस स्ट्रीट, कलकत्ता-1	प्रधिवक्ता	कलकह्ता
114. श्रो राजाराम त्रमुराय	9 ओल्ड पोस्ट म्राफिस स्ट्रीट, कलकत्ता	अधिवक्ता	पश्चिम बंगाल और सालिसिटर राज्य
115. विनोद कान्त धर्मा	मकान सं. 13ए/1, मयूर विहार, दिल्ली-190091	ग्रधिवक्ता	दिल्ली
116. नन्द लाल चौधरी	ज- $4/15$ राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-27	ग्रधिवक्ता	दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र
117. देवन्द्र नाथ मिशा	328, गरु रामदास नगर, (सक्ष्मी नगर) दिल्ली-31	म्रधिवक्ता	नई दिल्ली
118. मन मोहन सिंह मेठी	डी-83-ग्रशोक विहार, नई दिल्ली-52	भ्रधिवक्ता	दिल्ली संघ राज्य दिल्ली
119. जगदीम लाल बन्ना	572, झील कुरन्जा, दिल्ली-31	भ्रधियक्ता	दिल्ली

:----

1 2	3	4	5
सर्वर्श्वी			
120. राजबीर सिंह	डी-5 <i>5 3</i> भैन रोड, नार्थ घोन्डा, दिल्ली-53	श्रधिवक्ता	णाह्दरा स्थित मुख्या सहित, दिन्ली
121. धीरेन्द्र एच. गाह	फ्लेट नं. 16, चौथी मंजिल, ऋधिवक्ता, मरीना हाउस, सामने लिवर्टी सिनेमा 5, सर विट्लदाससठाकरसी मार्ग, बंबई-20	प्रधियक्ता	ब्रोबी तलाब, श्रीसत्सेस स्ट्रीट, जायेरी बाजार, क्रापोर्ड मार्केट, मेरीन लेन, बंबई णहर
122 वी.एस. नरसिंहमन	मार्फत किय एंड पैट्रीज, एडवोकेट 26/1 लैंबली रोड़,- बंगलोर-560001	ग्रटर्नी एट लॉ	कर्नाटक राज्य
123 एस.के. शेट्टी	1- प्रकाण फ्लैंट- 3 पहली मंजिल, वी सेन्ट स्ट्रीट, शांताऋ्ज (पश्चिमी) खंबई-400045	ग्रधिवक्ता	शांतऋज एंड फोर्ट एरिया , ग्रेटर बं ब ई
124. मर्कन्द सी, गांधी	मर्कन्द गांधी एंड क. एडवोकेट्स एंड सालिसिंटस एंकिंड प्लोर, भगोंदय, 79,एसमेडोज स्ट्रीट, नगीनदास मास्टर रोड. फोर्ट	प्रधियक्ता	ग्रेटर बंबर्ड
125. शिव कुमार खन्ना	11 महात्मा गांधी रोड़, कलकता-9	एडवोकेट	संपूर्ण भारत
126. स्कुमार घोष	"कनाकाले" 7ए प्रिसं घ्रनवर शाहतेन सी.घाई.टी. वाटरटेकं, नवीन सिनेमा के सामने, कलकस्ता-700083	मधिवक्ता	24 परगना
127. नन्द गोपाल खेतान	खैतान एंड कंपनी, 1 बोल्ड पोस्ट श्राफिस गली, कलकत्ता-1	ग्रधिवक्ता	कंलकत्ता एंड न्यू विरुली
128. प्रान्तोप कुमार सेन	6-2, मदन स्ट्रीट, 4 फ्लोर, कलकत्ता-72	ग्रधिवक्ता	कलकरता एवं 24- परगना
129. कृष्णा नंद मिश्रा	109/6, हजरा रोड़, कलकत्ता-26	ग्रधिवक्ता	वही
130. विलोकी भरन उपाध्याय	178-वर्स्टविंग, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली-110054	श्रधिवक्ता	नौयडा, जिला ग≀जियाबाद यू.पी.
131. ग्रीतार साननेक्यर	4-3-137 बसस्टड रोड, गंगावती	श्रधिवक्ता	राचूर
132. बी.एस. चौगुले	1083, घनत भ्यान गली, बेलगाम-590002	म्रधिवक्ता	बेलगांव

1 2	3	4	5
133ः सर्वेश्री सुन्दरम रामासुक्रामानियन	द्वारा मेर्समाकिंगगण्ड पैट्रिज, एडवोकेट, 2 फ्लोर, कैयोलिक सेंटर 64; ग्रामैनियन स्ट्रीट, पो.बा. 121 मद्राम-600001	ग्र धिवम ा	तमिलनाडू
134. राम निरंजन क्षुनक्षुन्नवासा	8/2, मांडवली गार्डेनस, कलकला-19	ग्रधियक्ता	पहिचम बगाल और देहली
135 देव कुमार सिंहा	18, रितनी रोड़, कलकस्ता-19	ग्र धियसता	पॉल्लिस बंगाल
136 के.बी.शेपाद्रि	1208, श्रशोक नगर-, महिला समाज रोड़, मांडया करनाटका-571401	श धिव क् ता	मांडया सिटी
137. वीरेन्द्र सिंहमधबार	32-बी, पिना मार्ग, धलवर _ः राजस्थान	ध्र <u>धिवस्ताः</u>	श्रलवर
138. ऋषिकेष अग्रवाल	नियर मलीक होसपिटल , बालासम्बद रोड़, हिसार ।	ग्रधियक्ता	हिसार
139. राम क्रुडण सत्या	2 खा, 6 प्रताप नगर, हिसार, राजस्थान	मधिव न्ता	भ्रलवर
140. ग्रार.वी. भोकारे	1284, कसबापिट, पुणे-411011	श्रक्षिवक्ता	पुणे
141. सी.एन.छजेद	52, बोड़ी पुणे	श्रिधि वक्ता	संपूर्ण भारत
142. जी.पी.माथुर	प्लाट नं०. सी-248, देविन्द मार्ग, तिलक नगर, जयपुर, राजस्थान	श्रधिवन् ता	जयपुर
143. यनबारी लाल गुप्ता	14 स्कीम न. 1, म्रलवर, राजस्थान	श्रधिवम्ता	अलव र
14.4. वी.एस. णेख	वी-43, एच, ए, कालोनी, पिपरी, पूर्ण 411018	प्रधियम ता	पूर्ण
145. श्रीमती जयश्री विजय मोहिते	"तरगंम" 23, भोसले नगर, पुणे-411007	ग्रधियन्ता	पूर्ण
146. हनुमान सिंह नेनीयाल	सी/ओ एम/एस ध्रमर सिंहराम स्वरूप टिम्बर मर्जेन्ट्स, पो. ओ. भद्रा, जिला श्री गंगानगर, राजस्थान-1	प्र वि यम्सा	नाहर
147. राष्ट्रेग्याम जिंदल	वी. मं. 44, रोड़ नं. 5, श्रशोक नगर, उदयपुर राजस्थान-313001	मधियक् ता	उदयपुर
148. रमेण चन्द्र रतिलाशाह	5 अंजता कोमयिगांल सेन्टर 2, मंजिल, आशम रोड, श्रहमदाबाद-380014	धधिवस्ता	श्रहमदाबाद

1 2	3	4	5
149. एम एन . देशंमुख	वेशमुखं वाड़ी पी.के. रॉडि मुर्लेंड, बंबई-80	श्रेक्षिक्स्ता	मुर्लुङ नेस्ट
150. विनोद जे.पेमास्टर	151, विब्युना विस्टा जन जे. भोंसले मार्ग, नंबई-2	मालिसिटर	ग्नेटर बंबई
151 कु. किरण मधी हरशबराय	किरण महल, फ्लेह गंज, बड़ोदा-390002	भ धि वक्ता	फतेह गंज
152. महेन्द्र ब्यास	श्राराधना पेलेस रो ड्, ब्रहोदा-1	प्रधिवक्ता	बड़ोदा
153. एस.बाई. रेग	स्टैट बैंक बिर्लिडग, एन.जी.एन. वैद्य मार्ग, बंबई-23	ग्रधिव य सा	बंधर्इ
154. विसमजीत ग्रार. मेड़ा	डीबीजैंड एस-51 गांधी धाम, कच्छ-370201	ग्र धियम् सा	क च्छ
155. श्रमल क्र ^{ड्} ण दत्त	टेम्पुल चैम्बर्स, पहली मंजिल कमरा नं. 39, कोल्ड पो.ओ. स्ट्रीट, कलकरता-700001	ग्रिधियक्ता और सालिसिटर	कलकरसा
156. ए.एस. गांगुली	एक-ओल्ड पो.ओ. स्ट्रीट, पाइम एण्ड पाइन पहली मंजिल, कमरा न. 7, कलकत्ता-700001	श्रीधगस्ता	कलकर्ता
157. शंकर प्रसाद समी	मौ.का.मुचक, मुजफरपुर, बिहार	श्रधिवम्सा	मुजफ रपुर
158. प्रभाकान्त भौधरी	बलभद्रपुर, पो. ओ. लहेरिया सरीय, बिहार-846001	श्रधिवनसा	दरभंगा
159. राजमुमारं खन्नी	118, महात्मा गांधी रोड, कलकत्सा-7	श्रधिवक्ता	कलंकरंता
160. नारायण चन्द्र	128/सी, नरफेल डंगा, रेलवे कालोनी, कलकत्ता	ग्रधिव प ता	कलकेत्सा
161. पं. राज महागांबकर	एच .नं. 1-14/3, नियर डा. मथलकर नेल घरपताल स्टेशन कोर्ट रोड, गुलबर्गा-585102	ग्रधिबक्ता Г,	गृलवगी
162. केबल कृष्ण शर्मा	मुक्तसर, जिला फरीदकोट, ीजाब	श्र धिवन् ता	फरीदमोट

1 2	3	4	5
163. अमृतसाल बजाज	ई-जी-933, गोविन्द गढ़, जालन्धर सिटी, पंजाब	श्रक्षिवस्ता	भाजन्धर
164 प्रब्दुल हॉफिज खान	बराज पेट, साउथ को डाणु, कर्नाटक पिन-571218	स्मिधयक्ता	कोडागु
165. श्रीमती क्रिमला	सी/ओ. श्री डी.सी. खन्ना जौरी भटिया रोड, पटियाला पंजाब	ं ध धिव प ता	पटियाला
166 श्री सोढ़ी रमणीक सिंह	मो. पंडिया जिला, फिरोजपुर, पंजाय-142047	. मधिवस् ता	अी रा
167 रमेश अवाजी वाधालिकर	415, सांबर पेठ, पुणे-411030	प्रधिवक्ता	संपूर्ण भारत
168 प्रताप डी. गांधी	7-वी क च्छ निकेतन, डेरासरनेले घाट कोपर बंबई-77	अधियक्ता	राज्य महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, भान्ध्र प्रदेश, गोभा, संघ राज्य दिल्ली
169 महेन्द्र के. घेमानी	101-ए पेराडाइज एपार्टमेंट 44-ए एल जगमोहन मार्ग बंबई-36	श्र धिव न्सा	संपूर्ण भारत
170. वी. मोहन फ़ुब्ल	2/4, धरुडेल पेट, गंदुर-2 (म्रा.प्र.)	मधिवक्ता	गंटूर जिला
171. श्रीमती ज्योति धर्माधिकारी	. 85. केनाल रोड, राम दास रोड़, नागपुर-440010	भू धिवम् ता	न्तमपुर
172 एन. राजा	"जायर निहार" 2/18, के.ए. सुग्रमनियम रोड़, मादुंगा, बंबई-19	ग्रधिव ग्ता	ग्रेटर संबर्६
173 परमात्मा जरण पांडेय	पुराना 262/नया 10/12/104 शिव रसिक भवन मो. राजकोट सिटी, पो. ओ. श्रयोध्या जिला फैजाबाद (उ.प्र.)	श्रधिवक् ता	ंफैजाबाद -(ਚ.प्र.)
174. रमेश पी. मखीजा	14-की सुन्दर महल, पहली मेजिल, 141, मैरिनड्राईव वंबई-20	श्रधिवस्ता	संपूर्ण भारत
175. वी. शेशागिरी राव	पुराना नाज थीएटर चिराला, श्रान्ध्र प्रवेश-5231 5 5	मधिवन्सा	प्रकासम जिला
176. एन.ची. अग्रवाल	489/3, पुराना वाजार केरला, पूणे-411003	म्म धिबम् ता	केरला पूणे

1 2	3	4	5
177. सर्वेश्री कु. सुवेदिता भाई	पी. डब्स्यू. बिल्डिंग, ग्राउन्ड फ्लोर ओपम, सी.टी.ओ., बंबई-32	श्रधियक्ता	ग्रेटर वंयई
178. मोहिन्द्र पाल सिंह	5123, मोहल्ला तेलियां, नियर सुभाष गेट, जगरॉव -142026, जिला सुधियाना	ध्रधियमता	जगरॉब तहसील
179. जी.डी. वहिया	1/12, रूप नगर, दिल्ली	धिवन्ता	. विल्ली
180. पर्रामदर सिंह उपल	जी-165, नारायणा विहार, नई विल्ली-28	भ्रधियय सा	संव राज्य दिल्ली
181. प्रताप सिंह भारद्वाज	भार./ओ. किल, ओ.ओ. विजयासन, नई विल्ली-61	भधि वन्ता	वैस्ट दिल्ली
182. जी.एस. एबरोल	फ्लैट नं. 380, डब् लूजेड- 152, मण्डी वाली ग ली, भाद नगर, नई दिल्ली-18	भ्रष्टिवभ् ता	राजिन्द्र नगर
183. सत्यपास,	सी-2/92, वी.एम.ग्राई.जी. पसैट, लारेंस रोड़, दिल्ली ।	धिवस्ता	संघ राज्य धिल्सी
184. निर्मल सिंह मईयर	सी-278, नीती बाग, नई विल्ली-49	श्रधियमता	नई दिल्ली
185. रामेश्वर दक्त	6/5771, नई चान्द्रवाल, जवाहर नगर, दिल्ली-110007	प्रधिषम्ता	संघ राज्य दिल्ली
186. जनेश्वर दास जैन	सी-4/145, सफंदर जंग, डवेलपमैन्ट एरिया, नया हौजखास, नई विल्ली	श्रधिवक्ता	हीजखास एरिया सफदर जंग डिवलप- मैन्ट एरिया, नीती बाग, गुलमोहर पार्क, वसन्त विहार, पंचणील और उच्च स्यायालय
187. सुरेग जुमार अप्रवाल	4312, गली बहूजी, बहायुरगढ़ रोड, दिल्ली-110006	ग्रधिव स् ता	संघ राज्य विल्ली और बंबई
188. इक्बालसिंह,	्राजसिंह मगर, जिला श्री गंगा नगर, राजस्थान	श्रक्षिवक्ता	राज सिंह
189 जी.एल्. नन्दा	विष्ठणु कृपा, कुदम्त नगर, घलवर, राजस्थान-305001	ग्रधि वक् ता	ग्रलवर

1 2	3	4	5
190. शेर सिंह खुल्लर	स्टेशन रोड़, विरावा (झुनझुनु) राजस्थान-333024	श्रधिवक्सा	चिरावा
191. सेठ श्रजीज श्रहमद नकवी	302, शर्मा बिल्डिगंस, रामगंज, श्रनाज मंडी, जयपुर-302003	ग्रधिवक्ता	राजस्थान
192. कैलाश चन्द्र सोगानी	21, पार्ख नाथ कालोनी, श्रजमेर	श्रधिवक्ता	ग्रजमेर
193. विकम जीत सिंह विश्नोई	शीतल भवन, निकट सैंट्रल स्पोर्टस स्कूल, गंजनेर रोड, विकानेर-334001	श्रधिवन्ता	बिकानेर
194. कर्ण सिंह कोठारी	432, भूपाल पुरा, उदमपुर, राजस्थान,	ग्रधियक् ता	उ द मपुर
195. ग्रामन्द विहारी लाल	32, माउँट रोड, जगदीण कालानी, ओपोजिट रामगढ़ टाउन जयपुर-302002	ग्रधिव क्सा	जयपुर
196. एस.एल. प्रग्रवाल	महात्मा गांधी रोड, सिलीगुडी, पश्चिम बंगाल	ग्रधिवक्ता	सब डिबीजन सिली- गुडी, जिला दारजॉलग
197. नेक सिंह	हनुमान गढ़ अक्शन, जिला श्री गंगानगर, राजस्थान,	श्रधिवक्ता	हनुभान गढ़
198. प्रनिल कु. शर्मा	1/1 बी, राय क्षेत्र, कलकरता	ग्रधि वक् ता	बड़ा बाजार जोरासंको और षोरा बागान इलाका, कलकत्ता
199. रेमेन्द्र चन्द्र ग्रंप्रवाक्ष	नियमनाहरगढ़ रोड, 430 घन्यपोल याजार, जयपुर-1	अधिवदत्ता	जयपुर
200. दिलीप कुमार मजूमदार,	44, मीलमपल्लीषेशप्रिय नगर, कलकत्ता-56	श्रद्धिवक्सा	शिमालटा विल कोर्टस, कलकस्ता
201. शंकर लाल गृहुलोत	गंगा शहर रोड, चीकानेर-34001	प्रधियक्ता	विकानेर
202. मरेश चन्द्र मिरंतल	57, देवी भवनगाजार, जगाधरी 135003 (हरियाणा)	श्रधिवक्ता	छारुली (हरियाणा)
203. सुरेन्द्र पाल धर्मा	134/14, रेलवे रो ड़, कैय स हरियाणा	श्रधिवस्ता	कैथल (हरियाणा)
204. मिहाल चन्द सिद्धीकी	एच नं. 53, बिहांहड स्टेट वैक, छत्तर पुर	ग्रधियक् ता	छत्तरपुर (म.प्र.)
205. श्रीमती के राघामनी	"राधिका" ग्रमुनिया,स्टेट, नियर माधव फार्मेसी जंक्शन, कोचीन-682018	मधि यक्ता	इ रना <u>क</u> ुलम

1 2	3	4	5
206. जरीबाला ग्रसगर श्रली श्रवदुस हसै न	ओफिस 44 ए, नेसबित रोष्ट, मजगांव, बंबई-400010	मधिवक्ता	स्टेट महाराष्ट्र
207. ए.एन. खुरपे	680 ,साबूत स्ट्रीट, पुणे-1	प्रधिवक्ता	पुणे
208. पी.जे. दलाल,	देवराज, ई- $3/3$ एस.वी.रोड, (पश्चिम)बंबई- 62	ग्र <u>धिबय्ता</u>	स्टेट महाराष्ट्र
209. कु. मोभा दास छावरिया	एस.वी. छबरिया एंड कंपनी, पंटके हाऊस 2 मंजिल, मारूति श्रासलेन, नजदीक हैन्डलूम हाउस, फोटे, बंबई-1	अधियम ता	बंब ६
210. सर्वश्री वी रामचन्त्र वजे	120/11, विवेकघोले रोड़, पूना-411004	श्रधिवक्ता	पुणे सिटी
211- काजी डी. हुसैनसाहदी	''श्रमन'' गिरनार कालोनी, हिन्दबाड़ी बिलगाम-500001 (करनाटक)	प्रधिवक्ता	बिलगाम जिला
212 एस.ए. भोलवास	ग्राफिस 218/220 बर्धमान चैम्बर्स, 2 मंजिल, कोहासजी पटेल स्ट्रीट, फोर्ट, बंबई-1 मकाम, ई-3/0, ग्राई सैक्टर/1 वाशी, नई बंबई-400703	भ्रधि श्व क्ता	संपूर्ण भारत
213. गुरिनाम सिंह	सिविल कोर्ट नीयर बी.डी.ओ. ग्राफिस, जगाधरी (हरियाणा)	भ्रधियक्ता	जगाद्यरी
214. एम.सी. चतुर्वेदी	70, लोहार बाग सीतापुर, (यू.पी.)	ग्रधिव ण्ला	सीतापुर
215 एच.एस. रेणुका प्रसाद	64, फस्ट मैन रोड़, लोवरपैलंस और्चाडस, बंगलौर	प्रधिवनता	बंगलीर सिटी करल जिला
216 से.भ. भरनजीत सिंह	118, न्यू जवाहर नगर, जालंधर महर, पंजाब	ग्रधिवक्सा	जालंधर पंजाब रा ज्य
217. राम चन्द्र मंकर पुरंदरे	815, रविवार पेठ, पुणे महाराष्ट्र	श्रधिवनसा	- ्धा ोग्राकट पुणे
218 मबनीत राय एच. भोगानी	43/1304, ग्रावर्ण भगर, नर्ली बंबई	र्ग्राधव क्ता	बंब ई
219. रामेण्यर दांस ग्रहलुवालिया	7791/4, नादी महोल्ला, श्रम्बाला शहर, हरियाणा	ग्रधि व क्ता	श्रम्बाला शहर (हरियाणा)

1 2	3	4	5
220. सुरेश [े] कुमार गर्मा	वाया जी.वी.ओ गुनाना, तेहसील, बु धारा, जिला मुजप्फर नगर ⁻ (यू.पी.)	प्र धिवय सा	बुधा ना ं
221. रधुवीर सिंह	गांव व पो. ओ. बेहरोर, जिला श्रुलवर, (राजस्थान)	ग्रधिषयना	बहरोर, जिला भ्रलवर (राजस्थान)
222 हरिवस्त शर्मा,	15, गोषिन्द नगर, साकेत कालोनी, शाहगंज, श्रागरा (यू.पी.)	श्रधिव म्त ा	श्रागरा (यू. पी.)
223. रोम प्रसाद नायर	एन∵सी. 24/27, पुराना रेकवे रोड़, जालंघर, पंजाब	ग्र धिव यता	जार्लधर, पंजाब
224 शिव चरण सिंह	श्रलालश्रन्द जिला, भरतपुर, राजस्थान	अधिवस्ता	भरतपुर, राजस्थान
225. इन्द्र पाल बंसल	566, सवर बाणार, मुफ्तसर, पंजाब	प्रधिवक्ता	मुक्षसर पंजाब
226 मान सिंह नरका	किशमगढ़ किला, गांव व पो.ओ. किशमगढ़ बास, जिला श्रलंबर (राजस्थान)	ग्रधि गग ता	बास, जिला राजस्थान
227 राजवन्त राम् बधावन	धार.ओ. 72:2, प्रीतनगर लडेवाली, जालंधर	प्रधिवक्ता	जालंधर, पंजाब
228 एस.भार. खुराना	मकान नं. 22 <i>9,</i> पो.ओ. उकोहा, जालंधर, पंजाब	प्रधिव क्ता	जालंधर, पंजाब
229 एन.ग्रार. वसन्तानी	11-डब्ल्यू (महेशभम), नजदीक स्टेट बैंक श्राफ जूही, गऊशाला, कानपुर, (यू.पी.)	ग्र धिवक् ना	कानपुर (यू. पी.)
230 एम.पी. मिश्रा	क्षंगी, ओ.ग्रा. जनसोकी-मराई, जिला वाराणमी, (यू.पी.)	श्रधि वक् ता	बाराणसी (यू. पी.)
231. जे.के. जगियासी	ग्राराधनी-सी फेलेट नं. 504. 4, 5, मंजिल नियर वंबई डाईग स्प्रीग मिल्ज, जी.डी. ग्रम्बेडकर रोड़, भाई वाला दादर, बंबई-14	, भ्रधिवक्ता	वंबई, महाराष्ट्र, विल्ली ं
232. मदनलाल श्रमवाल	केरनीटोरा, पो.ओ. जिला मिडनापुर, मिडनापुर, पश्चिम बंगाल	अधिवक्ता	मिडनापुर, जिला टाउन

1 2	3	4	5
200 सर्वेश्वी स्याम प्रसाव सेन	17, हरिसवा रोङ, बेरेकपोर आनन्वपुरी जिला, नोर्घ, 24, परगना, पश्चिम बंगाल	ग्रधिवस्ता	प . बंगाल चलीपुर सिविल कोर्टस कलकत्सा
234. टेकचन्द कोशिक	भ्रार/ओ 191, सेंक्टर-4 भ्रार-फरी धाबाद, फरीदाबाद (हरियाणा)	श्रधिवक्ता	फरीदाबाद
235. नाथमल गर्मा	ग्रार/ओ 3875, के.जी.की. का रास्ता, जोहरी बाजार, जयपुर (राजस्थान)	ग्रधि वक् ता	जयपुर (राजस्थान)
236. के.एन. वली करीम वाला	धार ./ओ सईफी सोसायटी , नजदीक शारदाबेन होस्पीटल, सरजपुर, ग्रहमवाबाद, गुजरात	ग्रधिवस्सा	घ्रहमदबाद-गुजरा त
237. बसन्त जे. देसाई	न्नार ./ओ, 5, भारत कालोनी, स्टेडियम रोड, श्रहमदाबाद	श्रधिव ग्त ा	गुजरा त
238. जबाहरलाल बंशीलाल दृगद	नियम निगड़ी बस स्टेन्ड, निमड़ी, पुणे-44	ग्रधियक्ता	पुना और पिषरी, चित्र वेड
239. ओमप्रकाश गुप्ता	श्रार/ओ, वारेनगंज, सिपरी बाजार, झांसी (यू.पी.)	ग्रधिवक्ता	झांसी
240. ब्रह्मद के. हीरानी	घस्माईल बिल्डिंग, 381, डा.डी.एन. रोड, फ्लोरा फाउनटेन, बंबई	श्रधिययसा	ग्रेटर बंबई
241. सर्वश्री उदय एन. घोष	हुडको हार्ऊसिंग स्टेट, 95 विधान नगर रोड, ब्लाक नं. 13, फ्लैंट नं. 171, पहली मंजिल, कलकत्ता-54	ग्र धिवस्ता	24, परगना, पश्चिम श्रंगाल
242. जयन्त सेन गुप्ता	61, बेलीगंज प्लेस, कलकरता	<mark>प्रधिवक्</mark> ता	पार्क सर्कस चौरंगी पार्क स्टीट ,कलकता
243. साधन एस. राय	51-बी- रास बिहारी एवेन्यू, कलकत्ता-28	अधिवय ता	दक्षिणीय कलकत्ता
2.4.4. संजीव कंचन	4, मिलन बिस्डिंग, 189/93, बाजार गेट स्ट्रीट, पेरीसन नारीमन स्ट्रीट, फोटं, बंबई	प्रधि वयस ा	पैरिन, नारीमन स्ट्रीट फोर्ट बंबई
245. श्रीमती रतन नागौरी	166, बापू बाजार, उदयपुर, राजस्थाम	म्रधिवक्ता	उदयपुर राजस्थान

[7(4-11 45,5)(1/]	सर्वामा राजस्य अयव तम् १५०म् वसम्बन्धः १०, १४१७ -		0 - 1311	
1 2	3	4	5	
246. सर्बश्री वेद प्रकाण नाहर	106-बी, पाकेट-4, मयुर विहार, दिल्ली-91	श्रधिवक्ता	मयूर विहार, दिल्ली-91	
2.4.7. कु. वीना बक्सी	एच. न . 250, वार्ड नं . 2, महरौली, नई दिल्ली-30	ग्रंथित्र स्ता	दित्ती और जिता⊹ कोर्टम दिल्ती	
248. एन. श्रार. एस. श्रय्यर	10, उपर मंजिल, कलिना चर्च, बंबई-29	श्रधिवक् ता	ग्रेटर वंबई	
249. प्रताप सिंह दहिया	रोहतक रोड, नजदीक सुरी पैट्रोल पम्प, मोनीधन (हस्याणा)	ग्र <u>धिवक्ता</u>	मोनीपत (हरियाणा)	
250 सी. शिश्रवासपा	कत्याण भवन, त्यागराज रोड, मैंसूर (कर्नाटक)	ग्र धिय क्ता	मैसूर (कर्नाटक)	
251 राजेन्द्र सिंह	18, डी-ब्लाक, श्रीगंगानगर (राजस्थान)	श्रधिवक्ता	श्री गंगानगर (राज ,)	
252 ग्रणोक कुमार.बसु	कलोल क्लब भवन, राजा राममोहन राय रोड, हकीमपुरा, मिलीगुड़ी, प . बंगाल	श्रधिवक्ता	सिलीगुड़ी (राजस्थान)	
253. विद्याधर भार्गव	ए.एमसी. नं. 2/282. राम भवन, ण्याम गली, हाथी-भहाटा, ग्रजमेर	प्रधियक्ता	ग्रजमेर (राजस्थान)	
254. विनोद कुमार महलावत	दातारामगढ़, जिला सीकर, (राजस्थान)	श्रधिवक्ता	दात राम गढ़ मीकर	
255. रामस्वरूप मेहना	मं डी डबघा ली, सिरसा (हरियाणा)	श्रधिवक्ता	डबवा ली, मिरसा (हरियाणा)	
.56. वी. के. ग्रग्नवाल	443, क्लोथ मार्किट, विष्णु बाजार, दिल्ली ।	श्रधिवक्ता	दिल्ली	
:57. श्रीमती मंजू भटनागर	2-ए, एच.पी.एल. स्टाफ कालोनी, नई दिल्ली	प्र धिवक्ता	दिल्ली	
:58. सर्वश्री सी .एच . ग्राचार्या	फाईन मेन्सन, तृतीय मंजिल, 203, डी.एन. रोड, फोर्ट, बंबई-23	म्रघिव न ता	ग्रेटर बंबई	
59. श्रलार∕बा एम. शेख	प्लॉट सं. 476/2, से29, गांधी नगर, (गुजरात)	श्रधिव य ्ता	गांधी नगर मेहसाना, ग्रहमदाबाद	
60. फैयाजूदीन	4-1-70, प्रशोका रोड, रायचुर, पिन कोड नं. 584101 (कनार्टका)	ग्र धिवक्ता	रायचुर (कर्नाटका)	

1 2	3	4	5
261. सर्वंश्री गुरदेव सिंह मुर	7 ए/11, खब्ल्यू. ई.ए. करोलबाग, नई दिल्ली	श्रधिवयता	दिल्ली
262 भीमसिंह इन्दौरा	ग्रार जैंड-36, पालम इंक्लेव, नई दिल्ली	श्र धिव क्ता	विल्ली
263 सतपाल सिंह सोढ़ी	8, सहदेव मार्किट, पी एन्ड टी, कालोनी, जालन्धर (पं ाब)	प्रधिवक्त	जालंधर (पंजाब)
264. परश्रीकुमार नागोरी	मार्फत ग्रार.सी. पुरोहित, एल.ग्रार्ष.सी. 31, ग्रादर्श कालोनी, निबहेड़ा, (राजस्थान)	ग्रधिवक्ता	निबहेड़ा (राजस्थान)
265. वलबीर सिंह पुनिया	म.नं. 313 (1)/74, श्रादर्श नगर, कैयल	ग्र <u>धिवक</u> ्ता	कैंथल (हरियाणा)
266 एन. कोटेश्वर राव	सिन्धनूर, रायचूर जिला (कर्नाटक)	ग्रधिवक्ता	सिधनूर, रायचुर (कर्नाटक)
267. डी. ए. हलसमुदरा	गंगावती, जिला-रायचुर, कर्नाटक	ग्रधिवक्ता	गंगावती और रायचुर (कर्नाटक)
268. भजमेर्रासह कौशिक	हिण्डन, जिला-स्वाई माधोपुर (राजस्थान)	श्रधिवक्ता	हिण्डन, स्वाई माधो• पुर (राजस्थान)
269. मुहम्मद ईकबालखान	मौ. सराय, मुर्तजा खान खुर्जा, जिला-बुलन्दगहर (उ. प्र.)	त्र्रधिव क् ता	खुर्जा बुलन्दशहर (उ.प्र.)
270. भ्रनिल कुमार शर्मा	म .नं. 373-ए/649, राम नगर, (कृष्ण मण्डी) गाजियाबाद (उ. प्र.)	ग्रधिवक्ता	गाजियाबा द (उ. प्र.)
271. कुष्णलाल ग्रोबर	उप-तहसील मलोट, फरीदकोट (पंजाब)	मधियक्ता	उप-तहसील मलोट और रम्बी, फरीद- कोट (पंजाब)
272. मालीरॉम भ्रग्रवाल	विद्यानगर का रास्ता महंतजी की हवेली के सामने, म . नं . 706, जयपुर	ग्रधिवक्ता	जयपुर (राज.)
273. के. जी. राजपाल	10 भार. घार. रोड, फोर्ट बंगलौर	भ्रधिवक्ता	बंगलौर
274. टी. एस. नांतीमथ	गुरुवरपेट, मोकाक तालुका बेलगाम (कर्नाटक)	अधि वक्ता	मोकाक तालुका बेलगाम (कर्नाटक)
275. कैलाम प्रकाण	113, दसना गली, नजदीक पुलिस चौकी, गाजियाबाद (उ. प्र.)		गाजियाबाद (उ. प्र.)
276. हुकमचम्द मित्तल	न्यू क्रिण्चयन कालोर्ना, नजदीक सिविल हस्प- ताल, जगाधरी (हरियाणा)	ग्रधिवक्ता	जगाधरी (हरियाणा)
277. एम. पम्पनगौड़ा	गंगावती जिला-रायचुर (कर्नाटक)	श्रधिवक्ता	रायचुर जिला
278. बिक्रम चन्द्र	4727, मौ. भौगियान, जगरांत्र, सुधियाना	ग्र <u>धिवक्ता</u>	- जगरांव, जिला लुधियाना

1. 2.	3.	4.	5.
सर्वश्री			
279 नारायण राम	वार्ड नं. 24 चौटियान कुआ के पास फतेहपुर सखावाटी सीकर (राजः)	ग्रधिवक्ता	फनेहपुर (राज.)
280 राकेश कुमार वा ^{ट्} णांय	21 तिलकमार्गऋषिकेण (उ.प्र.)	ग्र धियक्ता	ऋषिकोग (उ.प्र.)
281. राजीव कुमार वाष्णॉय	रामघाट रोड विष्णुपुर यलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)	ग्र धिवक्ता	भ्रतीगढ़ (उ.प्र.)
282 रुद्र नारायण झा	इशक-चक नीयर वाटर टावर जिला-भागल पुर (बिहार)	श्रधियक्ता	भागलपुर जिला (बिहार)
283. फणि भूषण पाठक	राजपूत मौहल्ला श्ररगाथाट जिलागिरीडिह (बिहार)	ग्रविवक्ता	गिरीडिह (बिहार)
284. के॰ एत॰ सिंघल,	11, रामनगर म्यू, दिल्ली-110055	अधिय क् ता	केन्द्र शासित प्रदेश दिल्ली
285. दाताराम सिं ह्	वाया घ्रलीपुरम जिला–झुंझनू (राजस्थान)	ग्रधि वक्ता (शुंस न्)	राजस्थान
286. तरुण मेहता	6047 जमानादास भवन, ग्रम्बाला छावनी, हरियाणा	ग्रधिवक्ता	ग्रम्बाला छावनी
287.पी. वी. सुगुमार	4, स्यू स्टेट बैंक कालोनी ताम्बरम, मद्रास	ग्र धिवक्ता	ताम्बरम (मद्रास)
288 ए. एन. पाटल	236 जैन टैम्पल रोड़ हिंदवाड़ी बेलगाम (कनटिक)	म्र <u>धिवक्ता</u>	बेलगाम जिला (कर्नाटक)
289. वलीव कुमार भट्टाचार्य	109, कालीबाट रोड़ कलकत्ता-700026	ग्र धिवक्ता	कालीघाट (कलकत्ता)
290. एकम सिंह	वी. पी. ओ. म्नलाचौर, ्ष् त. नवांशहर जालधर (पंजाब)	श्रधिवक्ता	नवांशहर (पंजाब)
291. ग्रमोक कुमार	बिहारी मंडी स्ट्रीट सराय कुतव, धलीगढ़ (ज.प्र.)	प्रधिव क्ता	म्रलीगढ़ (उ.प्र.)
292. जोगी राम गुप्ता	कैथल-132027, जिला कुरुक्षेत्र, (हरियाणा)	ग्रधिवक्ता	कैथल (हरियाणा)
293 रमेश कुमार मेहता	के-23, नीती नगर, सेक्टर-23, राजनगर, गाजियाबाद (उ.प्र.)	भ्रधिवक्ता	गाजियाबाद (च.प्र.)
294 राम सिंह सलूजा	27, सेवक कालोनी पटियाला (पंजाब)	ग्र धिवक्ता	पटियाला (पंजाब)
295. भगवती प्रसाद ''पारूष''	रमनपुर, तहसील हाथरस, जिला श्रलीगढ़ (उ.प्र.)	श्रधिव श् ता	हाथरस-म्रलीगढ़ (उ.प्र.)
296. सुभाष शर्मा	चैम्बर नं . 34, जिला न्यायालय, कुरुक्षेत्र (हरियाणा)	ग्रधिवक्ता	कुरुक्षेत्र (हरियाणा)
297. एस.के. सक्सेना	1-बी-34 तलवण्डी (एस . एफ. एस .) कोटा (राजस्थान)	ग्रधिथक्ता	कोटा (राजस्थान)
298. जी.एस. डंकी	निवास 5वां खण्ड, राजाजी नगर, बंगलौर कार्यालय : नं . 50, दूसरा तल, पामाड़ी मैनसन, ऐवेन्यू रोड, बंगलौर-560 002	ग्रधिव क्ता	बंगलौर (कर्माटक)
299. सी श्रीपति राव	सूर्यरावेट, विजय नगर, विष्णु वर्धन राव स्ट्रीट, भ्रांध्र प्रदेश ।	ग्रधिवक्ता	विजयवाङ्ग (म्रान्ध्र प्रदेश)
300. श्रीमती उर्मिसा शर्मा	87/सी, न्यू मण्डी मुजफ्फरनगर, (उ.प्र.)	ग्रधिवक्ता	, मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)

1 2	3	4	5
सर्वं श्री			
301. पवन कुमार जैन	पुराना डाकखाना वाली गली, रेलवे रोड, (रोहतक), हरियाणा	प्रधिवक् ता	रोहतक (हरियाणा)
302. स्वराज मोहनधर	अलीपुर-द्वार कोर्ट डा . खा . अलीपुर, जलपाई गुड़ी (पश्चिम बंगाल)	म्रधिव क् ता	जलपाईगुड़ी (पं. बंगाल)
303. पी.जे.कोशी	कार्यालय : चेम्बर नं . 66, न्यू कोर्ट, पटियाला हाउस, नई दिल्ली	भ्रधित्रक्ता	नई दिल्ली
	निवास : यू यू-214, विणाखा एनक्लेव, प्रीतमपुरा, नई दिल्ली-34	म्र धिवक्ता	
304. रविन्द्र नाथ मैत्ती	44/3, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता (पं $_{-}$ बंगाल $_{-}$)	ग्रधिवक्ता	कलकत्ता (पं. बंगाल)
305. वीर बहादुर जैन	मीहल्ला श्री मालो, झून्झुन् (राजस्थान)	ग्रधिवक्ता	झुन्झ्नू (राज.)
306. जितेन्द्र कुमार गुप्ता	पुलिस कन्द्रोल रुम के पास, श्रलवर (राजस्थान)	प्रधिवक्ता	घलवर (राजस्थान)
307. केणव बलूर	56, सेन्ट्रल मार्किट बिल्डिंग भवन्थी स्ट्रीट, मंगलीर-575001	ग्रधिवन्ता	वंगलौर सिटी (कर्नाटक)
308. के.पी.कृष्णमूर्ति	हालेनरासीपुर, जिला हसन, कर्नाटक	ग्र <u>चिवक्ता</u>	हालेन रासीपुर (कर्नाटक)
309. श्रीमित हेमलतापी. बरोट	17, इन्द्रा पार्क, सैटेलाइट, श्रहमवाबाद	श्रधिवक्ता	भ्रहमदाबाद (गुजरात)
310. राजेद्र कुमार अग्रवाल	4, एम .जी . रोड, ऊपरी मंजिल, फोटो एम्पोरियम, ग्रागरा-282002 (उ. प्र.)	ग्रधिवक्ता	श्रागरा (उ.प्र.)
311. श्री बैजनाथ धर,	केयर म्राफ, सेठी निवास 3/148, सुभाष नगर, नई दिल्ली ।	श्रधिवक्ता	दिल्ली
312. श्री चन्द्रभान श्रार्य	डो .श्रार्थ .ए126, जनकपुरी, नई दिल्ली	ग्रधिवक्ता	विल्ली
313. यासुदेव सिंह तोमर	ताजेन्द्रनाथ, दाल बाजार, ग्वालियर (म.प्र)	ग्र <u>धिवक</u> ्ता	ग्वालियर (म . प्र .)
314. भ्रानिल कुमार गर्मा	निर्वाचन कार्यालय के सामने कलेक्ट्रेट कंपाउन्ड, भेरठ (उ.प्र.)	ग्रधिवक्ता	सरठ (उ.प्र.)
315. सत्यनारायण णर्मा	2, भ्रन्ना सागर, लिंक रोड, ग्रजमेर, (राजस्थान)	ग्रधिवक्ता	श्रजमेर (राजस्थान)
316. बृज भूषण लाल गोयल	डीग, जिला भरतपुर, राजस्थान	श्रधिवक्ता	डीग (राजस्थान)
317. सी.जे. मोतवानी,	बिल्डिंग नं . 102/3535, नेहरू नगर, पूर्वी कुर्ला, बंबई-24	ग्रधिवक्ता	महाराष्ट्र
318. के.सी. कौशिक	605 कंचनजंगा श्रपार्टमेंट ''कोशम्भी'' गाजियाबाद (उ.प्र.)	भ्रधिवक्ता	गाजियाबाद (उ.प्र.)
319. गंगाधर नारायण शिदे	मनिशा हाउसिंग सोसायटी, 3/5, प्रथम मंजिल, न्यू पंडित कालोनी, नासिक-42202	ग्रधिवक् ता	नासिक (महाराष्ट्र)
320. एम :भ्राई . हवा	दूसरा तल, स्वास्तिक सेंटर 30-बी, स्वास्तिक सोसायटी, नवंरंगपुण, ग्रहमदावाद-380009	म्रधिवस्ता	ग्रहमदाबाद (गुजरात)

1 2	3	4	5
सर्वश्री			
321 पी.एम, प्रधान	5ए मुलन्द ओय मनिशा कोओपरेटिब हाउसिंग सोसायटी, रोड नं . 1, पूर्वी मुलन्द, बंबई-400081	ग्र धिवक्ता	वंबई (महाराष्ट्र)
322 के. सिन्धीया	सुभाष नगर, लायर्स कालोनी, मान्डया सिटी, कर्नाटक-571401	ग्रधिवक्ता	मांडया (कर्नाटक)
323 एस.ए. मुले	गोविद भुवन, चिमनवाई रोड, नवसारी जिला बलसाड़-396445 गुजरात	श्र धि वक्ता	नवसारी (गुजरात)
324. विबास चन्द्र मिन्ना	3/4 श्रीबास दत्ता लेन, हावड़ा $($ पं $. $ बंगास $)$	श्रधिवक्ता	हायड़ा (पं . बंगाल)
32 5. नवजीत लाल शर्मा	लक्ष्मी मेडिकल स्टोर, धान मण्डी रोड, उदयपुर (राजस्थान)	प्रधिव यता	उदयपुर (राजस्थान)
326. ए.एस. गुप्ता	1 3 पार्क रोड, तास्कर टाउन, बंगलौर-560051	ग्रधि य क्ता	कर्नाटक
327 बी.एल.गौडा	कमरा नं . 49, वक्काटियारा संघ होस्टल, बी .एम . रोड, हसन-57 3201	प्रधिवक्ना	हसन (कर्नाटक)
328. सुश्री सतवन्त कौर	385, माडल टाउन, जालंधर (पंजाब)	ग्रधित्रक्ता	जालन्धर (पंजाब)
329. विक्रम सिंह् वर्मा	न्यायालय, बुलन्दगहर (उ.प्र.)	र्म्याधवक्ला	बुलन्दशहर (उ.प्र.)
330. श्रीमति कमला तिवारी	पानी की टंकी के पीछे, कबेरी पुरम, हीरा बाग सीयिल कोर्टे, ग्रागरा	श्रधिवक्ता	भ्रागरा (उ.प्र.)
331√ एस∵के. क्रियेदी	फ्लैट नं . 103, जयब्रज, मानेक कीश्रापरेटिव हाउसिंग सोमायटी (लि .) संनोष सिनेमा के सामने, स्टेशन रोड, पश्चिम भयन्दर, महाराष्ट्र-401101	ग्र धिवक् ना	जिला थाणे और महाराष्ट्र
332. श्री हरीण चन्द्र चौधरी	213, श्रानन्द पर्वत, नई दिल्ली	ग्रधियक्ता	विल्ली
333. किशन चन्द सैनी	39ए, जंगपुरा, भोगल, नई दिल्ली-14	ग्रधिवक्ता	भॉगल-जंगपुरा, नई दिल्ली
334. जे. पी. गोयल	8828, पुल बंगेण, नया मीहल्ला, दिल्ली	र्माधवक्ता	दिल्ली
335. डी.के. प्रकाश	6 <i>45</i> /ए, फोर्थ मेन, सैकण्ड स्टेज, इन्द्रा नगर, बंगलीर	श्रधिवक्ता	बंगलीर सिटी कर्नाटक
336- दुप्यन्त कुमार त्यागी	618/डी . , णंकर गली, पाण्डव रोड, विण्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली ।	श्रधिवक्ता	गाहदरा, दिल्ली
337. नरसिम्हा ग्रायंगर	289, लक्ष्मी विलास रोड, मैसूर	<u>प्रधिवक्ता</u>	मैसूर
338 एस.एल. सलूजा	30-ए., धबल स्टोरी, मेन रोड, बस स्टाप के मामने, मलकागंज, दिल्ली ।	ग्रधिवक्ता	विल्ली
339. के. श्रशोक चक्रवर्ती	226, साइडेन हाम्स रोड, चुलाई, मद्रास	श्रधिवक्ता	चुलाई, मद्रा स ।
340 ए.पी. सूर्यप्रकाश	47, श्रायर पेरुमल स्ट्रीट, रोयापेट्टाह, मद्रास	ग्रधिवक्ना	रोयापेट्टाह
341. नरसिम्हा देव रायल्	श्रनेगुण्द्री हा उस, रानीपेट, हास्पेट, कर्नाटक ।	म्रधिवक्ता	बेल्लारी डि स्ट्रिक, कर्नाटक ।

1	2	3	4	5
	सर्वेश्री			
342.	एम . जे . हेगड़े	10 पर्ण कुटीर धूसरा माला, न्यू नागिन दाल रोड, अंधेरी (पू.), बम्बई-49।	प्रधियक्ता	अंधेरी (पू.)
343.	डी.के.जी. रंगरस	3/बी-44, लोहिया नगर, बंबई टैक्सी मेन, को-ग्राप हाउसिंग सोस्प्रयटी, वंबई-70 ।	ग्रधिवक्ता	कुली (प.)
344.	एच . डी . बेदी	मालवानी भिनेज, बंबई	श्रधिवक्ता	बंब ई
345.	भ्राई .एन . केसर	राजा बहादुर मेहरा, कमरा नं . 5 ई, द्वितीय तल, 20, ग्रम्बेलाल दोशी मार्ग, हवन स्ट्रीट, बम्बई-400023	ग्रधियक्सा	फाउंटेन एरिया, बम्ध्रई
346.	महेश कांतिलाल पटेल	40 <i>5,</i> प्रगति मापिंग सेंटर, दफ्तरी रोड, मलाड (प .), बम्बई-400007	भ्रधिवक्ता	महाराष्ट्र
347.	जयनारायण शर्मा	डाकघर टी .थी . , जिला गंगानगर, हनुमानगढ़ उप प्रभाग	ध्रधियक्ता	हनुमानगढ़
348.	मुरारीलाल मिश्रा	वार्ड नं . 7, श्रनूपगढ़ जिला श्री गंगानगर, राजस्थान	श्रधिवक्ता	श्रन्पगढ
349.	प्रेमभन्द श्रग्रवाल	1033/5, ज्योतिनगर,रेड रोड़, कुरुक्षेत्र-132118, हरियाणा	ग्रधियम्ता	पेहोबा, कुरुक्षेत्र
3 5 0.	प्रवीर कुमार चौधरी	मोहनबारी (नेताजी पल्ली), डाकघर रायगंज, जिला उत्तर दीनाजपुर, (पं. बंगाल)	ग्रधिव य ता	रायगंज सुन्दर दीनाजपुर उत्तर
51.	जी .सी . राय कर्माकर	विश्वसिंह रोड, कूच बिहार-735101 पं. बंगाल	म्रधिवक्ता	कूच बिहार
352.	मुभाष चन्द गुप्ता	वार्ड नं . ८, मंडी डबवासी (सिरसा), (हरियाणा)	ग्रधियक्ता	डबावाली
5 3.	धर्मपाल राविस	पेहोवा, कुरुक्षेत्र (हरियाणा)	ग्रधिवक्ता	पेहोबा
54.	प्रेम किशन	43-भार, माडल टाउन, रिवाड़ी हरियाणा	ग्रधिव क् ता	रिवाड़ी
55.	गोंविन्द पुरी	लाल बहादुर गास्त्री चौक, बालोबा-344022 (राजस्थान)	श्रिधयक्ता	बालोबा
156. '	पूरण सिंह	ग्राम बनात बा ला, जींद-126102 (हरियोणा)	श्रधिवक्ता	जींध
157.	अरुण किरण कलुसकर	ब्ताक सं . 4-5104-ए, सदगुरु हार्डासंग सोसायटी, शिवाजीनगर, पुणे-16	ग्रधिवक्सा	शिवाजीनगर, पुणे
58· ¹	पी.के. रहटन	सिन्नार, जिला नासिक, महाराष्ट्र	म्रधिव क्ता	नासिक
59. T	शांता राम दातार	ग्रानंदी भ्रपार्टमेंट, जोग कंपाउन्ड, श्रागरा रोड़, कल्याण ।	अधिधयक्ता	कल्याण

1	2	3	4	5
360.	सर्वेश्री एन.एस. श्रमीन	35/धी, द्वितीय कक्ष, 308,पी . नरीमन स्ट्रीट, नजदीक श्रार .बी .धाई . , बम्बई-400023	श्रधिवन्ता	पटेल, बस्बर्ड
361.	पृथ्वीराज मल्होत्रा	3 <i>5∖</i> ई, रोडवेज रोड, नीलोखेड़ी, जिला करनोल, हरियाणा	श्रधिवक्ता	करनाल जिला
362.	राकेश चंद्र भाटी	सिटी कोर्ट, फरीदाबाद, हरियाणा	ग्रधिवक्ता	फरीदाबाद
363.	श्रार.एल. ऑड्डी	रायल इंग्योरेंस बिल्डिंग, 5, नेताजी सुभाष रो <i>इ,</i> कलकत्ता-700001।	ग्रधिवक्ता	कलकत्ताव नई दिल्ली
364.	एस .घेंका रेड्डी	श्रन्नपूर्णा निलम, नज <mark>दीक बन्नीकटी,</mark> कोपल-583031, कर्नाटक	ग्रधिष म्ता	कोप ल
365.	एम .जी . ईनामदार	फोर्ट सी .बी .टी . हुबली, कर्नाटक	भ्रधियक्ता	हु बली
3 66.	एम .के .श्रीनिवास	7/ 1, चिनप्पा मेंशन, बेस्ट पार्क रोड, 8वां कास रोड, मकेश्वरन, मैसूर	भ्र <u>धि</u> वक्ता	बंग लौर
367	रणीद हुसैन सिद्दीकी	11 झा हाउस, निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली-110013	भ्र <mark>ा</mark> धवक्ता	दिल्ली
368.	सुनील पंडित	सी-एन 115, दयानंद कालोनी, जाजपत नगर, दिल्ली ।	ग्र धिवक् ता	दिल्ली
369.	माला शर्मा	नं . 6547, लेन नं . 2, ब्लाक नं . 9, देवनगर, नई दिल्ली-110005	भ्रधिय ण्त ा	विल्ली
370.	प्रद्योत कुमार घोष	ग्राम हारा, डाकधर-हमपाड़ा, थाना हरिपाल, जिला हुगली, पश्चिम बंगाल	ग्रधिवक्ता	चंदन नगर पश्चिम बंगाल
371.	एम . मोहतराम	8136, गली नं . 4, चिमनी मिल, वाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली-110006	ग्रधिवक्ता	दिल्ली
3 72 .	घरविंद गांगली	निवास व कार्यालय : रोमा विला, 53, मिलन पार्क, गरिया, कलकत्ता-700084	प्रधिवक्ता	गरिया पश्चिम बंगाल
373.	रधीन्द्र चड्ढा	निवास व कार्यालय : 59 विवेकानन्द पुरी, सराय रोहिल्ला, विल्ली-110007	ग्रधिवक्ता	दिल्ली
374.	प्रभुषयाल शर्मा	ग्राम दौलतपुर खुर्द, डाकघर खास, जिला कुलन्दग्रहर (उ.प्र.)	ग्रधिवक्ता	घनूपशहर स्य≀न (उ.प्र.)
375.	मदनलाल चावला	डब्ल्यू जी-255, मोहल्ला इस्लामाबाद, जलंधर सिटी, पंजाब ।	ग्रधिव ग ्ता	जलंधर, पंजाब
376.	प्रशोक कुमा र	तहसील रोड, गुरुनानकजी फैक्टरी वाली गली, मलोट, जिला फरीदकोट, मलोट-152107, पंजाब	ग्र धियक्ता	मलोट जिला, फरीदकोट, पंजाब
377.	र्न लाशमाथ घीर	80, गुजराल नगर, नजदीक टी . बी . सेंटर, जलंधर, (पंजाब)	भ्रधिवक्ता	जर्लधर, पंजाब

1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
378.	बृजेंद्र कुमार भ्रयस्थी	मकान नं . 638, मौहल्ला रोटी गोदाम, सीतापुर (उ.प्र.)	श्र धिवक्ता	सीतापुर (उ.प्र.)
379.	मुगंध जैन	49, प्रेम पुरी, मृजफ्फरनगर (उ.प्र.)	प्रधिवक्ता	मुजक्फरपुर
380.	पीयू पक ांति घोष	गरत बोस रोड, हाकिमपाडा, डाकघर सिलीगुड़ी, जिला दार्जिसिग-734401 पश्चिम बंगाल	अ धिव क् ता	सिलीगुड़ो (पं. बंगाल)
381.	श्रीकांत जोणी	मिसल कालोनी, नजदीक पुराना बस स्टेंड, मुझनू-333001 राजस्थान	अ धिवक्ता	झुझनू राजस्थान
382	श्रार.श्रार. डोगरा	पाकेट जी जी-1, फ्लेट नं . 90 बी, विकासपुरी, नई दिल्ली-18	प्र धिवक्ता	विल्ली
383	चंद्रणेखर	उप-तहसील जलालाबाद, जिला फिरोजपुर, पंजाब	ग्र धियक्ता	जलालाबाद, जिला फिरोजपुर, पंजाब
384.	राजकु मार सैपंसन	जैड/56ए, सेक्टर 12, नोएडा (उ.प्र.)	श्रधिवक्ता	नोएडा (उ.प्र.)
385.	मुभाषचन्द्र सक्सेना	466, नई ब्रस्ती, णिकोहाबाद रोड, एटा-20700 (उ.प्र.)	ग्रधिव य ना	एटा (उ.प्र.)
386.	ध्याम सुन्दर सिह	तहसील कंपाउन्ड, गाजियाबाद-20100 ' (च.प्र.)	ग्रधिवक्ता	गाजियाबाद (उ.प्र.)
387.	बी. वाई. जैकब	के-19 $/$ एच, ग्रोख सराय, फेज- Π , नई दिल्ली-110017	ग्रधिवक्ता	दिल्ली
388.	ष्ठी . एस . सरीन	सी ए- $114/2$, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली- 110027	श्रधिवक्ता	दिल्ली
389	भ्रम्बरीश कुमार गर्ग	45, द्वारिका पुरी, मु ज्ज फरनगर, (च.प्र.)	म्रधिवक्स <u>ा</u>	मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)
390.	श्ररविंद कुमार	165, के पी. रोड, बुलन्वगहर (उ.प्र.)	श्रधिषक्ता	बुलन्दशहर (उ.प्र.)
391	महेन्द्रपाल सिंह	150, शंकर कुटी, एस .के . रोड, मेरठ (उ.प्र.)	भ्रधियक्ता	मेरठ (उ.प्र.)
392	लाल प्रताप सिंह	ग्राम मर्चिचिया, ढाकघर सतौली, जिला बहराइच (उ.प्र.)	भ्रधिवक्ता	बहराइच (उ.प्र.)
393	्रमेशचन्द्र सरीन	1 2 5 5, गली लालयान, नजदीक पुलिस चौकी, नवांगहर दोग्राबा, जिला जलंधर, पंजाब	श्रधिवक्सा	जिला नवां शहर, पंजाव

[फा.सं. 5(81)/93-त्याय] पी.सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 15th April, 1994

S.O. 1003.—In pursuance of the provisions of Section 6 of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Central Government hereby publishes a list of Notaries appointed by it and in practice at the beginning of the year 1994.

S. Name of Netary No.	Residential and professional address	Qualifications	Area in which he is authorised to practice
1 2	3	4	5
S/Shri 1. Rustam Ardeshir Gagrai	Gagrat & Co. Alli Chamber Nagindas Master Road, Medows St. Fort, Bombay	Advocate, Bombay	Whole of India
2. Bhagwati Prasad Khaitan	1-B, Old Post Office, St., Calcutta.	Attorney at Law, Calcutta High Court	Whole of India
3. Rabindra Krishna Deb	Temple Chambers 6, Old Post Office St., Calcutta.	Attorney at Law, Calcutta High Court	Whole of India
4. Himanshu Prakash Ganguli	4, Issur Dutt Lane, Howrah (West Bengal)	Advocate Calcutta High Court	Whole of India
5. Sudhir Kumar Dey Mullick	C/o Martin Burn Ltd., 12, Mission Row Extension, Calcutta-1.	Attorney at Law Calcutta High Court	Whole of India
6. Rash Mohan Chatterjee	C/o M/s Orr. Dignam and Co., Solicitors, 29, Netaji Subhas Road, Calcutta	Solicitor Calcutta High Court	West Bengal, Assam, Bihar, UP & Punjah.
7. Prabhudaya] Himatsingka	6, Old Post Office St., Calcutta.	Attorney at Law, Calcutta High Court.	Whole of India
8. Victor Elias Moses	6, Old Post Office St., Calcutta.	Attorney at Law, Calcutta High Court.	Whole of India
9. Mulk Raj Wadhawan	Jullundar City, Punjab	Advocate, Punjab High Court	Punjob & U.P.
10. Manoharlal Kapur	3/9, Patel Nagar (East) New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi
11. Harpersnad Mehra	No. 3060, Charkhewolan, Delhi.	Advocate Punjab High Court	Union Territory of Dellai
12. Chamanlal Arora	10, New Court Road, Amritsar, Punjab.	Advocate	Whole of India
13. Damodar Devji Damodar	C/o M/s Kanga & Co., Solicitors, Readymoney Mansions, 43, Veer Natiman Road, Bombay.	Solicitor	Maharashtra
14. Deba Prasad Ghosh.	C/o Fowler & Co. Solicitors & Advocates & Notaries, Regent House, 12, Government Place, East Calcutta-69.	Attorney	Whole of India
15. Nathmal Himatsingka	6, Old Post Office St., Cal outa.	Attorney	Whole of India
16. Ramkishan Garg	56, Old Vijay Nagar Colony, Agra (UP)	Vakil, Agra	Agra District
17. C.H. Pardiwala	C/o M/s Crawford Bayley & Co. State Bank Buildings, Bank St., Bombay-1.	Solicitor	Whole of India
18. Sachindra C. Sen	Attorney at I aw Temple Chambers, 1st Floor, 6 Old Post Office St., Calcutta.	Attorney	Calcutta [*]
19. D.A. Mehta	Advocate, 43-B, Hanuman Road, New Delhi.	Bar at Law	Union Territory of Delhi

1 2	3	4	5
20. Durga Prasad Tulsyan	Advocate, Thunjhunu Rajasthan	Advocate	Jhanjhunu District (Rajasthan)
21. M.G. Doshit	M/s M.G. Doshit & Co., Solicitor 35-Embassy Market, Ahmedabad.	Attorney	Gujarat & Maharashtra
22. Noor Mohammad	Advocate, Udaipur, Rajasthan.	Advocate	Udaipur District (Rejasthan)
23. P.C. Kurian	14, Kondichatty Street, II Floor Madras-1.	Advocate	Madras & Kerala
24. C.I. Venkatasubramanian	140-Cross Cut Road, Coimbatore.	Advocate	Coimbatore District
25. Pushkar Lal Juneja	F-1, Shankar Market, Connaught Circus, New Delhi.	Advocate	Whole of India
26. Jagan Nath	Civil Line, Moga District, Ferozpur, Punjab.	Advocate	Ferozpur District with Headquarter at Moga also authorised to practice in and throughout Faridkot District with Headquarters at Moga.
27. Ramji Das Singhal	Gurdwara Street, Bhatinda, Punjab.	Advocate	Bhatinda District
28. Bal Krishan	Advocate, Hanumangarh Town, District Ganganagar (Rajasthan)	Advocate	District Ganganagar with Headquarters at Hanuman- garh (Rajasthan)
29. G.C. Verma	Advocate-cum-Oath Commissioner E-12, Green Park, New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi
30/P.L. Gandhi	Advocate Opp : Gandhi Bagh Surat.	Advocate	Surat District
31. A.R. Malkani	Advocate BBZ-N-6, Gandhi Dham (Kutch)	Aovocate	Whole of Gujarat
32. N.C. Shah	No. 1, Burdwan Road, 1st Floor Alipore, Calcutta-27.	Advocate, Calcutta	Calcutta & New Delhi
33. T. Dalip Singh	C/o M/s King & Patridge, 2nd Floor, Catholic Centre, Armenian St., Box No. 121, Madras-1.	Advocate, Madras	Whole of India
34. J.R. Gagrat	C/o M/s Gagrat & Co., Alli Chambers, Nagindas Master Road, Fort, Bombay-1.	Advocate, Bombay	Whole of India
35. Brij Moha 1 Mehta	13A/2, Rajinder Nagar, New Delhi.	Advocate, New Delhi	Union Territory of Delhi
36. Surjit Singh Sood	23, Netaji Park Jullundur City, (Punjab)	Advocate, Juliundur	Jullundur (Punjab)
37. Jagjit Singh Bains	376, L. Model Town, Jullundur City (Punjab)	Advocate, Juliundur	Jullundur (Punjab)
38. Panamchand Somehand Shan	35-Embaassy Market, Near Dinesh Hall, Ashram Road, Ahmedabad	Advocate	Gujarat
39, rf.M. Bhagat	C/o Ambhubhai & Diwanji Solicitors & Advocates, Industrial House, Ashram Road, Ahmedabad-9.	Advocate & Solicitors	Gujarat
40. H.V. Chatrapati	C/o M/s Bhai Shankar Kanga Girdhari Lal Manakjiwadia Bldgs. Bell Lanc, Fort, Bombay-1 and C/o M/s Bhai Shankar Kanga & Girdhari Lal, Gujarat Samachar Bhavan, Khanpur, Ahmedabad.	Advocate & Solicitors	Whole of Gujarat

41. G.S. Vyas 35, Lavanyanagar Jivaraj Ellis Bridge, Ahmedabad-7. 42. Amar Singh Jamait Singh Road, Moga District Faridkot, (Punjab). 43. B.H. Antia C/o M/s Mulla & Griagme Caroras, Solicitors & Note Jehangir Wadie Bldgs., 51, Mahatma Gandhi Road, Bombay	Plunt & A.ries, A	Advocate Advocate Advocate	City of Ahmedabad Moga District Faridkot, Punjab Whole of India
District Faridkot, (Punjab). 43. B.H. Antia C/o M/s Mulla & Griagmo Caroras, Solicitors & Note Jehangir Wadie Bldgs., 51, Mahatma Gandhi Road,	Plunt & A.ries, A	ttorney & Advocate	Punjab Whole of India
Caroras, Solicitors & Note Jehangir Wadie Bldgs., 51, Mahatma Gandhi Road,	ries, A	Advocate	
		ivocate	Paikos &
44. B. P. Shukla Rugnath Building Town Hall, Rajkot, (Gujarat)	hipwad.		Junggadh District
45. B.K. Shah Mansukh Niwas Nari Cha Baroda-6.		Advocate	Baroda
46. Ramesh J. Mehta Nadiad District Kaira, Gujarat.	i	Advocate	Kaira Panchmaha] District
47. Vasant Lal D. C/o Malvi Rancho Das & Solicitors & Advocates, Yusuf Bldgs., Mahatma G. Fort, Bombay-1.		Solicitor	Maharashtra
48. Mohinder Singh 277, Saidan Gate, Jullundur.	P	leader	Jollundur
49. Rajendra Kumar Bhatt S-401, Greater Kailash, New Delhi-48.	A	dvocate	Union Territory of Delhi
50. Narain Prasad Goyal E-165, Narain Vihar, New Delhi-20.	A	dvocate	Union Territory of Delhi
51. H. Hassan Koya Chalayparam Calicut, Kerala.	A	dvocate	Calicut & Malappuram District
52. Salil Kumar Ganguli 50, Ramtanu Bose Lane, Calcutta-6.		ttorney at Law nd Advocate	Calcutta
53. Palav Kumar Benerje M/s T. Banerjee & Co., Solicitors & Advocates Temple Chamber' No. 6, 6 Office St., Calcutta.	A	olicitor & dvocate	Calcutta
54. M.Y.S. Menon M/s Majumdar & Co., Ismail Building, 381, Dr. D (Floor Fountain), Bombay		licitor & vocate	Greater Bornbay
55. Brij Bhushan Gupta Kalal Majri Ambala City	Ad	lvocato	Ambala City
56. Raghubir Singh Khullar Cirwa Tehsil Rajasthan	Ad	lvocate	Chirwa Tehsii
57. Salemátri Gurbony 202, Kanwar Nagar, Rajmal-ka-Talab, Jaipur.	Ad	lvocate	Jaipur
58. Nand Kishore Pareek 321, Nahargarh Gopal Halv Jaipur.	zaiki Gali, Ad	ivocate	Jaipur
 Akbileshwar Das Badgal Sharma Restaurant Johari Bazar, Jaipur. 	Ad	vocate	Jaipur
60. D.R. Zaiwalla M/s D.R. Zaiwalla & Co., Solicitors 'Readymoney Mansion, 43, Veer Nariman Bombay	Ad	lcitor & vocate	Whole of India
61. Anthony Da Costa M/s Da Costa & Da Costa A & Tax Consultants 21/12, G.M.S. Road, 1st Flo Bangalore-1.		vocate	Whole of India
62. Mrs. Sumati Arawind Patll 236, Jain Temple, Road, Gomesh Nagar Hindwadi, E Karnataka.	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	rocate	Whole of India

53. T.M. S en	M/s Khaitan & Co. Solicitors & Advocates, Himalaya House, 7th Floor, 23, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.	Attorney at Law	Whole of India
64. Mrs. N. Anasooya Bai	4624/1, Shivaji Road, N.R. Mohalla Mysore-	Advocate	Mysore City
65. Padmanath Gangadhar Gokhale	A-36, Defence Colony, New Delhi.	Advocate ·	Whole of India
66. Ram Naresh Lal Gupta	'Bihari Dham' C-2B/70, Teliya Bagh, Varanas Cantt. (UP)	Advocate	Varanasi (UP)
67. Samoon Asgarali Poonawala	12-Ismail Bldg., 381-Dr. Dadabhoy Naroji Road, Fort, Bombay-1.	Advocate	State of Maharashtra
68. Awadesh Kumar Verma	C/o Sh. Raghoram Verma, Advocate Civil Cour Varanasi (UP	Advocate	Varanasi (UP)
69. Gulam Tahir	D-50/29, Oazipura, Kalan, Varanasi (UP)	Advocate	Varanasi (UP)
70. T.K. Shanmuganandum	8/8, Hauzur Road, Coimbatore-18.	Advecate	Coimbatore
71. Ramendra Kumar Roy	37, South Kumar Para Lane, Calcutta-42.	Advocate	Calcutta & 24-Parganas,
72. Raghubir Sahai Hitkari	Civil Courts, Kanpur.	Advocate	Kanpur & Delhi
73. Om Prakash Jain	A-S-B/125-B, Janakpuri, New Delhi-58.	Advocate	Delhi
74. Bimal Kumar Banerjee	3, Bankshall St. Calcutta-700001.	Advocate	Calcutta & 24-Parganas
75. Padmsi Danji Khona	45, Tamarind St. Fort, Bombay-23.	Advocro	Greater Bombay
76. M.A. Banatwala	M/s Banatwala & Co., Advocate & Solicitor & Notary, 24-A, Birya House, 265, Perian Nariman Street, Fort, Bombay-1.	Advocate	Whole of India
77. Leo Bendict Velho	Costa Pereira Bldg., IInd Floor Margoa Salecte, Goa.	Advocate	Whole of Goa
78. Miss Jaswant Kaur	H-21, Kailash Colony, New Delhi.	Advocate	Union Territory of Delhi
79. Eruch Jalagur Balsara	M/s. Payanc & Co. Esplanado House, Woudey Road, Fort, Bombay-1.	Advocate	Whole of India
30. Bertram 'D Silva Shenoi	92, 'Satman' Cuffee Parade, Bombay-400005.	Advocate	Whole of State of Maharashtra
31. Rameshwar Dayal	88, C. Shastri Nagar, Jodhpur, (Rajasthan).	Advocate	Jodhpur District
2. Dhul Chand	Muktsar Distt. Faridkot, (Punjab)	Advocate	Union Territory of Chandigarh
3. Ram Rattan Lokh	ES-553, Mohila Awedoure, Juliundur City,	Advocate	Juliundur Çity
4. M.I. Sethna	Fazalbhoy Bldg., 2nd Floor, 45/47, M.G. Road, Bombay	Advecate	Walkethwar and Fort are of Bombay
5. Durga Shankar Dave	Oswalwara, Rajasthan Banswara-327001	Advocate	Banswara District (Rajasthan)

1 2	3	4	j
86. Murlidhar Rao	Maktanpura, Gulbarga, Karnatak	Advocate	District & City of Gulbarga
87. Bhagwati Prasad Bhatt	11-Gyan Marg, Udgipur, Rajasthan.	Advocato	Udalpur
88. Janakiai Aggarwai	9, Balenville Roa Darjeeling	Advocate	Darjeeling
89. K.C. Sidhwa	Branch Sectt., Bombay, Aayakar Bhavan Annexe, New Marine Lines Bombay-400020.	Central Government Advocate Advocate & Solicitor	Whole of India
90. Suraj Kumar Bhaskar	Khotri District Jhunjhunu, Rajastha 1	Advocate	Khetri Rajasthan
91. Devi Sarar Chopra	B-3, Two Roses Pali Road, Bomba	Advocate	City of Bombay
92. Miss Manjula Son	33, Venus Cuffee Parade, Bombay.	Advocate & Solicitor	Whole of India
93. Debabiata Basu	7, Dovanarain Das Lane, Shyam Bazar, Calcutta.	Advocate	24-Parganas with H.Q. at . Scaldha.
94. A. Syed Ali	53, Armenian St., Madras	Advocate	Whole of India
95, G.C. Verma	Civil Courts, Jagadhri District, Ambala (Haryana).	Advocato	Jagadhri
96. Gajendra Nath Chakraborty	9, Old Post Office Street, Calcutta	Advocate	Calcutta
97. Aditikumar Pramanick	10, Old Post Office Street, R. No. 110, Calcutta	Advocato	State of West Bengal
98. Indra Chand Sanoheti	12, Old Post Office Street, R. No. 110, Calcutta.	Advocate	Calcutta
99. L. Mahalingappa	938/II, Indira Nagar, Mysore, Karnatak	Advocate	Mysore City
100. K. Garudechar	'Sudershana' Someshwarapuram Tumkur,	Advocate	District & City of Tumkur, . Karnataka.
101. Trilok Chand Singhal	Dal Bazar, Gwalior, M.P.	Advocate	Gwalior M.P.
102. Tribhuwan Agarwal	P.O. Hanumangarh Town District Sriganganagar, Rajasthan	Advocate	Throughout the Town of Hanumangarh, Rajasthan
109. B.S. Chandrasekhar	2694, Agarhara St. Hassan Post Office, Karnataka-573201.	Ploader	Hassan City of Karnataka
104. Jagram Singh	Pili Kothi, Station Road, Rajasthan.	Advocate	District Jhunjhunu
105. S.N.S.C. Javeria	Javoria Niwas, Mochiwara, Udaipur	Advocate	Udaipur, Rajasthan
106. M.C. Jain	Sh. Parshwanath Jain Colony, Subhash Bagh, Ajmer Rajasthan.	Advocate	Ajmer, Rajasthan
107. Ram Babu Srivastava	Advocate, Jail Road, Sitapur, U.P.	Advocate	Sitapur District
108. K. Balakrishna	No. 4, 3rd Cross Road, 4th Block, KPW Extension, Bangaloro-20.	Advocate	Bangelore
109. Smt. Prent Late Nigate	Sunder Bhawan, Naibasti, Sitapur-261001 U.P.	Advocate	Sitspor, U.P.
110. Surjit Singh-Mehta	181, Vishwakarma, Nagar, Yamunanagar, District Ambala, Haryana.	Advocate	Jagadhati

1 2	3	4	5
111. Chander Kumar Mehta	212-D, Model Town, Yamunanagar, Haryana.	Advocate	Yamunanagar
112. Jagdish Chandra Ghosh	19, Sarat Bose Road, (Hakimpara), Siliguri-734401. District Dariceling, West Bengal.	Advocate	District Darjoeling with hi HQ at Siliguri.
113. Amarendra Nath Dawn	Temple Chamber, (First Floor) 6, Old Post Office, Street, Calcutta-1.	Advocate	Calcutta
114. Raja Ram Basu Ray	9. Old Post Office Street, Calcutta-1.	Advocate and Solicitors	State of West Bengal
115. Vinod Kant Verma	134 E/I, Mayur Vihar, Delhi-91.	Advocate	Delhi
116. Nand Lal Choudhary	J-4/15, Rajouri Garden, New Delhi-27	Advocate	Union Territory of Delhi
117. Davendra Nath Mishra	328, Guru Ramdas Nagar, Laxmi Nagar, Delhi-92.	Advocate	New Dehi
118. Man Mohan Singh Sethi	D-83, Ashok Vihar-I, New Delhi-110052	Advocate	Union Territory of Delhi
119. Jagdish Lai Batra	572, J heel Kuranja, Deihi-11 00 31.	Advocate	Delhi
120. Rajvir Singh	D-55/3, Main Road, North Ghonda, Delhi-53.	Advocate	Dolhi with HQ at Shabdara.
121. Dhitendra H. Shah	Flat No. 16, 4th Floor, Marina House, Opp. Liberty Cinema, 5 Sirvithaldas Thakersey Marg, Bombay-20. Office: 33, R.S. Sapre Marg, (Picket Road) Near Small Cause Courts, Kalbadevi, Bombay-2.	Advocate	Whole of India
122. B.S. Narasimhan	C/o King and Patridge, Advocate 26/1, Lavelle Road, Bangalore-1.	Attorney at Law	State of Karnataka
123. S.K. Shetty	1, Prakash Fiat 8, First Floor Besant Street, Santacruz (West), Bombay-400054.	Advocate	Santacruz & Fort area of Greater Bombay
124. Marhand C. Gandhi	C/o Markand Gandhi and Co., Advoctes & Solicitors, 2nd Floor, Bhaggadaya, 79, Medows Street, Bagindas Master Road, Fort, Bombay-23.	Advocate	Greater Bombay
125. Shiv Kumar Khana	11, M.G. Road Calcutta.	Advocate	Union of India
126, Sukumar Ghosh	'Kanakalay' '7A, Prince Anwar Shah Lane, (CIT Water Tank Opp. Navina Cinema) Calcutta-700003.	Advocate	24-Parganas
127. Nand Gopal Khaitan	C/o Khaitan & Co. 1, Old Post Office St., Calcutta-1.	Advocate	Calcutta & New Delhi
128. Prantosh Kumar Sen	8/2, K.S. Ray Road, R. No. 16, (First Floor), Calcutta-700001.	Advocate	Calcutta & 24-Parganas.
129. Krishna Nand Mishra	109/6, Hazra Road, Calcutta-26.	Advocate	24 Parganas.
130. Triloki Sharan Upadhyay	178, Western Wing, Tis Hazari Court, Delhi-54.	Advocate	Noida Complex; (Ghaziabad) Distt. U.P.
131. Shettar Sangameshwar	H. No. 338, 12th Main Road, 6th Block, Rajaji Nagar, Bangalore-550010.	Advocate	Rajchur & Bangalore

1 2	3	4	5
132. B.S. Chougule	3543/A, Risoldar Galli, Belgaum-590002.	Advocate	Belgaum
133. Sundaram Ramasubramanian	C/o M/s, King & Patridge, Advocate, 2nd Floor, Gatholic Centre, 64, Armenian St., P.B. No. 121, Madras-1.	Advocate	Tam <u>ilozdu</u>
134. Ram Niranjan Jhunjhunwala	8/2, Mandeville Gardens, Calcutta-700019.	Advocate	Whole of India
135. Deb Kumar Sinha	18, Ritchie Road, Calcutta-700010.	Advocate	West Bengal
136. K.V. Sheshadri	1208, Ashoka Nagar, Mahila Samaj Road, Mandya-571401. Karnataka.	Advocate .	Mandya City
37. Virendra Singh Badhwar	32-B, Manu Marg, Alwar, Rajasthan	Advocate	Alwar
38. Rishikesh Aggarwal	Near Malik Hospital, Palasmand Road, Hissar.	Advocate	Hissar
39. Ram Krishan Satya	2 Kh., 6 Pratap Nagar, Alwar, Rajasthan.	Advocate	Alwar
40. R.V. Bhokare	1284, Kasba Peth, Punc-411011.	Advocate	Pune
41. Chandrakant Mohan Lai Chhajed -	52, Bopadi, Pune.	Advocate	Whole of India
42. Jagdish Prasad Mathur	Plot No. C-248, Dayanand Marg, Tilak Nagar, Jaipur, Rajasthan.	Advocate	Jaipur
43. Banwari Lal Gupta	14, Scheme No. 1 Alwar, Rajasthan.	Advocate	Alwar
44. B.S. Shaikh	B-43, H.A. Colony, Pimpri, Pune-411018.	Advocate	Punc
145. Smt. Jayshree Vijayrao Mohite	'Tarangam' 23, Bhosale Nagar Punc-411007.	Advocate	Punc
146. Hanuman Singh Beniwal	C/o M/s Amar Singh Ram Swaroop, Timber Merchants, P.O. Bhadra, Distt. Sriganganagar, Rajasthan-335501.	Advocate	Nahar
147. Radhayshyam Jindal	P. No. 44, Road No. 5, Ashoka Nagar, Udaipur, Rajasthan-313001.	Advocate	Udaipur
148. Ramesh Chandra Rati Lal Shab	5, Ajntha Commecial Centre, Hnd Floor, Ashrm Road, Ahm.dabad-380014.	Advocate	Ahmedabad
149, M.N Deshmukh	Deshmukhwadi, P.K. Road, Muland, Bombay-400000	Advocate	Muland West
150. Vinod J. Paymaster	151, Buena Vista Gen. J. Bhosale Marg Bombay-400021	Solicitor	Greater Bombay
151. Kum. Kiranmayi Harshadray Meht	Kiran Mahal Fategunj Baroda-390002	Advocate	Fatogunj, Bareda
152. Mahendra Vyas	Aradhana Palace Road, Baroda-390001	Advocate	Baroda
153, S.Y. Rego	State Bank Bldg., N.G.N. Vaidya Marg. Bombay-2	Advocate	Вотьрау
154. Visanji R. Bheda	DBZ-S-51, Gandhidham, Kutch-370201	Advocate	Kutch

166 Acres Walsham Durer	The letter to the there	A Incente B	CTTT-14
155. Assel Kriehus Dutt	Temple Chambers 1st Floor R. No. 39, Old Post Office Street Calcutta-700001	Advocate &	Calcutta
156, A.N. Ganguli :	1-Old Post Office Street; Pyne & Pyne, 1st Floor, R. No. 7 Calcutta-700001	Advocate	'Calegtta
15%, Shanker Presed Varma	Moh-Demuchak Muzafferpur Bihar	Advocate	Muzafiarpur
158. Prabha Kant Chaudhary	Bathhadrapur P.O. Laheria Sarai Bihar-846601.	Advocato	Darbhanga
159. Raj Kumar Khattry	118, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-7	Advocate	Calcutta
160. Narayan Chandra De	128/C, Narkal Danga Rly. Colony, Calcutta	Advocate	Calcutta
161. Pandit Rao Mahagaonkar	H. No. 1-14/3, Near Dr. Manthalkar's Eye Hospital Station Court Road, Gulbarga-585102,	Advocato	Gillbarga
162, Kewal Krishan Sharma	Muktesar, Distt. Faridkot, Punjab	Advecate	Muktesar
163. Amrit Lai Bajaj	E-G-933, Gobind Garh, Jalandhar City Punjab	Advocate-	Jalandhar
164. Abdul Haffz Khan	Virajpet, South Kodagu, Karnataka- Pin 571218.	Advecate	Kod≅gu
165. Sodhi Remnik Singh	Moh-Pandia Distt. Ferozepur, Punjab-142047.	Advocate-	Zira
166, Mrs. Primla	C/o Shri D.C. Khanna, Advocate, Jauri Bhattian Road, Patiala, Punjab.	Advocate	Patiaja
167. Ramesh Abaji Wagholikar	415, Shanwar Peth, Pune-411030.	Advocate	Whole of India
168, Pratap D. Gandhi	7-8, Kakad Niketan, Derasar Lane, Ghat Kopar, Bombay-77.	Advoçate	State of Maharashtra, Gujarat, Kamataka, Andhra Pradesh Goa & U.I of Delhi.
169, Mahendra K. Ghelani	101-A, Paradisc Apartments, 44-A, L. Jagmohan Marg, Bombay-36.	Advecate	Whole of India
170. B. Mohan Krishua	2/4, Arundelpet Guntur-2 (A.P.)	Advecate	Guntur District
171. Mrs. Jyothi Dharmadhikari	 Canal Road, Ramdas Road, Nagpur-440010. 	Advocate	Nagpur
172, N. Raja	'Zaver Vihar' 2/18, K.A. Subramaniam Road, Matunga, Bombay-400019.	Advocate	Greater Bombay
173, Parmut <u>ma</u> Saran Pandeyan	Old 262/New 10/12/104, Siva Tsdik Bhawan Moh-Rajkot City, P.O. Ayodhya, Distt, Faizabad, U.P.	Advocate	Faizabad U.P.
174. Ramesh P. Makhija	14-B, Sunder Mahal 1st Floor 141, Marine Drive Bombay-400020	Advocate	Whole of Indi
175. B. Seshagiri Rao	Opp. Naaz Theatre, Chirala, (AP) Pin-523155	Advocate	Prakasam District
176. N.B. Agarwal	489/3, Old Bazar, Kirkee, Pune-411003.	, Advocate	Krikee Pune
177. Miss Subedita I. Shah	PWD Building, Grund Floor Opp. C.T.O.: Bombay-400032.	Advocate	Greater Bombay

1 2	3	4	5
178. Mohinder Pal Singh	5123, Mohalla Telian, Near Subhas Gate, Jagraon-142026 Distt. Ludhiana	Advocate	Jagraon Tehsil
179. G.D. Dahiya	1/12, Roop Nagar, Delhi	Advocate	Delhi
180. Parminder Singh Uppal	G-165, Naraina Vihar, New Delhi-28.	Advocate	U.T. of Delhi or any part thereof.
181. Pratap Singh Bhardwaj	R/o Gill P.O. Bijwasan, New Delhi-61.	Advocate	West Delhi
182. G.S. Abrol	Flat No. 380, WZ-152, Mandiwali, Gali, Chand Nagar, New Delhi-110018	Advocate	Rajinder Nagar
183. Satya Pal	C-2/92, B. MIG Flat, Lawrence Road, Delhi	Advocate	U.T. of Delbi
184. Mrs. Nirmal Singh Nayyar	C-78, Neeti Bagh, New Delhi-110049	Advocate	New Delh;
85. Rameshwar Dutt	6/5771, New Chandrawal, Jawahar Nagar, Delhi-110007.	Advocate	U.T. of De lhi
186. Janeshwar Das Jain	C-4/145, Safdarjung Development Area, Opp. Hauz Khas, New Delhi-110016.	Advocate	Hauz Khas Area, Safdarjung Development Area, Niti Bagh, Gulmohar Park, Vasant Vihar, Panchsheel & Supreme Court of India
87. Suresh Kumar Agarwal	4312, Gali Bahuji, Bahadurgarh Road, Delhi-6.	Advocate	U.T. of Delhi and Bombay.
188, Iqbal Singh	Rai Singh Nagar, Djett, Sriganganagar Rajasthan.	Advocate	Rai Singh Nagar.
189. G.L. Nanda	Vishnu Kripa, Kundan Nagar, Ajmer, Rajasthan-305001.	Advocate	Ajmer.
90. Sher Singh Kulhar	Station Road, Chirawa, (Jhunjhunu), Rajasthan-333024.	Advocate	Chirawa.
91. Syed Aijaz Ahmed Naqvi	302, Sharma Buildings, Ramganj, Anan Mandi, Jaipur-302003.	Advocate	Rajasthan
92. Kailash Chandra Sogani	21, Parshwanath Colony, Ajmer.	Advocate	Ajmer.
93. Vikramjit Singh Vishnoi	Shital Bhawan, Near Sadul Sports, School, Gajner Road, Bikaner-334001.	Advocate	Bikaner
94. Karan Singh Kothari	432, Bhupalpura Udaipur, Rajasthan-303001.	Advocate	Udaipur
95, Anand Behari Lal	32, Mount Road, Jagdish Colony, Opp. Ramgarh Town, Jaipur-302002.	Advocate	Jaipur.
196. S.L. Agarwalla	Mahatma Gandhi Road, Siliguri, West Bengal.	Advocate	Sub-Division of Siliguri, Darjeeling District.
97. Nek Singh	Hanumangarh Jun, Distt, Sriganganagar, Rajasthan,	Advocate	Hanumangark.
98. Anil Kumar Sharma	1/1B, Roy Lane, Calcutta.	Advocate	Burrabazar, Jorasanko & Jorabagan areas of Calcutta.
199, Ramesh Chandra Agrawal	Near Nahargarh Road, 430, Chandpole Bazar, Jaipur-1.	Advocate	Jajpur.

1 2	3	4	5
200. Dilip Kumar Majumdar	44, Milam Palli Deshpapriya Nagar, Calcutta-56.	Advocate	In Sedidah & City Civil Courts, Calcutta.
201. Shankarlal Gahlot	Gangashahr Road, Bikaner-334001.	Advocate	Bikanet
202. Naresh Chand Mittal	57, Devi Bhawan Bazar, Jagadhari Pin 135003. Haryana.	Advocate	Chhachltrauli, Haryana.
203. Surinder Pal Sharma	134/15, Railway Road, Kaithal, Haryana.	Advocate	Kaithal Haryana.
204. Nihal Ahmad Siddiqui	H.No. 53, Behind State Bank of India, Chhatarpur, H.P471001.	Advocate	Chhatarpur, M.P.
205. Smt. K. Radhamani Amma	'Radhika' Amulia Street, Near Madhava Pharmacy Jn. Cochin-682018.	Advocate	Ernakulam,
206. Jariwala Asgharali Abdulhusain	Off: 44A, Nesbit Road, Mazagapm, Bombay-400010.	Advocate	State of Maharashtra.
07. Arjan Narayan Khurpe	680, Jaboot St. Pune-1.	Advocate	Pune.
08, Promode J. Dalal	Devraj, E-3/3 S.V. Road (West) Bombay-400062.	Advocate	State of Maharashtra.
09. Miss Shobha Vdhavdas Chhabria	S.V. Chhabria & Co., Pantaky House, 2nd Floor, Maruti Cross Lane, Near Handloom House, Fort, Bombay-1.	Advocate	Bombay.
210. Vinayah Ramachandra Vaze	1204/1, Vivek Ghole Road, Pune-411004.	Advocate	Pune City,
211. Kazi Dadasahab Husainasahdi	'Aman' Girnar Colony, Hindwandi, Belgaum-590001, Karnataka.	Advocate	Belgaum District.
212 S.A. Bholwal	Off: 218/220 Vardhaman Chambers, IInd Floor, Cowasji Patc1 Street, Fort, Bombay-1. Res: E-3/01 Sector-1 Waski, New Bombay-400703.	Advocate	Whole of India
213. Gurnam Singh	Civil Courts Near B.D.O. Office, Jagadhari, Haryana.	Advocate	Jagadhari Ambala Cantt.
214. M.C. Chaturyedi	78, Lohar Bagh, Sitapur, U.P.	Advocate	Sitapur.
215. H.S. Renuka Prasad	64, Ist Main Road, Lower Palace Orchards, Bangalore.	Advocate	Bangalore City and Rural District.
216. Lt, Col. Charanjit Singh (Retd.)	118, New Jawahar Nagar, Jallandhar City (Punjab)	Advocate	Jalandhar City. Punjab
217. Ram Chandra Shankar Purandare	815, Raviwar Peth, Punc, Maharashtra.	Advocate	Throughout Pune.
218. Navnitrai H. Beghani	43/1304, Adarsh Nagar, Worli, Bombay.	Advocate	Bombay.
219. Rameshwar Dass Ahluwalia	7991/4, Nadi Mohalla, Ambala City, Haryana.	Advocate	Ambala City, Haryana.
220. Suresh Kumar Sharma	Via G.P.O. Pusana Tehsil Budhana Distt. Muzaffarnagar, (U.P.)	Advocate	Budhana Muzaffarnagar U.P.
221. Raghubir Singh	Vill & P.O. Behror, Distt. Alwar, Rajasthan	Advocate	Behror Distt, Alwar Rajasthan,
222. Hari Dutt Sharma	15, Govind Nagar Saket, Colony, Shahgaol, Agra (U.P.)	Advocate	Agra, U.P.

1 2	3	4	5
223, Ram Prashad Nayar	NC-24/27, Old Railway Road, Jallandbar, Punjab.	Advocate	Jallendhar Punjab.
224, Shiv Charan Singh	Alalband Distt. Bharatpur, Rajasthan.	Advocate	Bharatpur, Rajasthan.
225. Inder Paul Bansal	566, Sadar Bazar, Muktsar, Punjab.	Advocate	Muhtsar, Punjab.
226. Man Singh Naraka	Kishangarh, Fort Vill & P.O. Kishangarh Bass, Distt. Alwar, Rajasthan.	Advocate	Kishangarh, Dass—Distt. Alwar, Rajasthan.
227. Rajwant Rai Wadhawan	R/o 12/3, Preet Nagar, Ladewali Road, Jalandear,	Advocate	Jalandhar, Punjab.
228. S.R. Khurana	H.No. 229, P.O. Dakoka, Jaland <u>h</u> ar, Punjab.	Advocate	Jalandhar Punjab.
229. N.R. Basantani	11-W (Mahesh Bharem) Near State Bank of Juhi, Gaushalla, Kanpur, U.P.	Advocate	Kanpur, U.P.
230. M.P. Mishra	Bansi, P.O. Jansoki-Marai- Distt. Varanasi (UP).	Advocate	Varanasi, U.P.
231. J.K. Jagiasi	Aradhan, C-Flat No. 504, 5th Floor, Near Bombay Dyeing Spinning Mills, G.D. Ambedkar Road, Bhoiwala Dadar, Bombay-14.	Advocate	Bombay.
232. Madanlal Agarwala	Keranitora, P.O. & District Midnapore, West Bengal.	Advocate	Midnapore District Town, West Bengal.
233. Syama Prasad Sen	17, Harisava Road, Barrackpore, Anandpuri Distt. North, 24, Parganas, West Bengal.	Advocate	Alipore, Civil Courts, Calcutta.
234. Tek Chand Kaushik	R/o 191, Sector-4-R, Faridabad, Haryana.	Advocate	Faridabad District.
235. Nath Mal Sharma	R/o 3875, K.G.B. Ka-Rasta, Johari Bazar, Jaipur, Rajasthan	Advocate	Jaipur, Rajasthan.
236. K.N. Valikarimwala	R/o Saitee Society Near Shardaben Hospital, Saraspur, Ahmedabad, Gujarat.	Advocate	Ahm: dabad, Gujarat State.
237. Vasant J. Desai	R/o 5, Bharat Colony Stadium Road, Ahmedabad-9.	Advocate	Gujarat State.
238. Jawahar Lal Bansilal Dugad	Near Nigdi Bus Stop, Nigdi Punc-44.	'dyccate	Poona & Pimpri, Chinchwed, Maharashtra.
239. Om Prakash Gupta	R/o Warrenganj Spiri Bazar, Jhansi (U.P.).	Advocate	Jhansi
240. Ahmed K. Hirani	Ismail Bldgs., 381, Dr. D.N. Road, Flora Fountain, Bombay.	Advocate	Greater Bombay.
241. Uday N. Ghosh	HUDCO Housing Estate, 95, Bidhan Nagar Road, Block No. 13, Flat No. 171-1st Floor, Calcutta-54.	Advocate	24-Parganas, West Bengal.
242. Jayanta Sengupta	61, Ballygunj Place, Calcutta.	Advocate	Park Circus, Chowringhec, Park Street, Calcutta,
243. Sadhan S. Roy	51-B-Rash Behari Avenue, Calcutta-28.	Advocate	Southern Calcutta.
244. Sanjeev Kanchan	4, Milan Bldgs., 189/3, Bazar Gate Street, Periman Nariman Street, Fort, Bombay.	Advocate	Perin Nariman St., Fort, Bombay.

1 2	3	4	_ 5
245. Smt. Ratan Nagori	166, Bapu Bazar, Udaipur, Rajasthan.	Advocate	Udaipur, Rajasthan.
246. Ved Prakash Nahar	106-B, Pocket IV Mayur Vihar, Delhi-110091.	Advocate	Mayur Vihar Delhi-91.
247. Miss. Veena Bakshi	H.No. 250, Ward No. 2, Mehrauli, New Delhi.	Advocate	Delhi & Distt, Courts, Delhi.
248. N.R.S. Iyer	10, Omar Manzil Kalina Church, Bombay-29.	Advocate	Greater Bombay.
249. Pratap Singh Dahiya	Rohtak Road, Near Suri Petrol Pump, Sonepat, Haryana.	Advocate	Sonepat, Haryana.
250. C. Shivabaseppa	Kalyan Bhavan Thyagaraja Road, Mysore, Karnataka.	Advocate	Mysore, Karnataka.
251. Rajendra Singh	18, D, Block, Sriganganagar, Rajasthan.	Advocate	Sriganganagar, Rajasthan.
252. Ashok Kumar Basu	Kallol Club Bldg., Raja Ram Mohan Roy Road, Hakim Pura, Siliguri (W.B.)	Advocate	Siliguri, West Bengal.
253. Vaidya Dhar Bhargava	AMC No. 2/282, Fam Bhavan, Shyam Gali, Hathi-Bahata, Ajmer.	Advocate	Ajmer Rajasthan.
254. Vinod Kumar Mahlavat	P.O. Danta Ramgarh, Distt. Sikar, Rajasthan.	Advocate	Danta Ramgarh, District Sikar (Ral.)
255. Ram Sarup Mehta	Mandi Dabwali, Sirsa, Haryana	Advocate	Dabwali, Sirsa, Haryana.
256. V.K. Aggarwal	443, Cloth Market, Vishnu Bazzr, Delhi.	Advocate	Delhi.
257. Mrs. Manju Bhatnagar	2-A, H.P.T. Staff Colony, New Delhi.	Advocate	Delhi.
258. Allarkh M. Shajkh	Plot No. 476/2, Sector 29, Gandhinagar, Gujarat.	Advocate	Gandhinagar Mohshana & Ahmoeabad.
259. C.H. Acharya	Fine Mansinon, 3rd Floor, 203, L.N. Road, Fort, Bombay-23.	Advocate	Greater Bombay.
260. Faiyazuddin	4-1-70, Ashoka Road, Raichur-1, Karnataka.	Advocate	Riachur, Karnataka.
261. Gutdev Singh Sur	7A/11, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.	Advocate	Delhi,
62. Bhim Singh Indora	RZ-36, Palam Enclave, New Delhi-45.	Advocate	Delhi.
263. Satpal Singh Sodhi	8, Sehdev Market Opp. P&T Colony. Jallundhar.	Advocate	Jallandhar, Punab.
.64. Parashara Kumar Nagori	C/o R.C. Purohit, Dev. Office, LIC 31, Adarsg Colony, Nimbahera (Raj.)	Advocate	Nimbahera, Rajasthan.
65. Dalbir Singh Punia	H.No. 313(1)/74, Adarsh Nagar, Kaithal, Haryana.	Advocate	Kaithal, Haryana.
.66. N. Koteswar Rao	Sinddhanur, Raichur, District, Karnataka.	Advocate	Sindhanur, Raichur District.
67. D.A. Halasmudra	Gangawati, Raichur District, Karnataka.	Advocate	Throughout Gangawati & Raichur District.
68. Ajmer Singh Kaushik	PO Hindan, Disat. Swai Madhopur, Rajasthan,	Advocate	Hindon, Swai Madhopur, Rajasthan.
269. Mohd. Iqbal Khan	Mohalla Sarai Murtaza Khan Khurja, Distt, Bullandshahar (U.P.)	Advocate	Khurja Tchsil, Bullandshahar (U.P.)

1 2	3	4	5
70. Anil Kumar Sharma	H.No. 373-A/649, Ram Nagar, (Kirana Mandhi), Ghaziabad, U.P.	Advocate	Ghaziabad, U.P.
271. Krishan Lal Grover	Sub-Tehsil Malouts Faridkot (Punjab)	Advocate	Sub-Tehsil Malout and Rambi, Faridkot (Punjab).
72. Mali Ram Aggarwal	Vidyadhar Ka Rasta, Opp. Mahantji Ki Haveli, H.No. 706, Jaipur.	Advocate	Jaipur, Rajasthan.
273. K.G. Rajpal	10, R.R. Road, Fort, Bangalore.	Advocate .	Bangalore.
274. T.S. Nandimath	Guruwarpeth, Gokak Taluka, Belgaum, Karnataka.	Advocate	Gokak Taluka, Belgaum, Karnataka.
275. Kailash Prakash	113, Dasna Gali, Near Police Chowki, Ghaziabad, U.P.	Advocate	Ghaziabad, U.P.
276. Hukum Chand Mittal	New Christian Colony, Near Civil Hospital, Jagadhari.	Advocate	Jagadhari, Haryana.
277. M. Pampangouda	Resident of Gangawati, Distt. Raichur, Karnataka.	Advocate	Raichur Distt, Karnataka.
278. Bikram Chander	4727, Mohalla Bhogian Jagrauon, Distt. Ludhiana (Punjab)	Advocate	Jugrauon, District Ludhian (Punjab).
279. Naryan Ram	Ward No. 24, Near Chotian Well, P.O. Fatehpur, Shekhawati, Distt. Sikar, Rajasthan.	Advocate	Fatchpur, Rajasthan.
280, Rakesh Kumar Varshney	21, Tilak Marg, Rishikesh (UP).	Advocate	Rishikesh, U.P.
281. Rajeev Kumar Varshney	Ramghat Road, Vishnupur, Aligarh, U.P.	Advocate	Aligarh, U.P.
282. Rudra Narayan Jha	Ishak-Chak, Near Water Tower, Distt. Bhagalpur (Bihar).	Advocate	Bhagalpur Distt. (Bihar).
283. Phani Bhushan Patnaik	Rajpur Mohalla, Arga-Ghat. Distt. Giridih (Bihar)	Advocate	Giridih Distt.
284. K.L. Singhal	11, Ram Nagar, New Delhi-55.	Advocato	Union Territory of Delhi,
285. Data Ram Singh	Via Alipur, Distt. Jhunjhunu, (Rajasthan).	Advocate	Jhunjhunu (Rajasthan).
286. Tarun Mehta	6047, Jamna Dass Bldg., Ambala Cantt, Haryana.	Advocate	Ambala Cantt., Haryana.
287. P.D. Sugumar	48, New State Bank Colony, Tambaram, Madras.	Advocate	Tambaram, Madras.
288. A.N. Patil	236, Jain Temple Road, Hindwadi, Belgaum, Karnataka.	Advocate	Belgaum Distt., Karnatak
289. Dalip Kumar Bhattacharya	109, Klighat Road Calcutta-700026.	Advocate	Kalighat (Calcutta).
290. Ekam Singh	Vill & P.O. Alachaur, Tehsil Nawanshahar, Jallandhar (Punjab).	Advocate	Nawanshahar, (Punjab),
291. Ashok Kumar	Behari Mandi Street, Sarai Kutub, Aligath, U.P.	Advocate	Aligarh, U.P.

1 2	3	4	5
292. Jogi Ram Gupta	Kaithal-132027, Distt. Kurukshetra, Haryana.	Advocate	Kaithal, Haryana.
293. Ramesh Kumar Mchta	K-23, Neeti Nagar, Sector 23, Raj Nagar, Ghaziabad.	Advocate	Ghaziabad, U.P.
294. Ram Singh Saluja	27, Sewak Colony Patiala (Punjab)	Advocate	Patiala (Punjab),
295. Bhagwati Prasad "Paurush"	Ramanpur, Tehsil Hathras, Distt. Aligarh, U.P.	Advocate	Hathras, Aligarh, U.P.
296. Subhash Sharma	Ghamber No. 34, Distt. Courts, Kuruhshetra, (Haryana).	Advocate	Kurukshetra (Haryana).
297. S.K. Saxena	1-B-34, Talwandi (SFS), Kota Rajasthan.	Advocate	Kota (Rajasthan)
298. G.S. Donki	Rcs: 1187, 5th Block, Rajaji Nagar, Bangalore. Off: R.No. 50, 2nd Floor, Pamadi Mansion, Avenue Road, Bangalore-560@02.	Advocate	Bangalore, Karnataka
299. C. Sripathi Rao	Suryaraopet, Vishnuvardhan Rao Street, Audhra Prad e sh.	Advocate	Vijayawad a, A.P.
300. Smt. Urmila Sharma	87/C, New Mandi Mujaffar Na g ar, U.P.	Advocate	Muzaffar Nagar, U.P.
301. Pawan Kumar Jain	Old Post Office Street, Railway Road, Rohtak (Haryana).	Advocate	Rohtak, Haryana.
302. Swaraj Mohan Dhar	Alipur-Duar Court, P.O. Alipur, Jalpaiguri (W.B.)	Advocate	Jalpaiguri (West Bengal).
303. P.J. Koshy	Off: Chamber No. 66, New Courts, Patiala House, New Delhi. Res: VV-214, Vishaka Enclave, Pitampura, New Delhi-34.	Advocate	New Delhi.
304. Rabindra Nath Maiti	44/3, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-9.	Advocate	Calcutta, West Bengal
305. Veer Bahadur Jain	Mohalla Srimalon Jhunjhunu (Raj.)	Advocate	Jhunjhunu, Rajasthan.
306. Jitendra Kumar Gupta	Near Police Control Room, Alwar, Rajasthan.	Advocate	Alwar, Rajasthan.
307. Keshav Baloor	56, Central Market Building, Bhavanthi Street, Mangalore-575001.	▲dovcate	Mangalore City, Karnatak
308. K.P. Krishnamurthy	Holenrassipur Hassan District, Karnataka.	Advocate	Holenrassipur, Karnataka.
309. Smt. Hemiata P. Barot	17, Indira Park, Sattelite Road, Ahmedabad.	Advocate	Ahmedabad, Gujarat
310. Rajinder Kumar Aggarwal	4, M.G. Road, Upper Storey, Photo Emporium, Agra-282002 (UP).	Advocate	Agra, U.P.
311. Baijnath Dhar	C/o Sethi Niwas 3/148, Subhash Nagar, New Delhi.	Advocate	Dçihi
312. Chandra Bhan Arya	DIA-126, Janakpuri, New Dolhi.	Advocate	Delhi
313. Vasud to Singh Tomar	Tejender Nath Dal Bazar, Gwalior, M.P.	Advoc€e	Gwalior, M.P.

1 2	3	4	5
314. Anil Kumar Sharma	Opposite Election Office, Collectorate Compound, Mecrut, U.P.	Advocate	Meerut, U.P.
315. Satyanarain Aggarwal	2, Anna Sagar, Link Road, Ajmer, Rajasthan,	Advocate	Ajmer, Rajasthan,
316, Brij Bhushan Lal Goe!	Deeg, Distt. Bhatatpur, Rajasthan,	Advocate	Deeg, Rajasthan.
317. C.J. Motwani	Buikling No. 102/3535, Nehru Nagar, Kurla East, Bombay-24.	Advocate	Mohavashtra.
318. K.C. Kaushik	605, Kanchanjunga Apartment. Kaushambhi, Ghaziabad (UP).	Advocate	Ghaziabad, U.P.
319. Gangadhar Narayan Shinde	Manisha Housing Society, 3/5, 1st Floor, New Pandit Colony, Nasik-422002.	Advocate	Nasik, Maharashtra.
320. M.I. Hava	2nd Floor, Swastic Centre, 30-B, Swastic Society, Narrangpura, Ahmadabad-380009.	Advocate	Ahmedabbd, Gujarat.
321. P.M. Pradhan	5-A, Muland, Om Manisha, Cooperative Housing Society, G.V. Scheme, Road No. 1, Mulund (E), Bombay-400081.	Advocate	Bombay, Maharashtra.
322. K. Siddalah	Subhash Nagar, Lawyers Colony, Mandya City, Karnataka-571401.	Advocate	Mandya, Karnataka.
323. S.A. Sule	Govind Bhavan, Chimanbai Road, Navasari Distt. Bulser-396445, Gujarat.	Advocate	Bulsar, Gujarat
324. Bibas Chandra Mitra	3/4, Sribas Dutta Lane, Howrah, West Bengal.	Advocate	Howrah.
325. Navneet La! Verma	Laxmi Medical Store, Dhanmandi Road, Udaipur (Rajasthan).	Advocate	Udaipur,
326. A.S. Gupta	15, Park Road Tasker Town, Bangalore-560051.	Advocate	Bangalore, Karnataka.
327. B.L. Gowda	R. No. 49, "Vakkatiyara" Sangha Hostel, B.M. Road, Hassan.	Advocate	Hassan, Karnataka.
328. Ms. Satwant Kaur	385, Model Town, Jalandhar (Punjab)	Advocate	Jalandhar, Punjab.
329. Vikram Singh Varma	Collectorate, Bulandshahar (UP).	Advocate	Bulandshahar (UP).
330. Smt. Kamla Tewari	Behind Water Tank Kaberipuram, Heera Bagh, Civil Courts, Agra.	Advoc nte	Agra (UP).
331. S.K. Trivedi	Flat No. 103, Jay Braj Manck. Co-op. Housing Society Ltd., Opp. to Santokh Cinema, Station Road, Bhayander (W)-401101. Maharashtta.	Advocate	Distt. Thane & State of Maharashtra.
332. Harish Chandra	213, Anand Parbat, New Delhi-110005.	Advocate	Delhi.
333, Kishan Chand Saini	39-A, Jangpura Lane, Bhogal New Delhi-110014,	Advocate	Bhogal-Jangpura, New Delh

1	2	3	4	5
334. J	I.P. Goel	8828, Pul Bangash Naya Mohalla, Delhi.	Advocate	Delhi
335. 1	D.K. Prakash	645/A. 4th Main Und State Indira Negar, Bangalore.	Advocate	Bangalore City
336, I	Dushyant Kumar	618/D/8D, Shankar Lane, Pandhav Road, Viswas Nagar, Shahdera, Delhi-110032.	Advocate	Shahadern
337. 1	Narsimha Iyengar	289, Lakshmi Vilus Road, Mysore-570024.	Advocate	Mysore
338. 5	S.L. Saluja	30-A, Double Storey, Main Road, Opp Bus Stop, Mulkaganj, Delhi-110007.	Advocate	Delhi
339. I	K. Ashok Chakravarthy	226, Syden Rams Road, Choolai, Madras-112.	Advocate	Choolai
340. <i>I</i>	A.P. Surya Prakasam	47, Iyer Perumal Street, Royapettah, Madras-4.	Advocate	Royapettah Madras
341, 1	Narasimha Dev Rayalu	Aregundi House Ranipet, Hospet Karnataha.	Advocate	Bellary District.
342. N	M.J. He g de	10, Parna Qutir 2nd Floor, New Najindas Road Andheri (Fast) Bombay-49.	Advocate	Andheri East
343. I	O.K.G. Rangtas	3/B-44, Lohia Nagar Bombay Taximen's Co-op. Group Housing Society Bombay-70.	Advocate	Kurla (West)
344. I	H.D. Varthy	Malwani Village, Bombay	Advocate	Втовау
345. I	.N. Kayser	Raja Bahadur Mansion, R.N. 5E, IInd Floor 20, Ambelal Doshi Marg, Hawan Street, Bombay-400023.	Advocate	Fountain Area, Bombay.
34 6 . 1	Mahesh Kantilal Patel	405, Pragati Shopping Centre, Daftari Road, Malad (East), Bombay-400097.	Advocate	Maharashtra
347. j	ai Narayan Sharma	P.O. Ti-Bi-Distt, Ganganagar, Hanumangarh Sub-Div.	Advocate	Hanumangarh
348. 7	Murari Lal Midha	Ward No. 7, Anungarh Distt. Sriganganagar, Rajasthan.	Advocate	Anupgarh
149. F	Prem Chand Agarwal	1033/5-Jyoti Nagar, Red Road, Kurukshetra-132118. Haryana.	Advocate	Pehowa, Kurukshetra
350, I	Prabir Kumar Chowdhury	Mohanbati (Netaji Pally), P.O. Raiganj Distt. North, Dinajpur (WB).	Advocate	Raiganj Sadar, Dinajpur North.
351.	G.C. Roy Karmakar	Biswa Singha Road Cooch Behar-735101. West Bengal.	Advocate	Cooch-Behar
352. \$	Subhash Chandra Gupta	Ward No. 8, Mandi Dabwali (Sirsa) Haryana.	Advocate	Dabwali
353.]	Dharam Pal Rowis	Pehowa, Kurukshetra, Haryana.	Advocate	Pehowa
354.	Prem Kishan	43-R, Model Town Rewari, Haryana.	Advocate	Rewari

1 2	3	4	5
355. Govind Parj	Lal Bahadur Shastri Chowk. Baloba-344022, Rajasthan.	Advocate	Baloba
56 Puran Singh	Vill: Bohatwala, Jind-12 6 10 \. Haryana.	Advocate	Dair
57, Arun Kirari Kaluskar	Block No. 4-5104-A Sadguru Housing Society. Shivaii Nagar, Pune-16.	,\dvocate	Shivaji Nagar, Punc.
58, P.K. Rabatai	Sinnar, Distt. Nasik. Maharashtra.	Advocate	Nasik
59. Shantaram Datar	Anandi Apartment. Jog Compound, Agra Road, Kalyan.	Advocate	Kalyan
60. N.M. Amin	35/B, II Floor, 308, P. Nariman Street, Near R.B.1. Bombay-400023.	Advocate	Parel, Bombay
61. Prithvi Raj Malhotra	35/F, Roadways Road, Nilokherj, Distt. Karnal, Haryana.	Advocate	Karnal District
862. Rakesh Ch. Bhati	City Courts, Faridabad, Huryana.	Advocate	Faridabad
363, R.L. Auddy	Royal Insurance Building. 5, Netaji Subhash Road, Calcutta-700001.	Advocate	Calcutta & New Delhi.
864. S. Venka Reddy	Annapurna Nilaya, Near Bannikatti Kopal-583031 Karnataka.	Advocate	Koppal
365. H.G. Inamdar	Fort C.B.T. Hubli. Karnataka.	Advocate	Hubli
366. M.K. Srinivas	7/1 Chinappa Mansion West Park Road, 8th Cross Road, Makeshwaran, Mysore-3.	Advocate	Banglore
367. Rashid Hussain Siddiquic	11, Jha House, Nizamuddin West. New Delhi-110013.	Advocate	Delhi
368. Sunil Pundit	C-N, 115, Dayanand Colony. Laipat Nagar, Delhi.	Advocate	Delhi
369. Mala Sharma	No. 6547, Lane No. 2 Block No. 9, Dev Nagar, New Delhi-110005,	Advocate	D e lhi
370. Prodyut Kumar Ghosh	Vill, Hara P.O. Brahamputa, P.S. Haripal, Distt, Hoogly, West Bongal,	Advocate	Chandan Nagar West Benga
371. M. Mohtram	8136, Gali No. 4 Chimni Mill, Bara Hinda R.o., Dolhi-110006	Advocate	Delhi
372. Arobinda Gangully	Res & Chamber; Roma Villa. 53, Milan Park, Goria, Calcutta-700084.	Advocate	Garia, West Bengal
373. Ravinder Chadha	Res-cum-Office: 59, Vivekanandpuri Satai Rohilla, Delhi-110007,	Advocate	Delhi
374. Prabhu Dayai Sharma	Vill; Daulatpur Khurd, P.O. Khas, Distt, Bulandshahar (U.P.)	Advocate	Anupshahar, Sayana (UP)
375. Madan I af Chwala	WG-255, Mohalla tslamabad. Jalandhar City, Punjab.	Advocate	Jallandhar, Punjab

1 2	3	4	5
376. Ashok Kumar	Tehsil Road, Gurunankjee Factory Wali Gali, Malout Distt. Faridkot, Malout-152107, Punjab.	Advocate	Malout, District Faridkot Punjab
377. Kailash Nath Dheer	80, Gujral Nagar, Neat T.V. Centre, Jallandhar, (Punjab).	Advocate	Jalandhar, Punjah
378. Brijendra Kumar Awasthi	House No. 638, Mohalla Roti Godam, Sitapur (UP).	Advocare	Sitapur, U.P.
379. Sugandh Jain	49, Prem Puri, Muzaffarnagar, (UP).	Advocate	Muzaffar Nagar (UP)
80. Pijush Kunti Ghosh	Sarat Bose Road, Hakimpara. P.O. Siliguri, Distt. Darjeeling-734401. West Bengal.	Advocate	Siliguri, West Bengal.
81. Srikant Joshi	Mittal Colony, Near Old Bus Stand, Jhunjhunu-333001. Rajasthan.	Advocate	Jhunjhunu, Rajasthan
82. R.R. Dogra	PKT-GG-1, Flat No. 90 B. Vikaspuri, New Delhi-18.	Advocate	Dethi
83. Chander Shekhar	Sub-Tehsil, Jalalabad and Distt. Ferozopur, Punjab.	Advocate	Jalalabad & Distt. Ferozepur, Punjab.
84. Raj Kumar Sampson	Z/56A, Sector-J2 Noida (UP).	Advocate	NOIDA (UP).
85. Subhash Chandra Saxena	466, Nai Basti Shikohabad Road, Etah-207001, (UP).	Advocate	Etah (UP)
86. Shyam Sunder Singh	Tehsil Cempound, Ghaziabad-201601, U.P.	Advocate	Ghaziabad, UP.
87. B.Y. Jacob	K-19/H, Sheikh Sarai Phas∈-II, New Delhi-110017.	Advocate	DeJhi
88. D.S. Sarcen	CA-114/2, Tagore Garden, New Delhi-110027.	Advocate	Delhi
89. Ambrish Kumar Garg	45, Dwarakapuri, Muzaffar Nagar (UP).	Advocate	Muzaffar-Nagar (UP).
90. Arvind Kumar	165, K.P. Road, Bulandshahar (UP).	Advocate	Bulandshahar, U.P.
91. Mahendrapal Singh	150, Shanker Kuti S.K. Road, Meerut, U.P.	Advocate	Meurut (UP),
92. Lal Pratap Singh	Vill. Machichia, P.O. Sutauli, Distt. Bahraich (U.P.)	Advocate	Haharaich, U.P.
93. Ramesh Chandra Sareen	1255, Lalian Street, Near Police Post, Nawanshahar Doaba, Distt, Jalandhar, Punjab.	Advocate	Nawanshahar, District, Punjab.

[F. No. 5(81)/93-Judl.] P.C. KANNAN, Competent Authority

गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग)

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1994

का.आ. 1004--केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय को, जिनके 80 प्रतिणत कर्मचारी वृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है अधिसूचित करती है।

[संख्या 12022/1/94-रा.भा. (ख-2)]

क्रप्ण चंद्र श्रीवास्तव, उप भचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (Department of Official Language) New Delhi, the 21st March, 1994

S.O. 1004.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule (10) of the Official Languages (use for official purposes of the Union)

the Central Government hereby notifies the Ministry of Food Processing Industries the 80 per cent staff whereof have acquired a working knowledge of Hindi.

> [No. 12022/1/94-OL(B-II)] K. C. SRIVASTAVA, Dy. Secy.

कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन महालय

(कामिक स्रौर प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 11 श्रप्रैल, 1994

का.श्रा.1005---केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा दिल्ली बिहोष पुलिस स्थापना ग्रधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गावितयों का प्रयोग करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के म्रादेश संस्था 1318 टी/VI-11-94-293 एम/94 विनांक 11 मार्ख, 1994 हारा प्राप्त उत्तर प्रदेश राज्य सरकार की सहमति से विल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों ग्रौर ग्रिधिकारिता का विस्तार थाना फिलखाना में 25-2-94 को रजिस्टर्ड अपराध सं. 45/95 श्रीर थाना खालटोली जिला कानपुर नगर में 4-3-94 को रजिस्टर्ड भ्रपराध सं. 42/94 के संबंध में भारतीय दंड संहिता (1860 का ग्रिधिनियम सं. 45) की धारा 420/467/468/409/120-बी के अन्तर्गत दंडनीय अपराधों, तथा

(ख) उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संव्यवहार के भ्रानकम में किए गए किसी भ्रान्य अपराध श्रथवा श्रपराधों ग्रीर उपर्यक्त वर्णित किसी एक या एक से श्रधिक ग्रपराधों से संबंधित या उनसे संसक्त प्रयत्नों दुष्प्रेरणों ग्रीर पडयंत्रों के श्रन्वेषण के लिए सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश राज्य पर करती है।

> [सं. 228/9/94-ए.वी.डी.-II] ग्रार, एस, विष्ट, ग्रवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

ORDER

New Delhi, the 11th April, 1994

S.O. 1005.—In exercise of the powers conferred by subsection (I) of Section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (25 of 1946), The Central Government, with the consent of the State Government of Uttar Pradesh accorded vide order No. 1318 T/VIment of Uttar Pradesh accorded vide order No. 1318 1/VI-11-94-293-M/94 dated March 11, 1994, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Uttar Pradesh for investigation of the offences punishable under section 420/467/468/409/120-B of Indian Penal Code (Act No. 45 of 1800) in regard to crime No. 45/94 registered at Police Station Philkhana on 25-2-94 and crime No. 42/94 registered on 4-3-94 at Police Station Gwaltoli District Kanpur Nagar.

(b) And attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with one or more of the offences mentioned above and any other offence or offences committed in the course of the same transactions arising out of the same facts.

[No. 228/9/94-AVD.II] R. S. BISHT, Under Secy,

विस मन्नालय

(राजस्व विभाग)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 1994

का.भा. 1006 -- भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेणी मुद्रा संरक्षण ग्रौर तस्करी निवारण ग्रधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा 1 के भ्रधीन भ्रादेश फा. सं. 673/54/93-सी.श्.-8 दिनांक 19-5-93 को यह प्रादेण जारी किया था कि श्री मकेश वन्सल पुत्र श्री बी.पी. बन्मल ए-2/120-121 जनकपूरी, नई दिल्ली को निरुद्ध कर लिया जाए ग्रीर केन्द्रीय कारागार तिहाडु, नई दिल्ली में ग्रभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में माल की तस्करी का दूष्प्रेरण करने श्रौर तस्करित माल का व्यवहार करने से श्रन्यथा तस्करित माल के परिवहन करने से रोका जाए ।

- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त श्रादेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- अतः ग्रब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (I) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वीक्त व्यक्ति इस **ब्रावेश के शासकीय राजपन्न में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर** पुलिस ग्रायुक्त, नई विल्ली के समक्ष हाजिर हों।

[फा.सं. 673/54/93-सी,श्.-8] जे.एल. साहनी; ग्रवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue) ORDER

New Delhi, the 13th April, 1994

S.O. 1006.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/54/93-Cus. VIII dated 19-5-1993 under the said sub-section directing that Shri Mukesh Bansal, S/O Shri V. P. Bansal, A-2/120-121, Janakpuri, New Delhi be detained and kept in custody in the Central Jail, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from abetting the smuggling of goods and dealing in smuggled goods otherwise than by engaging in transporting smuggled goods, in future.

2. Whereas the Central Jan, Thiai, New Delin with a view to preventing the smuggling of goods and dealing in smuggled goods, in future.

that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by Clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

J. L. SAWHNEY, Under Secv.

आदेश

नई दिल्ली 18 ग्रप्रैल, 1994

का.आ.1007.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन आदेश फा.सं. 673/382/91-सी.णु.-8 दिनांक 18-9-91 को यह आदेश जारी किया था कि उत्तम चन्द भ्रमल जैन बी-23, सिधाचल दर्शन सेठ मोतीशा लेन, बाईकुला, बम्बई-400027 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार बम्बई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे भविष्य में माल की नस्करी का दुष्प्रेरण से रोका जा सके।

- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण हैं कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त श्रादेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. ग्रतः ग्रब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (I) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए यह निर्देण देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस ग्रादेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाणन के 7 दिन के भीनर ग्रातिरिक्त मेट्रोगेलिटन मिजिस्ट्रेट के समक्ष हाजिर हों।

[फा.सं. 673/382/91-सी.ण्.-8] जे.एल. साहनी श्रवर मचिव

ORDER

New Delhi, the 18th April, 1994

- S.O. 1007.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/382/91-Cus-VIII dated 18-9-91 under the said sub-section directing that Shri Uttam Chand Bhur Mal Jain B-23. Sidhachal Darshan, Sheth Motisha Lane, Byculla, Bombay-400027 be detained and kept in custody in the Central Jail, Bombay with a view to preventing him from abetting the smuggling of goods in future.
- 2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of power conferred by Clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the ACMM, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/382/91-Cus.VIII] J. I. SAWHNEY, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रासय

विदेश व्यापार महानिदेशालय

आदेश

नई दिल्ली, 15 श्रप्रैल, 1994

का.श्रा. 1008 — मैं. एस. के.एस. लि. नई दिल्ली को एस के श्रो डी ए (1600 के.बी.ए.) 1280 के डक्क्य सी के डी डीजल जन सेट नग । के श्रायात के लिए 72,56,500/-रुपए (बहुत्तर लाख छप्पन हजार पांच सी क्ष्पए मात्र) की लागत बीमा भाइ। मूल्य का एक ग्रायात लाइसेंस संख्या पी/सी जी/2132757 दिनांक 16-2-94 मंजर किया गया था।

2. फर्म ने उक्त लाइसेंस का विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति की अनुलिप इस आधार पर जारी करने के लिए आवदन किया है कि लाइसेंस की मृल सीमाण्लक प्रयोजन विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति खो गई हैं या गुम हो गई है। यह भी बताया गया है कि लाइसेंस को बीमण्णुल्क प्रयोजन प्रति ग्रीर विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति किसी भी कस्टम हाउस से पंजीकृत नहीं कराया गया था श्रीर इसकी णून्य रु. की राशि प्रयोग में लायी जा चकी है लेकिन इसकी श्रेष राशि 72,56,500 - रुपये का उपयोग नहीं हम्रा है।

3. श्रपने तर्क के समर्थन में लाइसेंसधारी ने नोटरी पिल्लक नई दिल्ली के समक्ष विधिवत श्रपथ लेकर स्टाम्प पेपर पर एक हलफनामा दाखिल किया है। तदनुसार मैं संतुष्ट हूं कि श्रायान लाइसेंस संख्या पी/सी जी/2132757 दिनांक 16-2-94 की सीम:शुल्क प्रयोजन प्रति/विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रति फर्म से खो गई है या गम हो गई है। यथा संशोधित ग्रायान (नियंत्रण) ग्रादेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 के उपखंड 9(ग) (ग) के श्रन्तगंत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मंससे एस.के.एस. लि. नई दिल्ली को जारी की गई उक्त मूल सीमाणुक्क प्रयोजन प्रति/विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रनिसं. पी/सी जी/2132757 दिनांक 16-2-94 एतद्इरण रह की जानी है।

4. पार्टी को उक्त लाइसेंस की दूसरी सीमाणुल्क प्रयोजन प्रति/विनिमय नियंवण प्रयोजन प्रति ग्रलग से जारी की जा रही है।

> [फाइल सं. $18/\sqrt{9}$ एम/94/1451/ई भी सीजी-3/92] माया डी. केम, उप-महानिदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

(Directorate General of Foreign Trade)

ORDER

New Delhi, the 15th April, 1994

- S.O. 1008.—M/s. S.K.S. Ltd., New Delhi, were granted an import licence No. P/CG/2132757, dated 16-2-94 of cif value Rs. 72,56,500 (Rs. Seventy two lakhs fifty six thousand and five hundred only) for import of SKODA (1600 KVA) 1280 KW CKD DIESEL GEN SET NO. 1.
- 2. The firm has applied for issue of duplicate copies of Custom purpose and exchange control purpose copies of the above licence on the ground that the original Custom purpose copy/Exchange control purpose copy of the licence has been lost or misplaced. It has further been stated that the custom purpose/cxchange control purpose copy of the licence were not registered with Customs House, and has been utilised for a sum of Rs. nil leaving an unutilised balance of Rs. 72.56,500.
- 3. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before Notary Public, New Delhi. I am accordingly satisfied that the custom purpose/Exchange control purpose copy of import licence No. P/CG/2132757 dated 16-2-94 has been lost or misplaced by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 9(cc) of the import (control) order, 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said original custome purpose copy/exchange control purpose copy No. P/CG/2132757 dated 16-2-1994 issued to M/s, S. K. S. Ltd., N. Delhi, are hereby cancelled.

4. The duplicate custom purpose copy/exchange control purpose copy of the said licence are being issued to the party

separately.

[F. No. 18/1451/AM'94/EPCG-III|92] MAYA D. KEM. DY, Director General

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंवालय

भारतीय मानक ब्यूरो 🤺

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1994

का.ग्रा.1009.--भारतीय मानक ब्यूरो (प्रमाणन) विनियम 1988 के विनियम 5 के उपविनियम (6) के श्रनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्द्वारा अधिसूचिन करता है कि निम्न विवरण वाले लाइसेंस/लाइसेंसों को उनके श्रागे दर्शायी गई तारीख में रह कर दिया गया है।

लाइसेम स .	लाइसेंस धारी का नाम और पता	लाइमेंस में दिए गए प्रक्रम/वस्तु सम्बद्ध भारतीय मानक सहित	रद्द किए जाने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)
0155837	यृतिवर्सल केवल लि . सतना	णिरोपरि प्रेषण हेतु ए≂युमीनियम के चालक भाग 1 एल्युमीनियम के लड़दार चालक श्राई एस : 398 (भाग 1) : 1976	1993-04-01
0303927	पारम (प्रा) लि., पाली	शिरोपरि प्रेषण हेतु एल्युमीनियम के चालक भाग 1 एल्युमीनियम के लड़्दार चालक स्राई एस : 398 (भाग 1)−1976	1993-01-01
0973265	मुरारका एन्रप्राइटजेज, कोटा	वही	1993-04-01
1131626	यूनिवर्सल केबल्स लि . , सतना	− वही−	1993-04-01
1197151	मांडला केबल्स एण्ड कंडक्टर्स कारपा., जबलपुर (म.प्र.)	वह ी	1993-05-01
1713345	नेग्ननल मैन्य्फैक्चररर्स, उल्हासनगर	1100 त्रो तक कार्यकारी वोल्टता हेतु पी वी सी रोधित केवल म्राई एस : 694–1977	1993-04-01
1758872	नेशनल मैन्युफैक्वरसं, उल्हासनगर	पी त्री सी रोधित (हैवी डयूटी) बिजली की केबल भाग 1 1100 त्रो तक कार्यकारी वोल्टना हेतु ग्राई एस : 1554 (भाग 1)~1988	
2181646	यूनिवर्सल केबल्स लि . , सत्तना	105 [°] में पर प्रचालन हेतु बिजली के उपस्करों हेतु निमज्जय मोटनों के लिए पो वी सी वेप्टन तार ग्राई एस : 10051–1981	1993-04-01
2373352	जयलक्षी सपलाई कारपो, कलकत्ता	केनवस के जूते, रवड़ के तले— धाई एस : 3735–1884	1992-10-16
2384256	काट्मल संस भ्रायल्स लि . , बम्बई	त्रनस्पति ग्राई एस : 10633~1986	1993-03-16
2407242	नेशनल मेन्युफ ैक्ब रसं, उल्हास नगर	85 डिग्री से . पर प्रचालन हेतु निमज्जय मोटर हेतु पी वी सी रोधित वेष्टन तार भ्राई एस : 8783–93–04–01	1993-04-01
7006653	राम कृष्ण इस्पात लि . , रायगङ्	त्रेल्डनीय संरचना इस्पात श्राई एस : 2062–1984	1993-01-16

[सं. के.प्र.बि/13: 13]

एन . श्रीनिवासन, अपर महानिदेशक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Dolhi, 30th March, 1994

S.O. 1009.—In pursuance of sub-regulation (6) of regulation 5 of the Bureau of Indian Standards (Certification) Regulation 1988, the Bureau of Indian Standards hereby notifies that the licence(s) particulars of which is /are given below has/have been Cancelled with effect from the date indicated against each:

SCHEDULE

Licence No. CM/L()	Name and Address of the licence	Article/Process with relevant Indian Standard covored by the licence cancelled	Date of Cancella- tion	
(1)	(2)	(2) (3)		
0155837	Universal Cables Ltd., Satna.	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part I Aluminium stranded conductors IS: 398 (Part 1)—1976	1993-04-01	
0303927	Patas (P) Ltd., Pali	Aluminium conductors for overhead transmission purposes: Part 1 Aluminium stranded conductors— IS: 398 (Part 1)—1976	1993-04-01	
0973265	Murarka Euterprises, Kota	-do-	1993-04-01	
1131626	Universal Cables Ltd., Satna	-do-	1993-04-01	
1197151	Mandla Cables & Conductors Corpn., Jabalpur (M.P.)	-do-	1993-05-01	
1713345	National Manufacturers Ulhasnagar	PVC insulated cables for working voltages upto and including 1100 volts— IS: 694—1977	1993-04-01	
1758872	National Manufacturers Ulhasnagar	PVC insulated (heavy duty) electric cables: Part 1 For working voltages upto and including 1100 V—IS: 1554 (Part 1)—1988	1993-04-01	
2181646	Univesal Cables Ltd., Satna	PVC insulating winding wires for sub- mersible motors for electrical equip- ment for 105 degree centrigrade operation IS: 10051—1981		
2373352	Jayalkshi Supply Corpn., Calcutta	Canvas shoes. rubber soles— IS: 3735—1984	1992-10-16	
2384256	Katumal Sons Oils Ltd., Bombay	Vanaspati— IS: 10633—1986	1993-03-16	
2407242	National Manufacturers Ulhasnagar	PVC insulated winding wires for sub- merisble motors for 85 Corporation— IS: 8783-93-04-01	1983-04-01	
7006653	Ramkrishnan Ispat Ltd., Raigad	Weldable structural steel— IS: 2062—1984	1993-01-16	

[No. CMD/13:13]

कोथला मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1994

का.श्रा. 1010.-केन्द्रीय भरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में उल्लिखित भूमि में कीयला ग्रभिप्राप्त किए जाने की संभावना है.

श्रातः भ्रातः, कोन्द्रीय मरकार, कोथला धारक क्षेतः (श्रर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है, धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिकतयों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कीयले का पूर्वक्षण करने के श्रपने भ्राणय की सूचना देती है।

इस भ्रधिसूचना के अन्तर्गत भ्राने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. राजस्व/12/93 तारीख 25 जून, 1993 का निरीक्षण सेन्ट्रल शंलगील्डम लिमिटेड (राजस्व श्रनुभाग), दरभंगा हाउम, रांची के कार्यालय में या कोयला नियंवक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट-कलकत्ता के कार्यालय में या उपायुक्त, हजारीबाग (बिहार) के कार्यालय में विया जा सकता है।

इम ग्रिधिमूचना के श्रन्तर्गत ग्राने वाली भूमि में हितवद्ध सभी व्यक्ति उस ग्रिधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्विष्ट सभी नक्शों, चार्टों और ग्रन्य दस्तावेजों को, ३म ग्रिधिमूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से नव्के दिन के भीतर, भार साधक ग्रिधिकारी/विभागाध्यक्ष (राजस्य) मेन्ट्रल कोलफील्डम लिमिटेड बरभेगा हाउस, रांची को भेजेंगे।

ग्रन्सुची

यूरीमरी ब्लाक विस्तार-II (बलरामपुर) दक्षिण करनपुर कोयला क्षेत्र, जिला हजारीबाग (पृर्वेक्षण के लिए ब्रिधिसूचित भूमि दशति हुए)

कम ग्राम र्स.	थाना	थाना सं .	जिला	क्षेत्र एकड़ में	क्षेत्रहेक्टर में	टिप्पणियां
1. जरजरा	बरकागांव	156	ह्जारीवाग	73.00	29,56	भाग
			कुल क्षेत्र : या		73. 00 एकड़ 29. 56 हेक्टर	

सीमावर्णन :

क—ख रेखा "क" विन्दु से भ्रारंभ होती है और ग्राम जरजरा जो का.श्रा. 4609,तारीख 24 दिसम्बर, 1983 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) के ग्रश्चीन यूरीमरी ब्लाक विस्तार-1 से सम्मिलित सीमा बनाती है, से होकर जाती है और "ख" बिन्दू पर मिलती है।

ख–ग रेखा ग्राम जरजरा से होकर जाती है और "ग" विन्दु पर मिलती है। ग–घ रेखा ग्राम जरजरा से होकर जाती है और "घ" बिन्दु पर मिलती है।

थ—क रेखा थ्राम जरजरा से होकर जाती है और ग्रारंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[फा.सं. 43015/2/94-एल एस डब्ल्यू] बी.बी.राव, ग्रवर सचिव

MINISTRY OF COAL New Delhi, the 25th March, 1994

S.O. 1010.—Wheras it appears to the Central Government that Coal is likely to be obtained from the land mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan No. Rev/12/93 dated the 25th June, 1993 of the area covered by this notification can be inspected in the office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar).

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Officer in Charge/Head of the Department (Revenue), Central Coalfields Limited, Darbanga House, Ranchi, within ninety days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE

URIMARI BLOCK EXTENTION—II (Balrampur)

SOUTH KARANPURA COALFIELD

DISTRICT HAZARIBAGH

(Showing land notified for prospecting)

S. Village No.	Thana	Thana number	District	Area in acre	Area in hecare	Remarks
1. Jarjara	Barkagaon	156	Hazaribagh	73.00	29.56	Part
					(ap	73.00 acres proximately) 9.56 hectares proximately)

Boundary description :-

- A—B line starts from point 'A' and passes through village Jarjara which forms common boundary with Urimari Block Extn. I acquired under the said Act vide S.O. No. 4609 dated the 24th December, 1988, and meets at point 'B'.
- B-C line passes through village Jarjara and meets at point 'C'.
- C-D line passes through village Jarjara and meets at point 'D'.
- D-A line passes through village Jarjara and meets at standing point 'A'.

[No. 43015/2/94-LSW] B.B. RAO, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1994

का. था. 1011 - केंग्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि इसमें उपाबद्ध धनुसूची में उल्लिखित भूमि में कीयला श्रभिप्राप्ति किए जाने की संभावना है।

न्नतः स्रव, केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (श्रर्जन और विकास) ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसकें पण्चातृ उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिक्तयों का प्रयोग करते हुए, उस क्षेत्र में कोयजा का पूर्वेक्षण करने के श्रपने ग्राणय की सूचना देती है,

इस श्रिधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र रेखांक सं. राजस्व/33/92 तारीख 19 अगस्त, 1992 का निरीक्षण सेन्ट्रल कोलफील्ड लिसिटेड (राजस्व विभाग) दरभंगा ह् रांची के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्टीट कनकता के कार्यालय में या उपायुक्त चतरा (बिहार) के कार्यालय में या उपायुक्त हजारीबाग बिहार के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस ग्रधिसूचना के ग्रधीन ग्राने वाली भूमि में हितबढ़ सभी व्यक्ति उक्त श्रधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निविष्ट भभी नक्णों, चार्टी और ग्रन्य दस्तावेजों को, इस ग्रधिसूचना के राजपत्र मे प्रकाणन की तारीख से नक्ष्ये दिन के भीतर, भार साधक ग्रधिकारी/विभागाध्यक्ष (राजस्व) मेन्द्रल कोलफील्डम लिमिटेड दरभंगा हाउस राची को भेंजेंगे ।

प्रट्सुची

पटचारा ब्लाक

उत्तर करनपूरा कोलफील्डम

			·			
श्रम ग्राम श सं.	राना 💮 🗀	थाना सं.	जिला	क्षेत्र एकड् में	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणियां
1. चट्टी बरियातु	बरकागांव	14	 हजारीबाग	500,00	202.34	भाग .
2. चट्टी जोरवाग	बरकागांव	15	हजा रीबा ग	650.00	263.04	भाग
 चट्टी नवाखाप 	तंदवा	47	चतरा	535.65	216.17	पूर्ण
4. चट्टी पटचारा -	तंदवा	48	चंतरा	722.11	192.22	पूर्ण
5. रझवा	त दवा	53	चतरा	565, 18	228.72	पूर्ण
6. उड़ सू	तंदवा	54	य तरा	165,00	66.77	भाग
7. बुकरम	तंदवा	55	चतरा	162.06	. 65, 58	भाग
		-	कुल		3300,00 एक	ड़ (लगभग)
			या		1335.44 हैक्ट	र (लगभग)

_	•	
योख	. जाएज	-
सामा	1 41 71 11	-

क-ख रेखा "क" बिन्दु से ग्रारंभ होती है और भागत नवाखाप और किश्नुनपुर, नवाखाप और सेरांडाग, पटचारा और मेरनडाक, पटचारा और विगलाट, रक्षवा और बिगलाट, रक्षवा, और कुमारांग कर्ला, रक्षवा और उडसू ग्रामों की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ चलती है तथा "ख" बिदु पर मिलती है । ख-ग रेखा ग्राम उडसू से होकर गुजरती है तथा "ग" बिन्दु पर मिलती है ।

ग—घ रेखा ग्राम उडसू, बुकरम और जोरडाग से होकर गुजरती है तथा "घ" बिन्दु पर मिलती है। घ—ङ रेखा ग्राम जोरडाग और चट्टी वरियातू से होकर गुजरती है और "ड" बिन्दु पर मिलती है।

ङ-क रेखा भागतः चट्टी बरियातू और पार्रा, नवाखाप और पार्स, नवाखाप और सिसाई ग्रामों की सम्मिलित सीमा कै: सार्थ-साथ चलती है तथा आरंभिक बिन्दू "क" पर मिलनी है।

> [फा.सं. 43015/4/93--एल एस डब्ल्यू] की.बी.शव, श्रवर सचिव

Now Delhi, the 25th March, 1994

S.O. 1101. Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein:

The plan No. Rev 33/92 dated the 19th August, 1992 of the area covered by this notification can be in psected in the Office of the Central Coalfields Limited, (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi or in the Office of the Coal Controlle-, 1. Council House Street, Calcutta or in the Office of the Deputy Commissioner, Chatra (Bihar) or in the Office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar).

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Officer in Charge /Head of the Department (Revenue), Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi, within ninety days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE PATCHARA BLOCK NORTH KARANPURA COALFIELD

Sl. No.	Villago	Thana	Thana number	District	Area in acres	Area in hectares	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
	Chatti Bariatu	Barkagaon	14	Hazaribagh	500,00	202.34	Part
2. J	lordag	Barkagaon	15	Hazaribagh	650.00	263.04	Part
3. 1	Vawakhap	Tandwa	47	Chatra	535.65	216.77	Full
4. F	Patchara	Tandwa	48	Chatra	722.11	292.22	Full
5. F	Rajhwa	Tandwa	53	Chatra	565.18	228.72	Full
6. T	Ursu	Tandwa	54	Chatra	165.00	66.77	Part
7. I	Bukrum	Tandwa	55	Chatra	162.06	65.58	Part
		Total	3300.00	acres (approximate	ly)		
		or	1335.44	hectares (approxim	nately)		

Boundary description:

- A—B Line starts from point 'A' and passes along part common boundaries of villages Nawakhap and Kishunpur, Nawakhap and Serandag, Patchara and Serandag, Patchara and Binglat, Rajhwa and Kumarang kalan, Rajhwa and Ursu and meets at point 'B'.
- B-C Line passes through village Ursu and meets at point 'C'.
- C-D Line passes through village Ursu, Bukrum and Jordag and meets at point 'D'.
- D-E Line passes through villages Jordag and Chatti Bariatu and meets at point 'E'.
- E-A Line passes along part common boundaries of villages Chatti Bariatu and Parra, Nawakhap and Parra, Nawakhap and Sisai and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/4/93-LSW] B.B. RAO, Under Secy.

नई दिस्सी, 30 मार्च, 1994

का.आ. 1012.--केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला श्रीभप्राप्त किए जाने की संभावना है ;

श्रतः, ग्रब, केन्द्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (ग्रर्जन श्रौर विकास) श्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् उक्त ग्रधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने ग्राशय की सूचना देनी है;

इस अधिसूचना के श्रधीन शाने वाले क्षेत्र रेखांक के सं. एस ईसी एल/बी एस पी/जी एम (योजना) भूमि 118 तारीख़ 1 फरवरी, 1993 का निरीक्षण साऊथ बैस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड (राजस्व विभाग) सीपत रोड् बिलासपुर−495001 के कार्यालय में या कलक्टर शाहडोल (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, कान्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकता के कार्यान् लया में किया जा सकता है।

इस ग्रधिसूचना के ग्रधीन ग्राने वाली भूमि में हितवज्ञ सभी व्यक्ति उक्त ग्रधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिश्ट सभी नक्शों, बाटौं और ग्रन्य दस्तावजों को इस अधिसूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर भार साधक ग्रधिकारी/विभागाध्यक्ष (राजस्व) साउथ ईस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड सीपत रोड, बिलासपुर-495001 को भेजेंगे।

धनुसूची उरतान स्लाक "ए" जमुना–कोतमा क्षेत्र जिला––गहडोल (मध्य प्रदेश)

रेखांक सं. ए.ई.सी.एल./बी.एस.पी./जी.एम./योजना/भूमि/118, तारीख 1 फरवरी, 1993

कम सं.	ग्राम का नाम	पटवारी हलका	सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र है न टर में	टिप्पणियां
1. पथरीड़ी	<u> </u>	8	कोतमा	गह	<u></u> ऱ्डोल	1010.553	भाग
2. बसखली		8	कोतमा	शह	ह औल	600.777	भाग
3. मौह्यरी		9	कोतमा	शह	हडोल	208.071	पूरा
4. बसख ला		9	कोतमा	शह	्डो ल	454.890	भाग
5. ঠা ৰ তা		9	कोतमा	माह	इ ोल	568.448	पूरा
6. सामाटोसा		10	कोतमा	शह	्डोल	75.878	भाग
7. गढ़ी		11	कोतमा	मह	डोल	30.351	भाग

2948.968 हैमटर (लगभग)

7286, 90 एकड (लगभग)

	_
_	
atu i	य ज न

• • •		
क-ख−ग −ध	:	रेखा ग्राम लामाटोला में 'क' बिन्दु से ग्रारंभ होती है ग्रौर लामाटोला, गग्नी, बसखला, पथरोडी ग्रामों से होकर गुजरती है तथा "घ" बिन्दु पर मिलती है ।
७-इ-च	:	रेखा केवई नदी के पश्चिमी किनारे के साथ-साथ अलती है तथा 'च' बिन्दु पर मिलती है।
च- ह⊶ज	;	रेखा पथरौडी बसखली ग्रामों से होकर गुजरती है तथा 'ज' बिन्दु पर मिलती है।
ज⊶झ–अ	:	रेखा ग्राम डोडरा की दक्षिणी श्रौर पश्चिमी सीमा के साथ-साथ चलती है तया 'ब' बिन्दु पर मिलती है।
य - क	:	रेखा ग्राम लामाटोला से होकर गुजरती है और ग्रारंग्शिक बिन्दु के पर मिलती है।

[फा.सं. 43015/3/93 एल एस डब्ल्यू] बी. बी. राव, अवर सचिव

New Delhi, the 30th March, 1994

S.O. 1012,—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedula hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powes conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Area, (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to propsect for coal therein.

The Plan bearing No. SECL/BSP/GM(PLG)/Land/118 dated the 1st February, 1993 of the area covered by this notification can be inspected in the office of the South Eastern Coalfields Limited, (Revenue Section), Scopat Road, Bilaspur-495001 or in the office of the Collector, Shahdol (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of Section 13 of the said Act to the Officer in Charge/Head of the Department (Revenue), South Eastern Coalfields Limited, Seepat Road, Bilaspur within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE URTAN BLOCK "A" JAMUNA-KOTMA AREA DISTRICT-SHAHDOL (MADHYA PRADESH)

Plan No. SECL/BSP/GM/PLG./LAND/118 dated 1st February, 1993.

Si. Name of village No.	Patwari halka number	Tehsil	District	Area in hectares	Remarks	
l. Pathrodi	8	Kotma	Shahdol	1010.553	Part	
2. Baskhali	8	Kotma	Shahdol	600.777	Part	
3. Mouhari	9	Kotma	Shahdol	208.071	Full	
1. Baskhala	9	Kotma	Shahdol	454.8 9 0	Part	
5. Thorha	9	Kotma	Shahdol	568.448	Full	
5. Lamatola	10	· Kotma	Shahdol	75.878	Part	
7. Garhi	11	Kotma	Shahdol	30.351	Part	

Total

2948.968 hectaros

(approximately)

QΓ

7286.90 acres

(approximately)

Boundary description :--.

A-B-C-D

Line starts from point 'A' in village Lamatola and passes through villages Lamatola, Garhi,

Baskhala, Pathrodi and meets at point 'D'.

D-E-F

Line passes along the western bank of Kewai river and meets at point 'F'.

F-G-H

Line passes through villages Pathrodi, Baskhali and meets at point 'H'.

H-I--J

Line passes along the southern and the western boundaries of villages Thorha and meets

at point 'J'.

J--A

Line passes through villages Lamatola and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/3/93-LSW] B.B. RAO, Under Secy.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षाविमाग)

नई दिल्ली, 7 मप्रैल, 1994

का .प्रा. 1013.--केन्द्रीय सरकार राजमाण (तंध के सरवार्ट्ट प्रमोजनां के लिए प्रयोग (निमम 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में मानव संसाधन विकास मंत्रायय (शिक्षा विकास) के निकनिविधित स्थायत्त संगठन को जिसमें 80% से प्रधिक कर्मचारियों ने हिस्दों का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिद्वाचित गरता है:--

इंडियन इंस्टिट्यूट घाफ मेनेजमें ट, प्रचण्ड नगर, प्राफ सीतापुर रीड, लचनक-226013

> [मं. 11011-2/92-चा.पा.ए]] को.पी. चादला, निदेशक (राजभाषा)

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (Department of Education)

New Delhi, the 7th April, 1994

S.O. 1013.—In pursuance of Sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for Official Purpose of the Union) Rules 1976, the Central Government hereby notifies the following autonomous organisation of the Ministry of Human Resource Development (Department of Education) more than 80 per cent Staff of which has acquired working knowledge of Hindi:—

Indian Institute of Management, Prabandh Nagar, off Sitapur Road, Lucknow-226013.

[No. 11011-2/92-O.L.U.]
O. P. CHAWLA, Director (O.L.)

पैट्रोंलियम और प्राकृतिक गैस मन्नासय नई दिल्ला, 15 धर्मण, 1994

का आ . 1014.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रीलियम और खनिज प्राप्ता लाइन (मूमि में उपरोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की (जिस इसमें एडके परकार उक्त अधिकार का कर्जा है) धारा 3 की उपधारा (1) के अर्थीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रीलियम और प्राष्ट्रिक गैंस मंत्रालय की अर्थियुक्ता संख्यांक का आ . 93 तारीख 8 जनवरी 1994 द्वारा पेट्रीलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उस अधिसुकना से संलग्न अनुसूकी में विनिर्विष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन के अपने आयार की भोषणा की थी;

मीर उक्त राज्यन प्रक्षिसुबना की प्रतियों जनता की तरीख 19 जनवरी 1994 की उपलब्ध करा दी गई थी;

ग्रीर उपन ग्राधिनियम को घारा 6 की उपधारा (1) के श्रनुषरण में सक्षम प्राधिकारों ने केम्ब्रीय सरकार को प्रपनी रिपोर्ट दे दो है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विकार गरने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस श्रिष्ठिचना से संलग्न श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के श्रिष्ठकार का श्रर्णन किया जाना । चाहिए ;

अतः अ्ब, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रयक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करतो है कि इस प्रधिसूचना संस्तान अनुसूची में विनिधिष्ट भूमि में उपभोग के प्रधिकार का प्रजीन किय, अस्ता है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार, उकत धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रथस शिक्षयों का प्रयोग करते हुए, धाने यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विसर्गमी से मुक्त, इंडियन आधक कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

मनुसूर्यः

तहसील : मामेर	f	जलाः जयपुर	: राजस्थान			
			क्षेत्रफल	r		
गांव का नाम	धासरा नं.	है न्टर	म्रार	 त्रगॅमिटर		
1	2	3	4	5		
स्यारी	63	00	27	36		
रामपुरा उर्फ ^त	73	00	02	86		
बाग्यावासा	74	00	05	40		
	76	00	28	16		

[सं. कार-31015/3/92-को, कार.]] कुमर्द प सिंह, अवर सुचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL, GAS

New Delhi, the 15th April, 1994

S.O. 1014 —Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural

Gas No. S.O. 93, dated the 8th January 1994, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

and whereas copies of the Gazette notification has been made available to the public on the 19th January, 1994;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section(1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification should be acquired;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by subsection (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instread of vesting in the Central Government, yest, free from all encumbrances, in the Indian Olf Corporation Limited;

SCHEDULE

Tehsii : Amber	District : Jaipur	: Jaipur State : Rajas		
				
		Arca		
				
Name of Village	Khasra Hec	tere Are	Continue	

Name of Village	Khasra No.	Hectore	Arc	Centiare
1	2	3 /	4	5
Syari	63	00	7	36
Rampura Urf	73	00	02	86
Banyawala	74	00	05	40
	76	00 -	28	16

[No. R-31015/3/92-O.R-I] KULDIP SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 मंत्रील, 1994

का आ 1015.—केन्द्रीय सरकार, पैद्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (मूमि में उपयोग के मिक्कार का मर्जन) मिक्कियम, 1962 (1962 का 50) की मारा 2 के खण्ड (क) का मनुकरण करते हुए, और भारत सरकार के पैद्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंतालय की मिक्किया सं. 736 हारीख 24 फरवरी, 1992 को उन नार्तो के सिवाए, अधिकांत करते हुए, जिन्हें ऐसे प्रधिकामण हो पहले किया गया है या करने का तीप किया गया है, भीचे की मनुसूर्ण के स्तम्भ (1) में उस्लिखित अधिकारी को, उक्त मनुसूर्ण के स्तम्भ (2) में तस्स्थानी प्रविध्व में उस्लिखित क्षेत्रों के मीतर उक्त प्रधिनियम के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कृत्य करते के जिए प्रधिकृत करती है।

मनुसूषी	
प्राधिकारी का नाम और पता	क्षेत्र
(1)	(2)
श्री एस के राय, उप प्रबन्धक (मेन लाइन), इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, हल्दिया-मोरीग्राम-राजवंद-वरौनी पाइपलाइन्स, उा. दोल्लया-अंदुल मीरी, मीरीग्राम, जिला हानका-711302	परिचमी बंगाल राज्य

ृ [सं. ग्रार. 31015/1/84-ओ.आर. I] हुलदीप सिंह, ग्रवर सचित्र

New Dolhi, the 15th April, 1994

S.O. 1015 —In pursuance of clause (a) of section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) and in supersession of the notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 736 dt. 24/02/92, expect as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby authorises the authority mentioned in column (1) of the Schedule below to perform the functions of the competent authority under the said Act, within the areas mentioned in the corresponding entry in column (2) of the said Schedule :—

SCHEDULE

Authority and Address	Area
(1)	(2)
Shri S.K. Roy, Dy. Manager (Mainline). Indian Oil Corporation Ltd., Haldia-Mourigram-Rajbandh-l Pipelines, P.O. Dollya Andul-Mouri, Mo District: HOWRAH-711 302	
K	[No. R. 31015/1/94-OR-I] ULDIP SINGH, Under Socy

नई विस्ती, 15 मप्रैल, 1994

भा.भा. 1016.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में ऐसा प्रायस्थक है कि राजस्थान राज्य में चाकसू से हरियाणा राज्य में पानीपत तक पैद्रोलियम के परिचहन के लिए इंडियन भायल कारपोरेशन द्वारा पाइपलाइन बिछाई जाए;

भीर ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त पाइएलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए प्रधिसूचना से उपायद्ध धनुसूची में धणित भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन करना भावश्यक है;

मतः भन, केन्द्रीय सरकार, पैट्रोशियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के भयिकार का मर्जन). मधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपवारा (1) द्वारा प्रवश्न करितयों का प्रयोग करते हुए, उनमें उचयोग के भ्राधिकार का मर्जन करने के भ्रापन भाग्यों की भीषणा करती है;

्उक्त धनुसूची -में विणित - भूभि म ाहतवब काह व्यासत, उस ारीख से जिसको, राजपत्र में यथा प्रकारित इस ब्राधिसुचना की प्रतियां साधारण जनता को छपलक्ष करा वी जाती है, 21 दिन के मीतर भूमि के नीचे पाईप लाइण बिछाने के सम्बन्ध में उनमें उपयोग के प्रधिकार का प्रर्जन करने सम्बन्धी धापित लिखित रूप में माक्षेप श्री भार पी. कौशिक, सक्षम प्राधिकारी, हरियाणा, कोठी नम्बर 1158, प्रर्बन एस्टेट, सैक्टर-13, करनास, हरियाणा को कर मकेगा।

भनुसूची

तहसीस : रिवाड़ी	जिस	विसा: रिवाड़ी राज्य			ः हरियाणा		
गांव का नाम	हृदबस्त नं	मुस्ततीस न किसा नं.	./	ন্দ্রর হ ল			
	"1.	17001 71.	हेक्टर	भार	वगॅनीटर		
1	2	3	4	5	6		
ठोठकालका	139	32					
,		17	0	01	77		
हुसैमपुर	134	38					
		22/1	0	06	07		
		22/2	0	01	26		
		46					
		1/2	0	01	20		
		2	0	09	63		
		9/1	0	00	26		
		9/2	0	00	25		
		10/1	0	10	6:		
		11/1	0	00	23		
हुदुदुर मौला _{]:}	131	11/2 26	0	03	29		
.9.5				•			
		22	. 0	ėo	25		
		42					
		2	0	04	0.5		
		13/1/1	0	0,4	30		
		59	0	03	29		
		62	0	02	28		
		302	0	00	5		
काना माजरा	126	9					
		21/2/2	0	04	05		
		2	0	00	25		
		10	0	04	30		
		29	n	03	0 4		
		30	0	02	26		
शान्दानासं -	117	17		,			
		22	0	06	3:		
		23	0	03	₹ 0		

भ डपूर		26					, ,			-	
म ृष्ठपुर								16/2/3.	. 0	01	: j=0 7 7
मृष्ठपूर			-					25	0	09	11
भृष्ठपुर		2	0	09	36			70	•	0.0	• •
मृ ष्ठपुर		9	0	09	36			*****			
	116	17						5	0	04	81
								107	0	01	77
		24/1/2	0	0.0	31			118	0	01	26
गिम्बोडर	113	38				चींग	138	13			
		16	0	00	51			6 .	0	10	62
		25	0	00	06			13	o	11	13
		39	Ū	• • •	*-			16	0	10	88
								25	0	04	0.5
•		12	0	02	53			14	·	0.1	V 3
		19	0	01	26			:			
		20	0	03	79			10	o	01	26
		65	0	02	78					<u>-</u>	
		75	0	00	51	पहराजवास	239	37			
		339	0	0.0	51			20	41		
लसाना	220	10							0	03	79
	440							21 44	0	07	59
		7	0	01	26						
		, 8	0	01	01			5	0	0.1	
		1 2/1/2	o	00	03			45	U	0 1	01
		12/1/2	0	03	04			4.3			
		13/1	0	02	53			1	0	06	e 0
		13/2	0	0.9	11			101	0	07	58 84
		14	0	00	25				v	07	04
		19/1	0	01	77	गुराम ङ्	245	145			
•		19/2	0	08	09			8			
		20	0	0.3	54				0	0.5	0.6
		21/2	0	0.3	79			12/2	0	01	26
*******	0.50							13	0	07	08
मु स्तफापुर	256	34						19 23/2	0	0.4	5.5
		2	0	07	59			23/2 151	0	01	77
		9	0	09	11			131			
		12	0	09	11			. 2	a	0.6	
		19	0	09	11			874	0 0	09	11
				• -				883	0	0 0 03	51
रोह्यार्ड	230	53						920/2	0	0.9	04
								0.20, 4	,	0 9	61
		20/1	0	04	30	काहनोरी	242	34			
		20/2	0	0.0	25						
		21/1	0	00	25			18/2	0	00	76
		21/2	0	03	29			19/1	0	09	36
		60						19/2	0	0.0	11
			0	0.1	01			22/1	0	0.5	56
		1	9	11.4	VI			22/2	0	00	25
		61						41			
		6	0	01	01						
		15	0	09	61			2	0	09	11
		16/1/2	0	02	78			9/1	ŋ	0 1	52
		16/1/2	0	00	76			9/2	O	04	55
		16/2/1	0	03	04			126	0	03	29

1	2	3	4	5	6	तहसील-झण्जर "	जिस	ग − रोहतक	राष	य - इरि	याणा
महरी	246	24				1	2	: . 3	4	5	6
						सिलानी पाना जालिम	262	17			
		20/3	0	00	25						
		25						16	0	0.3	2
		16	0	0.9	61			18			٠
		25/2	0	02	78						
		25/3	0	06	83			11	0	0.2	7
		42						12	. 0	01	. 7
			•		5.0		-	20/1	0	00	0
		5/1/2	0 0	02 03	53 79			20/2	0	01	0
		5/2/1 5/2/2	0	03	04	म ज्जर	100	125	0	0 2	5
		5/4/2 6/1	0	00	51	ज्ञा <i>प</i> रम्	100	15			
		7/1	0	04	05			25/2	0	06	8
		14	0	00	25			25/ 2 21	0	00	0
		722	0	00	76						
		731/1	0	01	26			5/1	0	0 1	5
ादनपुर	238	44		,				5/2	0	05	0
114.137	230	*						5/3	0	00	:
		7	n	03	79			7.	0	0.5	
		1 4/1	0	01	01			14/2	0	0.5	
		14/2	0	04	55			15/1	0	02	£
		14/3	0	03	54			15/2	0	0 1	(
		17/1	0	0.2	28			17	0	0.1	
		17/2	0	0.3	29			1.36			
		17/3	0	03	54						
		24/2	0	0.9	11			24	0	0 3	(
		50						164			
		4	n	0.4	81						
मे जाड़ो ट	260	40		(14)	91			4/1	U	0.1	:
1411.214	200							4 ∫2	0	01	:
		16	0	09	36			7	0	0.0	
		25	0	07	33			216			
		49						8/1	0	03	
		-1-10		0.0	20			8/2	0	05	
		5/1/2	0	02 04	28 30			13	0	0.3	
		5 1 1 1 5 1 1 2	0 0	02	02			18	0	0 4	
		5 1 1 2 6	0	03	85			23/2	0	0.9	
		120/1	0	01	26			248			
		120/2	0	01	52						
		389	0	00	51			,3	0	0.2	
حت هـــ								8/1	0	0.1	:
सिलामी पाना कॅशो	263	26						8 / 2	0	0.2	
		23	0	0.5	06			13	0	0.2	(
		24	0 0	00	25			340			
		:57	ŭ	00	4.4						
		;37 						18/1	0	00	
		3	0	0 9	36			22/2	0	02	
		8/1	0	01	52			2,3/1/2	0	06	
		8/2	0	07	0.8			23/2	0	0.4	
		1 3/1	0	0.8	35			348			
		13/2	0	0.0	76				_	. .	
		18	0	07	8 0			1/3/1	0	04	1
		416	0	0.0	76			1/3/2	0	00	•

(ii)[-五年3(ii)]	المناسب -	<u> </u>	4	गरन कारा 	जनकः अप्रह	ा ३०, 1994/ वैशाख 1	0, 1916	3			135
1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	
		2/1	0	00	5 1			390	0	04	`. ₅
		2/2	0	04	05			406	0	01	7
		3	0	01	77			407	0	02	7:
		10/1	0	07	33			551	0	01	5
		10/2	0	01	77			1 17 5	0	03	5
		349						1178	0	01	0
		6/1	ø	01	o 1	इसमाईला (9)	38				
		60 B	0	09	11				0	02	28
		613	0	01	77	बि सव ा		18 19	0 0	02	0:
		622	0	01	77			19 44	U	0.2	٠.
		627-628	0	0.1	52			33 			
		629	0	03	79			11	0	08	3 5
		1355		00	51			12	0	00	25
		1596	0	01	52			124			
		1597	0	01	52			2	Ú	01	77
रावड	106	27						3	U	03	29
		8	0	01	52			8	0	04	0 5
		9	0	04	30			9	0	05	0.0
		13	0	01	77			12	0	00	76 76
		87	.,	0.1	• •			13	0	02	1
								19	0	09 06	8;
		18	0	06	07			22	0	04	8
		19	0	02	53			157	0	06	5
		22	0	06	58			158 159	0	07	3
		23 90	0	01	01			161/1	0	02	2
						गांधरा	44	28			
		2	0	06	83	-1144 (1	• •	·— -	0	0 1	5:
		9	0	08 04	35 05			8 9/1/2	0	04	5
		116 118	0	01	26			9/1/2 12/1/2	0	02	5
		305	0	00	76			1 2/ 1/ 3	0	01	2
हिसील : बहादुरगढ़		जिला: रोहतक		राज्य : हा				12/1/3	0	01	0
								12/2/2	0	04	5
इ ।रा	17	5983/18	0	00	76			19	0	0.9	3
		5984 18 6719 19 1	0 0	12 03	14 79			22/1	0	01	2
		6719/19/1	0	02	28			22/2	0	0.0	5
		6719/19/3	0	00	25						
		6720/19/2	0	00	11	म ौनन्द	43	70			
		20/19/3	0	02	53			1	0	14	1 7
		29/3	0	03	5 4			2	0	0.0	3
		46	0	0.2	53			11	0	09 07	0
		47/1	0	06	58			20	0	0.3	0
		5676/2128	0	07	84			97	0	0.1	
		6568 5677	0	0.7	84	कड़की	54	33			
		2128						6	0	03	5
		6571/2135	0	13	40			15	0	08	8
		2136	0	0.5	82			16/1	0	00	5
तहसील : 'रोहतक		जिला : रोहतक	খ	ज्यः ह	रमाणा			16/2	0	04	0
कुलताना	16	320	0	11	13			2 5	0	09	3
-		337	0	06	32			34			
		338	0	00	51				0	04	5
		339	0	12	65			10	0	00	0
		38 9	0	0.3	29			11			

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	44					र्मावली	71	108			
 को-जारी	4/1	<u> -</u>	0	00	25		-	13/1	0	07	33
	5/1		0	03	04			13/2	0	01	01
			•					18	0	06	83
	147		0	07	59			112			
	17		Ü	09	36			2	0	05	06
	24		Ú	09	3 16			9	0	05	82
		0	, ,	• • •	- ·			10	0	04	0.5
	15	5	0	02	28			11	0	00	51
	3 4		0	04	55			340	0	14	9 2
	16	n		-				349	0	01	77
	2/2	-	0	08	60			1305	0	01	26
	3	i	0	01	01	.Charles and			U	0 1	•
	9/ 1		0	04	55	भीसवास कला	6	108		0.	_
			0	00	07	मीठान			0	07	5
	9/2			11	13			11/2	0	0.5	0
	12		0					19/2	0	01	5
	19		0	02	02			19/3	0	04	0
	19		0	02	78			20/1	0	03	7
	17		0	10	52			20/2	0	0.0	2
	17		0	01	52			109			
	17		0	05	56			6	0	00	7
	25	2/2	0	01	26			166	0	02	2
लिंगी	53 7							185	0	02	:
	7	_	0	04	0.5			291	0	00	:
	14	ļ	o	09	36			293	0	00	7
	1		0	01	77			1072	0	0.0	:
	1:		0	04	05	कटवाल	69	15			
	2-		0	09	36	पाटपारस	0.5	13	0	08	
	1(18	0	05	
	3	,	0	0.0	25			19	0	01	,
	4/	,,	0	04	30					06	
			v	04	40			22	0	06	
	18	1/2	0	0.0				<u>16</u>			
			0	00	51				0	09	
	2:	2/2	0	01	26			150	0	05	
	2	[-		_		साठ	65	62			
	1		0	0.6	83			22	0	08	
	2/		0	02	28			66			
	10		0	80	60			1	0	0.0	
	1		0	02	5 3			2	0	07	
	1		0	0.1	26			9/2	0	0.2	
		0/1	0	05	3 1			10	0	06	
		0/2	0	0.0	06			11/15	0	00	
	6		0	09	61			1 1/2	0	08	
	6	2	0	01	01			285	0	00	
नहसील : गो	हाना जि	ताः सोनीपत		राज्य : ह	रियाणा			1329	0		
						জী লী	61	17			
गिवाना	74 _5	<u>5</u> 6/1		* -				6	0	01	
			0	09	71			15/1	0		
		4	0	0.0	25			15/2	0		
		5	0	05	82			16	0		
		0						25/1	0		
	5		0	08	85				''	07	
	6		0	06	58			19	_	03	
		19	0	08	85			4	0	0.3	

1	2	<u> </u>	4	5	6	1		2	3	4		
-			0	05	56	सहसोल: पानी	पत	जिला:	पार्न)पत		राज्यः ह	रया
		5 43	v	00		वृदाना लाखू	86	72				
			0	3.6	26	J. 11	- 0	13		U	07	
		7	o	01	7 7			18		0	0.5	
		8	0	00	25							
		13		11	89	कायथ	91	46				
		14	Ú	00	25	ગાપમ	91	23		0	02	
		17	0	00	23			24/1		Ü	00	
		44	_		0.0					Ų	00	
		21	0	07	08			48				
		66						3		0	09	
		1	U	05	56			7		U	02	
		2/1	0	02	28			8		0	04	
		283	0	05	06			13		Ü	0.2	
		285	0	16	95			60		Ü	02	
		322	0	00	51							
		335	0	00	5]	माह्युर	89	20_				
		1363	0	00	76			2		o	04	
		• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •						3/1		0	01	
	62	42						3/2		O	00	
ा रा	0.4	12	0	02	02		,	3/3		0	05	
			9		77		,	7		0	05	
		13		01				8		Ü	00	
		18	0	00	51			14		o	02	
		19/1	0	06	83			15		0	00	
		19/2	0	02	02			94		0	03	
		2 2/1	0	02	28							
		22/2	0	0.3	79			100		0	05	
		61						119		0	00	
		2	O	09	3 6			120		0	00	
		9	5	02	28			334		0	0.0	
		94	0	03	04	इसराना	66,67	26				
								3		0	0.0	
ताना भावरी	57	15						4		0	06	
		12	0	02	02			7		0	02	
		13	0	00	51			8/1		0	02	
		18	0	00	08			8/2		0	04	
		19	0	09	34			135		٠.		
		22	0	04	05			17		0	04	
								24		0	01	
		23	0	00	76			25			02	
		26						197		0	02	
		2	0	08	60					0		
		9	0	06	07			907		0	00	
		88	Ú	02	78	कारद	64	11				
		89	0		26			7		0	04	
		227	0	00	51			14		0	10	
								17		0	06	
ानपुर कला	56	69						23		0	01	
		15	0	01	52			24		0	07	
		16	0	09	11			91			,	
		25/1	0	04	55			22		0	. 05	
		25/2	.0	. 03	29			$\frac{92}{1}$				
		88						1		0	02	
		5	0	09	11			2 9/1		0	07	
		6	0	02	78			9/1		0	0.0	
		236	0	01	26			10		· 0	01	

1	2 3		4	5	6	1	2	3	4	5	6
		11	0	0.9	36			17	0	0 5	0
		109						195	0	05	U
	_	109 1 7	υ	0.9	36	***					
		24	0	0.9	36	अंटला	44	14	_		
								16/1	0	04	0
		1 2 2	0	02	28			16/2	. 0	00	7
		130	Ü	01	77			18	0	03	C
		32	0	01	77			19	0	03	7
			v					21/2	0	01	0
प् लखा	41	3						23	9	06	C
1/21/411		16	0	07	59			25	0	09	1
		2 5/ 1	ű	0.5	82			27			
		1 1	v	0.5	02			2/1	0	04	O
			o	01	52			2/2	0	03	2
		20	U	U I	32			5/1	0	01	5
		1 8 5		0.0	0.2			5/2	0	02	5
			0	06	83			6/1	0	06	0
		6	U	0.8	36			6/2	0	03	0
		14						9	0	06	8
		3	0	02	78			10	0	00	0
		3 、	0	09	36			11	0	06	5
		8	0	10	12			12	0	03	0
		13	U	03	79			14	0	00	5
		9	0	02	53			15	0	03	2
	:	2/2	0	02	78			87	0	08	
	:	23	0	00	25			98	0	02	
	1	34						258	0	02	5
		6	0	00	08			236	U	02	7
		35	0	04	55	भासन आहुर्व	22	24			
	1	35				कारात अपूर	22	9	0	03	2
	<u>.</u>	135	0	04	30			12	0	09	1
		1	0	09	36			19/1	0	04	0
		20/1	0	01	77						
		20/2	0	03	54			19/2	0	00	7
		21	o o	05	56			21	0	09	1
			U	03	30			34			
		42	٥	0.0				2	0	06	5
	1	l	0	00	25			38			
								4	Ú	04	3
		43						7	0	01	
			0	02	53			14	o	03	2
		54	0	04	5 5			71	0	03	
		5 5	0	00	76			77	0	04	;
	1	59	0	02	53			132	0	01.	(
	1	63	0	04	0.5						
	2	42	0	07	33	ध्यासन कथां	21	85			
	2	65	0	00	76	***************************************		85	0	02	:
								10/1	0	01	
हारी	42 9							10/2	0	01	(
	1	7	0	03	04			11	0	03	:
	2		0	0 5	06			202	0	00	
									0	00	
ामा	23 6	<u>6</u> .						203			
	5		0	04	0 5				_		
	6		0	11	89			(सं∴ः ग्रार÷	31015/2/94	मो. भ	пτ.
	1	5	0	01	26			['	-
	1 6			01	77						

[माग II जाह 3 (ii	<u>-</u>	i, the 15th		<u></u>	<u></u>	0, 1994/वयाख 10, 11	2	3	4	5	6
Ne	M Demi	, we 13th	zapon, .	エノノヤ		<u> </u>		29	<u> </u>	03	04
S.O. 1016.—W	Thereas :	it appears to	the	Central	Govern-			30	0	02	28
ment that it is :	песськат	v in the pul	olic inte	rest tha	t for the	Chandawas	117	17			•
transport of peta than to Panipat	roleum :	from Chaksi	i in the	state :	of Ra jas- should be	Спаццамаз	117		۸	06	10
laid by Indian (iponino i	alouid of			22 23	0 0	06 03	32 04
								26	U	03	O4
And, whereas,											
such pipeline it in the land des	eribed i	n the Scho	june im edule ai	nnexed	to this			2	0	09	36
notification;								9	0	09	36
			_			Bhudpur	116	17			
Now, therefor sub-section (1) c											
Pipelines (Acquis								24/1/2	0	00	51
1962 (50 of 19						Gindokha _r	113	38			
lares its intentio	n to ac	iquire the ri	gnt or	figet fu	erem;	Cindoknat	110	16	٥	00	٠.
Any person i								25	0 0	00 00	51 06
Schedule may w								39	U	00	00
copies of this r India, are made											
writing to the a	cquisitio	n of the rig	ght of t	iser the	rein of			12	0	02	53
laying of the pip								19	0	01	26
Competent Auth Estate, Karnal;	iorny, 1	SOUR INO. I	100 00	COF I	o, CIUAII			20	0	03	79
,								6 5	0	02	78
		SCHEDULI	P					75 339	0	00	51
		BOTTED CE.						339	0	00	5
Tehsil : Rewari	Dist	rict : Rewari	Stat	e : Hary	ana	Lasana	220	10			
Name of Vil-	Hadbası	Mustateel/		Arca				7	0	01	26
lage	No.	Killa No.						8	0	01	01
		I	lectare	Are	Centiare			12/1/2	0	00	03
								12/2/2	0	03	04
1	2	3	4	<u></u>				13/1	0	02	53
1			- +	<u> </u>	6			13/2 14	0 0	09	11
Thotbalka	139	32						19/1	ΰ	00 01	25 77
1101001110								19/2	ŏ	08	09
		₹7	0	01	77			20	Ō	03	54
Hussainpur	134	38	_					21/2	0	03	79
TIGORDIO PUL	10,	22/1	0	06	07	Mustfapur	256	34			•
		22/2	Ö	01	26	Minanabut	2,50	_ _ _			
		46	•	O1	20			2	0	07	59
		1/2	0	01	26			9	0	09	11
		2	ō	09	61			12	0	09	11
		9/1	0	00	25			19	0	09	11
		9/2	0	00	2 5	Rohrai	230	5;			
		10/1	0	10	62						
		11/1	0	00	25			20/1	0	04	30
		11/2	0	03	29			20/2	0	00	25
		~ ~						21/1 21/2	0 0	00	25
Qutabpur Mau	la 31	26						£11£	U	03	29
Qutabpur Mau	la 31	,	_								
Qutabpur Mau	la 31	22	0	00	25			60			
Qutabpur Mau	la 31	,	0	00	25				0	01	01
Qutabpur Mau	la 31	22 42						60	0	01	01
Qutabpur Mau	la 31	22 42 2	0	04	05			60 1 61			
Qutabpur Mau	la 31	22 42 2 13/1/1		04 04	05 30			60 1 61 6	0	01	01
Qutabpur Mau	la 31	22 42 2	0 0	04	05			60 1 61 6 15	0 0	01 09	01 61
Qutabpur Mau	la 31	22 42 2 13/1/1 59	0 0 0	04 04 03	05 30 29			60 1 61 6 15 16/1/2	0 0 0	01 09 02	01 61 7 ₈
		22 42 2 13/1/1 59 62 302	0 0 0	04 04 03 02	05 30 29 28			60 1 61 6 15 16/1/2 16/2/1	0 0	01 09 02 00	01 61 7 ₈ 76
Qutabpur Mau Kana Majra	la 31	22 42 2 13/1/1 59 62 302	0 0 0	04 04 03 02	05 30 29 28			60 1 61 6 15 16/1/2	0 0 0 0	01 09 02	01 61 7 ₈
		22 42 2 13/1/1 59 62 302 9	0 0 0	04 04 03 02	05 30 29 28			60 1 61 6 15 16/1/2 16/2/1 16/2/2 16/2/3 25	0 0 0 0	01 09 02 00 03	01 61 7 ₈ 76 04
		22 42 2 13/1/1 59 62 302	0 0 0 0	04 04 03 02 00	05 30 29 28 51			60 1 61 	0 0 0 0 0	01 09 02 00 03 01	01 61 78 76 04 77
		22 42 2 13/1/1 59 62 302 9 21/2/2 15	0 0 0 0 0	04 04 03 02 00	05 30 29 28 51			60 1 61 	0 0 0 0 0 0	01 09 02 00 03 01 09	01 61 78 76 04 77 11
		22 42 2 13/1/1 59 62 302 9 21/2/2	0 0 0 0	04 04 03 02 00	05 30 29 28 51			60 1 61 6 15 16/1/2 16/2/1 16/2/2 16/2/3 25	0 0 0 0 0	01 09 02 00 03 01	01 61 78 76 04 77

1	2		3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Chang	138	13		,					17/1	0	02	28
		6	-	n	10	62			17/2	0	03	29
		13		0	11	13			17/3	0	03	54
		16		0	10	88			24/2	0	09	11
		25		ő	04	05			50			
		14		Ü	0.4	V.			4	0	04	81
		10	-	0	01	26	Gijaroad	260	40			
Pchrajwas	239	37	,	=			Q.j w=		16	0	09	36
10111411143	407		_	_					25	Ö	07	33
		20		0	03	79 50			49			
		21		0	07	59						
		44	_						5/1/2	0	02	28
		5		O	01	01			5/1/1/1	0	04	30
		45							5/1/1/2	0	02	02
		<u></u> -	-	0	06	58			6	0	08	85
		101		o	07	84			120/1	0	01	26
G	245	145		•	0,	UT			120/2	0	01	52
Gurawara	245		-						389	0	00	51
		8		0	0.5	06	Silani Pana	263	26			
		12/2		0	01	26	Kesho		23	^	05	~
		13		0	07	08			23 24	0 0	00	06 25
		19		0	04	5 5			57	U	00	25
		23/2		0	01	7 7						
		151	_						3	0	09	36
		2	-	0	09	11			8/1	o	01	52
		874		0	00	51			8/2	0	07	08
		883		o	03	04			13/1	0	08	35
		920/2		0	0 9	61			13/2	0	00	76
Kahnori	242	34							18	0	07	08
		18/2		0	00	76			416	0	00	76
		19/1		0	09	36	Silani Pana Zal	im 262	17			
		19/2		0	00	11			1.6	0	0.2	
		22/1		0	05	5 6			16 18	0	03	29
-		22/2 41		0	00	25						
		41	_					_	11	0	02	78
		2		0	09	11			12	0	01	77
		9/1		0	01	52			20/1	0	00	08
		9/2		O	04	55			20/2	. 0	01	01
		126		0	03	29			125	0	02	53
Tehsil: Jha	ajjar Dis	trict:	Rohtak	St	ito : Ha	ryana	Jhajjar	100	15	1		
Ahri	246	24							25/2	0	06	83
		20/3	_	0	00	25			21			
		25/3		v	00	23			5/1	0	01	52
			_						5/2	0	05	06
		16		0	09	61			5/3	0	00	25
		25/2		0	02	78			7	0	05	56
		25/3	,	0	06	83			14/2	0	05	56
		42							15/1	0	02	53
		5/1/2		0	02	53			15/2	. 0	01	01
		5/2/1		0	03	79			17	0	01	77
		5/2/2		0	03	04			136			
		6/1		0	00	51 05			24	0	03	04
		7/1 14		0	04 00	05 25			164			
		722		0	00	76				Δ	01	0.4
		731/1		0	01	26			4/1	0 0	01	26 7 3
Dadanpur	738	44		~	~ *	0			4/2 7	0	00	70
T.Stramber	. 50		•				•		216	v	30	7.
		7		0	03	79				_		
		4 4 1 4		0	01	01			8/1	, 0	03	79
		14/1	-						A 1-	_	0.5	~ ~
		14/1 14/2 14/3	-	0	04 03	55 54			8/2 13	0 0	05 03	31 34

1	2	3	4	5	6	Tehsil: R	ohtak	District :	Rohtak	State : I	Iaryana
_		18	0		81	Kultana	16	320	0	11	13
		23/2	0	09	11			337	0	06	3
		248						338	0	00	51
		3	0	02	7 8			33 9	0	12	65
		8/1	ō	01	26			389	Û	0.3	29
		8/2,	0		28			390	0	04	55
		13	Ü	02	6.1			406	0	01	77
		240	_	•-				407	0	02	78
				_		4		551	U	01	52
		18/1	0		25			1175	0	03	54
		22/2	0	02	53			1178	0	01	01
		23/1/2	0	06	32					*	
		23/2 348	0	04	55	Ismayila (9)	38	21			
			_			Biswa		18	0	02	28
		1/3/1	0	04	05	DIAM		19	ő	02	02
		1/3/2	0	04	06			44	U	UZ	02
		2/1	0	00	51 25			74			
		2/2	0	04	05		,	11		00	
		3	0	01	<i>1</i> 7			11 12	0		35
		10/1	0	07	33				U	VU	2.5
		10/2 349	0	01	77			124			
								2	0	01	77
		6/1	0	01	01			3	0		29
		606	0	09	11			8	o	04	05
		613	0	01	77			9	ŏ	05	06
		622	O	01	7 7			12	0	00	76
		627-628	0	01	52			13	ő	02	78
		629	0	03	79			19	0	09	11
		1355	0	00	51			22	ő	06	83
		1596	0	01	52			157	ő	04	81
		1597	0	01	5 2			158	ő	06	56
Garawar	106	27						159	ő	07	33
								161/1	ő	02	28
		8	0	01	52			-02,471	•		20
		9	0	04	3 0	Gandhra	44	28			
		13	0	01	77	Calloura	• •				
		87						8	0	01	52
		18	0	0.0	07			9/1/2	0	04	55
		19	0	06 02	07			12/1/2	0	02	53
		22	0	02 06	53 58			12/1/3	0	01	26
		23	ő	01	01			12/2/1	0	01	01
		90	v	O.	OI			12/2/2	ō	04	55
								19	0	09	36
		2	0	06	83			22/1	0	01	26
		9	0	08	35			22/2	0	00	51
		116	0	04	05						•
		118	0	01	26	Naunand	43	70			
		305	0	00	76			<u> </u>	o	14	16
Tehsil : Bah	adurgarh	District : Ro	htak	State: He	туапа			2	. 0	00	76
Chhara	17	5983/18	0	00	76				0	09	
Cimara	- 1	5984/18	0	12	14			11			36
		6719/19/1	0	03	79			20	0	0 7 03	08 04
		6719/19/2	0		28			97	U	03	04
		6719/19/3	0		25	Roorki	54	33			
		6720/19/2	0		11						
		6720/19/3	0	02	53			6	0	03	54
		29/3	0	03	54			15	0	08	85
		46	0	02	53			16/1	0	00	51
		47/1	0	06	58			16/2	0	04	05
		5676/2128	0	07	84			25	0	09	36
		6568/5677/	0		84			34			
		2128									
		2128 6571/2135	0	13 05	40 82		,	10	0	04 00	55 05

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	t.	44						13/2	0	01	01
			_					18	0	06	33
		4/1	0	00	25			112	_		
		5/1 147	0	03	04			2	0	0.5	00
								9	0	05	82
		14	0	07	59			10	0	04	05
		17	Õ	09	36			11	0 0	00 14	51 92
		24	ő	09	36	- ,		340 349	0	01	7
		156	•		••			1305	0	01	20
		-							V	04	
		3	0	02	28	Bhainswal K	alan 68	108			
		4	0	04	\$5						
		160				Mithan		10	0	07	5
					•			11/2	0	05	0
		2/2	0	08	60			19/2	0	01	5
		3	0	01	01			19/3	0	04	0
		9/1	0	04	55 07			20/1	0	03	7
		9/2 12	0 0	00 11	07 13			20/2 109	0	00	2
		19/1	0	02	02			6	0	00	7
		19/2	ő	02	78			1 <i>6</i> 6	0	02	2
		175	ő	01	52			185	p	02	2
		175 176	0	Q1	52 52			291	0	00	
		177	0	05	56			293	.0	00	
		252/2	ŏ	01	26			1072	0	00	2
olungi	53	7	v	٠.							
		<u>-</u>				Katwal	69	15			
		7	0	04	05			13	0	08	:
		14	0	09	36			18	0	05	;
		16	0	01	77			19	0	01	,
		17	0	04	05			22	0	06	;
		24	0	09	36			16			
		10							^	Oa	
								2 150	0 0	09 05	
		3	0	00	25			130	U	05	•
		4/1	0	04	30	Laath	6 5	62			
		18									
		21/2	0	00	51			22	0	08	
		22/2	0	01	26						
		21						66	_		
		1	0	06	83			1	0	00	
		2/1	0	02	28			2	0 0	07	
		10	o	08	60			9/2 10	0	02 06	
		11	Õ	02	53			11/1	0	00	
		12	0	01	26			11/2	0	08	
		20/1	0	05	31			285	ő	00	
		20/2	Ō	00	06			1329	o	00	
		60	0	09	61	* **		17		00	
		62	. 0	01	01	J _{au} li	61				
Tehsil: Gol	hana	District : So	nepat	State : H	aryana			6	0	01	
Giwana	74	55						15/1	0	06	
~ WITH	/-	16/1	0	09	11			15/2	0	03	
		24	ŏ	00	25			16	0	05	
		25	ŏ	05	82			25/1	0	07	
		60	•		-			19	^	0.5	
								4	0	03	
		5	0	08	85			5	0	05	
		6	0	06	58			43		Δ1	
		119	0	08	85	•		7 8	0 0	01	
A mayli	71	108							0	01 00	
Anwli	/1	.00						13 14	0	00 11	
		13/1	•	07				17			
		[37]	0	PI'7	33			17	0	00	

		<u></u>									==
1	2	3	4		6	1		3	4	5	-
		44						7	0	02	28
		21	0	07	08			8 13	0	04	30
		66	U	07	08			60	0 0	02 02	02
		1	0	05	56			00	U	0.1	78
		2/1	0	03	28	Shahpur	89	20			
		283	0	05	06	1.		2	0	04	81
		285	0	16	95			3/1	0	01	52
		322	0	00	51			3/2	0	00	76
		335	0	00	51 51			3/3	0	05	56
		1363	0	00	76			7	O	05	06
		1303	V	V	70			8	0	00	03
Nayat	62	42						14	0	02	28
								15	0	00	25
		12	0	02	02			94	0	03	29
		13	0	01	77			100	0	05	82
		18	0	00	51			119	0	00	51
		19/1	0	06	83			120	0	00	76
		19/2	0	02	02			334	U	00	76
		22/1	0	02	28	Israna	66, 67	7 26			
		22/2	0	03	79	Mana	00, 0	, 20			
								3	0	00	76
		61						4	ő	06	32
								7	ő	02	78
		2	0	90	36			8/1	ő	02	02
		9	0	02	28			8/2	0	04	55
		94	0	03	04			135 -	ŭ	ν.	20
Kakana Bhadri	57	15								0.4	**
		. =						17	0	04	30
		12	0	02	02			24	0	10	26
		13	0	00	51			25	0	02	78
		18	0	00	08			197	0	02	02
		19	0	09	34			907	0	00	51
		22	0	04	05	Karad	64	11			
		23	0	00	76			7	0	04	55
		26						14	0	10	37
		,						17	0	06	58
		2	0	08	60			23	0	01	52
		9	0	06	07			24	0	07	33
		88	0	02	78			91			
		89	0	01	26						
		227	0	00	51			22	0) 5	56
Khanpur Kalan	56	69						92			
		15	0	01	52			1	0	02	28
		16	0	09	11			2	0	07	59
		25/1	0	04	55			→ /1	0	00	51
		25/2	0	03	29			10	0	01	77
		88						11	O	09	36
								109_		-0	
		5	0	09	11			17	0	09	J 6
		6	0	02	78			24	0	09	36
		236	0	01	26			122			
 Fehsil Penipat	Die	stt Panipa	at S	- —— tate —Haı	yana			·- 4	0	02	28
Bowana Lakhu	86	72						130	O	01	77
DOWAIIA LAKIIU	00	13	0	07	33			132	0	10	77
		18	0	05	56	77 - 11 fr a	41	3			
Kayath	91	46				Kalkha	41	, 			
_		23	0	02	53			16	0	υ7	59
		24/1	O	00	25			25 /1	0	05	82
		48						4			

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Kalkha (Cor	 acld.)	8						 9	0	- 06	83
	,	5	0	06	83			10	0	00	03
		6	0	09	36			11	0	06	58
		1						12	0	03	04
		<u> </u>						14	0	00	51
		3	0	02	18			15	0	03	29
		8	0	09	36			87	0	08	85
		18	0	10	12			98	0	02	53
		13	0	03	79			25 8	0	02	78
		19	0	02	53						
		22/2	0	02	7 8	Asan Khurd	22	24			
		23	0	00	25					0.0	20
		134						9	0	03	29
								12	0	09	11
		16	0	00	08			19/1	0	04	05
		25	0	04	55			19/2	0	00	76
		135						22 34	0	09	11
		10	0	04	30			0	9	06	58
		11	0	09	36			38	,	00	20
		20/1	0	01	77			-			
		20/2	0	03	54			4	0	04	30
		21	ő	05	56			7	Ö	01	52
		142	v	05	30			14	o	03	29
								71	ō	03	54
		1	0	00	25	,		77	Ō	04	30
		143	Ū	UU	2.5			132	Ö	01	01
		5	0	02	53	Asan Kalan	21	85			
		154	o o	04	55				_		
		155	Ö	00	76			1	0	02	78
		159	0	02	53			10/1	0	01	77
		163	0	04	05			10/2	0	01	01
		242	0	07	33			11	0	03	29
		265	0	00	76			202 203	0 0	00 00	51 51
Lohari	42	9							[No D 2101	 15/2/04 0	
		17	0	03	04			1FTTT 1	[No. R-310] DIP SINGH		
		24	0	05	06			KUL	DIP SINGH	, Under	Secy.
Sutana	23	66					दिल्ल	ो विकास	प्राधिकरण		
		5	0	04	05			सार्वजनिक	सूचना		
		6	0	11	89				.,		
		15	0	01	2,		नइ विल	ना, 30 श्र	प्रैल, 1994	1	
		16	0	01	7.						
		17	0	05	06	का, धा.	101	7 :	ो मुख्य योज	ाना में	केन्द्रीय
		195	0	05	06	सरकार ने निय					
	44	$\frac{14}{16/1}$	0	04	05	एतद्द्वारा जन					
Untla		16/2	0	00	76	है । प्रस्तावित	संशोध	ग्नो के सं	बंध में यदि	किसी	व्यक्ति
Untla			0	03	04	को कोई स्राप					
Untla		IX	v	03	79						
Unţla		18 19	Λ	0.5		मुझावों को					
Untla		19	0		Ω1			_		के अंडर	ਸ਼ਜ਼ਿਲ
Unțiâ		19 21/2	0	01	01 07	होने की ता	रीखा से	30 दिन	की ग्रवधि	જા ગાવ ર	्राभुष
Untla		19 21/2 23	0 0	01 06	07	होने की ता जिल्ली विकास					
Untla		19 21/2	0	01		दिल्ली विकास	ग प्राधि	करण, विक	हास सदन,	'' बी''	ब्लाक
Untla		19 21/2 23 25 27	0 0	01 06	07	दिल्ली विकास ग्राई. एन. ए	ग्राधि .,नईदि	करण, विष स्ल्ली को ध	हास सदन, भेज सकता है	''बी'' १।श्रापि	ब्लाक त करने
Untla		19 21/2 23 25 27 —————————————————————————————————	0 0 0	01 06 09	07 11	दिल्ली विकास ग्राई.एन.ए सुझाय देने वा	ग्राधि .,नईदि	करण, विष स्ल्ली को ध	हास सदन, भेज सकता है	''बी'' १।श्रापि	ब्लाक त करने
Untla		19 21/2 23 25 27 —————————————————————————————————	0 0 0	01 06 09	07 11	दिल्ली विकास ग्राई. एन. ए	ग्राधि .,नईदि	करण, विष स्ल्ली को ध	हास सदन, भेज सकता है	''बी'' १।श्रापि	ब्लाक त करने
Untla		19 21/2 23 25 27 	0 0 0	01 06 09 04 03	07 11 05 29	दिल्ली विकास ग्राई.एन.ए सुझाय देने वा चाहिए।	ा प्राधिः .,नईदि लेब्यकि	करण, विष दल्ली को ध त को ध्रपन	हास सदन, भेज सकता है ता नाम और	"बी" ट्राफ्रापि पतार्भ	ब्लाक तंकरने ोे देन
Untla		19 21/2 23 25 27 	0 0 0	01 06 09 04 03 01	07 11 05 29 52	दिल्ली विकास ग्राई. एन. ए सुझाय देने वा चाहिए। (1) दि	ा प्राधि .,नईदि ले ब्यक्ति नांक 1	करण, विष इल्ली को भ त को भ्रयक -8-90 के	होस सबन, भेज सकता है ता नाम और भारत के	''बी'' १। श्रापि ∶पता र्भ राजपत्न	ब्लाक तं करने ो देन भाग
Unțlă		19 21/2 23 25 27 	0 0 0	01 06 09 04 03 01 02	07 11 05 29 52 53	दिल्ली विकास ग्राई. एन. ए सुझाय देने वा चाहिए। (1) दि	ा प्राधि .,नईदि ले ब्यक्ति नांक 1	करण, विष इल्ली को भ त को भ्रयक -8-90 के	हास सदन, भेज सकता है ता नाम और	''बी'' १। श्रापि ∶पता र्भ राजपत्न	ब्लाक लेकरने ोे देन भाग 2

पर समूह "ज" निषिद्ध उद्योग (क) खतरनाक/ हानिकारक औद्योगिक इकाइयां सलूलोज उत्पाद शीर्ष के अन्तर्गत "फल" उपशीर्ष के अंतर्गत "एसटवाआर्म" शब्द को हटाया जाना प्रस्तावित है।

- (2) नरेला योजना में पड़ने वाले और उत्तर में खामपुर और सिघौला गांव की राजस्व सीमा से, पूर्व में नाला मं. 6 से, पिश्चम में जी. टी. करनाल रोड से घिरे और दक्षिण में सिघौला की सीमा से 300 मीटर की दूरी पर 24 हैक्टेयर (59.3 एकड़) क्षेत्र के भूमि उपयोग को "कृषि और जल निकाय" (ग्रामीण उपयोग) से "—विनिर्माण (अ्थापक उद्योग)" में बदलने का प्रस्ताव है।"
- 2. प्रस्तावित मंशोधनों को दर्शाने वाले नक्शे सहित मुख्य योजना दिल्ली—2001 के भारत के राजपत्न की एक प्रति निरीक्षण के लिए उपनिदेशक, मुख्य योजना श्रनुभाग, छठी मंजिल, श्राई. पी. एस्टेंट, नई दिल्ली के पास सभी कार्य दिवसों में उपर्यक्त श्रवधि के दौरान उपलब्ध होगी।

[एफ. 3 (143)/82-एम. पी.] विश्व मोहन बंसस, ग्रायुक्त एवं सचित्र

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 30th April, 1994

S.O. 1017.—The following modifications which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi, are hereby published for public information. Any person having any objection suggestion with respect to the proposed modifications may send the objections suggestions in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, 'B' Block, INA, New Delhi within a period of 30 days from the date of issue o fthis notice. The person making the objection suggestion should also give his name and address:

MODIFICATIONS:

- (i) "At page 180 of the Gazette of India Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated 1-8-90 of MPD-2061, under heading Group 'H' Prohibited Industries (a) Hazardous Noxious industrial units cellulosic products under sub-heading 'Fruits', the word 'Abattoirs' is proposed to be deleted'.
- (ii) "The land use of an area measuring 24 ha. (59.3 acres) falling in Narela scheme and bounded by revenue boundary of village Khampur and Singhela in the North, drain No. 6 in the East, G. T. Karnal Road in the West and 300 rutrs, depth from the

boundary of Singhola in the South, is proposed to be changed from 'agricultural and water body' (rural use) to 'manufacturing extensive indulty)''

2. A copy of the MPD-2001. Gazette of India as well as plan indicating the proposed modifications will be available for inspection at the office of the Deputy Director, Master Plan Section, 6th floor, I. P. Estate, New Delhi on all working days within the period referred above.

[No. F. 3(143)|82-MP] V. M. BANSAL, Commissioner-cum-Secretray

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1994

का. आ. 1018.—-श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार उसे दिनांक 24/3/94 को प्राप्त विणांखापटनम पोर्ट ट्रस्ट प्रबंधन के संबंध में उनके कर्मकारों और नियोक्ताश्रों के बीच हुए श्रौद्योगिक विवाद के संबंध में धन्वंध में यथोक्त श्रौद्योगिक श्रिधिकरण हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है।

[सं. एल-3+011/8/88-डी.-III-बी] बी. एम. डेविड, डैस्क ग्रधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 31st March, 1994

S.O. 1018.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Hyderabad, as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Visakhapatnam Port Trust and their workmen, which was received by the Central Government on 24-3-1994.

[No. L-34011[8]88-D.III(B)] B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERA-BAD

PRESENT:

Shri V. Venkatachalam, M.A., B.L., Indstrial Tribnal-I.

Dated: 1st day of March, 1994

Industrial Dispute No. 7 of 1992

BETWEEN:

Port & Dock Employees Association (Regd. No. D-3/70) represented by its General Secretary, Sri A. Rahamar, Rama Padma Niyalam, D. No. 14-25-32, upstair Dandu Bazar, Maharanipet, Visakhapatnam-530022. ...Petitioner

AND

Visakhapatnam Port Trust, Visakhapatnam representing by its Chairman. Respondent

APPEARANCES:

M/s. G. Bikshapathy, G. Vidyasagar, V. Ravi Mohan, V. Vishwanatham & N. Vinesh Raj, Advocate for the Petitioner.

M|s. K. Srinivasa Murthy & G. Sudha and S.P.V- Kishore Babu, Advocates for the respondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by its Order No. L-34011/8/88-D.III(B) di. 11-4-1991 referred the following dispute under Section 10(1)(d)(2A) of the Indust-dual Disputes Act, 1947 between the Management of Visakhapatnam Port Trust and their workman to this tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of Visakhapatnam Port Trust in refusing to supply of additional boiler suit to the Ore Handling Complex Workers is justified? If not, to what relief the said OHC workers are entitled?"

This reference is registered as Industrial Dispute No. 7 of 1992 and notices were issued to both the parties.

2. The brief facts of the claim statement filed by the Petitioner-Union read as follows: It is sbuitted that the Orc Handling Complex was established in 1965. The main functions of the Complex are to receive Iron ore from Bailadila from Ore Mines by rail transport and after dumping the iron ore in the stacks the same is again carried on and loaded in the ships for export to Japan. There are about 1,300 workmen working in the Ore Handling Complex of the Visakhapatnam Port Trust. In the process of stacking and transport by conveyor system, heavy dust eminates in the area thereby the workers are subjected to various Health hazards. Above all, the diess would get spoiled very frequently on account of complex being dust and much proned area. The Wage Revision Committee in the year 1974 itself recommended Rs. 10.00 Special Washing allowance to the workers employcd in Ore Handling Complex as their dresses are subjected to dust and much very frequently. It is submitted that the workers in the Ore Handling Complex are being given three Boiler Dress per year, and they were being paid Rs 10.00 Special Washing allowance. The said washing allowance is now revised to Rs. 30.00 per month. At the same time three Boiler Dresses were given to the workman to the Ore Handling Complex, the workers of Inner harbour and other establishments of Port Trust were being given only two boiler dresses per year and only 50 per cent of the washing allowance was granted to them. Thus they were paid only Rs. 5.00 washing allowance every month and were given two boiler dresses which is now raised to Rs. 15.00. It is submitted that on account of heavy dust and much in the Ore Handling complex, the workmen are always given one more pair than other workmen in the Port Area, as the clothes in Ore Handling Complex will be subjected to pick dicay. That during 1987, the management changed the policy in respect of supply of Boiler dresses. They shifted from colton to Terricotton and therefore three boiler dresses are being supplied for two years to all the workmen in the Port Trust Establishment, including Ore Handling Complex. It is submitted that on account of dust and much the dresses would he spoiled more quickly then the workers of other establishments. The union made demand to the management to increase 4 terricot Boiler Dresses per two years. But there was in responce and workers continue to suffer for the heavy dust and muck. Hence a failure report was sent to the Government which culminated in the present reference. The demand of the Union for additional Boiler Dress is justified for the reason the establishment of Ore Handling Complex stands on a different footing when compared to other establishments of Port Trust. The fact that the workers in the Ore Handling Complex are always getting one extra dress over and above other workers in other establishments itself that the nature of the work which is performed by the workmen in the Complex is full of dust, with a result, the clothes would be spoiled and worn out, in a very short time. It is also pertinent to submit that the workmen in the Ore Handling Complex of Madras Port Trust are being supplied four terricot Boiler dress once in two years, whereas the workmen in the Ore Handling Complex in Visakhapatnam Port Trust are being given only three Boiler dresses. Thus the requirement of four terricot Boiler Dresses is very much essential to the workers to protect from the dust and muck. To establish that there is a heavy dust in the complex, the workers are also supplied with 2 duster clothes, once in a month to avoid dust inhiliation. That apart the workers also are supplied with safety shoes & 30 multivitamin capsules to improve dust resistance, capacity. They are also given Life buoy Soaps for bathing, in addition to ordinary washing soap of 1/2 kg, per month, All the workman are also provided with Projection Helmets whereas the workers in inner harbour and other establishments will he provided with only 1/4 kg, washing soaps is given put the lifeboy soap, duster cloth and safety shoes etc. are not being supplied to them. The workers also sent for medical check up once in six months as per the experts recommendations constituted by the Labour Ministry, Government of India. This would make clear that the workers in Ore Handling Complex should protect their body which is being exposed to dust and other polluted atmosphere. It is also submitted the adjoining Ore Hardling Complex, Aluminium Export Company is establishment and also coking coal is staked by the Port Trust. The dust from this Company is falling on the workers apart from tron ore dust. Thus it is very much established that they should be provided with necessary cloth. The three Boiler dresses which are supplied every two years is very meagre and insufficient and they are becoming wornout and unserviceable. It is prayed that the Hon'ble Tribunal may be pleased to hold that the demand of the workmen for supply of one additional boiler dress to the Ore handling complex workers is quite legal, direct the management to pay the cost of one additional Terricot Boiler Dress from 1987 to 1991 and thereafter provide four Terricot Boiler Dress to each workmen employed in the Ore Handling Complex.

3. The brief facts of the counter filed by the Respondent-Port Trust read as follows: It is submitted that the Ore Handling Comples was established in the year 1965 to comply the obligation, of exporting iron ore from Visakhapatnam Port to Japan. The iron ore is received from Bailadilla Mines by train. It is also true that there are 1,300 workmen on various categories working in the OHC. The allegation of the petitioner that dresses get spoiled very frequently on account of the complex being dust prone area is not correct. In the conveyor belt system where iron ore is carried and shipped into ships there are in-built equipment and for suppression of dust there is automatic water sprinkling system. It is true that as per the Wage Revision Committee's Report Rs. 10.00 was given as washing allowance. But the allegation that be-cause their dresses are subject to dust and muck frequently the washing allowance is increased is not correct. Initially at Ore Handling Complex three pairs of boiler dresses were given with washing allowance which was revised from Rs. 10 to Rs. 30 per month. There is no distinction between inner harbour are and outer harbour area. Only to create a dispute the petitioner has chosen now to make an allegation that the boiler is established in inner harhour area. Since the beginning the receiving system of the ore till today is in the inner harbour area. The allegation that on account of heavy dust and muck in the Ore Handling Complex the workmen were always given one more pair of dress than other workmen in the Port is not correct. The system of operating of Ore Handling Complex from the date of its establishment till today is the same. The allegation that because there is more dust one extra pair of dress was given to the Ore Handling Complex workers is not correct. The recognised Unions made a demand to implement the uniform policy with regard to giving uniforms and also pointed out the anomaly that in other area of the Port workers were given two pairs of dresses only and also demanded for adopting a uniform policy in this regard which resulted either the Management had to withdraw the extra Uniform given to Ore Handling Complex workers or to give one more pair to other workers in other areas to mainfain industrial relationship and peace. The further allegation that on account of heavy dust and much in the Ore Handling Complex workmen were always given one more pair is not correct. As such, the Union has no right to make a demand for extra paid on the alleged ground of heavy dust at OHC. There is no justification on the part of the petitioner Union to make a demand to increase the uniforms to four pairs of terricot dresses on the alleged ground that their dresses are

quickly wornout than those of other workers in the Port. The increase of uniforms in other areas was done only to implement a uniform policy and though it is costly to supply terricot clothes, management has agreed to give terricot cloth so as it can be easily washable. For cleaning dust and such employees are given soaps and so far as the uniforms are concerned employees are given stitching and washing allowances. Because of dust special allowance was given. As such, the question of giving an extra uniforms to Ore Handling Complex workmen does not arise. There was no justification for the Union to make demand for four boilers its for the workers working at Ore Handling Complex. The Union is not justified in making a demand for additional pair of boiler dress on the alleged reason that establishment of Ore Handling Complex stands on a different footing when compared to other establishments of the Port Trust. Basing upon the nature of work performed at various areas allowances are paid and they come within the purview of special allowances and washing allowance is also a special allowance. The allegation supplying three boilers dresses for two years is meagre and insufficient is not correct and the further allegation that they are becoming wornout and unserviceable is not correct and totally false. Spending Rs. 300.00 for clothing and giving that as reason that personal monies were spent to protect from the environment is not a justifiable cause as in the wage composition the cloth component of the employee and his family members was also taken into account. So the Union is not justified in applies the court of the justified in making a demand for giving Rs. 300.00 per each workmen from 1989 to 1991 nor in any view the management is liable for reimbursement of the alleged amount. There are no merits in the petitioner's case. In any view the Union is not entitled for claim four terricot dresses or the alleged amounts of Rs. 300.00 per employee. There are no merits in the petitioner's case and the Hon'ble Tribunal may be pleased to reject the claim of the petitioner-Union.

- 4. The point for adjudication is whether the action of the Respondent in refusing to supply one additional boiler suit to the O.H.C. workers is justified or not?
- 5. W.W1 was examined on behalf of the Petitioner-Union and marked Exs. W1 to W3 on its side, M.W1 was examined on behalf of the Respondent Management and no documents were filed on its side.
- 6. W.W1 is A. Rahaman. In brief he deposed that he is the General Secretary of the Petitioner Union since 1970. Petitioner union has raised the present dispute, Visakhapatnam Port Trust comprises of Ore Handling Complex and Inner Hauler. O.H.C. was established in 1965. The iron ore brought from Bailadilla Mines by Rail transport. This transported into shifts station at Outer Harbour through conveyor system. About 1.300 workers are employed in the O.H.C. The workmen of O.H.C. are exposed to Iron ore dust. The employees working in O.H.C. are provided with three boiler dresses from 1970. Inner Harbour workmen are provided with 2 boiler dresses in every year. Special Washing allowance is given to the workmen of O.H.C. at the rate of Rs. 30.00 per month. There is no special washing allowance for the workmen of inner harbour. Since 1987 three terricot uniforms are given once in two years, for workmen in O.H.C. In respect of the Inner Harbour workmen three terricot uniforms were provided to the workmen. Since 1985 workmen of inner harbour are getting 3 hoiler dresses per year. The workmen of O.H.C. Bre exposed to iron ore dust. Vide Ex. WI dt. 6-2-1987 the Union has demanded for grant of four uniforms dresses. Ex. W3 is the failure report dt. 27-6-1988 sent by the Asst. Commissioner of Labour to the Government of India. The Union demanded of O.H.C.
- 7. M.Wl is U.R.M. Raju. In brief he deposed that he knows the facts of this case. Around 1,300 employees are working in Ore Handling Complex. The Union espoused the cause was not recognised Union. Whenever the wage revision are made negotiations took place only with the recognised unions. All those benefits were enjoyed by the workers working at O.H.C. They have uniform review meetings in the year 1987 all the recognised Unions raised an issue with regard to anamoly i.e. three uniforms were given to O.H.C. whereas two only given to others and also to change uniform from cotton to terricot. The Union demand asking for extra one more uniform is not a justified demand. The quantity of iron ore

transit from port to the ship through O.H.C. is same. The defence of the petitioner that there is more dust at O.H.C. as such mey require and exita uniform is not correct. In O.H.C. omy a uppic, area near dust win rain in other areas are normal there is nothing fixe totally surrounded dust atmosphore. Near the uppiers there is sprinklings system. All workmen normally they can work, they are giving in addition to the uniform wasning anowance which was originarly Rs. 10.00 increased to Ks. 30.00 for sitching these uniforms, antioring allowance is Ks. 82.00 as sitching charges, is paid. The cmployces are sent for medical examination once in 6 months. The expert committee recommended employees for examination i.e. for medical chek up. There are no sick persons listed by the Medical Department on the ground they become sick because of dust. The affection because of coal striking there is dust is not correct. The area where the coal is stacked the dust may go to any area and be by there is traine department, matthe department. All these areas are one or two kilometers from O.Fi.C. The ciothing component is already there is the wage fixed. The petitioner union demanding for one extra uniform than other workers is not justified. there is no increase of dust or increase of machinery.

- 8. The case of the Pennoner-Union that there are about 1.300 workmen working in the Ore Handling Complex of the visaknapatham Port Trust, that in the process of stacking and transport by conveyor system, heavy dust eminates in the area there by the workers are subjected to various health nazards, that the diess would get spoiled very frequency on account of complex being dust and much proned area, that the workers in the Ore Handling Complex are being given three Boilers Dresses per year, and they were being paid Rs. 10.00 special washing allowance, the said washing allowance is now revised to Rs. 30.00 per month, that at the same time, there boilers dresses were given to the workmen to the Ore Handling Complex, the workers of Inner flarbour and other establishments of Port Trust were being given only two boiler dresses per year and only 50% of the washing allowances was granted to them. They were paid only Rs. 5.00 washing allowance every month and were given two boiler dresses, which is now raised to Rs. 15.00 that on account of heavy dust and muck in the Ore Handling Complex, the workmen are always given one more pair than other workmen in the Port Area as the clothes in Ore Handling Complex will be subjected to pick dieay.
- 9. The contention of the Respondent-Management on the other hand that the allegation of the petitioner that dresses get spoiled very frequently on account of the complex being dust prone area is not correct, that the conveyor belt system where iron ore is carried and shipped into ships there are in built equipment and for supression of dust there is automatic water sprinkling system, that in addition to that employees working in this area are paid washing allowance, that initially at Ore Handling Complex three pairs of boiler dresses were given with Washing Allowance which was revised from Rs. 10.00 to Rs. 30.00 per month, that there is no distinction between inner barbour area and outer harbour area, that the allegation that on account of heavy dust and muck in the Ore Handling Complex the workmen were always given one more pair of dress than other workmen in the Port is not correct, the allegation that because there is more dust one extra pair of dress was given to the Ore Handling Complex workers is not correct. As such the Union has no right to make a demand for extra pair on the alleged ground of heavy dust at Ore Handling Complex and that there is no justification or the part of the Petitioner Union to make a demand to increase the uniforms to four pairs of terricot diesses on the alleged ground that their dresses are dyickly worn out than those of other workers in the Port.
- 10. In this case the contention of the Petitioner Union that at Ore Handling Complex previously three Boiler Dresses used to supply when 2 Boiler Dresses are being given to Inner Harbour staff. Later the Inner Harbour staff are also sanctioned three Boiler dresses. The evidence of WW-1 in his chief stated that the workmen in Ore Handling Complex are exposed to ivon ore dust, the employees working in Ore Handling Complex are provided with three Boiler Dresses from 1970. The Inner Harbour workman are provided with two Boilers dresses in every year. Since 1987 three Tetricot uniforms are given once in two years, for workmen in Ore Handling Complex In respect of the Inner Harbour workmen three terricot uniforms were provided to the workmen. He further deposed that since 1985 workmen of inner

harbour are getting 3 Boilers Dresses per year and that the Workmen of Ore Handling Complex are exposed to iron ore dust. In cross examination of WW-1 he stated that it is true that the washing allowance of Ore Handling Complex is doubled than the other areas because of the dust, that it is incorrect to suggest that Government has no anancial capacity to provide one more extra uniforms. On the other hand the Respondent-Management has not filed any documents to show that the Respondent Port Trust is undergoing loss and that it has no capacity to provide one more extra Boiler Dress to the workmen working in Ore Handling Complex. It is seen that the Respondent Management has provided three Boiler Dresses to the Inner Harbour employees whereas in the beginning they were providing only two uniforms to the macr harbour whereas three uniforms to the Ore Handl-ing Plant. Now when the Respondent Management has increased to three uniforms to Inner Harbour, the Petitioner Union was right in asking four uniforms for the employees of One Handling Complex since they are working under dust prone area. It is also seen that on account of heavy dust and muck in the Ore Handling Complex, the workmen are always given one more pair than the other workmen in the Port areas. From the facts I find that on account of dust and muck the dresses would be spoiled more quickly than the workers of other establishments. The Union was right in demanding from the Management to increase four Terricol Boiler Dresses two years. I find that this is just and reasonable to maintain industrial relationship and peace, and that I find that the requirement of four terricot Boiler dresses is very much essential to the workers to protect from the dust and muck in the Ore Handling Complex since adjoining to the Ore Handling Complex, there are Alluminimum Export Company (NELCO) and coking Company are stated by the Port Trust. It is also the case of the Petitioner-Union that in the Ore Handling Complex of Madras Port Trust the employees are being provided with Four Terricot Dresses once in two years. Thus I find that it is very much established that they should be provided with four Terricot Boiler Dresses once in two years.

1. In the result, the action of the Management of Visakhapatnam Port Trust in refusing to supply of additional Boiler suit to the Ore Handling Complex workers is not iustified. The Respondent Management is directed to pay the cost of one additional Terricot Boiler Dress from 1987 to 1991 and thereafter provide Four Terricot Boiler Dress to each workman employed in the Ore Handling Complex.

Award passed accordingly.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 1st day of March, 1994.

Y. VENKATAÇHALAM, Industrial Tribunal-I Appendix of Evidence

Witnesses Examined for

Workmen:

WW-1-A. Rahman

Witnesses Examined for

Management:

MW-1--U. R. M. Raju

Documents marked for Petitioner/Workman

Ex. W-1/6-2-87--Letter addressed by the Port and Dock Employees Association To ALC (Central) Government of India, Visakhapatnam,

Ex. W-2—Minutes of Conciliation Proceedings held U/Sec.~12(4) of the I. D. Act, on 6-6-88.

Ex. W-3—Conciliation Failure Report.

Documents marked for the Respondent/Management
NIL

नई दिस्स्री, 31 मार्च, 1994

का. ग्रा. 1019 .--ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के ग्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, उसे दिनांक 24-3-94 को प्राप्त बम्बई पोर्ट ट्रस्ट प्रबंधन के संबंध में उनके कर्मकारों श्रीर नियोक्ताश्रों के बीच हुए श्रीद्योगिक विवाद के संबंध में श्रनुबंध में यथोक्त केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक श्रिधकरण एवं न्यायालय संख्या एक बम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है ।

> [सं. एल-31012/41/92-आई ग्रार विविध] बी. एम. डेविड, डेस्क ग्रधिकारी

New Delhi, the 31st March, 1994

S.O. 1019—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the awand of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Bombay, as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bombay Port Trust and their workmen, which as received by the Central Government on 24-3-1994.

[No. L-31012|41]92-IR(Misc.)]
B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY

PRESENT:

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer. REFERENCE NO. CGIT-60 OF 1993

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bombay Port Trust.

And

Their Workmen

APPEARANCES:

For the Management—Representative present

For the Workmen-No appearance

INDUSTRY-Port and Docks

STATE-Maharashtra

Bombay, the 9th day of March. 1994

AWARD

Following reference has been made under Section 10(1) (d) read with Sub-section 2A of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Central Government by letter dated 6-9-1993.

"Whether the action of the management of Bombay Dock I abour Board Bombay in terminating the services of Sh. Baba Abdullah, General Purpose Mazdoor on the ground of voluntary abandonment of employment w.c.f. 6-6-1987 is just, proper and legal? If not, to what relief is the workman entitled to?"

2. Its communication dated 6-9-1993 was received in this Office on 10-9-1993 and notice was issued to the parties for filing the statement of claim and written statement. On 11th November, 1993, there was no appearance on behalf of Bombay Transport and Dock Workers' Union which has sponsored the dispute. Management's representative was however, present. The matter came to be adjourned to 11-1-1994 for statement of claim and on that day also statement of claim was not filed and there was no appearance on behalf of either of sides.

- 3. On 7th March 1994, to which date the matter was adjourned for orders there was no appearance on behalf of the Union and Shri Sawant appeared for the Bombay Port Trust, the management. No statement of claim was filed.
- 4. In view of the fact that there is no statement of claim filed on behalf of the Union, it is not possible to examine the correctness or otherwise of the action of the management in terminating the services of the workman. The termination is on the ground of voluntary abandonment of employment with effect from 6-6-1987 as can be seen from the schedule itself. Justness, propriety and legality of such action of the management, in the circumstaces, cannot be examined and adjudicated upon and therefore, the reference will have to be disposed off and award will have to be passed accordingly holding that the workman is not entitled to any relief. Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1994

का. थ्रा. 1020-- थ्राधोगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, उसे दिनांक 24-3-94 को प्राप्त बम्बई पोर्ट दूस्ट प्रबंधन के संबद्ध में उनके कर्मकारों थ्रौर नियोक्ताओं के बीच हुए श्रौद्योगिक विवाद के संबंध में अनबंध में यथीकन केन्द्रीय सरकार श्रौद्योगिक श्रिधिकरण एवं न्यायालय संख्या एक बम्बई के पंचाद को प्रकाशित करता है।

[सं. एल-31012/24/92-ग्राई. ग्रार. (विविध)] बी. एम. डैविड, डैस्क ग्रिधिकारी

New Delhi, the 31st March, 1994

S.O. 1020.—In pursuance of Section 17 of tch Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1, Bombay as shown in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Bombay Port Trust and their workmen, which was received by the Central Government on 24th March, 1994.

[No. L-31012/24/92-IR (Misc.)] B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY

PRESENT

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer. Reference No. CGIT-61 of 1993

PARTIES:

Employers in relation to the management of Bombay Port Trust,

AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

For the Management-Shri Nargolkar, Advocate.

For the Workmen-No appearance.

INDUSTRY: Port & Docks. STATE: Maharashtra.

Bombay, the 9th day of March, 1994

AWARD

This is another reference made by the Central Government by letter dated 6th/9th September, 1993 received in this Office

- on 14th September, 1993. The dispute referred is under section 10(1)(d) read with sub-section 2A of the Industrial Disputes Act. 1947.
 - "Whether that action of the management of B.P.T. interminating the services of Shri P. M. Kadam, an Ex-Mazdoor w.e.f. 12th January, 1988 is just, preper and legal. If not, to what relief is the workmen entitled to?"
- 2. Notice of this was issued to the parties and on 11th November, 1993 Shri Nargolkar, Advocate appeared on behalf of the Bombay Port Trust and there was no appearance on behalf of the B.T. Employees' Union which has sponsored the dispute. There was no statement of claim filed also. Matter came to be adjourned to 11th January, 1994 and same position continued and Shri Nargolkar appeared on behalf of the Bombay Port Trust and none appearing on behalf of the Union. No statement of claim was also submitted and the matter came to be adjourned to 7th March, 1994 for orders.
- 3. On 7th March, 1994 once again the position remained unchanged. Shri Nargolkar appeared on behalf of the Bombay Port Trust and none for the union.
- 4. In the absence of statement of claim filed on behalf of the Union, it is not possible to examine the justness, propriety and legality of the action of the management of Bombay Port Trust in terminating the services of Shri Kadam with effect from 12th January. 1988. In the circumstances, the reference has to be disposed off without any relief to the workman and award accordingly.

R. G. SINDHEKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 6 ग्राप्रैल 1994

का. थ्रा. 1021.—श्रीशोगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के श्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेन्द्रल हार्टीकलचरल एक्सपेरीमेंन्ट स्टेशन, रांची के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, श्रनुबंध में निर्दिष्ट श्रीशोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार यौद्योगिक श्रिधकरण, नं. 2 धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 5-4-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-42011/14/90-डी.2(बी) (भाग)] के. वी. बी. उन्ती, उँस्क श्रधिकारी

New Delhi, the 6th April: 1994

S.O. 1021.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal. No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Horticultural Experiment Station, Ranchi and their workmen, which was received by the Central Government on 5-4-94.

[No. L-42011/14/90-D.IV(B)(Pt.)] K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT ·

Shri B. Ram, Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act., 1947.

REFERENCE NO. 20 OF 1990

PARTIES:

Employers in relation to the management of Central Horticultural Experiment Station, Ranchi and their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the workmen. Shri B. Lal Advocate and Shri D. K. Verma, Advocate.

On behalf of the employers: Shri G. Prasad, Advocate.

STATE: Bihar INDUSTRY: Research

Dated, Dhanbad, the 30th March, 1994

AWARD

The Govt. of India. Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act. 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. 1.-42011/14/90-D-2(B) dated, the 13th August, 1990.

SCHEDULE

- "Whether the action of Central Horticultural Experiment Station Ranchi in not regularising the services of 127 casual labourers as per list annexed and also not paying proper wages to them is justified? If not, to what relief these workmen are entitled?"
- 2. In this reference the action of the management of Central Horticultural Experiment Station, Ranchi has been challenged in not regularising the services of 127 casual labourers as per list annexed and also not paying them proper wages?
- 3. The parties have filed their respective Written Statements. As per W. S. of the workmen Central Horticultural Experiment Station, in short CHES has been established at Ranch, for the purpose of meeting the quality and quantity of fruits as well by developing Horticulture within the country at large and in the Tribal belt in particular. 600 acres of land has been allotted to CHES. The management has planted a large number of trees of different varieties of fruits in the major portion on the land. The fruits are grown with the co-operation of labour. Fruits are sold in the market, and therefore it is an 'industry' under Section 26) of the Industrial Disputes Act., 1947, in short the Act.
- 4. The employer has employed a large number of labourers, out of which 127 workmen have been denied their right of being regularised. They have also been denied their right of receiving the minimum wages fixed under the Minimum Wages Act, 1948.
- 5. The work of CHES is perennial in nature for which all the 127 workmen have been engaged. They were engaged between 21-3-79 to 28-3-1984 but inspite of long service they have been kept wrongfully as casual workers. The CHES is bound by the Rules and Regulations of the Government of India, with respect to appointment, recruitment etc.
- 6. The Government of India, by a circular No. 49014/4/79 Estt(C) dated 21-3-79 vide council Circular No. 12(2)/79 (Dn-II) dated 21-4-79 and further reiteration from time to time have banned the recruitment of casual labourers for regular nature of work. The 127 casual workers are required to be regularised but CHES has kept them as casual workers. Employment in CHFS has been classified in various grades. The management has categorised these 127 labourers as Group-D employees and therefore they are entitled to be regularised as Group-D employees.
- 7. The management has introduced a system of engaging contract labour through contractors, although not barred, but the CHFS is required to observe the provisions of the Contract Labour (Regulation & Abolition) Act, 1970. They have prayed for the regularisation of 1.27 casual labourers and payment of Group-D wages.
- 8. The case of the management as per their W.S. may be stated as follows: -CHES. Ranchi is one out of several

Regional Research Stations of the Indian Institute of Horticultural Research (IIHR) Bangalore, which itself is one of about 50 Research Institutes of the Indian Council of Agricultural Research (ICAR), New Delhi, located, throughout the country.

--- --- ---- ----

9, I.C.A.R. is engaged in research, teaching training, transfer of technology (to farmers) though its various Research Institutes. National Research Centres, Project Directorates, All India co-ordinates Research Projects, Krishi Vigyan Kendras, Transfer of Technology Centres etc. on various agricultural aspects including Horticulture. Annual Husbandary, Fish, Poultry etc. I.C.A.R. supports financially all the State Agricultural Universities. Indian Institute of Horticultural Research (IIHR), Bangalore undertake research, teaching fraining on various horticultural crops (Fruits, Vegetables, Flowers etc.) and its allied supporting disciplines like control of diseases, pests, physiological work, biochemical work, developing or identifying new improved varieties, standardizing various seeds and plant propagation methods, crep utilization etc. results are popularised through field days, radio & T.V. talks. publishing research and popular articles as well as technical bulletins and leaflets which are supplied free of cost for the benefit of growers, extension workers, teachers, fellow research workers etc. The annual Reports of this Station is embodied in the Annual Reports of IIIIR (main Institute). The main objectives are to develop better varieties of interaction is objectives are to develop better varieties of important fruits and vegetable crops, control of important diseases and pets of these crops, to find out efficacy of various pesticides, chemicals, timings, method and period of plant/seed propogation etc. all these to find out the best results through research for the benefits of growers so that they can raise higher yield. The CHES is therefore not an 'industry' as defined under Sec. 2(i) of the Industrial Disputes Act. 1947 and therefore the provisions of the Act are not applicable to it. The ICAR is an autonomous body. The Union Cabinet Minister of Agriculture, Govt. of India is the President of ICAR. The Director General of ICAR is the Secretary to the Govt. of India through Department of Agriculture Research and Education (DARE).

10. The Parliament cnacted the Agricultural Produces Cess Act, 1940 (27 of 1940). The purpose of the Act is to levy cess by way of custom duty on export. The proceeds are to be paid to the ICAR. The expenditure of ICAR is met out of Cess Levy on the Agricultural Produces. The ICAR is a Govt, instrumentality under the said Act.

CHES has a research farm and not a commercial farm, hence the saleable produce which is left over after taking the Scientific data, is very limited and is, sold through the sales counter of the Research Station. The sale rate is fixed by the Head/Director based on the recommendation of price fixation committee. Fruits—like Mango, Litchi, Guava, Banna, Pineapple, Papaya, Citrus, Ber. Pomegranate. Jackfruit, Bael, Phalsa etc and Vegetables—Cauliflower, Cabbage, Peas Beans, Parwal, Gourds Melons, Tomato, Bringal Okra, Capsicum etc. are grown on the experimental basis. CHES is for the purpose of research only and not for commercial, purposes or making profit. The research data are generated which are analysed for the recommendations for the adoption by the farmers, scientists etc. CHFS is therefore not an 'industry'. It is out and out an agricultural. The workers are not engaged to carry any trade or business.

12. The Central Government is not the appropriate Government with respect to Horticultural Experiment and Research and therefore, the instant reference made by the Central Govt, is illegal, unjustified and had in law. The persons concerned have chosen a wrong forum. The apricultural which includes horticulture and/or land are exclusive state subject vide entries 14 and 18 of the list H of the Seventh Schedule of the Constitution and therefore, the Central Govt, is not competent to make a reference and the reference made with respect to agriculture by the Centrol Govt, is bad in law. The casual workers are engaged for seasonal work only but not for the whole of the year for similar activities. All the casual labourers are not performing the same kind of work as are being performed by the permanent employees of Grom-D. The permanent post is promotional post and casual labourer's post is not even feeder post. In order to avoid the removing of the workers at the end of the season the same labourers are permitted to continue to various other activities by shifting in different crops e.g. planting, spraying,

weeding, harvesting, irrigation, propagation, selfing etc. The work in CHES is seasonal nature, therefore, Section 25-C, 25-D and 25-E of Chapter-VA of the L.D. Act do not apply to it

- 13. The employers have been paying the minimum wages as fixed by the Government of Bihar or Central Govt, whichever is higher. However, on the basis of decision of Supreme Court Case 1986 as adopted by the Govt, of India and eventually by ICAR 50 (now 79) out of the existing 123 casual workers have been entrusted the job similar to that of Group D based on their similarity cum-itness and are being paid according to the direction i.e. 1/30th of Rs, 750/- and D.A. thereupon per day. Adhoc bonus is being paid annually to the eligible casual labourers as per GOI/ICAR orders.
- 14. The employers have distinctly categorised all the casual labourers into two categories viz. Category (a) and Category (b) clearly defining the jobs, responsibilities etc. and are paying accordingly as per ICAR orders on the subject.
- 15. Since the casual workers are not engaged in the industry they are not workmen under Section 2(a) of the Act. The engagement of these casual workers is purely on casual basis depending upon seasonal needs and varied agricultural field operations life preparation of seed bed, channels, spraying of fungicides and pesticides, watering and seed beds and plants, weeding, cultural works, application of fertilizers, harvesting etc. It has been submitted that the term 'regularisation' in the schedule of reference does not connote permanence and cannot be construed so as to convey the idea of the nature of appointment. It is a term calculated to condone any procedural irregularities and is meant to cure only such defects as are attributable to methodology followed in making appointments. Vacancies in the regular posts are filled in through Employment Exchange. There is ban in engaging casual labourers and in creation of posts also.
- 16. Under the provisions of reference to ICAR No. 49014/4/79-Estt(C) dated 23rd March, 1979 no casual labourer are to be employer by any institute over and above the existing ones and steps should be taken to introduce modern technology so that the process of mechanisation sets in and the works which are purely casual/seasonal may be got done through contractors on contract basis. Under the Government circular only those casual labourers who were employed against regular posts and if they completed 240 days uttendance during each preceding two years were to be considered for regularisation. However, not even one casual labourer has been engaged at this station (CHES) against a regular vacant post. Hence the question of their regularisation against the regular vacant post does not arise in case of CHFS, Ranchi.
- 17. The authority for regularisation of the casual labourers rests with the Government of India/ICAR and Director IIHR. Bangalore and not with the local Regional Authority of CHES, Ranchi.
- 18. In the rejoinder of the employers, the employer has stated that out of 127 casual labourers two have since expired (Sl. No. 2—Bandhana Swansi and Sl. No. 4—Bhandu Oraon) and two (Sl. No. 11—Budhuwa Lakra and Sl. No. 48—Tipa Mahali) have since been selected against Group-D nost. Presently there are only 123 unskilled casual agricultural labourers. The employers have also submitted that all these casual labourers have not been entrusted and thus are not doing the same work as being performed by the permanent regular employees of Group-D.
- 19. The question for consideration would be as to whether the concerned workmen are entitled for their regularisation and payment of wages as payable to the employees of Group-D employees.
- 20. While canvassing the merit of the case the learned counsel for the management placed some legal objections and submitted that the definition of 'Industry' as defined under Section 2(j) of the I.D. Act has been substituted whereunder the Fducational Scientific Research to training institutions and have been kept away from the ambit of Industry. It was 944 GI/94—10

- contendtd that the main purpose of Central Horticultural Experiment Station (CHES) is meant for research work only and it is not connected at all with any commercial or profit making purpose. It is a research farm and not commercial farm and the saleable produce which are left over after scientific experiment is very meagre and sold through Sales Counter of the Research Stations. Fruits like Mango, Lichi, Guava, Banuna, Pincapple, Papaya and Jack Fruits etc. and vegetables like cauliflower, cabbages, Peas, Beans, Parbal, Lemons. Tomato and Brinjuls etc. are grown on experimental basis. Therefore, CHES is not an 'Industry' and the provision of the Act are not applicable to it.
- 21. In support of this fact the management has examined Shri D. P. Singh, MW-1 who is a scientist engaged in research work at CHES, Ranchi. He stated that on the line of Bangaloro Institute our institute do research work primarily on fruits and vegetables crops. It also includes research work on various allied disciplines like plants, pathology, entomology soil science etc. This witness also stated that other objectives are to conduct research on control of important diseases and insects of fruits and vegetables of the region.
- 22. Now the question is as to whether research institute like CHES, Ranchi can be classified as 'Industry' as defined under the Act? The learned counsel for the workmen has heavily relied upon a decision reported in 1978 LLJ Vol. II at page 349 (Bangalore Water Supply and Sewerage Board, etc. Versus A. Rajappa and others). It was urged 'hat though the judgement was delivered by the Hon'ble Supreme Court in the year 1978, much before the substitution of Section 2(j) of the I.D. Act but the principles as laid down in it holds the field even today. The Hon'ble Supreme Court while considering the definition of 'Industry' held as follows:—
 - "(a) Where (i) systematic activity; (ii) organised by cooperation between employer and employee (the direct and substantial element is commercial); (iii) for the production and/or distribution of goods and services calculated to satisfy human wants and wishes (not spiritual or religious out inclusive of material things or services geared to celestial bliss i.e. making on a large-scale of (prasad or food) prima facie, there is an industry in that enterprise.
 - (b) Absence of profit-motive or gainful objective is irrelevant, be the venture in the public, joint or private or other sector.
 - (c) The true focus is functional and the decisive test is the nature of the activity with special emphasis on the employer, employee relations."

It was further held that in consequence the professions, clubs, educational institutions, co-operative research institute, charitable projects and other kindered adventures, if they fulfil the triple test cannot be exempted from the scope of Section 2(j).

- 23. The Hon'ble Supreme Court also held at page 104 and 105 that research institute albeit run without profit are Industries. The relevant paragraphs may be reproduced as follows:—
 - "104. We may proceed to consider the applicability of S. 2(j) to institutions whose objectives and activities cover the research field in a significant way. This has been the bone of contention in few cases in the past and is one of the appeals argued at considerable length and with considerable force by Shri Tarkunde who has presented a panoramic view of the entire subject in his detailed submissions, An earlier decision of this Court, The Ahmedabad Textile Industries Research Association case (1960-II-LLJ 720); (1961) 2 SCR 480 has taken the view that even research institutes are roped in by the definition but late judicial thinking at the High Court and Supreme Court levels has learned more in favour of exemption where profit-motive has been absent. The Kurji Holy Family Hospital was held not, to, be an industry because it was a non-profit making body and its work was in the nature of training, research and treatment, (1971) I SCR 177. Likewise in Dhanrajgiril Hospital Vs. Workmen, A.I.R. 1975 S.C. 2232, a Bench of this Court held that the charitable trast which ran a hospital and served research purposes and training of nurses, was not an industry. The

High Courts of Madras and Kerala, have also held that research institutes such as the Pasteur institute, the CSIR and the Central Plantation Crops Research Institute are not industries. The basic decision which has gone against the Ahmedabad Cextile case is the Safdarjung case. We may briefly examme the rival view-points, although in substance we have already stated the correct principle. The view that commends itself to us is plainly in reversal of the ratio of Safdarjung which has been wrongly decided, if we may say so with great respect.

Research:

- "105. Does research involve collaboration between employer and employees? It does. The employer is the institution, the employees are the scientists, parascientists and other personnel. Is scientific research service? Undoubtedly it is. Its discoveries are valuable contributions to the wealth of the nation. Such discoveries may be sold for a heavy price in the industrial or other markets. Technology has to be paid for and technological inventions and innovations may be patended and sold. In our scientific and technological age nothing has more cash value, as intangible goods and invaluable services, than discoveries. For instance, the discoveries of Thomas Alva Edision made him fabulously rich, it has been always that him to be a service of the services o said that his brain had the highest reach value in history for he made the world vibrate with the miraculous discovery of recorded sound. Unlike most inventors he did not have to wait to get his reward in heaven; he received it munificently on his gratified and grateful earth, thanks to conversion of his inventions into money a plenty. Research benefits industry. Even though a research institute may be a separate entity disconnected from the many industries which founded the institute itself, it can be regarded as an organisation, propelled by systematic activity, modelled on co-operation hetween employer and employee and calculated to throw up discoveries and inventions and useful solutions which benefit individual industries and the nation in terms of goods and services and wealth. It follows that research institutes, albeit run without profit motive. are industries."
- 24. I think the classical judgement of Bangalore case which still holds field had set the controversies at rest. Thus the contention of the management that CHES is not an 'Industry' has got no force and I am to hold that it is an 'Industry' and the provision of the I.D. Act are fully applicable.
- 25. The next important question for consideration would be as to whether the Central Government was the appropriate Government with respect to CHES. The learned lawver for the workmen relied upon the evidence of MW-I and submitted that all the tules of the Central Government are applicable to the Institute. Reference was also made to paras 6, 7 and 8 of the W.S. of the management which abundantly make it clear that Central Government was the appropriate authority. These paragraphs may be reproduced as follows:—
 - "6. That the ICAR which is the parent body of the Central Horticultural Experiment Station, is a registered society under the Societies Registration Act. 1860, and is governed by its own rules, regulations and bye-laws for its functioning. The administrative and financial rules and procedures framed by the Covernment of India, from time to time, are followed mutatis mntandis in regard to matters for which specific provision has not been made in the rules and the bye-laws.
 - 7. That the Cabinet Minister of Agriculture, Government of India is the President of ICAR. The officers are appointed by the Agricultural Scientists Recruitment Board/Institute's Selection Committee: its accounts are audited by the officers nominated by the ICAR/Government of India in consultation with the Comptroller and Auditor General of India.
 - That ICAR is an autonomous organisation financed by the Central Government on 100 per cont basis.

As such the Indian Institute of Horticultural Research was established under ICAR in the year 1968 and since then it is functioning under the Administrative control of ICAR, New Delhi."

- 26. In view of these pleadings it was urged that the Central Government was the appropriate authority. However the learned lawver for the management placed his reliance upon the authority reported in 1969 LLJ Vol. 11 at page 549 wherein their Lordships in the Supreme Court were pleased to hold that Heavy Electrical Engineering Corporation which was set up by the Government of India was not carried under the authority of the Central Government as in case of Post and Telegraph or the Railway Department of the Government of India and therefore the Central Government was not the appropriate Government with respect to Industrial dispute between the Heavy Electrical Engineering Corporation and their workmen and that the State Government of Bihar was the appropriate authority. The appropriate Government has been defined under Section 2(a) of the Industrial Disputes Act which means (a) in relation to any industrial dispute concerning an industry carried on by or under the authority of the Central Government, the Central Government and (b) in relation to any other industrial dispute the State Government. It was stated that Heavy Electrical Engineering Corporation in chart Hill was a fally flavored by the Corporation in chart Hill Course falls (appeared by the Corporation in chart Hill Course falls (appeared by the Corporation in chart Hill Course falls (appeared by the Corporation in chart Hill Course falls (appeared by the Corporation in chart Hill Course falls (appeared by the Corporation in chart Hill Course falls (appeared by the Corporation in chart Hill Course falls (appeared by the Corporation in chart Hill Course falls (appeared by the Corporation in chart Hill Course falls (appeared by the Corporation in chart Hill Course falls (appeared by the Corporation in chart Hill Course falls (appeared by the Corporation in chart Hill Course falls (appeared by the Corporation in chart Hill Course falls (appeared by the Corporation in chart Hill Course falls (appeared by the Course falls (appea poration in short HEEC was fully financed by the Government of India as and when required, it may be specifically noted that the words "Under the authority of the Central Government" are very significant which as held by the Hon' ble Court must be construed according to its ordinary meaning and therefore must mean a legal power given by one person to another to do an act. It has been further explained that a person is said to be authorised or to have an authority when he is in such a position that he can act in certain manner without incurring any liability. Their Lordships of the Hon'ble Supreme Court further explained that the words "Under the authority of" means pursuant to the authority, such as where an agent or a servant acts under or pursuant to the authority of his Principal or master. Their Lordship put to the test as to whether the respondent company can be said to be carrying on its business pursuant to the authority of the Central Government. Their Lordships held the view that cannot be said of a company incorporated under the Company's Act whose constitution, powers and functions are provided for and regulated by its memorandum of association and articles of association. Here in the instant case the rules of the Central Government are applicable to CHES. Ranchi. Naturally the Central Government will have control and supervision over functioning of CHES. It may also be noted that CHFS, Ranchi is one of the unit of Indian Council of Agricultural Research (I.C.A.R.). The constitution and functioning of the I.C.A.R. and H.E.E.C. are quite different. The later is solely engaged in commercial proauite different. The later is solely engaged in commercial production and transactions. It is not operated and governed by the rules framed by the Central Government but in the instant case I.C.A R. is fully financed by the grants and not by nurchasing shares by the Cantral Government. The finance is procured by levying cess. For these reasons I am to hold that the Central Government was the appropriate authority in this matter.
- 27. During the course of argument the learned counsel for the management also raised objections about the jurisdiction of the Industrial Tribunal to entertain this reference. It was submitted that the union should have gone to the Cenral Administrative Tribunal for their grievances. In this connection it may be pointed out that nothing was shown to suggest that the jurisdiction of the Industrial Tribunal has been excluded by the operation of the Administrative Tribunals Act, 1985. In such view of the matter it can be held that the Industrial Tribunal has got jurisdiction to adjudicate over the matter.
- 28. As regards regularisation of the concerned workmen it was stated on behalf of the management that the very nature of the job performed by them was of casual, intermittent and seasonal in nature and therefore they are not entitled for regularisation. It was used that they were engaged as casual labour for specific nature of work and for specific period. In this way they were engaged purely for temporary work on daily wage basis and not against the regular sanctioned post. The learned counsel also placed his reliance upon an authority reported in 1993 Lab. I.C. page 2230. That was a case where a petitioner was appointed on ad hoc basis occupying the post without being it advertise and without

proper selection being made. It was held that his appointment and continuance was illegal and the Writ Jurisdiction cannot be invoked to perpetuate illegality. Their Lordships while dealing with the case observed that even against substantive vacancy the appointing authority without advertising the post and without considering the related merit of the candidates who may apply chooses to appoint persons on personal approach. To give it a colour of legality the appointments were initially made on daily wages basis. Persons so appointed are continued for sometime and thereafter they are sought to be granted regular scale of pay and very often the daily wage employees are described as purely temporary employees or ad hoc employee. It was observed that the appointees continued to work for two to three years and thereafter the recommendation is made for regularisation or absorption in service.

- 29. That was a case in which the Writ Petitioner was appointed as clerk on daily wage with effect from 25-4-84. It appears that he was appointed thrice and on all the times appointment letters were issued. He was initially appointed against permanent vacancy and thereafter on temporary basis against permanent vacancy on 4-1-86. He was again appointed on 14-5-87 on temporary basis. The very nature of issuance of appointment letters were quite against the norms and the principles of appointment. Apart from that the Writ Petitioner had worked for two to three years only. But in the instant case the concerned workmen were never engaged nor issued any appointment letter against any permanent vacancy. They had been working as labour for the last 10 years or more on extremely poor wages. I think the facts and circumstances of the case as rehed upon by the learned counsel are not applicable to the present case.
- 30. In order to appreciate the facts, the evidence of MW-1 may be worthnoting. In the very chief examination he stated that the casual labourers are not continuously required throughout the year. He also stated that regularisation of the labour is done by the Council and not by the Director of the Institute or the head of the Institutes. He also added that the concerned workmen are required to work breeding, howing irrigation, sowing, land preparation, harvesting etc. But those entrusted with the duties of Group-D are required to work as Malis, watchmen, etc. I fail to understand as to how time limit can be fixed for land preparation. This is sort of work which can be carried out throughout the year. It seems that the truth percolated from the lips of the witness when he stated in cross-examination that the concerned workmen are regularly doing their work in the institute throughout the year. In face of this statement it will be absolutely wrong to suggest that the concerned workmen were engaged purely for specific job and for certain period. However, this fact is further fortified from the evidence of MW-2 Shri Sibendra Kumar, Scientist who stated that the concerned workmen were working regularly for the last 10 years. Engaging a labour on casual basis for a long 10 years or more on humilitative terms has always been condemned and discouraged by the Hou'ble High Court and Hon'ble Supreme Court.
 - 31. Again regularisation does not strictly denote making them permanent. Actually they should be regularised in the sense that they should be provided with all the benefits of regular employees. MW-1 has stated that 80 concerned workmen are getting Group-D wages. The witness also clarified that in the institute the lowest scale comes to Group-D employee. This means 80 out of 127 concerned workmen are getting lowest scale of Group-D employees. I do not think that harvesting and land preparation are less important work than the work of Malis or the watchmen who are getting Group-D scale. Division of Casual labour in Group-A and Group-B on the basis of work does not sound healthy. Apart from that the Institute like CHES, Ranchl should act and behave like a model employer and give all the benefits to its casual employees. MW-2 has proved a Booklet which has been marked Ext. M-33.
 - 32. The management has also brought some other documents on record. Ext. M-1 to M-13 are the photo copies of Muster roll showing payment to the concerned workmen. It relates to the year 1989 and 1990. The muster roll for January, 1990 to August, 1990 simply demonstrate that the concerned workmen worked almost everyday in a month. No muster roll for September, 1990 to December, 1990 have

been filed most probably to show that the work was seasonal in character. But the muster roll for August, 1989 to December, 1989 completely dispells and disproves the contention that the work was of seasonal character. The muster roll for these periods have been marked Ext. M-1 to M-5 respectively.

- 33. Ext. M-14 to M-16 are the letters from the Ministry of Finance regarding grant of ad hoc bonus to the Central Government employees. Ext. M-17 is the letter written by the Al.C(C), Ranchi to the Director, CHES, Ranchi requesting to attend the concilition proceeding. Ext. M-18 is the photocopy of the letter written by the General Secretary to the ALC(C), Ranchi raising industrial dispute for regularisation of the concerned workmen. Ext. M-19 is the letter by the principal scientist to he Director, CHES concerning regularisation. Ext. M-20 is the enclosure of Ext. M-19. Again M-21 is the letter written by the Principal Scientist to the ALC(C), Ranchi. Ext. M-22 is the list of casual labour and enclosures of Ext. M-21.
- 34. Ext. M-23 is the Office Memorandum dated 13-10-83 regarding regularisation of the casual employees in Group-D post. Certain conditions were required to be fulfilled by a casual employee before he was regularised in Group-D post. One of the condition was that the employees must put atleast 240 days attendance during each two preceding years on the date of appointment against regular Group-D posts. The management's contention was that the concerned workmen were not engaged against regular Group-D posts. However the Institute is silent in case of those who have worked as casual labour, though not against regular Group-D post for 10 years or more. It will be mere repetition to state that taking work as casual labour on shockingly poor wages for several years exceeding more than 10 years is exploitive terms and conditions amounting to anti-Jabour practice by the management of CHES, Ranchi.
- 35. Ext. M-24 is the letter showing guidelines for payment to casual workers. Ext. M-28 to M-32 are the letters mostly concerning regularisation of the cosual labours.
- 36. WW-1 Shri Bimal Linda and WW-2 Shri Jagpati Singh Barai have stated that all the concerned workmen are doing regularly since 1979 throughout the year. But some of the concerned workmen are getting @ Rs. 21.50 per day while the rests are getting more than double. Actually who is doing what job is not of much importance. The question is that one who has been doing for the last 10 years on extremely poor hasis are entitled for all the benefits of low paid employee of the Institute. Directing payment of scale of pay of Group-D employees to the concerned workmen will not amount to enlarge the scope of reference. Therefore, I am to hold that the concerned workmen are entitled to the lowest scale of pay of Group-D employees.
- 37. I have examined several aspects of the matter. Since CHES, Ranchi is an 'Industry', the concerned workmen engaged to do jobs are workmen within the meaning of Section 2(s) of the I.D. Act. It has already been held that the Central Government was the appropriate authority and in the circumstances the concerned workmen deserve their regularisation and payment of Group-D pay scales. It is ordered accordingly. The management is thus directed to regularise all the concerned workmen within three months from the date of publication of the Award and to pay them Group-D pay scale which is the lowest pay scale of the institute.

This is my Award.

B. RAM. Presiding Officer

ANNEXURE LIST OF WORKMEN

Sl. No.	Name	Father's name
1.	Budhu Oraon	Chamra Oraon,
2.	Bandhna Swanna	Etwa Swansi
3.	Budhwa Kasariat	Kushal Kasarjar.

		n the course	57. Gabriel Lakra	Maithius Lakra
4.	Bhandu Oraon	Pelka Oraon.	58. Junas Kachhap	Kunwar Kachhap
5.	Balu Oraon.	Piruwa Oraon,	59. Paskal Lakta	Edward Lakra
6.	Birsa Kachhap	Mahadeo Kachhap	60. Paulus Linda	Daud Linda
7.	Etwa Kasariar	D. Kasariat	61. Dhirajpal Lakra	S. Lakra
8. 9.	Sukha Titkey Paulu: Lakra	Chamra Tirkey Domna Lakra	62. Smt. Ugan	W/o. J. Karkusa
			63. Duka Oraon	Pirua Oraon
10.	Didu Kujur	Jagha Kujur	64, Ratan Ram	Jagan Ram
11.	Mani Tirkey Daswa Oraon	Kasrai Tirkey Bandhuwa Otaon	65. John Toppo	Bandhan Toppo
12.	-		66. Akla Mahli	Mahadeo Mahli
13.	Sukhna Oraon	Ram Oraon	67. Elis Lakra	(W/o. Agapit Lakra
14.	Jugiya Binha	Ram Binha	68. Sarju Mahto	Mangal Mahato
15.	Cherbo Oraon	Kasarai Oraon	69. Champa Oraon	Hudkhlal Oraon
16.	Bhaiya Oraon	Madru Oraon	70, Sukra Oraon	Ghasi Oraon
17.	Borey Lakra	Phaguwa Lak a	71. Daswa Oraon	Mahadco Oraon
18.	Sukher Oraon	Rodha Oraon	72. Guna Munda	Pusa Munda
19.	Diaw Tirkey	Karma Tirkey	73. Harisankar Bara	Bakra Baraik
20.		B. Kachhap	74. Panchu Kachhap	Das Kachhap
21.	Jhajhu Oraon	Dura Oraon	75. Narayan Lohar	Gokul Lobar
22.	Bandhnwa Oraon	Jhirga Oraon	76. Modi Oraon	Hindua Oraon
23.	Jhari Tirkey	Jatru Tirkey	77. Mahab]r Oraon	Mangra Oraon
24.	Bisnu Piriyar	(Wphago Piriyar	78. Jagnandan Sningh	Rameshwar Singh
25.	Ratni Toppo	(W/o Soreng Toppo)	79. Tarkeswar Mahto	Jagarnath Mahato
26.	Shanti Mahli	(W/o Ashok Mahli)	80. Udho Bara	Shiva Bara
27.	. Etwa Munda	Bhola Munda	81. Samual Tirkey	Jorge Tirkey
28	. Mahadeo Toppo	Dhuchu Toppo	82. Suresh Kachhap	Asab Kachhap
29	. Sukhara Munda	Madhuwa Munda	83. Siril Lakra	Basant Lakra
30	. Siril Oraon	Piruwa Oraon	84. Mangal Lakra	Birsa Lakra
. 31	. Sanicharwa Oraon	Ram Oraon	85. Birsa Ekka	Bucha Ekka
32	. Pahna Munda	Sukra Munda	86, Rajesh Karkusa	Mangra Karkusa
33	. Hari Mahli	Jhirga Mahli	87, Sagu Kachhap	Ram Kachhap
34	. Gansu Lohar	Lalo Lohar	88. Gandur Kachhap	Lanka Kachhap
35	, Kunju Munda	Sirwa Munda	89. Deoki Kesriar	Mangra Kesariar
36	. Mahadeo Manjhi	I Ramu Manjul	90. Etwari Kesariar	Kusal Kesariar
37	. Jagarnath	Lohara	91. Smt. Kunchi	Mangra Lakra
38	3. Birsi Lakra	(W/o Jugo Lakra)	92. Kathrina Lakra	Hilarus Lakra
39). Sumi Kumari	(W/o Doman Kachhap)	93. Ram Horo	Bhaokha Horo
40). Bigni Kacchap	Kunwar Kachhap	94. Madi Oraon	Mahli Oraon
41	l. Etwa Kachhap	Kunwar Kochhap.	95. Champa Oraon	Radi Oraon
42	2. Somra Munda	Sawna Munda.	96. Shanti Munda	(W/oJaleswar Munda,
4:	3. Jibia Oraon.	Hindua Oraon.	97. Bahalin Ekka	Udai Ekka.
4	4. Elvis Lakra	Paulus Lakra	98. Jagpati S. Barai	Janki S. Baraik,
4.	5. Akhta Triwar	(W)/(L) Moris Tuti.	99. Mukunda Oraon	Mangra Oraon
4	6. Paklu Oraon,	Bandhan Oraon.	100. Tirath Nath Mehto	Sohan Mahto
4	7. Rupa Linda	Tuti Linda,	101, Basia Tanguria	Mangra Tanguria
4	8. Tipa Mahli	Budhuwa Mahli.	102. Ramesh Naik	Kolha Naik
4	9. Doman Kachhap	Dukhna Kachhap.	103. Bhado Mahli	Mahabir Mahli
	0. Etwa Toppo.	Phagua Toppo	104. Samual Khoya	Buka Khoya.
5	1. Bimal Linda	Phatru Linda	105, Mogo Oraon	Pakioo Orogn
5	2. Ramesh Lakra	Luis Lakra	106. Biseswar Oraon	Sohrai Oraon
	3. Ganga Kr. Singh	Jugeshwar Singh	107. Ganga Lakra	Madi Lakra
5	4. Basanti Kesariali	Kesariar	108. Peter Tirkey	Jowakim Tirkey
5	5. Budhni Hans	(W/o. Sukra Hans)	109. Bindo Lakra	Matius Lal, ra
5	6. Dhura Oraon	Jitwahan Oraon	110. Budhwa Lakra	Madho Lakra

No.	
11. Pirua Toppo	Arjun Toppo
12. Turang Bihan	Rodha Bihan
13. Bartwa Hans	Sukdeo Hans
14. Doman Tirkey	Bhusan Tirkey
15. Birsa Lakra	Bandhna Lakra
16. Munni Kasariar	Budhuwa Kesarla
17. Birsi Karkusa	W/o. Mohan Karkusa
18. Radhey Baraik	Mathura Baraik
119. Somia Lakra	Gosla Lakra
120. Rama Kachhap	Cherbo Kachhap
121. Karma Tirkey	Chamra Tirkey
22. Mesra Kachhap	Sanicharwa Kachhap
123, Mangri Ekka	W/o. Cha
124. Gangya Lakra	Etwa Lakra
125. Subash Devi	W/o. Sukra Lohar.
126. Joyakim Lakra	Matius Lakra
127. Sukra Lakra	Ghosla La

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1994

का. ग्रा. 1022 ---श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नेशनल इन्स्टीट्यूट श्राफ इन्डस्ट्रीयल ट्रेनिंग, वम्बई के अबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों श्रौर उनके कर्मकारों के बीच, श्रनुबंध में निर्दिष्ट श्रौद्योगिक विवाद में श्रौद्योगिक श्रिकरण, मद्रास के पंचपट को प्रकाणित करती हैं, जो केन्द्रीय सरकार को 6-4-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-42012/35/93-साईम्रार (डीयू) (पीटी)] के. बी. बी. उन्नी, डैस्क म्राधिकारी

New Dollii, the 7th April, 1994

S.O. 1022.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of National Inst. of Industrial Training, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on 6-4-94.

[No. L-420012|35|93-IR(DU)(Pt.)]K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU MADRAS

Friday, the 18th day of March, 1994

PRESENT:

THIRU K. SAMPATH KUMARAN, B.A., B.L., Industrial Tribunal

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 84/93

(In the matter of dispute for adjudication under Section 10(1)(d) and 2-A of the Industrial Disputes Act, 1947 between

the Workmen and the Management of National Institute of Management Engineering, Bollowy).

he tWELN:

Timu K. S. Ramanathan, Jo, Juonee Road, West Mambanam, Inducts.

AND

The Charman, Manoral Institute of Industrial Engineering, National Institute of Industrial Engineering, National Processing Processi

REFERENCE:

Order No. L-42012/35/93-IR(DU), dated 19/20/8/93, Ministry of Eurour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on this day for final disposal upon perusing the reference. Callin statement and other connected papers on record and upon hearing or IV. R. rashod Vardian and A. Mani, Advocates appearing for the workman, and the Management being absent, this rathonal passed the following.

AWARD

This reference has been made for the adjudication of the lottowing issue:

"Whether the action of the management of National Institute of Industrial Training Bombay in terminating the services of Shri R. S. Ramanathan is justified? If not, what telief he is entitled to?"

2. The petitioner nied the following Claim statement.—The petitioner is aged 52 years and has gained rich experience in Software Engineering and he is on the verge of completing higher diploma conducted by Apple Industries Ltd., He is also studying B. Com. through correspondence course. His last drawn salary was Rs. 1,350 p.m. He had put in continous 6 years of unblemished service with one or two national artificial breaks. He joined the service of the respondent management in 1984 at Bombay and worked in various capacities at Bombay. Baroda, and Hyderabad till he joined the service of the respondent on 22-12-88. He was the scnior most employee of the respondent-management and worked continuously at Madras as a Program-cum-General Clerk from 22-12-88 till he was terminated illegally on 17-6-90 at about 9.30 p.m. The petitioner had put in more than 240 days service sincerely and diligently. The post and the work of Frograme-cum-Geeneral Clerk are permanent and the work of Frograme-cum-General Clerk are permanent in nature, and after his removal his juniors and new hands have been employed. At present one Padmanabhan has been employed permanently in the post after one Kishore was relieved from the same. The petitioner has sent several letters demanding his employment. Since he had worked for more than 240 days in the 12 months preceeding his date of termination, the mandatory provisions of the Industrial Disputes Act. 1947 should be completed with attention trial Disputes Act, 1947 should be completed with otherwise, the termination is illegal. The respondent admits that he had been temporarily employed for more than 2 years at the Madras Centre of the respondent as Pragramme-cum-General Clerk, and that his services have been utilised from the year 1984 at the various centres of the respondent. The petitioner had been employed for more than 6 years. Continuance of temporary employee in that capacity for years confers permanency. Striking of his name from the rolls amounts to illegal retrenchment as the procedure contemplated under Section 25-F read with Section 2(co) has not been complied with. The work which he was doing is still continuing and his juniors are being employed. No enquiry was conducted before terminating him from service. Therefore, an award may be passed holding that the action of the petitioner is not justified, and consequently directing the respondent to reinstate him to service with continuity of service, back wages and other benefits.

- 3. The respondent remains exparte.
- 4. The points that arise for consideration are:
- 1. Whether the petitioner has worked continuously from 22-12-88 to 17-6-90 with the respondent lastly at Madras as alleged by him?
- 2. Whether the termination of his services by the respondent is unjustified and illegal?
- 3. Whether the petitioner is entitled to reinstatement with all benefits?
- 5. Points 1 to 3.—The petitioner has stated in his evidence that he was working with the respondent as Programmecum-General clerk at Bombay from 1984 July to June 1986, at Hyderabad from 1988 April to July, 1988 and at Madras from 1988 December to 17-6-90. He also stated that his services were terminated on the night of 17-6-90, that though he asked for a job, he was not provided, but his junior Padmanabhanis even now working, that prior to the termination of his services, he was not given a month's notice or notice-pay that no enquiry was held against him and that he is not working anywhere now He also stated that he should reinstated into service with continuity of service and back wages.
- 6. As pointed out already, the respondent remains exparte and has not chosen to contest the case. There is no evidence contra to that of the petitioner. Even Exhibit W-3, the communication sent by the respondent to the Assistant Labour Commissioner shows that the petitioner had worked with the respondent at Madras from December 1988 to June, 1990. Therefore, it is evident that the was worked for more than 18 months continuously, and he ought to have been made permanent. His evidence shows that he has not been given any notice nor paid any notice pay before his services were terminated. Therefore, in these circumstances I find that the petitioner is entitled to be reinstated to service with continuity of service and back wages and other attendant benefits. I find that termination of his service is not just or legal.
- 7. In the result, an award is passed holding that the termination of the services of the petitioner is not legal or just and directing that the petitioner should be reinstated into service by the respondent with continuity of service, back wages and other attendant benefits. No costs.

Dated, this the 18th day of March, 1994

THIRU K. CAMPATH KUMARAN. Industrial Tribunal

WITNESSES EXAMINED

For Workman:

M.W.1.—Thiru R. S. Ramanathan

For Management.-None.

DOCUMENTS MARKED

For Workman:

- Ex. W-1|10-6-92.—Petitioner u|s 2A of the Industrial Disputes Act, filed by the Petitioner-worker before the Regional Labour Commissioner, Madras-6 (Xerox copy).
- Ex. W-2|14-10-92.—Counter filed by the Management before the Assistant Labour Commissioner (C), Madras-6 (Xerox copy).
- Ex. W-3/3-2-93.—Counter filled by the Management before the Assistant Labour Commissioner (C), Madras-6 (Xerox copy).
- W-4/27-1-93.—Reply to Counter filed by the Petitiover-worker before the Assistant Labour Commissioner (C), Madras-6.

Ex. W-5|2-3-93 —Conciliation failure Report (Xerox copy).

For Management,-Nil,

नई विल्ली, 8 ग्राप्रैल, 1994

का. थ्रा. 1023 - श्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियंम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस. डी. थ्रो. (टी.), श्रीगंगानगर के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों श्रौर उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रौद्योगिक विवाद में भौद्योगिक श्रिधिकरण, जयपुर के पंचपट को प्रकाणित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-4-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-40012/88 89-म्नाई.भ्रार. (डी.यू.) (पीटी)] के. वी. वी. उन्नी, डैस्क मधिकारी

New Delhi, the 8th April, 1994

S.O. 1023.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Jaipur as shown in the annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.D.O. (T), Sriganganagar, and their workmen, which was received by the Central Government on 7-4-1994.

[No. 1.-40012/88/89-IR(DU)(Pt.)] K.V.B. UNNY, Desk Officer

अनुबन्ध

केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण, जयपुर

केस नं. सी.आई.टी. 51/1990

रैफरैन्स: केन्द्र सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का प्रादेश कर्माक एल-40012/88/89 प्राई. प्रार. (डी.वी.)

दिनांक 3-8-90

राम प्रताप पुत्र श्री शिव प्रसाद मार्फत जनरल सैकेट्री भारतीय मजदूर संघ कार्यालय लीला चौक, पुरानी श्राबादी, श्रीगंगानगर।

---प्रार्थी

बनाम

एस, डी, ओ (टी) श्री गंगानगर।

---ग्रप्रार्थी

उपस्थित

माननीय न्यायाधीण श्री शंकर लाल जैन, श्रार एच .जे .एस .

प्रार्थी की ओर से :

श्री जयबीर सिंह यादव

ग्रप्रार्थी की ओर .से :

श्री प्रवीण बलबदा

विनांक अवार्ड :

22-1-1994

भ्रवार्ड

केन्द्र सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली ने ध्रपने उपरोक्त ग्रादेश के जरिए निम्न विवाद इस न्यायाधिकरण को वास्ते ग्राधिनिणय औद्योगिक विवाद ग्राधिनियम 1947, जिसे तत्पश्चात् श्रिधिनियम, 1947 संत्रोधिन किया है, की धारा 10 (1)(घ) के अंतर्गत प्रेपित किया है:

"Whether the action of the management of S.D.O.(I), Sriganganagar is justified and legal in terminating the services of Shri Ram Pratap from 1-7-1988? If not, to what relief is the workman entitled"?

2. प्रार्थी तांच ने स्टेटमेंट स्नाफ क्लेम प्रस्तृत कर प्रकट किया कि श्रमिक राम प्रताप को श्रप्रार्थी ने दिनांक 1-6-82 को दैनिक क्षेतन भोगी श्रमिक के स्थाई पद के विरुद्ध विभाग में गड़का खोदने, टेलीफोन के तार खींचने, सामान इधर से उधर लाने ले जाने छादि चतुर्थ श्रेणी के कार्यों के लिए नियुक्त किया था। प्रार्थी पूर्व में एक माह की स्वीकृत लीव लेकर गांव गया था जहां वीमार हो गया और मेडीकल फिटनैस लेकर हाजिर हुआ तो अप्रार्थी ने उसे सेवा में ले लिया। इस प्रकार प्रार्थी की सेवाएं 1-6-82 से 31-5-88 तक लगातार रही है। संघ का कथन है कि प्रार्थी ने प्रत्येक वर्ष में 240 दिवस से ग्रधिक कार्य किया है किन्तु बिना नोटिस, नोटिस पे छंटनी मुश्रावजा दिये प्रार्थी को दिनांक 1-6-88 को भ्राप्रार्थी ने मेवा पृथक कर दिया, प्रार्थी के विरुद्ध कोई जांच नहीं की गई न ही कोई मुश्रावजा विया गया । इस प्रकार धारा 25-एफ श्रधि-नियम, 1947 के प्रावधानों का उल्लंघन विपक्षी द्वारा किया गया है। प्रार्थी संघ का कथन है कि जब श्रमिक में डीकल की लंबी छुट्टी से वापस आया तो उसे काम पर ले लिया गया और कोई आपत्ति नहीं की गई और प्रार्थी श्रमिक पूर्वानुसार ग्रपनी इयुटी देता रहा ग्रतः दिनांक 1-6-88 से उसकी सेवाएं बिना किसी कारण के समाप्त कर देना प्रवैद्य है श्रतः प्रार्थी श्रमिक की सेवा मुक्ति भ्रादेश को भ्रपास्त करते हुए उसे सेवा में सर्वेतन व सहित बहाल करने के प्रादेश पारित किये ग्रन्य लाभों जायें।

3. ग्रप्रार्थी के क्लेम का जवाब दिनांक 6-2-91 को प्रस्तुत कर प्रकट किया कि प्रार्थी श्रमिक को दैनिक बेतन के ग्राधार पर अस्थाई व कैज्यम्मल मजदूर के स्थान 1--6-82 को रखा गया था। प्रस्थाई व कैज्युग्रल श्रमिकों को कोई छट्टी नहीं दी जाती है, प्रार्थी बिना सूचना के स्वयं काम छोड़कर चला गया। उसने कोई मेडीकल प्रमाणपत्र नहीं विया बल्कि 4-5 माह बाद फिटनैंस प्रमाणपव दिया था ग्रतः उसकी प्रार्थना पर उसेत दुबारा कैज्यूश्रल व श्रस्थाई पद पर 1-12-87 से रख िलया गया। प्रार्थी लगातार 1-7-83 से 30-11-87 तक लगातार अनुपस्थित रहा। केवल एक वर्ष में ग्रथित 8-2-83 से प्रार्थी ने 240 दिन कार्य किया है जिसके बाद का पीरियड क्रेक है। प्रार्थी की सेवाएं मिस कन्डक्ट या चार्ज के फ्राधार पर समाप्त नहीं की बल्कि कार्य की समाप्ति पर स्वयं ही समाप्त हो गई । इसलिए नोटिस, नोटिस पे देने का प्रश्न ही नहीं उठना प्रार्थी से कनिष्ठ कोई श्रमिक सेवा में नहीं है। ग्रतः क्लेम खारिज किया जाय ।

4. साक्ष्य में यूनियन की ओर से स्वयं श्रमिक राम प्रताप के वयान हुए हैं तथा विपक्षी की ओर से श्री एन.के. शर्मा के वयान कराये गये हैं। दोनों ही गवाहों से प्रति परीक्षा की गई है। तत्पश्चात् मैंने पक्षकारों के पक्षकारों के प्रतिनिधिगण की बहम युनीं। पत्नावली, पत्नावली पर उपलब्ध सामग्री एवं विधि के सुसंगत प्रावधानों का ध्यानपूर्वक परिशीक्षन किया।

 यह उल्लेखनीय है कि इस मामले में यह निर्विवाद तथ्य है कि श्रमिक राम प्रताप न विपक्षी नियोजक के दिनांक 1-6-82 को दैनिक श्रमिक के रूप में कार्य ग्रारंभ किया या जिसकी सेवाएं विपक्षी ने 1-7-88 को समाप्त कर दीं। विपक्षी की प्रतिरक्षा है कि प्रार्थी दिनांक 31-11-87 तक श्रनुपस्थित रहा। श्रश्रार्थी ने इस तथ्य को स्वीकार किया है कि प्रार्थी श्रमिक ने एक वर्ष में 8-2-83 से 240 दिवस से ग्रधिक उनके ग्रधीन कार्य किया है किन्तु उसके बाद में उसके सेवा काल में 4 वर्ष 5 माह का व्यवधान हो गया। उसने पुनः नौकरी में भ्राने के बाद मान्न 171 दिवस तक कार्य किया। उसकी मेवाएं किसी धुराचरण के ग्राधार पर समाप्त नहीं की गई बल्कि कार्य की समाप्ति के कारण स्वतः ही समाप्त हो गई।

6. यह भी उल्लेखनीय है कि श्रमिक ने एक कलैण्डर वर्ष में ग्रप्रार्थी के ग्राधीन 240 विवस कार्य किया था। यह एक निर्विवाद तथ्य है विपक्षी के गवाह श्री एन के शर्माने श्रपने प्रति परीक्षण में इस तथ्य को स्वीकार किया है कि श्रमिक को इटाने समय कोई नोटिस नहीं दिया न ही नोटिस के एवज में एक माह का वेतन श्रीर न ही छटनी मुग्रावजा दिया । वरिष्ठता सूची निकाली जबकि श्रमिक ने बीमारी से पूर्व एक वर्ष में 240 दिवस से प्रधिक कार्य किया था। इस साक्षी ने अपने प्रतिपरीक्षण में यह भी कथन किया है कि प्रन्-पस्थिति के संबंध में श्रमिक को कोई नोटिस नहीं दिया. इस प्रकार अनुपस्थिति के मामले में कोई जांच नहीं की गई। उसने यह भी माना है कि यद्मपि श्रमिक ने बीमारी का प्रमाणपत्र नहीं दिया था किन्तु बीमार होने की सूचनादी थी। जब श्रमिक को पुनः काम पर ले लिया गया तो यही माना जायेगा कि बीमारी का उचित कारण मानते हुए उसे हुयुटी पर ले लिया गया था।

7. यह उल्लेखनीय है कि श्रमिक राम प्रताप ने अपने दावे को पूर्णतः सिद्ध किया है तथा उसने विपक्षी के श्रधीन 1-6-82 से दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में कार्य किया श्रौर विपक्षी द्वारा बिना किसी नोटिस, नोटिस पे एवं छंटनी मुश्रावजा दिये 1-7-88 को उसकी सेवाएं समण्द कर दी गई जबकि उसने एक कर्लैण्डर वर्ष में 240 दिवस से अधिक कार्य किया था। उसने यह स्वीकार किया है कि बीमारी के कारण वह 1-7-83 से

30-11-87 तक काम पर उपस्थित नहीं हो सका था किन्तू बीमारी की मुचना उसने नियोजक को देदी थी। इस 1-7-83 से 30-11-87 तक की प्रविध में श्रमिक बीमारी के कारण श्रनपस्थित हो गया था जिसे मेरी राय में न लो बिल्कुल एवस्ट माना जा सकता है श्रीर न ही यह माना आयेगा कि प्रार्थी स्वेच्छा से काम पर नही आया । भ्रप्रार्थी ने उसे कोई नोटिस, नाटिस एवं छंटनी का मुग्रायजा नहीं दिया तथा न ही कोई यरि-प्टता सूची बनाई इस प्रकार धारा 25--एफ जी वएच अधिनियम 1947 के प्रावधानों को स्पष्ट तौर पर श्रव-हेलना की है। तथा नियम 77 व 78 की भी प्रवहेलना हुई है। मैं भ्रपने इस निष्कर्ष के संबंध में डब्स्य.एल.भ्रार, 1991 (एस) राज. पेज 1∪9 भीष्यम दासाबनाम राजस्थान राज्या डक्स्या.एला. (एम) राज. पेज 139; एम.एस. 1991 दबे बनाम स्टेट बैंक ग्राफ राजस्थान, डब्ल्य एल श्रार. 1991 (एस) राज. 487; राजस्थान कौन्सिल डिप्लोमा इंजीनियर्स बनाम स्टेट श्राफ राजस्थान भरोसा करता हूं।

्8. त≀यों ग्रीर विधि के उपरोक्त समस्त कारणों से इस निर्देश का ग्रिधिनिर्णय निम्न प्रकार किया जाता है।

'′एस.डी.म्रो (टी) श्री गंगानगर के प्रबन्धतंत्र द्वारा श्री राम प्रताप की सेवाएं दिनांक 1-7-88 से किया जाना उचित एवं वैध नहीं है । सेवा मुक्ति भ्रादेश दिनांक ा−7−88 को श्रपास्त किया जाना है एवं प्रार्थी श्रमिक को उसके पद पर नियोजित घोषित वेतन श्रन्य उसका समस्त पिछला सभी लाभ मय सेवा को निरन्तरता उसे विलाये जाते हैं । नियोजक को धादेश है कि ब्रेश्नमिक येतन व मन्य लाभ श्रंषर तीन माह 12 प्रतिशत श्रन्यथा वार्षिक ब्याज भी देय होगा। 100 रुपये खर्चा मकदमा भी दिलाया जाता है।"

 9. ग्रवार्ड की प्रति केन्द्र सरकार को प्रकाशनार्थ नियमानुसार भेजी जाये।

णंकरलाल जैन, पीठासीन ग्रधिकारी

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1994

का मा 1024.—ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के धनुसरण में केन्द्रीय सरकार इंडियन एयरलाईन्स के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों ग्रीर उनके कर्मकारों के बीच अनुबन्ध में निर्दिष्ट ग्रौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रौद्योगिक ग्रिधिकरण सह श्रम न्यायालय (सं. 1), बम्बई के पंचपट को प्रकाणित करती है जो छेन्द्रीय सरकार को 6-4-94 को प्राप्त हम्रा था।

[संख्या-एल 11012/14/91-आई. आर. (विविध)आई. आर.

(सी-1)

सी गंगाभरन, इस्क ग्राधिकारी

New Dolhi, the 7th April, 1994

S.O. 1024.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court (No. I) Bombay as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employees in relation to the management of Indian Airlines and their workmen, which was received by the Central Government on 6-4-1994.

[No. I-11012/14/91-IR(Misc.)/IR(C-I)] C. GANGADHARAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY

ANNEXURE

PAESENT:

Shri Justice R. G. Sindhakar, Presiding Officer. REFERENCE NO. CGIT-94 OF 1991

PARTIES:

Employers in relation to the management of Indian Airlines,

And

Their Workmen,

APPEARANCES ·

For the Management-Shri Swamy, Advecate.

For the Workmen-G.V. Jacob, representative

INDUSTRY-Airlines.

STATE-Maharashtra.

Bombay, the 16th day of March, 1994

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by an order dated 5-12-1991 made following reference under section 10(1)(d) read with section 2A of the Industrial Disputes Act 1947

"Whether the termination of Shri C.D. Thomas, porter by the management of Indian Airlines was justified and legal ? If not, to what relief is the workman entitled to?"

- 2. Statement of claim has been filed on behalf of the workman by Mr. Jacob. He joined Indian Airlines as a porter in the year 1963. His date of birth is 9-9-1935 and he completed 23 years of service. He was attaining rethrement age of 58 years on the 9-9-1993. He states that he only carning member in the family and has been harshly dealt with by the management. He therefore, prayed for re-instatement with full back wages and continuity of service and other dues.
- 3. Written statement has been filed on behalf of the management and it has been contended that there has been a delay of 3-1/2 years for raising the dispute and therefore, the workman is not entitled to any relief. Facts with rewards to his date of birth and date of joining and due date of retirement are not in dispute.
- 4. According to the management, on 6th November, 1984 while he was on dutly as a loader, a passenger named Shri Mathew K Oommen holding a ticket for Cochin was standing near the check-in counter of flight IC-191, the norter Shri Thomas approached him and demanded Rs. 150 for certing him a seat on flight IC-191. He was raid Rs. 150 for confirmed seat on that flight. Shri Thomas then approached Traffic Supdt. Mr. Pathak and told you know Mr. Oommen who was booked on a flight to Cochin leaving at 1300 hrs., but he wanted to travel by the earlier flight the head lost his mother. Shri Thomas further requested Mr. Phatak to accommodate this passenger on flight IC-191 on compassionate grounds and also told Mr. Ramamoorthy, Traffic Assistant who was handling flight IC-191, that one

of you relatives wanted to go to Cochine urgently as his mother was seriously ill and requisted Mr. Ramamoorthy to accommodate this passenger on light IC 191. According to the management Sh. Thomas did it for a consideration and by accepting illegal gratification. This conduct amounted a 'misconduct' as said in clause 16(5), 16(3), and 16(37) of the Standing Orders (Regulations) concerning discipline and appeals as applicable to Shri Thomas.

- 5. He was given due notice and enquiry was held. He was held guilty and the Competent Authority issued a show cause notice and thereafter imposed penalty of dismissal from services. It is contended that rules of natural justice have been observed and there has been a fair play. Managment therefore, contends that there is no cause for interfering with the order, the penalty which in the circumstances of the case was proportionate to the gravity of the charge. In the alternative, it is contended that if this Tribunal found that the enquiry suffered from any infirmity and was vitiated, the management should be given an opportunity to substantiate the charge levelled against Shri Thomas.
- 6. The workman has filed an affidavit in support and has been cross-examined on behalf of the management by Mr. Swamy. Mr. Jecob appeared on his behalf and argued the matter. I heard Mr. Swamy appearing on behalf of the management.
- 7. The first grievance of Mr. Swamy with regard to the affidavit is that he has made out a case which he had not gleaded in the statement of claim. There the grievance is in my opinion justified. Nowhere in the statement of claim he has made an allegation that there was no proper enquiry that the Enquiry Officer was not competent to bold the enquiry. It has also not been stated that the charge was baseless. In the circumstances, it is rather difficult to allow Shri Thomas to expand the scope of dispute.
- 8. All the same I shall examine the contentions which have been raised in the affidavit. He has admitted that the chargesheet was issued to him and it was alleged that he had taken illegal gratification[bribe. He further stated that enquiry was held. According to him it was not fair and proper. He has made further grievance that Mrs. F. Jacob did not disclose if she was lawfully empowered to conduct the trial and did not possess necessary qualifications namely, necessary judicial qualification in dealing with the matter.
- 9. It has not been shown how and why Mrs. Jacob was not competent to hold the enquiry. She was appointed as an Enquiry Officer by the Manager. Bombay Airport by order dated 26-4-1985. She then happend to be ACM, Indian Airlines, Bombay Airport. As admitted by him, she did not make any grivance to the management after her appointment nor during the course of the enquiry nor in the final statement. He also did not make any grievance in his statement of claim. It is therefore, difficult to uphold his contention on that point.
- 10. The second contention is that the enquiry was not fair and proper. Mr. Jacob appearing on behalf of the workman submitted that the management did not examine Mr. Mathew K. Oommen. The complaint of Mr. Oommen was produced before the Enquiry Officer during the enquiry and duly proved. The witnesses examined on behalf of the management also spoke about the approach Shri Thomas made to them. The request made by Shri Thomas to Mr. Phatak was that Mr. Oommen should be accommodated on the earlier flight as he had lost his mother and he therefore, asked Shri Thomas to contact Mr. Fernandes. This witness is not cross-examined and when asked whether he wanted to cross examine, Shri Thomas stated, "I do not wish to cross-examine him, because what he stated is a fact.......". He introduce, did not dispute what was stated by Mr. Phatak about Shri Thomas approaching him and making a request to accommodate the passenger Mr. Oommen on earlier flight. Mr. Phatak has had stated that if he was satisfied with the credentials of the individual who approached him he would certainly help him since Shri Thomas, the loader in question, had worked sig his shift. he knew him well.

- 11. Management also had examined Mr. Fernandes and Mr. Ramamoorthy. Mr. Fernandes had also given corroborative evidence. Mr. Ramamoorthy's evidence was also recorded and he stated that Sari Thomas approached him and requested him for a seat on the ground that his relative wanted to proceed to Cochin since his mother was seriously ill. He had further stated that Shri Thomas was behind the counter, relative standing on the side of the counter. Mr. Dholakia was also examined and he stated that Mr. Fernandes, Counter-Supervisor told him about the demand made for one seat by one passenger and therefore, he (Dholakia) went to the counter and asked the passenger, as to what had happend and he was told that his mother was serious at Cochin and wanted to go very urgently. He identified the porter Shri Thomas to whom the amount was paid. With this material, Enquiry Committee found that the charge of accepting money as bribe was established against Shri Thomas. It has to be noted that material clearly pointed out that it was Shri Thomas who had approached on behalf of the passenger Mr. Commen for a seat by flight IC-191 to Cochin. Non-examination of passenger Mr. Commen could not justify, rejection of all this material that was before the Enquiry Officer. It has to be stated that Shri Thomas had addressed letter dated 12-1-1985 to the Manager, Bombay Airport stating that he would like to examine the passenger Mr. Mathew K. Commen. However, at the end of the enquiry when asked whether he wanted to examine any witness, his reply as witness.
- 12. He was given full opportunity to defend himself at the enquiry, a friend was engaged by him to defend himself and he also cross-examined the witnesses. He did not choose to examine himself or Mr. Oominm. In my view, therefore, a fair opportunity was given to him and principles of natural justice have been observed. The denial by Shri Thomas of acceptance of money as a bribe was not acceptable to the Enquiry Officer and to the Competent Authority. I do not find that the enquiry officer was accepted after Shri Thomas was given show cause notice. The Finquiry Office has analysed the facts and given reasons in support of report. In view of all this, I hold that there is no merit in the contention of Shri Thomas that the termination order was not justified. Award accordingly.

R. G. SINDHAKAR, Presiding Officer

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 94

का०ग्रा०1025.—श्रीद्योगिक विवाद श्रीधिनियम 1947 (1947 का14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक श्रॉफ बीकानेर एण्ड जयपुर के प्रबन्धतंव के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच श्रनुबंध में निदिष्ट श्रीद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीद्योगिक श्रिकरण, कोटा के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 5-4-94 को प्राप्त हुआ था।

[मंच्या एल-12012/42/89-ग्राई.ग्रार बी-3/ग्राईप्रारवी-1] एस.एस.के. राव, डैस्क ग्रिधकारी

New Delhi, the 7th April, 1994

5.0. 1025.—In pursance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government bereby publishes the Award of the Central Industrial Tribunal, Kota as shown in the Amexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Early of Bikaner & Jaipur and their workmen, which was received by the Central Government on the 5-4-94.

[No. L-12012]42|80-JR BHI|TR BI]
S S K. RAO, Desk Officer

-

भ्रम्बंध

स्यासाधीश, श्रौद्योगिक न्यायाधिकरण (केन्द्रीय) कोटा/राम./ निर्देश प्रकरण क्रमांक : श्रौ. न्या. (केन्द्रीय)-7/1989 दिनोक स्थापित : 1-8-89

प्रसंग: भारत सरकार श्रम मंद्रालय नई दिल्ली के आदेश क्रमांक एल-12012/42/89/प्रार्ड थ्रार (बी-3) (ए) दिनांक 19-5-89

श्रीद्योगिक विवाद श्रविनियम, 1947

मध्य

समिव, अस्थाई वैक कर्मगारी एसोसिएशन द्वारा 265 नारायण निवासी विक्रम चौक लाष्ट्रप्रा, कोटा।

—प्रार्थी युनियन

एवं

क्षेत्रीय प्रजन्धक, स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, इंडस्ट्रीयल एस्टेट, कोटा । —प्रतिपक्षी नियोज़क

उपस्थित

श्री जनदीश नारायण शर्मा, श्रार एच जे. एस.

प्रार्थी श्रीमक की घोर से प्रतिनिधि : श्री ग्रालोक जोहरी प्रतिपक्षी नियोजक की घोर से प्रतिनिधि : श्री सी बी सोरल प्रधिनिर्णय दिनांक : 13 जनवरी, 1994

ग्रधिनिर्णय

भारत सरकार, श्रम मंद्रालय, नई दिल्ली द्वारा निम्न निर्देश श्रीद्योगिक विवाद प्रधिनियम 1947 की धारा 10(1)(घ) के ग्रन्तर्गत इस न्यायाधिकरण को ग्रधिनिर्णयार्थं सम्प्रेषित किया गया है ----

"Whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur Kota in relation to their Kota Branches in not considering for further employment, the workmen mentioned below while engaging fresh hands as required under Section 25H of the I. D. Act is justified? If not, to what relief the concerned workmen are entitled to?"

- 1. Shri Ravindra Jain
- 2. Shri Rajendra Prasad Chauhan
- 3. Shri Shree Kumar Sharma
- 4. Shri Nand Bhanwar Singh.
- निर्देश स्यायाधिकरण में प्राप्त होने पर दर्ज रिजस्टर किया गया व पक्षकारों को सूचना जारी की गयी सदुपरान्त दोनों पक्षों की भोर से अपनी-प्रपनी उपस्थित न्यायाधिकरण में दी गयी।
- 3. भाज प्रकरण में नियोजक पक्ष की स्रोर से प्रति-निधि श्री सी. बी. सोरल उपस्थित हुए। श्रमिक धृनियन की भोर से कोई उपस्थित नहीं हुआ। प्रतिपक्षी की स्रोर से कोई साक्ष्य पेश नहीं कर भपनी साक्ष्य समाप्त की गयी। पत्नावली के स्रवलोकन से यह स्पष्ट प्रकट होता है कि श्रमिक

युनियन की श्रीर से भ्रापने क्लेम समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं की गयी है जिससे कि उनके कथा की पुष्टि हा सके। श्रातः साक्ष्य के श्रामाव में श्रामिकमण का क्लेम श्रास्वीकार किया जाता है भीर श्रामिकगण कोई राह्त प्राप्त करने के श्राधिकारी नहीं है।

इस अधिनिर्णय को भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली को नियमानुसार प्रकाशनार्थ भिज्ञवाया जावे।

जगदीश नारायण शर्मा, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1994

का०न्ना०1026—श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डिवीजनल रेलवे मैनेजर, बैस्टर्न रेलवे, कोटा के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रौद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रौद्योगिक अधिकरण, जयपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-4-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41011/24/86-डी-H-की/म्राई म्रार बी-1] एम.एम.के. राव, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 7th April, 1994

O. 1026.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Industrial Tribunal, Jaipur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Divisional Railway Manager, Western Railway Kota and their workmen, which was received by the Central Government on the 4-4-94.

[No. L-41011/24/86.D.II.B/IR.B.I] S. S. K. RAO, Desk Officer

प्रनुबन्ध

केन्द्रीय श्रीद्योगिक न्यायाधिकरण, जयपुर

केस नं. सी. भाई.टी. 30/1988

रैफरैंस: केन्द्र सरकार, श्रम मंद्रालय, नई दिल्ली का श्रादेश क्रमांक एल-41011/24/86/-श-II-भी 1, विनांक 6-5-1988

श्रॉल इण्डिया रेलवे मिन्सट्रीयल स्टाफ एसोसियेशन, कोटा द्वारा डिवीजनल सैन्नेट्री श्री महेश घन्द्र मित्तल, गर्वेमैंट गर्ल्स सेकेण्डरी स्कूल के पास, कोटा ।

~-- সার্ঘা

बनार

िवींजनल रेलवे मैनेजर वैस्टर्न रेलवे, गृतियन आँफ इंडिया कोटा (राजस्थान) । —-ग्रग्रार्थी

उपस्थित

माननीय न्यायाधीश श्री शंकर लाल जैन, श्रार. एच. जे. एस. शर्थी संघ की स्रोर से: श्री राज देव त्रिपाठी श्री की स्रोर से: श्री बी. एस. माथुर दिनांक श्रवार्ड: 17 जनवरी 1994

प्रकार्ड

केन्द्र सरकार, श्रम मंत्रालय नई दिल्ली ने श्रपने उपरोक्त ग्रादेश के जरिये निम्न विवाद इस न्यायाधिकरण को ग्रधि-निर्णयार्थ श्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947, जिसे तत्पश्चाते ग्रिधिमियम संबोधित किया है, की धारा (10)(1)(घ) के ग्रन्तर्गत प्रेषित किया है:

"क्या अनुबन्ध में दर्शाए गए कर्मचारियों की सेवा में प्रेषक का दण्ड देते हुए दिनांक 26/27-4-79 का आदेण क्यायोचित है? यदि नहीं तो यह कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?"

2. प्रार्थी संघ ने स्टेटमेंट भ्राफ क्लेम दिनांक 8-8-88 को प्रस्तुत किया कि रैफरेंस केसाथ सलग्न सूची में अंकित 9 श्रमिक विपक्षी के डिवीजनल ग्राफिस कोटा में में नियुक्त किये गये थे। यूनियन का कथन है कि डी. म्रार.एम. (ई) कोटा ने भ्रपने म्रादेश दिनांक 26/27-4-79 के जरिये 15 श्रमिकों (जिनका कि नाम क्लेम में धर्ज किया है) की सेवा में व्यवधान दर्शाया है। प्रार्थी संघ का कथन है कि अनेक्सचर में दशिये सभी श्रमिकों ने संबंधित कार्यालय में उपस्थित होकर कार्य किया है। सेका में व्यवधान और उक्त ग्रवधि को ध्रवैतनिक करने का भ्रादेश पूर्णतया श्रनुचित व श्रवैध है। ऐसा करने से पूर्व श्रमिकों को श्रपना पक्ष प्रस्तुत करने का श्रथमा सुनवाई का ग्रवसर नहीं दिया गया। यह भी कथन किया है कि श्रमिकों को उक्त विषय में कोई औपचारिक जानकारी नहीं दी गई । अब उन्होंने माह ग्रप्रैल का वेतन उठाया तब उन्हें इस तथ्य की जानकारी मिली। इस प्रकार प्रप्रार्थी ने न केवल श्रमिकों को ग्रामिक हानि ही पहुंचाई है बल्कि उनकी पिछली सेवायें उपार्जित भ्रवकाश इत्यादि का भी उन्हें नुकसान पहुंचाया है जो भ्रार्टीकल 14~16-21 भारतीय संविधान के विषरीत है। श्रमिकों के उक्त अविध में किसी तरह कार्यकरने से इन्कार नहीं किया थान ही इस प्रकार का कोई रिकार्ड है कि उन्हें जो काम दिया गया हो उसे करने से श्रमिकों ने मना किया हो। श्रतः प्रार्थना की कि ग्रप्रार्थी के ग्रादेश दिनांक 26/27-4-79 को श्र<mark>नुचित, प्रवैध एवं प्रभावसू</mark>स्य घोषित करते हुए सभी नौ श्रमिकों को उनका बेतन व अन्य सभी लाभ दिलाये जायें।

3. ग्रामार्थी ने क्लेम का जवाब दिनांक 26-12-88 को प्रस्तुत कर प्रकट किया कि मान उसी ग्रवधि का श्रेक श्रीमकों को सर्थिस में किया गया है जिस ग्रवधि में उम्होंने पैन डाउन (काम रोकों) हड़ताल की। दिनाक 26-4-79 को ओ प्रादेश प्रसारित किये गये थे उसके तुरन्त बाद प्रशासन द्वारा दूसरा भादेण जारी किया गया जिसका ग्राशय था कि कर्मचारियों ने जिस ग्रवधि में पैन डाउन हड़ताल में सिक्रिय रूपसे भाग लिया उस श्रविध में प्रशासन के नियामवनुसार "नौ वर्कनो पे" के सिद्धान्त पर उन्हें वेतन नहीं दिया जायेगा। उक्त ब्रादेश सक्षम भ्रधिकारी द्वारा नियमानुसार तथा सही इंग से पारित किया गया है तथा किसी दुर्भावना या प्रार्थीगण को नुकसान पहुंचाने की नियत से नहीं किया गया है। प्रार्थीगण को सर्विस इन क्रेक व जाब विवधाउट पै की सूचना उन्हें समय पर देदीगई थी तथा ये द्रादेश प्रार्थीगण के कार्यालय ग्रधीक्षक एवं संबंधित भ्रनुकाों को दे दिये गये थे। अप्रार्थी किसी प्रकार संविधान की धारा 14 16 व 21 का उल्लंघन नहीं किया है। प्राधींगण ने पैन डाउन हड़ताल को श्रवधि में जानवृझकर प्रशासन को इकसान पहुंचाने की नियत से काम बंद किया जिससे प्रशासन को काफी अस्विधा व बाधाओं का सामना करना पड़ा। श्रतः कलेम मिथ्या भ्राधारों पर ग्राधारित है जिसे ख्यारिज किया जाये।

4. साक्ष्य में प्राथी यूनियन की घोर से श्री ग्रमर नाथ शर्मा एवं महेश जन्व मित्तल के बयान हुए हैं जिससे विपक्षी के प्रतिनिधि ने जिरह भी की है। प्रप्रार्थी की श्रोर से श्री ग्रनन्त कुमार टंडन को परीक्षित कराया गया है। प्रासेबीय साक्ष्य में प्रार्थी संघ की श्रोर से प्रदर्श डब्ल्यू-1 लगायत डब्ल्यू-6 प्रस्तुत किये गये हैं जिनका विदेशन यथास्थान किया जायेगा। ग्रप्नार्थी की घोर से प्रालेखीय साक्ष्य में प्रदर्श एम-1 लगायत एम-7 उनके साक्षी श्री बंडन ने प्रदर्शित कराये हैं।

5. तत्परचातं मैंने पक्षकारों के प्रतिनिधिगणं की बहुस बिस्तारपूर्वक सुनी, पत्नावली, पत्नावली पर उपलब्ध साक्ष्य सामग्री एवं विधि के सुंसंगत प्रावधानों का ध्यानपूर्वक परिशोधन किया ।

6. प्रार्थी यूनियन की जुगानी व प्रालेखिक साक्ष्य से यह प्रकट होता है कि निण्क्षी नियोजक द्वारा प्रदर्श इंटल्यू—1 2 व 3 के संदर्भ में 15 श्रमिकों के सेवा काल म ग्रेंक विखाते हुए उक्त समयावधि को लीव निद्याउट पे घोषित कर विया गया। प्रार्थी यूनियन ग्रंपनी साक्ष्य से यह प्रमाणित करने में पूर्णतः सफल रही है कि रैफरेंस श्रादेश में विणत सभी 9 व्यक्तियों की ग्रेंक इन सर्विस व लीव विद्याउट पे प्रदर्श इंब्ल्यू—1 से इंब्ल्यू—6 पूर्णतः स्वेच्छाचारी तरीके से पारित किया गया है क्योंकि उपरोक्त श्रादेश पारित करने से पूर्व संबंधित श्रमिकों को न को कोई नोटिस या सूचना दी गई श्रीर ना ही किसी प्रकार की सुनवाई का मौका दिया गया ग्रीर ना ही कोई जांच उनके विद्य की गई। विपक्षी ने उक्त ग्रावेशों को पारित करने से पूर्व संवंधित श्रमिकों को ना को उनके विद्य की गई। विपक्षी ने उक्त ग्रावेशों को पारित करने से पूर्व प्राकृतिक ल्याय सिद्धान्तों को किचित

मान्न भी पालना नहीं की है। प्रप्रार्थी की यह साक्ष्य मानने योग्य नहीं है कि रेलके प्रशासन के नियमानुसार इन कर्भचारियों के विग्छ कार्यवाही कर नो वर्क नो पे के सिक्षान्त के आधार पर आदेश पारित किये गये हों।

7. अप्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि श्री माथ्र ने यह दलील दी कि रेफरेंस के साध्यान सूची में 9 कर्म-धारियों के ही नाम दर्शाये गये हैं जबकि 15 कर्मधारियों के संबंध में क्लेम पेक किया गया है और उन्होंने यह भी दलीलश्रु दी कि इस कारण रेफरेंस बैंड-इन-ला है। उनकी यह दलील मानने योग्य नहीं है क्योंकि न्यायाधिकरण हारा रिफरेंस के साध्य संलग्न अनेक्सचर में विध्या 9 व्यक्तियों के बारे में ही विधार किया जा रहा है जो विधि संगत हं इसलिये रैफरेंस को वृटिपूर्ण नहीं कहा जा सकता।

8. जबानी व प्रालेखिक साक्ष्य से यह भी प्रमाणित है कि प्रदर्श डश्स्य - 1 ब्रादेश विपक्षी द्वारा कर्मचारी श्री एम सी. मित्तल को सर्विस क्रेक के संबंध में तथा प्रदर्श अक्ल्य-2 दिनांक 20-4-91 को कर्मचारी महेश चन्द का नाम जोडते हुए चार श्रन्य कर्मचारी स्रेश चन्द मित्तल, एम. के. कीशिक, स्वदेश त्यागी, एम. सी. रावत की क्रेक के संबंध में विपक्षी द्वारा पारित किया गया है तथा इसके बाद डब्ल्यू-3 श्रादेश द्वारा विपक्षी ने 15 व्यक्तियों की सर्वित क्रेंक को ग्रादेश जारी किया । इसके पश्चातं 26-4-89 डब्ल्यू-4 ग्रादेश द्वारा ब्रेक इन सर्विस की लीव विदशाउट पे में कन्वर्ट कर दिया। फिर इस म्रादेश को 26-4-89 को विपक्षी ने प्रदर्श डब्ल्यू-5 आदेश द्वारा निरस्त करते हुए 26/27-4-89 थादेश और निकाला जिसके अनुसार लीव विवसाउट पे के साथ ब्रेक इन सर्विस भी मानी तथा विपक्षी सरकूलर विमांक 31-3-89 प्रवर्श अब्ह्य-एम-5 पर भरोसा किया है । विपक्षी द्वारा श्रंतिम श्रादेश विनांक 26/27 अप्रैल 1989 को निकाला गया है। यह उल्लेखनीय है कि कर्मचारियों को सरकुलर दिनांक 31-3-89 प्रवर्श एम-5 की कोई जानकारी नशी दी गई है।

9. साक्ष्य से यह भी प्रमाणित हुआ है कि कर्मचारियों को सेंदा में व्यवधान दर्शाते हुए अवैतिनक अवकाश का दण्डादेश पारित करने से पूर्व विपक्षी से संबंधित कर्मचारियों को न तो कोई नोटिस विया न कोई जांच की न ही कोई दोषारोपण पन्न दिया, इस प्रकार कर्मचारियों को विपक्षी ने सुनवाई की कोई मौका नहीं विया है। इस प्रकार विपक्षी ने प्राकृतिक न्याय सिदान्तों की अवहेलना होने से पिवक्षी द्वारा पारित आदेश अनुचित अवंध तथा प्रभाव शून्य है। में अपने इस निष्कर्ष के संबंध में न्याय दृष्टाम्स ए. आई. आरं. 1980 केंस 534 (एस.सी.) दयाल शरण सनन बनाम यूनियन आफ इंडिया पर भरोसा करता हूं जिसमें विधि का यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया गया है कि कर्मचारी के विश्वद दण्डादेश पारित करने में पूर्व उन्हें

सुनवाई का मौका दिया जाये प्राकृतिक न्याय सिद्धान्तों के श्रनुसार जांच की जानी चाहिये और ऐसा नहीं करने पर स्रादेश को स्ननुचित एवं सबैध माना जायेगा।

10. न्याय दृष्टान्त ए. प्राई. प्रार. 1985 (एस.सी.)
पज 514 पित्र शंकर व प्रन्य बनाम यूनियन प्राफ
इंडिया में भी विधि का यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया
है कि रेलवे एस्टेबलिश्मिट मन्यूपल के प्रन्तर्गत कर्मचारियों
की पिछली सेंबायें प्रवैध हड़ताल के कारण समाप्त करने
सें पर्व उन्हें सुनवाई का मौका दिया जाकर जांच की
जानी चाहिये और प्राकृतिक न्याय सिद्धान्तों की पालना
नहीं होने सें विपक्षी का प्रादेश अनुचित व प्रवैध माना
गया है।

11. रेलवे के विद्वान प्रतिनिधि की यह दलील स्वीकार किये जाने योग्य महीं है कि रैफरेंस में वर्णित कर्मचारी बी.एल. चतर्वेदी व एस.सी. जैन सेंवा निवृत्त हों जाने सें कोई लाभ प्राप्त करने के अधिकारी नहीं हैं। अप्रार्थी के थिद्वान प्रतिनिधि की यह दलील स्वीकार की जाती है कि रैफरेंस में विश्वत नौक्यक्तियों के संबध में ही त्यायाधिकरण द्वारा भवाई पारित किया जा सकता है मोष 15 व्यक्तियों के नाम रैफरेंस के साथ संलग्न सूची में नहीं होने से उनपर विचार नहीं किया जा सकता। निष्कर्ष यह है कि पैन डाउन स्ट्राइक के ब्रारोप में जिन . 9 कर्मचारियों की संबंधित श्रवैतनीय तथा भ्रवकाश मानते हए जो दण्ड दिया है इस संबंध में संबंधित कर्मचारियों को नातो कोई नोटिस दिया गया न ही कोई दोषारोपण दिया ना ही उन्हें सुनवाई का कोई मौका दिया ग्रत: उक्त मादेश प्राकृतिक न्याय सिद्धान्तों के विपरीत होने से अवैध एवं अनुचित है जो अपास्त किया जाता है और बिधि एवं तथ्यों के उपरोक्त समस्त धिवेचन सें इस निर्देश का अधिनिर्णय निम्न प्रकार किया जाता है:

"ग्रत्राणी द्वारा पारित प्रावेश धिनांक 26/27-4-79 जिराके द्वारा नौ कर्मचारियों सर्वश्री महेम चन्द्र मित्तल, महेबा चन्द्र कौशिक, ग्रमरनाथ गर्मा, के जी जोशी, बी एल. चतुर्वेदी, रूप सिंह, ओ पी वर्मा, राधा कृष्ण एवं एफ सी. जैन की सेवा में ब्रेक का दण्ड दिया गया है, उचित एवं वैध रहीं है उसे ग्रपास्त किया जाता है। उक्त 9 श्रमिकों की सेवायें निरन्तर मानी जायेंगी एवं जितनी ग्रवधि का वेतन उन्हें नहीं दिया गया है ग्रप्रार्थी को निर्देश दिये जातें हैं कि सभी नौ उपरोक्त श्रमिकों को उनका रोका हुआ वेतन ग्रदा करें।"

12. उक्त ग्राशय का श्रवार्ड पारित किया जाता है जो केन्द्र सरकार को प्रकाशनार्थ भेजा जाये।

शंकर लाल जैत, पीठासीन अधिकारी

नई दिल्ली, 7 श्रप्रैल, 1994

का. ग्रा. 1027—औसोगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक आफ बीकानेर एवं जयपुर के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट आधारिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-4-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एस—12012/188/93-ग्राई ग्रार बी-f I]

एस. एस. के. राब, डैस्क प्रधिकारी

New Delhi, the 7th April, 1994

S.O. 1027.—In oursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner & Jaipur and their workmen, which was received by the Central Government on the 4-4-1994.

[No. L-12012/188/93-IR.B.I] S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA: PRESIDING OFFI-CER: CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL: NEW DELHI

I. D. No. 5/94

In the matter of dispute between:
Shri Dinesh Kumar through
Jan Hitkari Karamehari Union,
A-24, Shastri Nagar,
Delhi-110052.

Versus

The General Manager, State Bank of Bikaner & Jaipur, Head Office, Tilak Marg, Post Box No. 154, Jaipur-302005 (Rajasthan).

APPEARANCES:

None—for the workman.

Shri U.P. Bhandari—for the Management .

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12012/188/93 I.R. (B-I) dated 24/27-12-1993 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the management of State Bank of Bikaner and Jaipur, New Delhi, is justified in terminating the services of Shri Dinesh Kumar sub-staff, work-ing at Connaught Circus Branch w.e.f. 15-9-91? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. Notice of this matter was sent to the workman by registered post for 24-1-94 and for 10-2-94. The case was further adjourned to 25-2-94. On both the registered envelopes it was reported by the postal authorities that no such Union exists at the address given above. Since no statement

of claim is no record and the workman has not appeared inspite of the registered notice and inspite of the direction from the Ministry of Labour that he would file the statement of claim in the court. I find that no dispute exist between the parties and, therefore, pass a No dispute Award in this case.

25th February, 1994.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नुई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1994

का.मा. 1028:— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार ग्ररावली क्षेत्रीय प्रामीण बैंक, सवाई माधोपुर के प्रबन्धत्व के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच भ्रानुबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रक्षिकरण, जयपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-4-94 को प्राप्त हुमा था।

[संख्या एल-12012/64/89-माईमारवी-III/माईमारवी-I]

एस.एस.के. राव, डैस्क श्रधिकारी

New Dolhi, the 7th April, 1994

S.O. 1028.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Jaipur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Arawali Sketriya Gramin Bank, Sawai Madhopur and their workmen, which was received by the Central Government on the 4-4-94.

[No. I-12012/64/89.IR.B.III/IR.B-I]
S. S. K. RAO, Desk Officer

अनुबंध

केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण, जयपुर

केस नं. सी. श्राई.टी. 15/1990

रैफरेन्स: केन्द्र सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली का ग्रावेश श्रमांक एल-12012/64/89-ग्राई.आर. वैंक XI वि. 8-2-90

महामंत्री, ग्रामीण बैंक एम्पलाईज यूनियन, यूनिट ग्ररावसी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सवार्ड माधोप्र।

. --प्रार्थी

धनाम

भ्रध्यक्ष, श्ररावली क्षेत्रीय ग्रामीण वैंक, इन्द्रा कालोती, मान टाऊन, सवाई माधोपुर।

---अप्रापी

उपस्पित

माननीय न्यायाधीश श्री शंकर लाल जैन, ग्रार एच . जे . एस .

प्रार्थी कीं ओर से :' भ्रप्रार्थी की ओर से श्रीभार.सी.जैन

श्री भ्रनुराम भ्रम्मकाल एवं श्री एम.डी. स्रमनाल

. दिनांक ग्रवार्ड : 10 जनवरी, 1994

प्रवार्ध

केन्द्र सरकार, श्रम मंद्रालय, नई दिल्ली ने श्रफ्ने उपरोक्त श्रादेश के जरिये निम्न निवाद इस न्यायाधिकरण को वास्ते श्रिधिनिर्णय औद्योगिक विवाद श्रिधिनियम 1947, जिसे तद-तत्पश्चात् श्रिधिनियम 1947 संबोधित किया है की धारा 10(1(घ) के श्रन्तर्गत प्रेषित किया है:

"Whether the action of the management of Aravali Khetriya Gramin Bana Sawai Madhopur in not considering Shri Madan Mohan Gupta, daily wages workman for re-employment under section 25-H of the Industrial Disputes Act, 1947 while engaging fresh hands is justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

- 2. प्रार्थी संघ ने स्टेटमेंट ऑफ क्लेम प्रस्तुत कर प्रकट किया कि श्रमिक मोहन गुप्ता की प्रथम नियुक्ति विपक्षी संस्थान में 6-6-1986 को बाटोदा शाखा में मैसेन्जर के पद पर दैनिक वेतनमान पर हुई थी । तब से वह निरन्तर विपक्षी संस्थान में कार्य करता रहा लेकिन अचानक दिनांक 15-3-87 को विपक्षी के अकारण ही प्रार्थी श्रमिक को सेवामक्त कर विया। सेवा मुक्त करने पूर्व उसे न तो कोई नोटिस दिया और न ही नोटिस के एवज में एक माह का बेतन तथा नही छंठनी मुभावजा दिया। विपक्षी संस्थान में प्रार्थी श्रमिक से जुनियर श्रमिक श्रमी भी कार्यरत हैं तथा नके श्रमिकों को भी भर्ती किया गया है। इस प्रकार विपक्षी संस्थान ने श्रधिनियम 1947 की धारा 25-एच व 25-जी का उल्लंघन किया है तथा राजस्थान आँद्योगिक विवाद श्रधिनियम के नियम 77 व 78 का भी उल्लंधन किया है। इस प्रकार श्रप्रार्थी ने श्रमिक को दिनांक 15-3-1987 से अनुचित एवं अवैध तरीके सेसेबा मुक्त किया है, अत: युनिय की प्रार्थना है कि श्रमिक को निरस्तर सेवा में मानते हुए पुनः सेवा में सभी आधिक एवं ग्रन्य लाभों सहित बहाल किया जावे।
- 3. विपक्षी ने दिनांक 11-4-91 को क्लेम का जवाब प्रस्तुत कर प्रार्थी यूनियन के क्लेम का प्रवल विरोध करते हुए प्रकट किया है कि प्रप्रार्थी बैंक औद्योगिक संस्थान की परिभाषा में नहीं आता । रैफरेंस श्रवैध है । मदन मोहन गुस्ता को प्रप्रार्थी बैंक द्वारा अंशकालीन दैनिक बेतन भोगी मजदूर के रूप में रखा गया था, उसका कोई मासिक बेतन कि पैसे उसे वे दिये जाते थे, उसे कोई नियुक्ति पत्न नहीं दिया गया था । दैनिक बेतन पर रखे गये व्यक्ति की सेवा

समाप्ति छंटनी की परिभाषा में नहीं ग्राती श्री गुप्ता बैंक द्वारा निर्धारित योग्यता नहीं रखते थे इस कारण बैंक द्वारा निशुक्त करने का प्रथन ही नहीं उठता। चूंकि श्रमिक अंग-कालीन दैनिक प्रार्थी श्रमिक ने दिनांक 5-10-86 से काम पर आना बंद कर दिया। मजदूरी पर था अतः सीनीयर जूनियर का प्रथन ही नहीं उठता। इस प्रकार बैंक द्वारा धारा 25-जी व 25 एच अधिनियम 1947 व नियम 77-78 के प्रायधानों का उल्लंघन नहीं किया गया है। प्राथी श्रमिक किसी राहत का अधिकारी नहीं है अतः क्लेम खारिज किया जाये

- 4. साक्ष्य में प्रार्थी मदन मोहन गुप्ता ने स्वयं का शपथ पद्म प्रस्तुत किया है जिससे विपक्षी के विद्वान प्रतिनिधि ने जिरह की है तथा प्रप्रार्थी बैंक की ओर से श्री महेन्द्र कुमार शाह का परीक्षित करवाया गया है । प्रालेखिक साक्ष्य में दोनों पक्षकारान् द्वारा कुछ प्रलेख प्रस्तुत हुए हैं जिनका विवेचन यथास्थान किया जाएगा ।
- 5. श्रमिक मदन मोहन गुप्ता ने श्रपने कथन से यह प्रमाणित किया है कि उसे विपक्षी संस्थान में दैनिक बेतन पर संदेशवाहक के पद पर 6-6-86 से 1-30-86 तक विपक्षी संस्थान की वाटोदा शाखा में निरन्तर कार्य किया। उसे दिनांक 1-10-86 के श्रादेश प्रदर्श डब्ल्यू-1 द्वारा सेयामुक्त कर दिया गया।
- 6. यह उल्लेखनीय हैं कि श्रीमक ने यह भी प्रमाणित किया है कि जब उसे सेवा मुक्त किया गया तो उससे कितिष्ठ संदेशवाहक विपंधी संस्थान में कार्यरत थे तथा उसे सेवामुक्त किए जाने के पण्चान कई श्रन्य व्यक्तियों को भी निमुक्ति दी गई हैं। उसने प्रतिपरीक्षण के इस मुझाब को अस्वीकार किया है कि उसने 1-10-86 से स्वयं ही काम पर श्राना बंद किया हो।
- 7. ग्रप्रार्थी के साक्षी महेन्द्र कुमार शाह ने ग्रपने प्रति परीक्षण में यह स्थीकार किया है कि प्रदर्श डब्ल्यू-4 सूची 67 श्रमिकों की है जिन्हे श्रारंभ में अंगकालीन दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में रखा गया था। इस साक्षी ने ग्रपने प्रति परीक्षण में यह स्वीकार किया है कि मदन मोहन गुप्ता तथा रमेश चन्द गुप्ता के बाद बाटोदा शाखा में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में बाटोदा शाखा पर राम खिलाई।, हरीसिंह, पृथ्वीराज व सीताराम को लगाया था। दोनों पक्ष की ओर से प्रस्तुत प्रालेखिक एवं मौखिक साक्य का मुल्यांकन करने के पश्चात मैं इस निरुक्ष पर पहुंचा हं कि श्रमिक मदन मोहन गुप्ता को विपक्षी संस्थान में विनाक 6-6-86 को बटोदा माखा में मैसेंजर के पद पर दैनिक वेतन भोगी के रूप में लगाया गया था। विपक्षी ने दिनांक 1-10-86 के प्रादेश प्रदर्श डब्ल्यू-1 द्वारा श्रमिक की सेवाएं समाप्त कर ही । ऐसी स्थिति में अप्रार्थी का यह कथन मामने योग्य नहीं है कि श्रमिक ने स्वयं ही काम पर श्राना बंद कर वियों हो । श्रीमक ने उचित माध्यम के द्वारा यह विकाद भी उठाया था जो इस बात को इंगित करता है कि श्रामिक ने स्वयं काम पर श्राना बंद नहीं किया था। श्रमिक की ओर से

यूनियम ने यह विवाद इस भाषार पर उठाया था कि श्रमिक को इसमें के बाद समितिकाड़ी भीणा, हरी सिंह, पृथ्वी सिंह राज य सीतासम को दिनांक 23-2-87, 17-3-87, 20-4-87, 18-8-87 व 3-11-87 को क्रमणः नौकरी पर रखा था उस समय श्री मदन मोहन गुप्ता को मौका नहीं दिया। श्रमिक को जब हटाया गया था तब उससे कनिष्ठ श्रमिक विपक्षी संस्थान में कार्य कर रहे थे।

8. ग्रप्रार्थी की मुख्य प्रतिरक्षा केवल यही रही है कि कि श्रमिक भारत सरकार द्वारा निर्देशित दिशा निर्देशों के अनुरुप नियोजन योग्य एवं नियमित किए जाने योग्य नहीं था। जबकि श्रमिक की और से यनियन ने यहदावा प्रधि-नियम 1947 की धारा 25-जी व 25-एच तथा नियम 77 व 78 की विपक्षी संस्थान द्वारा ग्रवहेलना बताते हुए प्रस्तून किया है। वरिष्ठता मुची प्रदर्श अस्य-4 से यह प्रकट होता है कि जब श्रमिक मदन मोहन गुप्ता को प्रदर्श डब्ल्यू-1 द्वारा हटाया गया तब उससे कनिष्ठ श्रमिक कार्यरत थे तथा उसे हटाने के बाद भी इस पद पर ग्रन्य व्यक्तियों को नियुक्त किया गया किन्तु ऐसा करते समय श्रमिक मदन मोहन गुप्ता के नाम पर न तो विचार ही किया गथा और न ही उसे सेवा में भ्राने के लिए बुलाया गया । श्रतः उपरोक्त समस्त विवेचन एवं पक्षकारों की साक्ष्य के प्राधार पर मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि विपक्षी संस्थान द्वारा अधिनियम 1947 की धारा 25-जी व 25-एच तथा राजस्थान औद्यो-गिक विवाद अधिनियम के नियम 77 व 78 के आज्ञापक प्रावधानों की अबहेलना की गई है। मैं श्रपने इस निष्कर्ष के संबंध में न्याय दृष्टान्त 1992 (1) डब्ल्यू, एल. सी. पेज 464 (माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय) ओरियन्टल बैंक ग्राफ कामर्स बनाम पीठासीन ग्रधिकारी केन्द्रीय औद्यो-गिक न्यायाधिकरण जयपुर पर भरोसा करता हं।

 तथ्यों और विधि के उपरोक्त समस्त कारणों से इस निर्देश का अधिनिर्णय निम्न प्रकार किया जाता है :

"ग्रप्रार्थी बैंक द्वारा श्रमिक मदन मोहन गुप्ता की सेवा मुक्ति दिनांक 1-10-86 से किया जाना ग्रनुचित एवं श्रवेध हैं जिसे ग्रमास्त किया जाता है। प्रार्थी को उसके पद पर नियोजित घोषित किया जाता है। चूंकि प्रार्थी श्रमिक ने यह विवाद सहायक श्रम श्रायुक्त (केन्द्रीय) कोटा के समक्ष दिनांक 4-2-89 को उठाया है ग्रतः सेवा मुक्ति की तारीख से दिनांक 4-2-89 तक का वेतन उसे नहीं दिलापा जाता। दिनांक 4-2-89 से वह समस्त वेतन प्राप्त करने का ग्रधिकारी है। उसकी सेवा की निरन्तरता कायम रखी जाती है एवं ग्रन्स सभी लाभ वह प्राप्त करने का ग्रधिकारी होगा।"

10. उक्त आशय का श्रवार्ड पारित किया जाता है जिसे केन्द्र रारकार की प्रकाशनार्थ नियमानुसार भेजा जाए ।

शंकर लाल जैन, न्यायाधीश

नई विल्ली, 7 नर्नल, 1994

का आ 1029: — औद्योगिक विवाद सिंधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सीटी बैंक, नई विल्ली के प्रबन्धदंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई विल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती हैं, जो केन्द्रीय सरकार को 4-4-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12011/33/88-डीम्राई(बी)/म्राईम्रार बी-[] एस.एस.के. राव, डेस्क म्रधिकारी

New Delhi, the 7th April, 1994

S.O. 1029.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Citi Bank, New Delhi and their workmen, which was received by the Central Government on the 4-4-94.

[No. L-12011/33/88.D.I.(B)/IR.B.I] S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA: PRESIDING OFFI-CER: CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL: NEW DELHI

I. D. No. 3/90

In the matter of dispute between :

Shri Ramesh Anand through The Secretary, Delhi (State) Bank Workers' Organisation, 898, Nai Sarak, Delhi-110006.

Versus

The Assistant Vice President, City Bank N.A., 124, Jeevan Bharti Building, Connaught Place, New Delhi-110001.

APPEARANCES:

Shri Dinesh Agnani with Shri Dalip Mehra for the Management.

None for the workman.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-12011/33/88/D.I(B) dated 22-12-89 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of City Bank N.A. New Delhi in not communicating the sanction of 2nd Ioan as per para 517 of the Sastry Award to Shri Ramesh Anand, Special Assistant is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

2. The case was fixed for the evidence of the workman when an application was moved by the workman representative to summon another witness and the same was allowed.

Thereafter the parties wanted time for settlement of the dispute but no settlement could be arrived at. The workman did not appear on 11-10-93 nor on 6-1-94, the last tax fixed in this case. It appears that either settlement has been arrived or the workman is not interested in pursuing the matter further. I, therefore, find no reason to proceed further with this matter and order that a No dispute award be given in this case leaving the parties to bear their own costs.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

6th Jan., 1994

नई विल्ली, 8 अप्रैल, 1994

का.आ. 1030: अबोगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हाडौती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, कोटा के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, ग्रानुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक श्रिधकरण, कोटा के पंचपट को प्रकाशित करती हैं, जो केन्द्रीय सरकार को 5-4-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/215/91-न्नाईन्नारबी 3/बाईन्नारबी-]] एस.एम.के. राव, हैस्क श्रविकारी

New Delhi, the 8th April, 1994

S.O. 1030.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publish the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kota as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Harauti Keshtriya Gramin Bank. Kota and their workmen, which was received by the Central Government on the 5-4-94.

[No. L-12012/215/91-IRB.III/IRB.I] S. S. K. RAO, Desk Officer

अनुबन्ध

न्यायाधील, औद्योगिक न्यायाधिकरण (केन्द्रीय) कोटा (राज.) निर्देश प्रकरण कमांक : औ.न्या. (केन्द्रीय)-16/1991 दिनांक स्थापित : 2-11-91

प्रसंग: भारत सरकार, श्रम मंत्रालय के श्रादेण कमांक एस-12012/215/91--प्राई.श्रार. (बी-३) विनांक 29-10-91

औद्योगिक विधाद ग्रधिनियम, 1947

मध्य

महासचिय, हाड़ौती क्षेत्रीय ग्रामीण वैंक एम्पलाईज एसोसिएजन छ:---12 साबरमधी कालोनी, कोटा।

--प्रार्थी युनियन

एवं

मध्यक्ष, हाड़ीती क्षेत्रीय ग्रामीण वैंक 9-ए-वी, झालाबाड़ रोष्ट्र, कोटा।

--प्रतिपक्षी नियोजक

उपस्थित

श्री जगवीश नारायण शर्मा, श्रार.एच.चे.एस.

प्रार्थी यूनियम की ओर से प्रतिनिधि: श्री एन.कं. तियारी प्रतिपक्षी नियोजक की ओर से प्रतिनिधि श्री एम.सी. गृष्ता अधिनिर्णय विनांक: 13 जनवरी, 1994

अधिनिर्णय:

भारत सरकार, श्रम मंद्रालय, नई दिल्ली द्वारा निम्न निर्देण औद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 (1) (घ) के श्रम्तर्गेत इस न्यायाधिकरण को श्रिधिनिर्णयार्थ सम्प्रेयित किया पया है:---

"Whether the action of Hadoti Kshetriya Gramin Bank. Kota, in terminating the services of Shri Shrinath Nagar, part time employee at their Dhulet branch. District Kota w.c.f. 29-7-90 is legal and justified? If not, to what redef the concerned workman is entitled to and from what date?"

- 2. निर्देश न्यायाधिकरण में प्राप्त होने पर वर्ज रजिस्टर किया गया व पक्षकारों को सूचना जारी की गयी तदुपरान्त दोनों पक्षों की ओर से अपनी-ग्रपनी उपस्थित न्यायाधिकरण में दी गयी।
- 3. ग्राज दोनों पक्षों के विद्वान प्रतिनिधिगण उपस्थित हुए। पत्नावली वास्ते पेश होने क्लेम श्रीमक पक्ष नियत थी, परस्तु पत्नावली के अवलोकन से प्रकट होता है कि यह निर्देश नवस्थर 9! में लिम्बत है और ग्राज दिन तक श्रीमक पक्ष की ओर से क्लेम स्टेटमेस्ट तक प्रस्तुत नहीं किया गया है। श्रीमक भी स्वयं ग्राज उपस्थित नहीं है। इन समस्त परिस्थितियों से यह स्पष्ट प्रकट होता है कि श्रीमक पक्ष को इस प्रकरण में कोई रूचि नहीं रही है। ग्रानः इस प्रकरण में "विवाद रहित ग्रिधिनिर्णय" पारित किया जाता है।

इस अधिनिर्णय को भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नर्ड दिल्ली को नियमानुसार प्रकाशनार्थ भिजवाया जाए।

जगदीश नारायण शर्मा, न्यायाधीश

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1994

का. मा. 1031:—- ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की आरा 17 के मनसरण में, केन्द्रीय सरकार घरावली क्षेत्रीय ग्रामीण वैंक के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, प्रनुषंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक ग्राधिकरण, जमपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-4-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एस-12012/65/89-आई आर बी (I)] एस.एस.के. राव, डैस्क अधिकारी New Delhi, the 8th April, 1994

S.O. 1031.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal. Taipur as shown in the Annexure, in the industrial dispute hawcen the unployers in relation to the management of Arawali Khetriya Gramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 44-94

No. L-12012/65/89-IRB.I] S. S. K. RAO, Desk Officer

श्चनबंध

केन्द्रीय औद्योशिक न्यायाधिकरण, जयपुर

केस नं, सी भ्राई टी. 14/90

रेफरेंस: अम नंबालय, नई दिल्ली कर आ**देश कमांक** एत-12012/65/89 आई **आर**.बी. (**I**) दिनांक 8-2-90

> महामन्द्री, श्रातीण वैक एम्पलाईज य्नियन, य्निट अरावली क्षेत्रीय ग्रामीण वैक, इन्द्रा कॉबोनी, मान टाउन, सवार्ट साबोपर।

> > ---श्रार्थी

वनाम

श्रन्यक्ष, श्ररायली क्षेत्रीय सामीण वैंक, इन्द्रा कामोनी, मान टाऊन सवाई महाोपुर ।

⊸-मप्रार्थी

उपस्थित

मानतीय न्यायाधीण श्री शंकर लाल जैन, श्रार . एच . जे . एग .

प्रार्थी की ओर से

थी धार.सी. जन

ं सप्रार्थीकी और से:

थी एम. ही, भ्राग्रवाल एवं

श्री घतुराग ग्रग्नवाल

दिनांक अवार्धः

10 जनवरी, 1994

ग्रवार्ड

कंद्र सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली ने ध्रपने उप-रोवन श्रादेश के जिंग् निम्न विवाद इस न्यायाधिकरण को वास्ते ग्रिधिनिर्णय औद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947, जिंगे नत्पश्चात श्रिधिनियम, 1947 संशोधित किया है, की धारा 10(1)(घ) के अन्दर्णत श्रीषत किया है:

- "Whether the action of the management of Aravali Khetriya Gramin Bank, Sawai Madhopur in not considering Shri Ramesh Chand Gupta, daily wages workman for re-employment under Section 25-H of the Industrial Disputes Act, 1947 while engaging fresh hands justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled ?"
- □प्रार्थी संघ ने स्टेटमेंट ऑफ क्लेम दिलांक 30-1-91 को प्रस्तुत कर पकट किया कि श्रमिक रमेण चन्द गुष्ता की प्रथम नियुक्ति विपक्षी संस्थान में दिनांक 6-10-86 की बाटोटा 944 GI/94—12.

में संसजर के पद पर दैनिक बेतन भोगी कर्मचारी के रूप में हुई थी। तब में वह निरंतर विपक्षी संस्थान में कार्य करता रहा। श्रचानक दिनांक 22-2-87 को अग्रार्थी ने श्रकारण ही संवासुकत कर दिया। संवासुकत करने से पहले ना तो उसे एक मांड का नोटिस दिया न ही उसके एवज में एक मांड का वेतन तथा छंटती मुखावजा भी नहीं दिया। श्रमिक से जूनि-यर व्यक्ति श्रभी भी विपक्षी संस्थान में कार्यरत हैं तथा नये श्रमिकों की भी भर्ती की है। इस प्रकार श्रधिनियम की धारा 25-जी व एच का उल्लंघन किया है। साथ ही राजस्थान औद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1958 के नियम 77 व 78 का भी पालन नहीं किया। इस प्रकार श्रप्रार्थी ने श्रमिक को दिनांक 22-2-87 से श्रनुचित एवं श्रवंध तरीके से सेवामुक्त कर दिया है। श्रतः युनियन की प्रार्थना है कि श्रमिक को निरंतर सेवा में मानते हुए पुनः सेवा में सभी श्राधिक लाभों सहित बहाल किया जात्रे।

- 3. विपक्षी ने 11-4-91 को क्लेम का जवाब प्रस्तुत कर प्रार्थी युनियन के क्लेम का प्रवल विरोध करते हुए प्रकट किया है कि श्रप्रार्थी बैंक औद्योगिक संस्थान की परिभाषा में नहीं ब्राता। रैपरैस अबैध है। रमेशचन्द गुप्ता को बैंक द्वारा अंश-कालीन दैनिक मजदूरी पर रखा गया था, उसका कोई मासिक वेतन निर्धारित नहीं था, जिस दिन कार्य करते थे उम दिन के पैसे उन्हें दे दिये जाते थे, उन्हें कोई नियक्ति पत्र भी नहीं दिया गया था। दैनिक वेतन पर रखें गये व्यक्ति की सेवा स्वतः समाप्ति छंटनी की परिभाषा में नहीं द्याता तथा वे इस मामले में कोई औद्योगिक विवाद नहीं उठा सकते। धारा 25 जी व 25 एच छंटनी से संबंधित प्रावधान है दैनिक मजदूरी पर रखे गये व्यक्ति छंटनी की परिभाषा में नहीं ब्राते। श्री गुप्ता बैंक द्वारा निर्वारित योग्यता नहीं रखते थे इस कारण बैंक द्वारा नियुक्त करने का प्रण्न नहीं उठता। चंकि श्रमिक अंशकालीन दैनिक मजदूरी पर था श्रतः सीनियर जुनियर का प्रश्न ही नहीं उठता। इस प्रकार बैंक द्वारा धारा 25 जी व एच तथा नियम 77-78 के प्रावधानों को कोई उल्लंघन नहीं किया है। प्रार्थी श्रमिए किसी राहत का श्रधिकारी नहीं है श्रनः क्लेम खारिज किया जावे।
- 4. साक्ष्य में प्रार्थी श्रमिक रमेशचन्द्र गुप्ता का शपथ पत्न प्रम्नुन हुआ है जिससे विपक्षी के प्रतिनिधि ने प्रति परीक्षण किया है। श्रप्रार्थी बैंक की ओर से श्री महेन्द्र कुमार शाह को परीक्षित कराया गया है। प्रालेखिक साध्य में दोनों ही पक्ष-कारान की ओर से कुल प्रलेख प्रस्तुत हुए हैं जिनका विवेचन यथाम्थान किया जायेगा। तत्पश्चात् मैंने पक्षकारों के प्रति-निधिगण की बहस विस्तारपूर्वक सुनी तथा पत्नावली,पत्नावली पर उपलब्ध सामग्री एवं विधि के सुसंगत प्रावधानों को ध्यानपूर्वक परिशीक्षन किया।
- 5. श्रीमक रमेशचन्द्र गुप्ता ने अपने कथन से यह प्रमाणिक्ष किया है कि उसे विपक्षी संस्थान में दैनिक वेतन पर संदेशवाहक के पद पर 6-10-86 से 21-2-87 तक विपक्षी संस्थान की

क्ष वेदा भग्ना में निरंत : कार्य किया। उसे दिनांक 21-2-87 जवर्थ-1 ब्राप्ट १५-५-87 में नेवामुक्त कर दिया।

अ. त्रिज्ये शिव है कि श्रमिक ने यह प्रमाणित किया है कि जब जब सेजानुक्त किया गया तो उससे किनिष्ट संदेश- गढ़िक पंत्या में अर्थरत थे। यह भी प्रमाणित कया है कि जो नेपामक्त किये जाने के पश्चात् विपक्षी संस्थान में किं श्रमिकों को निज्ञिन दो गई। उसने प्रति-परीक्षण में इस सुज्ञान को प्रस्वोकार किया है कि उसने स्वयं ही 22-2-87 को काम पर जाना बंद िया हो।

🤼 अप्रार्थी के साक्षी महेन्द्र कुमार शाह ने अपने प्रति परीक्षण में यम् स्नीकार जिया है कि प्रदर्श डब्ल्यू-4 वरिष्ठता सुवी 67 श्रामिकों की है जिन्हें ग्रारंभ में अंशकालीन दैनिक ेतन भोगी कर्नशरी के रूप में ही रखा गयाथा। इस साक्षी ने अपो प्रति-परीक्षण में यह स्त्रीकार किया है कि मदन मोहन ्ता तथा उमेण चन्द्र गुप्ता के बाद बाटोदा शाखा में दैनिक वैता भोगी कर्भचारी के रूप में राम खिलाड़ी भीणा हरीसिंह, पृथ्वीराज, पीताराम व चिरंजीक्षाल को लगाया गया था। दो में पक्षों को ओर से प्रस्तुत की गई प्रलेखिक साध्य का मूल्यांकन करने के बाद मैं इस निष्कर्य पर पहुंचा हूं कि अभिक्त रमेणबस्द्र गुष्ता को विपक्षी संस्थान में दिनांक 6-10-86 को बटोहा ए।खा में मैनेजर के पद पर दैनिक वैक्षन भोी के रूप में लगाया गया था। विषक्षी ने 21-1-87 के आदर्श प्रदर्श उक्लपु-1 द्वारा श्रमिक की सेवाएं कार्यालय समय के पण्चात् समाप्त कर दीं। ऐसी स्थिति में अप्रार्थी का यह कथन मानने योग्य नहीं है किश्रमिक स्वयं ने ही कार्यं पर झाना बंद कर दिया हो। द्यमिक ने उचित माध्यम ो द्वारा यह औसोणिक विवाद भी उठाया या जो इस बाँत को र्िति करता है किश्रमिक ने स्वयं काम पर म्राना बंद नहीं क्तिया था। श्रमिक की ओर सेयृनियन नेयहविवाद इस अआर पर उठाया थाकि श्रमिक को हटाने के बाद सदन मोहन गुप्ता, राम खिलाड़ी मीणा, हरी सिंह, पृथ्वीराज, सीता-राम को 23-2-87, 17-3-87 20-4-87, 18-8-87 स 3-11-87 को श्रमणः नौकरी पर रखा गया था। उस समय धी रमेश चन्द गुप्ता को मौका नहीं वियागया। श्रमिक को जब हटाया गया या तब उससे कनिष्ठ श्रमिक विपक्षी संस्थान में कार्य कर रहे थे।

8. ग्रंगर्थी की मुख्य प्रतिरक्षा यही रही है कि श्रमिक भारत सरकरर होगा निर्देशित दिशा निर्देशों के अनुरूप नियोता योगा एग नियमित किये जाने योग्य नहीं था। जब कि
तोमक की और से यूशियन ने यह दावा अधिनियम 1947
ती श्रारा 25-जी में 25-एवं तथा राजस्थान औद्योगिक
दिशाद श्रीतिराभ के नियम 77 व 78 की विपक्षी संस्थान
द्वारा श्रवहेतना बतते हुए प्रस्तुत किया है। वरिष्ठिता सूची
तर्भ अवहेतना बतते हुए प्रस्तुत किया है। वरिष्ठिता सूची
तर्भ अवहेतना बतते हुए प्रस्तुत किया है। वरिष्ठिता सूची
वर्भ अवहेतना कार्त उन्हां श्रीदो कि जब श्रमिक रमेश
कार पूछा के वर्भ उन्हां श्रीदेश दिनांक 21-2-87 हारा
निया कि कि नियं ना इस पद पर श्रार्थ व्यक्तियों को जिनके

नाम ऊपर दिये गये हैं, नियुक्ति की गई जबिक श्रमिक रमेश चन्द गुप्ता के नाम पर विचार नहीं किया गया तथा उसे सेवा में ग्रागे के लिए नहीं बुलाया गया। प्रतः उपरोक्त समस्त विवेचन एवं प्राधीं की ओर से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हैं कि विपक्षी संस्थान द्वारा भिष्वितियम 1947 की धारा 25-जी व 25-एच तथा अधिनियम 1957 के नियम 77-78 के भाजापक प्रावधानों की प्रवहेलना की गई है। मैं ग्रपते निष्कर्ष के संबंध में ग्याय दृष्टांत 1992 (1) डब्ल्यू एल. सी. पेज 464 (माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय) ओरिएंटल केंक ऑफ कामसं बनाम पीठासीन अधिकारी, केन्द्रीय औंधोगिक न्यायाधिकरण, जयपुर पर भरोसा करता हूं।

 तथ्यों और विधि के उपरोक्त समस्त कारणों मे इस निर्देश का ग्रिधिनिर्णय निम्न प्रकार किया जाता है:

"विपक्षी संस्थान द्वारा श्रमिक श्री रमेण चन्द गुप्ता की सेवा-मुक्ति दिनांक 22-2-87 से किया जाना श्रनुचित व अवैध है जिसे ग्रपास्त किया जाता है। उसकी सेवा की विरन्तरता कायम रखी जाती है एवं समस्त लाम दिलाये जाते हैं किन्तु उसे दिनांक 22-2-87 से 7-2-89 तक वेतन नहीं दिलाया जाता क्योंकि उसने यह विवाद समझौता श्रधिकारी के समक्ष दिनांक 7-2-89 को ही उठाया है।"

10. प्रकरण में उक्त श्राशय का श्रवाई पारित किया जाता है जो केन्द्र सरकार की प्रकाशनार्थ नियमानुसार भेजा जावे।

शंकर साल जैन, पीठासीन ऋधिकारी

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1994

का. आ. 1032: — औधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार पश्चिम रेलवे, कोटा के प्रवन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाणित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 7-4-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/23/86-डी- $\mathbf{H}(बी)/$ ग्राईग्रार (वीबाई)] एस.एस.के. राव, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th April, 1994

S.O. 1032.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Western Railway, Kota and their workmen, which was received by the Central Government on 7-4-94.

[No. 1.-41012/23/86-D.II(B)/IR(B-I)]
S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA: PRESIDING OFFI-CER: CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL: NEW DELHI

I. D. No. 61/88

IN the matter of dispute between :

Harphool Singh Welder, through the Divisional Secretary, Paschchim Railway Karamchari Parishad, Bhimganj Mandi, Kota.

Versus

The Additional Chief Mechanical Engineer, (Wago 1 Repair Ship), Western Railway, Kota.

APPEARANCES:

Shri A. D. Grover for the workman. Shri Hubb Lal for the Management.

AWARD

The Central Comment in the Ministry of Labour vide its Order No. L-41012/23/86-D.H(B) dated 4-6-87 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

- "Whether the action of Additional Chief Mechanical Engineer (Wagon Repair Shop), Western Railway, Kota in not giving the porting to Shri Harphool Singh, Welder as fitter (Tool & Room) is justified? If not, to what relief is the workman entitled to?"
- 2. In the statement of claim the workman alleged that the workman who did his apprenticeship in the trade of Tool and Die Maker in the year 1909. There was a ban of recruitement of class III post so the workman could not be recruited in class III and was recruited in class IV as Khalasi from 1-4-73. He was promoted as Welder after passing due trade test from 2-6-73. He then represented to be absorbed as fitter tool room. He appeared for the trade test and was declared successful. He was asked to exercise his option to come over as fitter tool room. He accordingly submitted his option but was not absorbed as fitter tool room inspite of his repeated request. One Hans Raj who was originally from Mesan Trade was absorbed as fitter tool room. No settlement could be arrived at and reference was thus made by the Ministry of Labour.
- 3. Management riled written statement and the evidence of the management was also recorded.
- 4. The workman's representative made statement that the workman was willing to work as fool Room fitter as he has accepted the other trade welder and has been promoted in that trade. He stated that no dispute award in this case may be made.
- 5. In view of the statement of the representative for the workman in the presence of the representative for the management I order that no dispute exists between the parties and accordingly pass a no dispute award in this case leaving the parties to bear their own costs.

GANPATI SHARMA. Presiding Officer

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1994

का.आ. 1033: — अद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रनुसरण में केन्द्रीय सरकार मेन्ट्रल रेलवे मांसी (उ.प्र.) के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकरों के बीच प्रनुबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय मरकार औद्योगिक प्रधिकरण,

नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है ा नेन्द्री: सरकार को 7-4-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/105/91-म्नाईम्रार (ईायू) माईप्रार (दीमाई)]

एस.एस.के. राव, ईस्क प्रधिकारी

New Delhi, the 8th April, 1994

SO. 1033.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, Jhansi (UP) and their workmen, which was received by the Central Government on the 7-4-94.

[No. L-41012/105/91 IR(DU)/IR-B.L] S. S. K. RAO, Desk Office

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA; PRESIDING OFFICER; CENTRAL GOVT, IND STRIAL TRIBUNAL; NEW DELHY

I.D. No. 53|92

In the matter of dispute between:

Shri Gopal Singh, Slo Shri Manohar Lal, Village Pyare Ka Nagla, Mauja Mohalla, P. O. Dhanauli, District Agra (UP).

Versus

Divisional Railway Manager, (P). Central Railway. Jhansi-284001 (UP).

APPEARANCES:

Shri Surinder Singh for the workman. None for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vidits Order No. L-41012;105;91-IR(DU) deted 16-6-92 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

- "Whether the action of the Railway Administration in terminating the services of Shri Gonal Singh son of Manohar Lal Ex-Khallasi in the Estt. of Station Supdt. Central Railway, Agra Cantt. we.f. 29-5-84 is justified? If not, to what relief the vork man is entitled?"
- 2. In this statement of claim the workman alleged that from 12-1-77 he was working for the Station Supervisor Agra Cantt. but his services were terminated on 29-3-84 after continuous service of seven years. No notice was given to the workman before termination. The workman in his statement has further prayed that he may be reinstated with full back wages.
- 3. Notice of this reference was sent to the management and was given copy of the statement of claim and directed to file written statement. Written statement was not filed and they did not appear thereafter the management was this ordered to be proceeded against exparte.

- 4. In exparte evidence the workman affidavit duly attested and made statement on oath in the court reiterating what was stated in the statement of claim.
- 5. From the affidavit and the exparte evidence produced by the workman I am satisfied that a prima facie case has been established by the workman and there is nothing on record to suggest that his termination was justified. In the absence of any evidence on the part of the management nor any written statement I am of the view that the termination of the workman was illegal and he be reinstated with full back wages from the date of his termination. Party shall bear their own costs.

February 24, 1994

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्की, 8 अप्रैल, 1994

का. था. 1034: — शैद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के धनुसरण में केन्द्रीय सरकार गेन्द्रल रेलचे, झांसी के प्रबन्धतंत्र के मंबद्ध नियोजकी और उनके कर्मकारों के बीच धनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक ग्रिधिकरण, नई दिल्ली के पंचपट की प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 7-4-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-41012/101/91-आईआर (डीयू)/आईआर (बी आई)]

एस. एस. के. राव, ईस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th April, 1994

S.O. 1034.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Railway, Jhansi (UP) and their workman, which was received by the Central Government on the 7-4-84.

[No. L-41012]101]91-IR(DU)[IR(BI)] S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI GANPATI SHARMA; PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT, INDUSTRIAL TRIBUNAL, NEW DELHI

I.D. No. 40|93

In the matter of dispute between : Smt. Lalita, House No. 118, Rouse Avenue Road, New Delhi.

Versus

Senior Divisional Cimmercial Superintendent, Central Railway, Jhansi.

APPEARANCES:

Shri Partap Rai for the workman. None for the Management..

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Order No. L-41012|101|91-IR(DU) dated 13-5-93 has

referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication:

- "Whother the action of the management of Central Railway in terminating the services of Smt. Lanta, Water Woman at RTR Control Central Railway IR CA building, New Delhi w.e.f. 18-12-90 is justified? If not, what relief she is entitled to?"
- 2. The applicant in her statement of claim alleged that she was initially appointed on 26-4-85 as casual labour on the job of water women carrying pay scale of Rs. 750-940 in Chief Reservation Supervisor Jnansi Division of the Central Railway. She worked upto 18-12-90 continuously from the date of her appointment. She was got medically examined and was declared fit when she became due for appointment as permanent water woman. He services were not regularised and she filed on application before the Central Administrative Tribunal bearing registration No. 4-A. 102/89 decided on 22-5-90 and it was directed that she should be regularised and arrears on that account also be paid to her within three months. Instead of regularising her the management brought one Amrit Kaur in her place and the workman was transferreed to Mathura on 7-12-90. The workman tell sick due to this harassment and remained under the treatment of the Doctor. She could not be relieved for Mathura but was reported absent and her name was struck off from the muster roll from 10-12-90. This amounted to illegal termination. The matter was reported to the ALC Central New Delhi but the Management did not take part in those proceedings and no conciditation could take place. The matter was then referred by the Ministry of Latour. The termination of the workman services was illegal.
- 5. Notice of this reference was sent to the management by the registered post for 28-10-93 and the management was thus ordered to be proceeded against exparte.
- 4. The workman in her evidence filed afildavit Ex. WW1/3 and made statement on oath reiterating what was alleged in the statement of claim. From the sworn testimony of the applicant and the mildavit filed by her there appears to be nothing to discard the testimony and mo evidence has come on behalf of the management nor anybody has cared to file any written statement or even appear in the court on any date of hearing inspite of proper service by registered A.D. I, therefore, order that from the evidence on record the workman is entitled to reinstatement with full back wages from the date of termination exparte against the management with costs.

February 25th, 1994.

GANPATI SHARMA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 12 जर्जन, 1994

का. या. 1035.—औद्योगिक विवाद श्रिष्ठितियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट वैंक प्राण पिट्याला के प्रबंध तंत्र के संजद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट आयोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिपारण चण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशिन करती है जो केन्द्रीय सरकार को 8-4-94 को प्राप्त हुआ था।

[तं॰ एल-12012/110/90-आईआर (बाँ-3) आईआरबी-I] एस.एस.के. राव, इंस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th April, 1994

S.C. 1035.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Contral Givernment hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chandigarh as shown in

the Amexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Patiena and their workmen, which was received by the Central Government on the 8-4-1994.

[No. I-12012]110 90-IR(B-3) [R.B.I] S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVI. INDUSTRIAL TREBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D- 78 90

Raj Kumar Vs. State Bank of Patiala For the workman.—Ashwani Sharma. For the management—N. K. Zakhmi.

AWARD

Central Govt vide gazettee notification inc. L-12012|110| 90-1R(B-3) dated 3rd of July 1990 issued US 10-(1)(d) of the industrial disputes Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication.

- "Whether the action of the State Bank of Patiala in awarding punishment of 'Censure' and treating period of absence without pay from 22-4-1985 to 27-4-1985 and 2-5-1985 to 10-6-1985, on Shri Raj Kumar, Clerk-cum-cashier at their (ADB) branch is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to and from what date".
- 2. Brief facts of the case that the petitioner was appointed permanent cashier clerk in ADB Patiala branch of the respondent bank in December 1982. At the time of his selection he was the student of law classes in lunjabi University Patiala. He was charge sheeted on 9-8-1985 on the charges, firstly he remained absent from 22-4-1985 to 27-4-1985 and 2-5-1985 to 10-6-1985 in an unauthorised manner. Secondly he appeared in the LLB Part III examination in violation of terms and conditions of service. An enquiry was conducted against him. He admitted the charges leveled in the charge sheet. The disciplinary authority awarded the punishment on 8-7-1986 in the following way:
 - "I impose the penalty of 'censure' in terms of clause 19: 6(a) of the Bipartite Settlement, 1966 read with the provisions of Sastri Desai awards and Bipartite settlement of 1979 and 1984. I also order that the period of absence from 22-4-1985 to 27-4-1985 and 2-5-1985 to 10-6-1985 be treated as leave without pay."

Further plea of the petitioner that the penalty of treating the period of absence without pay is not covered in the punishment prescribed in Sastri Desai award Bipartite settlement. It was thus sought that direction be issued to the management to treat the said period as leave of the kind due instead of leave without pay. He has also sought interest on the said salary.

3. The management in their written statement has taken the preliminary objection that the petitioner had committed certain acts of misconduct for which he was charge sheeted. Shri H. R. Gupta was appointed as enquiry officer During the course of enquiry the petitioner have categorically admitted the charges levelled against him. Enquiry officer submitted his report. The disciplinary authority issued the show cause notice dated 19-6-1986 as to why the penalty of one annual graded increment due on 21-12-1986 with future effect may not be imposed upon him. The petitioner was given personal hearing. The disciplinary authority reduced the punishment to the penalty of 'censure' in term of Chapter 19: 8 of the Bipartite Settlement. It was also directed that the period of absence from 22-4-1985 to 27-4-1985 and 2-5-1985 to 10-6-1985 will be treated as leave without pay. Action of the management is legal, just and proper and the reference is bad in law. Or merits the plea of the management that the petitioner had admitted his

- guilt furing the enquiry proceedings, therefore, action of the management is legal and commensurate with the charges levelled against the petitioner and sought the dismissal of the reference.
- 4. Replication was also filed reasserting the same facts as claimed in the claim statement.
- 5. The petitioner filed his affidavit Ex. W1. He admits that the enquiry is fair. MW1 Dharam Pal Sharma is the management witness. He filed his affidavit Ex. M1. The respective parties closed their evidence.
- 6. I have heard both the parties, gone through the evidence and record.
- 7. Representative of the petitioner at the out set states that he does not challarge the punishment of censure'. He only prayed for the intervention U/S 11-A in relation to the period of absence treated by the maragement as leave without pay. He has prayed that the same may be treated as leave of the kind due. There is force in this contention. The order of punishment of the disciplinary authority has been placed on the record the extract of which has been reterred by the petitioner in his statement of claim. It is apparent from the sequence of the order that while imposing the punishment of 'censure' if was also ordered that the period of absence from 22-4-1985 to 27-4-1985 and 2-5-1985 to 10-6-1985 be treated as leave without pay. This appears from part of the punishment However there is no dispute to the fact that treating of the period of absence without pay is not covered under the punishment prescribed in the Sastri/Desai Award and Bipartite Settlement. No doubt the management's witness Shri Dharam Pal Sharma states that this order of treating the absence period without pay is not a punishment order passed by the disciplinary authority as discussed above. When otherwise order of punishment treating the period of absence without pay without knowing the fact whether leaves are lying in the credit of the leave account of the petitioner.
- 8. In view of the discussions made in the earlier paras and exercising the powers UJS 11-A the management is directed that period of absence from 22-4-1985 to 27-4-1985 and 2-5-1985 to 10-6-1985 be treated as leave of the kind due instead of leave without pay provided there are leaves at his credit in the leave account to that extent. With this modification in the punishment the reference is returned to the Ministry.

Announced Subject to approval by the Ministry. Chandigarh.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

नई दिल्ली अप्रैल, 12, 1994

का आ. 1036 — औद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार स्टेंट वैक आफ पटियाला के प्रबन्ध तंत्र के संबद नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रधिकरण चण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 1-4-94 को प्राप्त हुआ था।

[सं० एल/12012/183/90-माई मार (बी3)माईआरवीआई] एस.एस.के. राव, डैस्क मधिकारी

New Delhi, the 12th April, 1994

S.O. 1036.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (11 of 1947), the Central Government

hereby, publishes the award of the Central Government In-Tr.bunal-Co. 1-Labour Court, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Patiala and their workmen, which was received by the Central Government on the 8-4-94.

[No. L-12012/83/90-IR(B-3)][RB.1]

S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SURFARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 158/90

Raghubir Sharma Vs. State Bank of Patiala.

For the workman: None.

For the management : Shri N. K. Zaklimi.

AWARD

Central Government vide gazette notification 12012/183/30/1.R.(B-3) dated 17th October, 1990 issued US 10(1)(d) of the industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute to this tribunal for adjudication:

- "Whether the action of the management of State Bank of Patrala in relation to Jind Branch in terminating the services of Shri Raghubir Shaina w.e.f. 13-4-86 is just, fair and legal? If not, to what tollef the concerned workman is entitled to and from what date?
- 2. Case of the petitioner as set out in the statement of claim that there was a permanent vacancy if the post of peon-cum-frash/peon-cum-godown chowkidar at Jind Branch. He was considered fit for the guid post and he was appointed against that vacancy. He worked for the period detailed as

From	to	days
2-4-1985	20-4-1983	29
1-5-1985	31-5-1985	31
1-6-1985, 6/6/85	29-6-1985	25
L J-1986	31-1-1986	31
1-2-1986	28-2-1986	28
5-3-1986	31-3-1986	2.7
1-4-1986	12-4-1986	12
		183 days

He worked sincerely and to the entire satisfaction of the superiors. There was no complaint against him No appointment letter was given to him. He was not allowed to resume duties w.e.f. 13-4-1935. No termination letter was given to him, No compensation in lieu of termination was granted to him. Therefore his termination of services is dlegal onlawful and in violation of paras 495, 522 and 524 of Sastri Award and paras 2.7 and 2.8 of the Bipartite Settlement. He also alleges the violation of the provisions of Section 525-4 of the Industrial Disputes Act 1947. He thus sought the Linstatement with full back wages along with sought the i instatement with full back wages alongwith benefits of seniority and consequential benefits

3. The management in their written statement has taken the preliminary objection that the reference is not maintainable. The per tioner had not completed 240 days temporary service with the bank and the management has not violated any provisions of the Industrial Disputes Act 1947. The petitioner was engaged as godown chowksday for day to day requirement of work. To only worked for 183 days at Jind Branch. He has not completed 240 days in 12 calender months arrecaling the data of references to which the data of the data months preceding the date of reference to which the calculations are made. The management thus has not violated the provisions of Section 23-1 of the Industrial Disputes Act 1947. On merits the plea of the managemen that he

worked only intermittently in the year 1985-86. He was engaged as godown chowkidar at the factory premises of the forrower to whom the loans, acvances were granted by the bank and this post comes to an end automatically on the completion of this specific work. The petitioner cannot claim permanent employment against the post which was purely temporary and for intermittent nature of work. The petitioner was not entitled to any compensation since he had not completed 240 days. Other allegations were also denied and has sought the dismissal of the reference.

- 4. Replication was also filed reasserting the same facts as claimed in the statement of claim.
- 5. The petitioner filed his affidavit Ex. W1 in evidence. He admits that he was appointed as godown chowkidar from 2-4-1985 to 12-4-1986 and worked total number of 183 days, MWI A.K. Mehta Deputy Manager is the management's witness. He filed his affidavit Ex. MI. The research pective parties closed their evidence.
- 6. I have heard both the parties, gone through the evidence and record.
- 7. As evident petitioner has miserably failed to substantiate his claim. He has failed to establish that his appointment was for indefinite period. Admittedly, this tenure of cervice with the respondent management was from 2-4-1985 to 12.4.1986. However during the said period he had worked only intermittently and put 183 days of service only. It is evident from his own showing that in preceeding 12 calender months from the date of alleged termination i.e. 13-4-1986 he has not completed 240 days. As per the detail given by himself he has not at all worked from July 1985 to December 1985. The retitioner since have not completed the sti polated one year of continuous service as defined in Section 25 B of the Industrial Disputes Act 1947 does not qualify himself under the protection of Section 25 F of the Industrial Disputes Act 1947 and obviously it was not mandatory for the management to have torved a notice or to have pay wages in lieu of notice and retrencha ect compensation to the pelitioner at the time of fermination of his services. Therefore, the management has not contravened any provisions of Industrial Disputes Act 1947 and of the Bipartite Settlement.
- 8. The petitioner turther alleges violation of Section 25 G of the Industrial Disputes Act 1947. The same is again meritless. He has not shown who has been appointed against that ver, post on which he was working and when the subsequent appointment had taken place. In relation to the violation of Section 25-G of the Industrial Disputes Act, 1947 he has not proved which of his jumor has been stained. Therefore, the petitioner has failed to establish any violation of Section 25-G and Section 25-H of the Industrial Disputes Act, 1947.
- 9. Hence nothing survive in the proceedings initiated by the petitioner. He is not entitled to any relief whatsoever. The reference is dismissed and returned to the Ministry. Chandigath.

ARVIND KUMAR. Presiding Officer

नई विल्ली 12 अप्रैंस, 1994

का. रा. 1037.--श्रीक्रोगिकः वियास अधि नियम 1947 (1947 का 14) की धारा 1 के ग्रनसरण में वे**न्द्री**स औ गेगानगर श्रेतीय ग्रभगीण नंदा के संबद्ध नियाजयां प्रबंध **उन्हें** के तीच धनु**र्व**ध में निविध अंद्रिशक त्रमंकारों : विवाद में केन्द्रीय सरफार औद्योगिक श्रीकरण, को प्रकाशित, करती है, जो फेन्द्रीय सरकार को प्राप्त छन्। भा। 可 12-4-91

सिं० एल-12012/14/88--श्रे $2(\hat{a_1})/$ श्रे3ए/आई.आर.बॉर- Π एस.एस.के. राष, इंस्स अधिकारी

New Delhi, the 12th April, 1994

S.O. 1037.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government industrial Tribunal, Jaipur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Shri Ganga Nagar Kshetriya Geramin Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-4-94.

[No. L-12012|14|98-D.L(B) D. 3A|IA(BI) S. S. K. RAO, Desk Officer

अनुबन्ध

केन्द्रीय औरबोरिक न्यायाधिकरण, जयपुर

केस नं. सी. ग्राई टी. 17/1989

रैफरैंस: किन्द्र सरकार, श्रम मंद्रालय, जर्द दिल्ली का आदेण अभांक एस-12012/14/88/डी-1 वी (धी-(अए दिनांक 18-1-89

> थी द्वार कि. गोवल पुत्न श्री बनारसी दाग निवासी मकान नं 3/मी ब्लाफ, श्री करणपुर ।

> > ---प्रार्थी

बनाम

स्रध्यक्ष, श्री गंगानगर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, श्री-गंगानगर।

——সমার্থী

उप:स्थित

माननीय न्यायाधीम श्री संकर लाख जैन, श्रार एव . जे .एस .

प्रार्थीकी ओर से :

श्री संतोष भटनागर

श्रप्राणीिकी और से:

श्री श्री के माथुर

विलोक :

5-1-1994

धवार्ड

केन्द्र सरकार, श्रम मंद्रालय नई दिल्ली ने श्रपने छ स् रोक्त श्रादेश के जरिये निम्म बिवाद इस न्यायाधिकरण को यास्ते श्रिक्षिनिर्णय औद्योगिक विवाद श्रिक्षित्यम, 1947, जिसे तरपण्यात श्रिक्षित्यम 1947 संबोधित किया है की धारा 10 (1) (ध) के श्रन्तर्गत श्रेणित किया है:

2. वादी श्रमिक श्री स्नार.के. गोयल ने उनके निशंकक प्रतिवादी गंगानगर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के विषद्ध यह वाद 16-5-89 को इस स्नाधार पर प्रस्तुत किया कि उसकी नियुक्ति धिनांक 2-4-85 को लिपिक-कम-रोकड़िया के पद पर श्रप्राणी के श्रादेश दिनांक 11-3-85 के द्वारा की गई थी। उसकी स्रथम नियंक्ति 2-4-35 से प्रारंभ होंकर

एका वर्ष के परिजीक्षा काल के लिए की गई और उक्ष परिकीक्षा काल की अबधि 1-4-86 की तमाफा हो गई। नत्पाचाल विपक्षी ने 5-3-80 को लीव माह के लिए परि-बीक्षा बाल और बढ़ा दिया। वाली प्राची ने यह शिक्षक्षण किया है कि विपक्षी ने दिनाक 29-8-80 के प्रादेश हारा उसकी सेवाएं 30-8-86 को तमाप्त कर की जिसे प्रमुखित व श्रवेध बताते हुए बादी ने यह दावा विपक्षी के विक्छ प्रस्तुत किया है।

अधार्थी की ओर से बाबोक्तर वितास 13-7-89 की प्रस्तुत कर प्रार्थी के बाद का प्रप्रल शिरोध किया गया है। ध्वप्रार्थी का कथन है कि प्रार्थी का भार्य संतीवजनक नही होने के कारण बढ़ाये हुए परिवीक्षा काल में उसे एक माह का नोटिस देकर उसकी क्षेत्राएं विज्ञमानसार प्रमाप्त की गई है क्योंकि उसकी सेवाए जारी रणना बैंक के क्रिन नहीं था। यह भी कथन किया है कि प्रवासी के किसेक 2-4-85 की प्रार्थी की निश्चित पत दिया था। जिस पूर उमने 15-4-85 को उपस्थिति वेकर अपना कार्यनार ग्रष्टण किया। शिपक्षो ने दिनांक 11-3-85 के आदेश अनुलग्नक प्रदर्श डब्ल्यू-1 के डारा बादी की एक वर्ष की पल्चिका पर क्लर्क-कम-कैशियर के पद पर नियुक्ति दी। इस नियुक्ति म्रापेण की पालना में प्रार्थी ने 15-4-95 को विपक्षी सैंक में श्रपने पद का कार्यभार ग्रहण किया। इस प्रकार 15-4-85 से परिवीता कान की सबधि 14-4-86 को गमाप्त हुई। विपक्षी ने यह भी प्रक्षिकथन ेया है कि प्रार्थी क व्यवहार में सुधर लाने रेतु उसे एक मौका और देने के उद्रेष्य से तीन माह के लिए परिजीक्षा काल बहाया गया था। उसका कार्य संतोषप्रय नहीं ीने में 29-8-35 की परिवीक्षा काल के दौरान उसकी संदार्ग समाधा कर दी गई। विपक्षी ने यह भी कथन किया है कि परित्रीका काल के दौरान जब प्रार्थी बैंक लाखा अन्यन में कार्बरन था तब 7-6-86 का उनके कार चरित्रहीनता के आरोप लगा-कर उग्न भीड़ ने मारपीट की कोशिय की एवं हस घटना ्उमधा अल्लान अपन में प्रतेश निवि**द्ध क**र को लेकर दिया। यद्यपि विवासी ने हम घटना ा संबंध है प्रारंशिक जांच कराई किन्तु प्रार्थी के दित को ध्यान में रखते हुए उस पर कोई ल्डिन्स नहीं लगाते हुए बढ़े हुए परिवीक्षा काल में ही उसकी नेदाएं समाध्य कर दी। अधार्थी ने यह भी कथन किया है कि पार्थी को दौराने परिकाका सेवा मक्त किया गया है ऐसी स्थिति में सेया मुक्ति का ब्राधार स्पष्ट करना कानुनी श्रावश्यक नहीं था। अप्रार्थी ने सेवा मुक्ति आदेश दिनांक 29-8-86 पूर्णतथा वैक सेवा नियमों के धनुसार पारित किया है।

4. शहातत प्रार्थी में प्रार्थी श्री श्रार.के. गोयल को परीक्षित कराया गया है एवं प्रालेखींग सबूत प्रदर्श डब्ल्यू एम-1 प्रार्थी का नियुक्ति पत्र दिनांक 2-4.85, श्रदर्श डब्ल्यू-2 श्रप्रार्थी का शादेण दिनांक 29-8-86, प्रदर्श डब्ल्यू-3 प्रार्थी की दिये गये प्रमाण पत्र की श्रदि, श्रदर्श डब्ल्यू-4

श्चमफल वार्ता प्रतिवेदन, प्रदर्श उप्प्यू-5 पन्न क्षमांक 3413 दिनांक 10-7-86 की प्रति, प्रदर्श उष्प्र्यू-6 प्रार्थी हारा लिखित पत्र की प्रति एवं प्रदर्श उष्प्र्यू-7 ग्राम पंचायत श्वरायन हारा बैंक के श्रध्यक्ष को मेजे गये पत्र की प्रति प्रमन्त की है।

- 5. श्रप्तार्थी देंक की ओर से साध्य में श्री पी आर. णर्मा, प्रश्न-एक कार्मिक प्रशासन श्रीगंगानगर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक को परीक्षित कराया गया है एवं प्रालेखीय साध्य में श्रनुलग्नक लगायत 4, 5 लगायत 6, 7 लगायत 11 के श्रतिरिक्त 4 (ए), 6(ए), 7 (ए), 11 (ए), 16 (ए) 16 (बी) 16 (सी) प्रविश्वत कराये हैं जिनका विवेचन साध्य का मूल्यांकन करते समय यथास्थान पर किया जायेगा।
- 6. तत्पश्चान मैंने पक्षकारों के प्रतिनिधियों की बहस धैर्य-पूर्णक सुनी तथा पत्नावलीं, पत्नावली पर उपलब्ध साध्य एकं सामग्री तथा बिधि के मुसंगत प्रावधानों का ध्यानपूर्वक परिशीलन किया।
- प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि ने अपनी दलीओं के समर्थन में निम्न न्याय दृष्टाग्तों का आश्रय लिया है:
 - 1. 1988 लैंब. आई.सी. 380, (एम.सी.) एम.
 के. अग्रवाल बनाम गुड़गांव ग्रामीण वैंक एवं ग्रन्य।
 - 2. म्रार.एल.भार. 1987 (II) पेज 421 प्रिमिपल मेयो कॉलेज भ्रजमेर बनाम लेबर कोर्ट, जयपुर व ग्रन्य।
 - 3. 1982 नैव.ग्राई.सी. पेज 811 (एस.सी.) रॉबर्ट डिस्जा बनाम प्रधिशासी अभियन्ता, सवर्न रेलवे व ग्रन्थ।
- श्रप्राणीं के बिहान प्रतिनिधि ने प्रपनी दलीलों के समर्थन में निम्न न्याय दृष्टान्तों का श्राश्रय निया:
 - म्रार, एल, श्रार. 1989 (II) पेज 723 नरवतिमह
 माटी बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान व श्रन्य।
 - 1989 (1) श्रार.एल.धार. पेज 147 नरेन्द्र सिंह बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान व श्रन्य।
 - 3. 1992 (3) एस.एल.आर. पेज 661 (एस क्री.), दी गर्वांग काऊंसिल ऑफ किदवई मैमोर्रियल इन्सटीट्यूट ऑफ ऑमकोलोजी, बैंगलोर जनाम डॉ. पाण्डुरंग गोडवालकर।
 - 4. ए.आई.आर. 1985 (एस.सी.) 603, धनजी भाई राम भाई बनाम स्टेट ऑक गुजराय:
- 9. पक्षकारों की जुबानी य प्रालेखक साक्ष्य का मूल्यांकन करने के पश्चान इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि इस मामले में यह एक निविधाद तथ्य सामने भ्राया है कि प्रार्थी सार.

ी भौगत भी दिवांक 11-3-85 अन्सभनक-1 प्रदर्श उटल्य-ा के लहर लिशिक समा शिकड़िया के पद पर एक वर्ष के परिष्या राज पर प्रायी को नियक्त करना प्रस्तावित किया िसे प्रार्थी से रवीकार करने हुए श्रपनी स्वीकृति प्रदर्श क्रप्त्यु-1 पर दिगांक 18-3-85 को दो जिस पर विषक्षी र्वं क ने दिनांक :-4-85 को ग्रादेश श्रनुलग्नक-2 द्वारा प्रक्र्ण डप्प्य-2 में वर्णित सती के भ्राधार पर एक वर्ष के तिए लियक्ति पद्म जारी किया। प्रार्थी ने विनांक 15-4-85 को वैंक में कार्य करना प्रारंभ किया। इस प्रकार प्रार्थी का एक वर्ष का पश्विक्षा काम दिनांक 14-4-86 को समाप्त होता था। प्रार्थी ने अपने प्रति परीक्षण में यह स्वी हर किया है कि उ^{रे} नियुक्ति पत्न प्रदर्श डब्ल्यु-1 प्राप्त हमा था और प्रदर्श एम-2 द्वारा उसका पदस्थापन प्ररायन में किया गया था। प्रार्थी ने अपने प्रति परीक्षण में प्रदर्श एउ-3 एवं एम-4 प्राप्त करना तो स्वीकार किया है किन्त उसका कथन है के उसमें कार्य संतोषजनक होने की बात सती नहीं लिखी एउँ है। यह भी निविवाद तथ्य है कि अप्रायी ने प्रार्थी के कार्य को संतोषजनक नहीं माना और दिनांक 5-4-86 अनलग्द उ-3 के द्वारा प्रार्थी का परिवीक्षा काल 3 माह के लिए वडाया गया। अप्रार्थी ने प्रार्थी को अन-ललक-4 के द्वार दिनांक 10-7-86 को सीन माह की परिवीक्षा काल गड़ायें के निण्चय के बारे में जानकारी दी तो उसमें यह भी उल्लिखित किया गया कि उसका कार्य संतोपजनक नहीं रहा है। इस मामले में यह निविवाद तभ्य है कि प्रदर्श बब्ल्यू-2 द्वारा भप्रायी ने बढ़ाये हुए परियीक्षा काल में प्रार्थी की सेंबौएं तुरंत प्रभाव सें समाप्त की और प्रार्थी को एक माह के नोटिस प्रवधि का वैतन भन तमाम भत्तों के चैक दिलांक 23-8-86 एपये 886/ का दिया गया। यहां यह उल्लिखित करना भी अनावश्यक नहीं होगा कि प्रार्थी तथा एक लकड़ी के संबंधों की कथित जानकारी होने से पूर्व ही प्राथर्वी ने ार्थी के कार्य को गंतीयजनक नहीं ााना था ।जसका उल्लेप श्रनुलग्नक 3 व 4 में प्रार्थी के परिवीक्षा कर की प्रविध तीन माह के लिए बढ़ाते समय किया गया है। ऐसी स्थित में यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि प्रार्थी के किसी लड़की के माय कथित संबंधों को लेकर अशर्थी ने उसका कार्य असंतोप-जनक मानते हुए परिवीक्षा करत की अवधि तीन माह के लिस वढाई हो।

- 10. यह भी उत्स्खिनिय है कि प्रार्थी के संबंध किसी लड़की के साथ होने की किनत चर्चा जब बैंक मुख्यालय को लगी तो इस संबंध में प्रार्थी का प्पट्टोकरण लिया गया एवं प्रारंभिक जांच भी कराई गई कि प्राह घटना इस कारण सुसंगत नहीं है श्योंकि इस घटना के आधा पर अथवा किसी दुराचरण के माधार पर प्रात्त की सेंबार समाप्त ही नहीं की गई हैं।
- 11. घप्रार्थी ने वैंघ ने प्रार्थी की निवाएं ग्रसंतीयजनक बताते हुए परिवीक्षा काल की घबिध ीन माह के लिए बड़ाई गई और इस परिवीक्षा काल के दीरान ही प्रार्थी के कार्य की

संतोधजनक नहीं पाये जाने पर उसकी सेवाएं राभाष्त की गई हैं। प्राणी के विरुद्ध अप्राणी ने जो सेवा मुक्त आदेश प्रदर्श इटस्यू-2 पारित किया उसमें हैं क ने यह उल्लिखित किया है कि प्राणी की सेवाएं आगे चालू रखना बैंक के हिन में नहीं है इस कारण उसे सेवा मुक्त किया जाता है। सेवा मुक्ति आदेश टर्मीनेशन सिम्पलीमीटर है जो परिविक्षा काल में ही पारित किया गया है। प्राणी की सेवाएं किसी दुराचरण के आधार पर समाप्त नहीं की गई हैं न ही उसके विरुद्ध कोई स्टिगमा लगाया गया है, इस कारण इस मामले की जांश्व किया जाना या अनुशासनात्मक कार्यवाही किया जाना आवश्यक नहीं था।

12. श्रिभिलेख पर उपलब्ध प्रालेखीय साक्ष्य श्रनुलग्नक 16 (ए) (बी) व (सी) में यह दर्शाया गया है कि प्रार्थी ने निर्धारित लक्ष्यों के श्रनुसार कार्य नहीं किया था? प्रार्थी की परिवीक्षा श्रवधि बढ़ाते समय भी प्रदर्श डब्ल्यू: व 4 क्षारा उसे सुचित कर दिया गया था कि उसका कार्य संतोप-जनक नहीं है।

13. यह निविवाद तथ्य है कि बैंक सेवा के संबंध में स्टाफ सर्विस रैगूलेशन्स बने हुए हैं। प्रार्थी की सेवाएं दण्डात्मक कार्यवाही कर विपक्षी ने समाप्त नहीं की हैं श्रतः इस मामले में धारा 30 स्टाफ सर्विम रैगूलेशन्स आकर्षित नहीं होते हैं बहिक हस्तगत प्रकरण में नियम 8 लागू होता है जो निम्न प्रकार है:

- 8(1) Every officer on his appointment in a post in the Bank shall be on probation for a period of two years which shall be extendable upto a period not exceeding one year.
- (2) Every employee on his appointment in a post in the Bank shall be on probation for a period of one year which shall be extendable upto a period not exceeding six months.
- (3) Whether during the period of probation, including the period of extension of probation, if any, the appointing authority is of the opinion that the efficer of employee is not fit for confirmation in the said post:—
 - (a) In the case of direct appointee, the services may be terminated by one month's notice or payment of one month's emoluments in lieu thereof; and
 - (b) In a case of the promotee from the Bank's service, he may be reverted to the grade or cadre from which he was promoted.

14. हस्तगत मामले में यह भी एक निविधाद तथ्य है कि श्रमिक आर. के. गोयल को दिनांक 11-3-85 अनुलग्नक-1 के तहत लिपिक-कम-रौकड़िया के पद पर नियुक्ति का प्रस्ताव दिया गया था जो उसने स्वीकार करते हुए 18-3-85 को स्वीकृति दी जिस पर अप्रार्थी वैंक ने 2-4-85 को उसे अनुलग्नक-II के द्वारा नियुक्ति आदेश दिया जिसकी पालना में प्रार्थी ने 15-4-85 को वैंक में कार्य करना प्रारंभ किया। उसे सर्वप्रथम एक वर्ष की परिचीक्षा काल के लिए नियक्ति दी गई थी। जैसा कि 944 GI/94—13.

नियम 8 स्टाफ सर्विय रेगुलेशन्स से साप्ट है कि किसी भी नये व्यक्ति का परिवीक्षा काल 6 माह के लिए बढ़ाया जा सकता है। प्रार्थी का परिवीक्षा काल भी उसकी सेवाएं संतोषजनक नहीं होने पर तीन माह की श्रवधि के लिए बढ़ाया गया जैसा कि श्रन्लग्नक 3,4 व 4(ए) सेस्पध्ट है जो प्रार्थी को भी प्राप्त हुए थे। इस बढे हुए परिवीक्षा काल की अवधि में प्रार्थी की सेव(एं अप्रार्थी बैंक के हित में नहीं मानते हुए 29-8-86 प्रदर्ग डब्ल्य्-2 श्रादेश ब्रारा समाप्त की गई जो भेरी राय में छंडनी की परिभाषा में नहीं फ्राती है। प्रार्थी की नेवा मितत के समय उस पर न तोकोई दराचरण का श्राक्षेप लगाया गया और न ही किसी तरह कास्टिंगमा ही लगाया गया था। श्रश्रार्थी का उनत कृत्य स्टाफ सर्विस रेगूलेशन के नियम 8 (3) (ए) के अन्तर्गत आता है जो मेरी राय में अनुचित व अवैध नहीं है। प्रार्थी की सेवाएं परिवीक्षा काल में ही समाप्त की गई हैं। प्रार्थी द्वारा प्रस्तृत न्याय दृष्टान्त मामले के तथ्यों और परिस्थितियों से भिन्न होने पर इस प्रकरण पर लागू नहीं होते जबकि भ्रप्रार्थी द्वारा प्रस्तुत न्याय युष्टान्त न्नार. एल. न्नार. 1989 (सूपरा), 1989 (1) न्नार. एल. आर. 147 (मूपरा), 1992 (5) एस. एल. श्रार. 661 (सपरा) व ए. ग्राई. ग्रार. 1985 (एस. सी.) (603) सुपरा हस्तगत मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर पूर्णतया लागूहोते हैं जिनमें विधि का यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया गया है कि "The probationer could be discharged from service without any notice." ''परिवीक्षा काल में सेवाएं संतोषजनक नहीं पाये जाने पर प्रार्थी की सेवाएं समाप्त करने के लिए श्रप्रार्थी सक्षम है अतः प्रार्थी के सेवा मुक्ति आदेश को अनुचित व अवैध नहीं माना जा सकता।

15. तथ्यों और विधि के उपरोक्त समस्त विधे के श्राधार पर इस निर्देश का अधिनिर्णय निम्न प्रकार किया जाना है:

"श्रीगंगानगर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, श्रीगंगानगर के प्रयंधतंत्र द्वारा श्री ग्रार. के गोयल की सेवा मुक्ति दिनोक 30-8-86 से किया जाना उचित एवं वैध है। श्रीमक किसी राहत व राणि का ग्रिधकारी नहीं है।"

16. उपरोक्त श्राणय का श्रवार्ड पारित किया जाता है जो केन्द्र सरकार को प्रकाशनार्थ नियमानुसार भेजा आवे।

शंकर लाल जैन, पीठासीन श्रक्षिकारी

नई दिल्ली, 12 श्रप्रैल, 1994

का. ग्रा. 1038:——औद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के ग्रनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक मांफ हैदराबाद के प्रबन्धतंत्र के संबद्घ नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक श्रिधिकरण, हैदराबाद के पंचपट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 12-4-94 की प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/248/89-प्रार झार (बी III)/आई भ्रारं(बी1)]

एस. एस. के. राव, डेस्क मधिकारी

New Delhi, the 12th April, 1994

S.O. 1038.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Hyderabad and their workmen, which was received by the Central Government on the 12-4-1994.

[No. L-1212|248|89-IR (B. III)|IR(BI)] S. S. K. RAO, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT HYDERABAD

PRESENT:

Sri Y. Venkatachalam, M.A., B.L., Industrial Tribunal-I.

Dated: 15th day of March, 1094 INDUSTRIAL DISPUTE NO. 4 OF 1991

BETWEEN:

Anil Kumar-Petitioner.

AND

The Regional Manager, S. B. H. Regional Office, Nizammabad—Respondent,

APPEARANCES:

M|s. G. Vidyasagar, N. Vinesh Raj & G. Ravi Mohan, Advocates for the tioner.

Ms. K. Srinivasa Murthy, G. Sudha and M. Ananthasen Rao, Advocates for the Respondent.

AWARD

The Government of India Ministry of Labour, by its Order No. L-12012 248 89-IR (B. III) dt. 8-3-1991 referred the following dispute under Section 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Management of the State Bank of Hyderabad, Nizamabad and their workmen to this Tribunal for adjudication:

"Whether Sri Anil Kumar was the workmen of the State Bank of Hyderabad? If so, whether the action of the management of State Bank of Hyderabad, Regional Office Nizamabad was justified in terminating the services of Sri Anil Kumar, ex-godown keeper, w.e.f. 24-11-84? If not, to what relief Sri Anil Kumar is entitled to?"

The reference was registered as Industrial Dispute No. 4 of 1991 and notices were issued to both the parties.

- 2. The brief facts of the claim statement filed by the Petitioner-workman is read as follows:--It submitted that the Petitioner was appointed as Godown Keeper on temporary basis for one month by the Branch Manager of the Respondent Bank by an order dt. 27-8-1981 and the pay scale and allowances were also fixed as provided in the Bipartite settlement and further it was indicated in the order of appointment that the Petitioner will be required to work at Messrs B. K. Industries, Nizamabad. However the petitioner was allowed to continue in the same capacity till 24-11-1984 and the salary and allowances was being paid by the Bank itself without any break and as such the petitioner worked for more than 240 days. Surprisingly the management terminated the services of the petitioner without any notice or notice pay order. Hence the termination of the petitioner is contrary to the provisins of the I. D. Act. It is further submitted that even though the Petitioner was appointed for only one month his services were continued without any break in the same capacity till 24-11-1984 and as such the relationship of "Employer and Employee" was accepted and continued till 24-11-1984 on which deeped and continued till 24-11-1984. which date he was orally terminated and hence the said act of termination amounts to retrenchment in violation of Section 25-F of the I. D. Act and hence unjustified and illegal. It is the same is totally prayed that this Hon'ble Tribunal may be pleased to pass an award declaring the action of the Respondent terminatting the services of the petitioner w.e.f. 24-11-1984 as unjustified and to set aside the same and to direct the Respondent to reinstate the petitioner into service with all attendant benefits.
 - 3. The brief facts of the counter filed by the Respondent read as follows: - The allegation that petitioner was appointed as Godown Keeper on temporary basis for one month by the Branch Manager of the Respondent bank by an order dt. 27-8-1981 is not correct. It may be noticed MIs. B. K. dustries, Nizamabad was financed by the Bank and as per their request at borrowers cost Godown Keeper was appointed i.e. petitioner and expenditure is debited to the account of the borrower. The salary and allowances were paid by B. K. Industries like paid to the Bank employees under Bipartite Settlement. It may be noticed the very appointment is temporary one. Whenever Godown Keeper is engaged those amounts are debited to the loan count. Similarly Sri Anil Kumar was appointed Godown Keeper and he cannot be treated on par with the employees on the rolls of the Bank and he cannot make a demand for permanent employment on the alleged ground he worked for 89 days. It is true that this petitioner worked for 89 days from 27-8-1981 at borrower's cost i.e. B. K. Industries. It may be noticed initially i.e. in 1981 petitioner was appointed for a period of 89 days and at the end of the expiry of the period his appointment was

continued by the Bank whereas subsequent pointment was made by the borrower firm alone. It is submitted that working for 240 days merely permanent post has to be given is not correct. It may be noticed B. K. Industries loan account with Nizamabad branch was closed on 24-11-84 and they have terminated him and not the Respondent Bank and petitioner is not employee of the Bank but employee of B. K. Industries. This Respondent not being employer or management so far as petitioner is concerned, the question of seeking relief against the bank does not arise. The allegation that respondent violated Section 25-F of the I. D. Act as such termination is illegal, unjustified and is not correct and petitioner is put to strict proof of the same. It is true some representations have been made. There employer and employee as is no relationship of alleged. There are no merits in the petitioner case. In view of above this Hon'ble Court may be pleased to dismiss the claim petition with exemplary costs.

- 4. The point for adjudication is whether Sri Anil Kumar was the workman of the State Bank of Hyderabad and whether the action of the Management of State Bank of Hyderabad Nizamabad was justified in terinating he services of Sri Anil Kumar w.e.f. 24-11-84?
- 5. W.W1 was examined on behalf of the Petitioner-Workman and marked Ez. W1 only on its side. M. W1 & M. W2 were examined on behalf of the Respondent-Bank and no documents were marked on its side.
- 6. W. W1 is Anil Kumar. He deposed that is the concerned workman in this case. He was appointed in the Respondent-Bank on 27-8-1981. Ex. W1 is the appointment order dt. 27-8-1981. He has been working continuously from 27-8-1981. He was asked to maintain stocks of hypotheticated goods of B. K. Industries. On instruction of Branch Manager, he was looking after the above stocks. He was paid by the Respondent-Bank. His salary paid as per Bipartite settlement. Whenever he went on leave the Branch Manager used to sanction his leave. He was under direct control of the Branch Manager. He was only terminated on 24-11-1984. No notice was given before terminating him and no compensation was paid. The Branch Manager terminated services, orally. After his termination he has made representations to the Respondent-Bank. He was not reinstated even after his termination. He prays for reinstatement with full back wages and attendant benefits.
- 7. M. W1 is Leela Venkateswara Rao. She deposed in brief that she is working as Asst. General Manager of State Bank of Hyderabad. She worked as Branch Manager from July 1980 to October 1984. She knows the facts of this case. Their Bank at Nizamabad gave loans to several industries. Their Bank has no godown at Nizamabad. As a policy banks are not having any godowns. The petitioner Sri Anil Kumar was working as Godown Keeper of B. K. Industries, More than 45 lakhs of rupees loan was given to the B. K. Industries. The B. K. Industries hypotheticated their stocks to the Bank for the loan facility they enjoyed. The petitioner herein was

showing the records to their Bank i.e. to her whenever she visited the Bank. One of the terms of sanction the loans, the loance—should have a godown keeper. The godown keeper expenses will have to be borne by the borrower. The selection will have to be done by their Bank. The loance or industry sponsored the candidate. They paid the salary—by debiting to the party's account. She has no supervisroy control on the petitioner who was working as godown keeper. The petitioner was not appointed at any time as Bank's Staff award staff. The Branch Manager shall not competent to recruit any clerical cadre post directly. The godown keepers are not in the line of Bank recruitment. She has no knowledge whether the B. K. Industries paid of its loan. The godown keeper of B. K. Industries gives the movement of stock information when she go for inspection, the petitioner is not employed by the Bank basing on Ex. W1 letter.

- 8. M. W2 is N. Narsi Reddy. He deposed he is the Chief Manager of State Bank of Hyderabad, Nizamabad. He knows the facts of this case. Their Bank advanced loans to B. K. Industries. M|s. B. K. Industries hypotheticated their machinery Khandasari Sugar and other goods. Under the agreements a godown keeper will be appointed at borrowers cost and he will be the employee of Borrower. Exs. M5 to M22 are the vouchers showing the payment to Sri Anil Kumar and debited to the account of B. K. Industries. In the Award a distinction was given about the Bank's employee and Borrower's employee. Subsequently these clauses were also incorporated in other settlement. credit department basing on the said policy gave a letter proforma to be given to the godown keepers appointed at borrower's cost. Because monies could not recovered from the B. K. Industries a suit has been filed for B. K. Industries and sister concern. In some they were compromised also.
- 9. The case of the petitioner-workman was that he was appointed as Godown Keeper on temporary basis for one month by the Branch Manager of the Respondent by an order dt. 27-8-1981 and further it was indicated in the order of appointment that the Petitioner will be required to work at Messrs B. K. Industries, Nizamabad, that he was allowed to continue in the same capacity till 24-11-1984 and the salary and allowances was being paid by the Bank itself without any break and he worked for more than 240 days, that even though the Petitioner was appointed for only one month his services were continued without any break in the same capacity till 24-11-1984 and as such the relationship of "employer and employee" was accepted and continued till 24-11-1984 on which date he was orally terminated and hence the said act of termination amounts to retrenchment in violation of Section 25-F of the
- 10. The allegation of the Respondent Bank that the petitioner was appointed as godown keeper on temporary basis for one month by the Branch Manager by an order dt. 27-8-1981 is not correct, the salary and allowance were paid by B. K. Industries like paid to the Bank employees under the Bipartite Settlement, that all the amounts which have been paid to the petitioner were debited from the

account of B. K. Industries. Sri Anil Kumar was appointed as Godown Keeper and he cannot be treated on par with the employees on the rolls of the Bank and cannot make a demand for permanent employment on the alleged ground that he worked for 89 days, that the petitioner is not ex-employee so the question of considering him for permanent employment does not arise, petitioner is not on the rolls of the Bank for appointment, that the B. K. Industries loan account with Nizamabad Branch was closed on 24-11-1984 and they have terminated him and not the Respondent Bank and that petitioner is not employees of the Bank but employee of B. K. Industries.

11. A perusal of Ex. W1 dt. 27-8-1981 the appointment order issued by the Respondent Bank to the Petitioner workman. It is mentioned as follows:

"With reference to your application dated 26th August, 1981, we have pleasure in appointing you as Godown Keeper purely on temporary for a period of one month. You should report for duty today itselt. At the time of reporting for duty, you have to submit the under noted certificate in original;

It is seen from the above contents that the Petitioner was appointed as Godown Keeper purely on temporary for a period of one month. No doubt after the period of one month, the Respondent Bank has not terminated the Petitioner workman from sevvice but continued the petitioner workman in service and paid the salary till the date of termination i.e. 24-11-1984 that is nearly after three years and three months. When the Respondent Bank paid him the salary upto 24-11-1984 it is deemed that the Petitioner was in the Respondent Bank service, and too without breaks. Ex. W1 is the Letter Head of State Bank of Hyderabad, Nizamabad and signed by the Branch Manager T. Leela V. Rao. The Ex. W1 was issued by the Respondent Bank 27-8-1981 appointing the Petitioner workman one month i.e. the expiry period will be on 26-9-1981. But surprisingly Ex. M2 was issued by B. K. Industries dt. 24-11-1981 stating that petitioner is appointed as Godown Keeper in their factory from 24th November, 1981. When once the appointment letter was issued to the Petitioner-workman by the Respondent-Bank on 27-8-1981 where was the necessity for the B. K. Industries to issue another appointment order dt. 24-11-1981 appointing the petitioner as Godown Keeper. No prior notice was given to the Petitioner workman when he was given Ex. M2 letter terminating his service from the State Bank of Hyderabad. The evidence of W. W1 would show that he (Petitioner) has been asked to maintain stocks of hypotheticated goods, of B. K. Industries, that on instructions of the Branch Manager, he was looking after the above stocks and that he was paid by the Respondent-Bank and that too his salary was paid as per Bipartite Settlement, that whenever he went on leave, the Branch Manager used to sanction his leave. Further he deposed that he was under direct control of the Branch Manager.

So on a consideration of the facts and circumstances, of the case, I am of the firm opinion that the Petitioner-workman was a concerned workman of the State Bank of Hyderabad and that the action of the Respondent was not justified in terminating the services of Sri Anil Kumar w.c.f. 24-11-1984.

12. In the result, Sri Anil Kumar was the workman of the State Bank of Hyderabad and the action of the Management of State Bank of Hyderabad, Regional Office, Nizamabad was not justified in terminating the services of Sri Anil Kumar, ex-Godown Keeper w.c.f. 24-11-1984. The Respondent-Bank is directed to reinstate Sri Anil Kumar into service with back wages and all attendant benefits.

Award passed accordingly.

Typed to my dictation, given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 15th day of March, 1994.

V. VENKATACHALAM, Industrial Tribunal-I

Appendix of Evidence

Witnesses Examined for Workmen:

Witnesses Examined for Management:

W. W1 Anil Kumar

M. W1 Leela Venkateswara Rao. M. W2 Sri N. Narsi Reddy.

Documents marked for the Petitioner:

Ex. W1|27-8-81—Appointment Order of Sri Anil Kumar.

Documents marked for the Management:

Ex. M1—Ac|No. 20|C of ledger account extract of B. K. Industries xerox copy.

Ex. M2|24-11-81—Letter given by the B. K. Industries to the Branch Manager.

Ex. M3—Accounts Ledger of B. K. Industries of September, 1981 to 83 June, xerox copy.

Ex. M4---Original of Ex. M3.

Ex. M4|A-In M3 at October Month.

Ex. M5 to Ex. M 22—Vouchers of made to Sri Anil Kumar by the B. K. Industries.

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1994

का. थ्रा. 1039:—-औद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अमुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एल. घाई. सी. आफ इण्डिया के प्रबंधतंल के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, ध्रनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रधिकरण, यंगलूर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-4-94 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-17012/17/91-आई मार (बी-2)] वी. के. शर्मा, औरक मधिकारी

New Delhi, the 7th April, 1991

S.O. 1039.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, BANG-ALORE as shown in the Annexure in the Industrial Disputes between the employers in relation to the management of LIC OF INDIA and their workmen, which was received by the Central Government on 6-4-94.

[No. L-17012]17[91-IR(B)-II)] V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT BANGALORE

Dated this 29th day of March, 1994

PRESENT :--

Sri B. M. Vishwanath, B. Sc., B.L., Presiding Officer

CENTRAL REFERENCE NO. 48 91

I party

v|s. II party

Sri Anil Kumar, s|o Sunil Kumar, c|o Devdas Valmik, Natikaragalli Mahatargalli, Ozipur, Gulbarga.

(By Sri L. S. L. Sastry)

The Sr. Dvl. Manager,

L. I. C. of India,

Dvl. Office,

P. B. No. 43,

Amruth Prakash,

Sath Kacheri Road, Raichur.

(By Sri V. L. Vishweshwaraiah,

(Advocate)

AWARD

In this reference made by the Hon'ble Central Govth by its order No. L-17012|17|91-IR B-II Dt.—under Sec. 10(2A)(1)(d) of I.D. Act the point for adjudication as per schedule to reference is :—

"Whether the action of the management of L. I. C. of Indian terminating the services of Sri Anil Kumar s o Sunl Kumar, Ex-Scayanger, East Branch of LIC of India, Gulbarga is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. In the claim statement it is contended:—

The II party Corporation has been engaging the employees on temporary-badali without any rational

basis. The II party completely ignored the award in NII 1/87 notified on 1-10-1988. The I party workman belongs to Scheduled Caste. Persons who are similarly appointed like I party workman have been absorted. The claim of I party workman has been overlooked inspite of circutar by the department of Industrial Relations dated 14-3-89. The II party out of prejudice, have not regularised the I party in the permanent service. The I party has prayed that an award should be passed directing the II party to regularise the services of I party workman retrospecively and pay the wages and emoluments accordingly.

3. In the statement of objections (counter statement) it is contended:—

The I party was only a temporary badali worker engaged by the II party for a specific period. The I party is not therefore a workman. So the reference is bad. This Tribunal has no jurisdiction to try this reference. According to provisions of the L.I.C. (Staff Regulations) 1990 the I party is not an employee of the II party at any time. On this ground also the reference is bad. The claim statement is not signed by the party but only by the person assisting him. The person assisting him has not produced any power of attorney or authorisation by the I party. The person assisting him cannot file the claim statement. The reference is not maintainable.

4. Without prejudice to the above preliminary objections it is contended by the II party:—

The Gulbarga branch office No. II coming under the jurisdiction of the II party had engaged the services of the I party for a period of 183 days, from May 1990 to Dec., 1990 on a daily wage of Rs. 5|per day. The II party or its branch office had not issued to the l party any appointment letter nor was he required to sign any attendance register. The appointmen of l party was purely on adhoc and temporary basis since the branch was opened in the month of April 1990 and the engagement on adhoc basis was to continue only till the regular part time sweepers and scavangers were selected by the branch after following the procedure prescribed for getting the candidates sponsored by the local employment exchange as per rules and subjecting them for selection through the prescribed procedure. Once the branch could finalise the selection of the regular part-timers for the jobs, the first party was informed that his services were no longer required by them as the regular part-time scavangers have already been appointed. The name of the I party had not been sponsored by the employment exchange. The I party has no right for absorption. The reference has to be rejected.

5. The authorised agent of I party has filed rejoinder, contending that the I party is a workman. The claimant's claim statement, under the provisions of the I. D. Act is valid and the delegation of power is on record. From the admitted facts in para 1 of the counter statement he II party had engaged the services of 1 party for a period of 1983 days from May 1990 to Dec., 1990 on a daily wage of Rs. 5'-. The II party is liable to

pay full wages for that period and regularise the services of I party. The I party was permitted to work for 183 days and there was no necessity for him to be sponsored by the employment exchange. His case is covered by the award NTB 1|85.

- 6. In the order sheet dt. 6-1-92 it has been stated by the Tribunal that the point for decision is covered by the schedule to reference. Hence no separate issue is required. It has been made clear that all other subsidiary points would be considered at the time of final arguments.
- 7. Subsequent to 6-1-92 the I party has field rejoinder on 7-2-92. Even on 7-2-92 what has been stated by the Tribunal on 6-1-92 has been reiterated in the order sheet.
- 8. It is contended in the statement of objections that the I party is not a workman as defined under the I. D. Act and so this reference is incompetent. It is well established that even temporary mazdoors like sweepers and badali workers are the workmen. So there is no substance in the contention that the I party is not a workman. I party is a workman.
- 9. It is stated in para 3 of the statement of objections that claim statement has not been signed by the I party workman, but only by the person assisting him. It would have been better if the trade union leader Mr. Sastry, who has been representing the I party workman had taken the signature of the I party workman to the claim statement, I find from the records that the I party workman has sent a letter by regd. post to this Tribunal authorising trade union leader Sri L.S.L. Sastry to represent the party workman. This authorisation, authorising Mr. Sastry to represent the I party workman has been received by this Tribunal on 16-9-91. In view of this authorisation, the fact that I party has signed the claim statement is only an irregularly and not an illegality. The strict rules of procedure are not applicable to proceedings before the Industrial Tribunals.
- 10. The case of the II party is that the appointment of the I party was purely a temporary appointment and so it is not open to the I party to contend that he should have been absorbed by the II party. The authorised agent for the I party relied on Ex. W. 2 to show that the I party workman had worked for 285 days continuously i.e., more than 240 days in a year Ex. W. 2 dt. 13-3-91 is the zerox copy of the letter writen by the Asst. Commissioner, Bellary to the Ministry of Labour, sending a failure report. What is stated in Ex. 2 is:
 - "During the course of the conciliation proceedings held on 13-3-91, the representative of the workman submitted that the workman had worked w.c.f. 15-3-90 to 31-12-90 as scuh he had rendered 285 days continuous service."
- It is argued by the Learned authorised agent that the H party has admitted in the proceedings

- before the A.L.C. Bellary during the conciliation procedings that the I party had worked for 285 days continuously. This submission is not correct. I have extracted above what has been mentioned by the A.L.C. Bellary. He has only referred to the stand of I Party who contended before the A.L.C. that he had worked for 285 days. Nothing more. Tre retail extracted above cannot be taken to mean that the II party has admitted that the I party had worked for more than 240 days continuously.
- 11. The Learned authorised agent relied on Ex. W.1. Ex. W.1 dt. 14-3-89 shows the instructions issued by the Central Office of LIC to all Zonal Managers and Officers in charge of divisions. On the strength of Ex. W.1 it is contended by the authorised agent that I party is entitled to be absorbed. It is clear from Ex. W.1 that it applies to "only those workmen who have worked as temporary badali or part-time employees during the period from 1-1-80 to 20-5-84" and not to others. The case of the I party is that he joined the II party's branch office at Gulbarga in May 1990 and worked upto Dec., 1990. This alleged period does not come within the relevant period mentioned in Ex. W.1. So the instructions in Ex. W.1 cannot be pressed into service by the I party.
- 12. The Learned authorised agent of I party relied on Ex. W.4 which is a detailed award passed by Honble Mr. Justice Jamdar, Presiding Officer of the N.I.T. at Bombay. It is clear from para 75 at page 34 that the benefits under the award Ex. W.4 have been granted to "temporary|badali|and regular part-time workmen w.e.f. 1-1-82, Moreover the award Ex. W.4 dt. 26-8-88 applied only to the parties to the award and not to I party workman.
- 13. The I party has stated in his evidence that he worked in the Gulbarga office from March 1990 to Dec., 1990, i.e. 15-3-90 to 15-12-90 continuously. If this say is to be believed, I party workman has worked for more than 240 days continuously. But nowhere has it been stated that the I party worked from 15-3-90 to 15-12-90. It is suggested to the I party workman in cross-examination at para 7 that he was cleaning the lavatory only from May 1990 to Dec., 1990. From this suggestion it is clear that the II party does not admit I party worked from Mar., 1990.
- 14. In the statement of objections the II party has stated in para 2 that the I party worked in the Gulbarga branch office for a period of 183 days from May 1990 to Dec., 1990 on dailywages of Rs. 5 per day. This means that according to II party I party has worked only for 183 days continuously. In the rejoinder filed or behalf of the I party, it is admitted in para 2 that the I party in fact worked only for 183 days from May 90 to Dec., 90 The discussion so far leads to the conclusion that the I party has worked only for 183 days, not for more than 240 days continuously.
- 15. In view of the fact that the I party workman has worked for less than 240 days, he is not entitled to reinstatement and absorption. The reference has therefore to be rejected.

16. The case of the II party is that in place of I party workman who was appointed purely on temporary basis a regular candidate sponsored by the employment exchange has been appointed as per II party's recruitment rules. The I party was not sponsored by the employment exchange and so I party cannot be considered for absorption. Learned counsel for the II party also relied on some authorities to show that the recruitment of a regular candidate made in pursuance of the names sponsored by the employment exchange was valid. Consideration whether the appointment made as per recruitment rules is valid or not would have arisen only if the I party workman had worked for 240 in a year only if a right continuously had accrued to him under the provisions of Sec. 25-B(2)(a) (ii) r|w. Sec. 25-B of the I.D. Act-

- 11. During the period the I party workman worked he has not been paid admittedly wages as per II party's circular Ex. W.3 dt. 25-2-87. The II party is directed to pay the I party wages as per Ex. W.3, less amount paid with interest at 12 per cent per annum.
- 12. All other documents and evidence not referred to by me are not relevant. In any case they do not alter my conclusions reached above.
- 13. For the aforesaid reason I pass the following order.

ORDER

The reference is rejected. Award passed accordingly. The II party is directed to pay the I party the balance of wages as per their circular Ex. W.3 with interest at the rate of 12 per cent per annum less amount already paid. Submit to Government.

(Dictated to Stenographer, typed by him, corrected, signed by me on this 29th day of March 1994)

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer

नई दिल्ली, 13 ग्रंग्रेल, 1994

का. ग्रा. 1040 :—-कर्मचारी राज्य बीमा श्रधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एततद्वारा 1-5-1994 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय-4 धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की

जा चकी है (और अध्याय-5 और 6) धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रयुक्त की जा चुकी है) के उपबन्ध तमिलनाडु राज्य के निम्नलिखित क्षय में प्रवृत्त होंगें, अर्थात्:—

"जिला चेंगलपटटू एम जी धार के तालुक गुमीडीपून्डी में राजस्व ग्राम चिन्यलाकुष्पम, करमबुकुष्पम,
पष्पनकुष्पम, पेडीकष्पम, पुराना गुमीडीपून्डी, पुडू (नया)
गुमीडीपून्डी, पालेसवरन्कानडीगाई, इक्वरीयापलायम, चिथुरनाथम, सीक्ष्पुलालालपेटाई, पेरीयाओबुलापुरम, नाटटम,
नर्रासहपुरम, धूरापल्लम, चिन्ना ओबुलापुरम, थरवजही,
श्रत्पक्कम, चिन्नासोलीयमबक्कम, पेरीयामोलीयमबक्कम,
ईनाडीमेलपक्कम, कुरूबात्चेरबी, नंगापल्लम, वरकाडू किलमुदालामबेडू, धंवलाचेरी, और केतनामाल्ली के श्रन्तर्गत ग्राने
वाले क्षेत्र"।

[संख्या : एस-38013/5/94-एसएस-I]

जे. पी, शुक्ला, श्रवर सचिव

New Delhi, the 13th April, 1994

S.O. 1040.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 1st May, 1994 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI (except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Tamil Nadu namely:—

Areas comprising revenue villages of CHINTHA-LAKUPPAM, KARUMBUKUPPAM, PAPPAN-KUPPAM, PEDDIKUPFAM, OLD GUMMIDI-POONDI, PUDU (NEW) GUMMIDIPUNDI. PALESWARANKANDIGAL, ECUVARIAPALA-YAM, CHITHURNATHAM, STRUPULALAL PERIAOBULAPURAM. PETTAI, NATTAM, NARASINGAPURAM, THURAPALLAM, CHINNA OBULAPURAM, THERVAZHI, ATTUPAKKAM, CHINNASOLIAMBARKAM. PERIASOLIAMBA-KKAM, ENADIMELPAKKAM, KURUVATU-CHERBY, NANGAPALLAM, VERKADU, KILMU-DALAMBEDU, THANDALACHERRY, KETANA-MALLEE OF Gummidipoondi taluk in Chengalpattu M.G.R. District.

[No. S-38013|5|94-SS.I)
J. P. SHUKLA, Under Secy.

(रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय)

नई दिल्ली, 13 शप्रैल, 1994

का. था. 1041 :— केन्द्रीय सरकार, शिक्षु ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 52) की धारा 2 के खण्ड (ङ) हारा प्रदत्त शिक्तवों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय शिक्षुता परिषद् में परामर्श करने के पश्चात् प्रधिनियम, के प्रयोजनों के लिए, स्नातक और तकनीकी शिक्षुओं के लिए निम्नलिखित विषय क्षेत्र को, श्रभिहित व्यवसाय के रूप में और विनिर्दिष्ट करनी है, ग्रथीत :—

"उत्पादन इंजीनियरी और औद्योगिक प्रबन्ध"

[सं. डीजीईटी-23(10)/93-एपी.]

बी. एल. भूषण, भ्रवर सचिव

(Directorate General of Employment & Training)

New Delhi, the 13th April, 1994

S.O. 1941.—In exercise of powers conferred by clause (e) of Section 2 of the Apprentices Act, 1961 (52 of 1961), and after consultation with the Central Apprenticeship Council, the Central Government hereby further specifies the folloing subject field as a designated trade, for Graduate and Technician Apprentices, for the purposes of the Act, namely:—

"Production Engineering and Industrial Management."

[No. DGET-23(10)|93-A-P]
B. L. BHUSHAN, Under Secy.